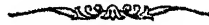




समस्त भारतवर्ष तथा विदेशों में छपी संस्कृत, प्राकृत,
पाली, अवस्था तथा प्राचीन भारत के इतिहास
सम्बन्धी पुस्तकों का

बृहद् सूचीपत्र



प्रकाशक

मोतीलाल बनारसीदास

अध्यक्ष—पंजाब संस्कृत पुस्तकालय

सैदमिट्ठा बाजार

लाहौर

संवत् १९८६

सन १९३२

प्रकाशक:—

मोतीलाल बनारसीदास
अध्यक्ष—पंजाब संस्कृत पुस्तकालय
सैदमिह्रा बाजार, लाहौर ।

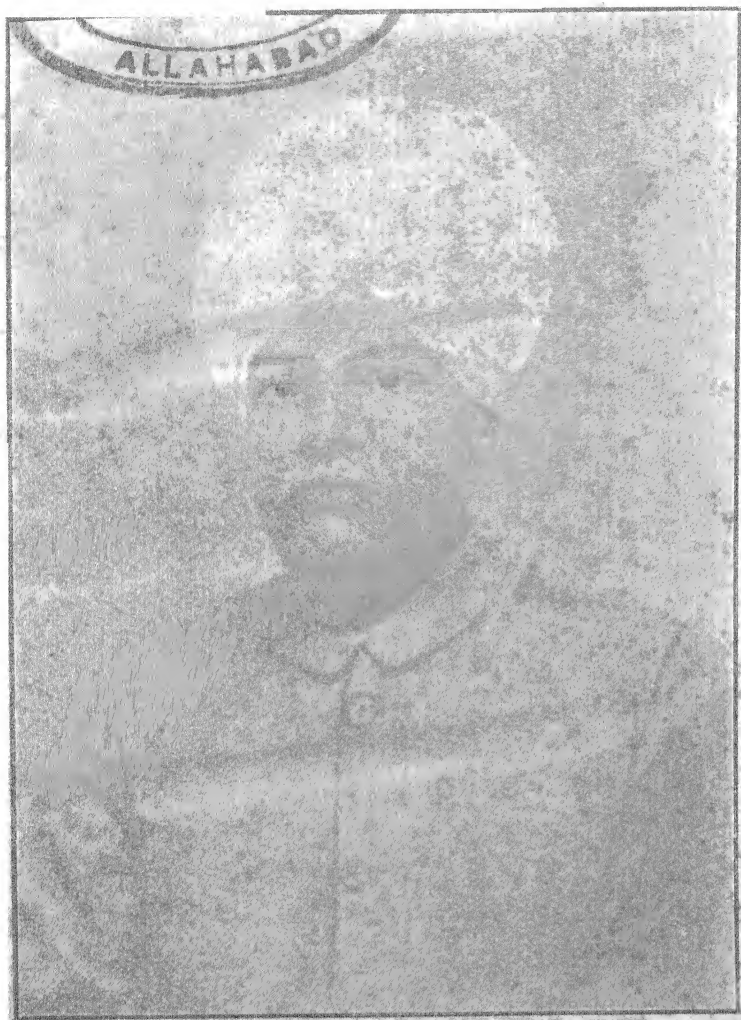
(All Rights Reserved).

1932.

मुद्रक:—

दुर्गादास प्रभाकर
मैनेजर—मुंबई संस्कृत प्रेस
सैदमिह्रा बाजार, लाहौर ।

ALLAHABAD



LATE LALA MOTILAL JOHRI

FOUNDER OF

The Punjab Sanskrit Book Depot

LAHORE

Born 1874

Died 1930

**“Extract from the Presidential Address by
Mahamahopadhyaya Dr. Haraprasad Sastri
M. A., C. I. E., Hon. D. Litt. Calcutta at the
Fifth Indian Oriental Conference, Lahore 1928.**

“The firm of Moti Lal Banarsi Dass have absorbed nearly the whole of Indian and much of European book-trade on Indology. They have enlisted the co-operation of some of the best men in Europe and in India in giving to the world choice books on Indian subjects; they obtained the help of men like Dr. Thomas to publish the Bārhaspatya Sūtra a work on economics evidently more ancient than even Kauṭilya. They entrusted men like Jolly to publish the Kauṭilya Artha Śāstra and like Caland to publish the Śatapatha Brāhmaṇa of the Kāṇva Śākhā. The Śathapatha has two recensions,—Mādhyandina in 14 and Kāṇva in 17 Kāṇḍas. The Mādhyandina was published long ago by Weber and others, but the Kāṇva was not published before this; yet the Brhadāraṇyaka Upaniṣad which Śaṅkara commented upon belongs to the Kāṇva and not the Mādhyandina Śākhā. Therefore the publication of the Kāṇva Śākhā will be of great importance not only to the Vedic scholars, but also to the scholars of Advaita philosophy. Another noteworthy publication of this firm is Dr. R. C. Majumdar’s Work on Campā—the first publication of the Greater India Society, a body which has taken upon itself the laudable enterprise of making known to the intelligentsia of India, the story of what India achieved abroad.”

FEW WORDS

This time we are bringing out this big catalogue containing more than 5000 books relating to Sanskrit, Prakrit, Pali, Avesta and Ancient India published all over the world. All the books are given under different subjects arranged alphabetically. We have tried our best to complete this catalogue as far as possible and it is for the scholars to judge whether we have succeeded in our efforts or not. By placing this catalogue before the public, we hope the lovers of Indian Antiquity will utilize this fully and thereby will place all their requirements with us.

The Publishers

निवेदन

हम अपने प्रिय ग्राहक महोदयों से निवेदन करते हैं कि अबकि बार इस सूचीपत्र में लगभग ५००० पुस्तकों का समावेश किया गया है तथा अपनी ओर से यह प्रयत्न किया गया है कि पृथ्वी भर की छुपी, संस्कृत, प्राकृत, पाली, अवस्ता तथा भारत की प्राचीन संस्कृति के ऊपर जो २ भी ग्रन्थ इस समय मिलते हैं उनको इसमें विषयानुसार अकारादि क्रम से दर्ज किया है ताकि हर एक सज्जन को पुस्तक ढूंढने में कठिनाई न पड़े—विशेषतया अपनी ओर से इसे जहां तक बन सका है पूर्ण बनाने का प्रयत्न किया है—आगे हम इसमें कहां तक सफल हुये हैं। यह तो ग्राहक महोदय ही निर्णय करेंगे। आशा है ग्राहक महोदय इस से पूरा लाभ उठाकर अपनी आवश्यकताओं से हमें स्मरण करेंगे। प्रकाशक

RULES AND REGULATIONS

1. Owing to the fluctuation of the foreign exchange rates the prices, of American, German, and French books are increased. The prices of the foreign books will always be charged at the prevailing market prices.
2. Books once sold will not be taken back but if there will be any mistake on our part, it will be rectified.
3. Liberal Discount will be allowed on large orders.
4. To ensure prompt and due attention correspondence may be made preferably in English, Sanskrit, Hindi or Urdu.
5. All correspondence should be reply pre-paid.
6. If the goods are required by Railway parcel, please note to mention the nearest Railway Station.
7. Orders below Rs. 1-0-0 must accompany the full price of the books with postage charges in post stamps or M. O.
8. Nothing should be dishonoured outright after placing a clear order. In case of any complaint customer may write forthwith and the same will be duly attended to. The V. P. P's can be deposited in the Post Office for seven days only.
9. Authors and Publishers of new Oriental Books desirous of making their works known to Oriental students, scholars and Librarians in all parts of the world can best attain that object by sending us one copy of their new publication so that the same may be included in our new Catalogue.
10. Oriental Scholars are invited to submit their Mss. to us for publication, when the same will receive every attention.

नियम

- १ विदेशों की हुण्डी का भाव चूंकि हर समय बढ़ता घटता रहता है इसलिये विदेशों में छपी पुस्तकों का दाम भी सदा हुण्डी के अनुसार चार्ज किया जावेगा ।
 - २ बिकी पुस्तक वापिस नहीं ली जावेगी ।
 - ३ बड़े आर्डरों पर कमीशन दिया जाता है ।
 - ४ पत्र व्यवहार, अंग्रेजी, संस्कृत, हिन्दी तथा ऊर्दू आदि किसी एक भाषा में स्पष्ट लिखा होना चाहिये ताकि तुरन्त ही उसका उत्तर दिया जा सके ।
 - ५ उत्तर के लिये जवाबी कार्ड भेजना चाहिये ।
 - ६ अगर पुस्तकें रेलवे पार्सल द्वारा मंगानी तो जहां भेजनी हो उस रेलवे स्टेशन का नाम लिखना चाहिये ।
 - ७ एक रु. के नीचे के आर्डर के लिये बी. पी. नहीं भेजा जावेगा उसके लिये पुस्तकों का दाम तथा लगभग डाकखर्च दोनों के लिये टिकट भेज देने चाहियें ।
 - ८ बी. पी. को मंगाकर कभी वापिस नहीं करना चाहिये अगर कोई भूल हो तो लिखकर सुधरवा लेनी चाहिये डाकखाने में बी. पी. ७ दिन तक अमानत रखा जाता है ।
 - ९ पुस्तकों के प्रकाशकों तथा कर्त्ताओं से निवेदन है कि वह अगर अपने छपे नये ग्रन्थों को सारे भारतवर्ष तथा विदेशों में प्रसिद्ध करना चाहते हैं तो उन्हें चाहिये कि हर एक नई पुस्तक की एक २ प्रति हमें अवश्य भेजें ताकि उनकी सूचना बराबर हमारे सूचीपत्रों में निकलती रहे ।
 - १० विद्वानों को अपनी हस्त लिखित पुस्तकों को छपवाने के बारे में हमसे पत्र व्यवहार करना चाहिये उनपर उचित विचार किया जावेगा ।
-

(Contents) विषयानुक्रमणिका

नं.	विषय	पृष्ठ	नं.	विषय	पृष्ठ
1	ऋग्वेद ग्रन्थ	1	26	पुराण ग्रन्थ	79
2	कुष्णयजुर्वेद "	6	27	माहात्म्यादि "	84
3	शुक्ल "	8	28	व्याकरण "	85
4	सामवेद "	11	29	प्रस्ताव "	97
5	अथर्ववेद "	13	30	काव्य "	97
6	General books on Vedic Literature.	16	31	नाटक "	109
7	उपनिषद् ग्रन्थ	19	32	चम्पु "	120
8	वेदाङ्ग "	25	33	भाष्य "	121
9	छन्दग्रन्थ	27	34	आख्यायिका(गद्यकाव्य)	121
10	धर्मशास्त्र "	28	35	अलङ्कार ग्रन्थ	127
11	कर्मकारण्ड वा प्रयोग "	36	36	कोश "	131
12	पाञ्चरात्र आगम ग्रन्थ	39	37	शिल्पशास्त्र "	136
13	पूर्व मीमांसादर्शन "	40	38	मन्त्रशास्त्र "	136
14	वेदान्त "	42	39	वैद्यक (चिकित्सा) "	140
15	सांख्य "	55	40	ज्योतिष ग्रन्थ	146
16	योग "	56	41	नीति "	152
17	न्याय "	59	42	संगीतशास्त्र "	155
18	जैन न्याय "	64	43	वल्लभसम्प्रदाय "	156
19	बौद्ध न्याय "	65	44	स्तोत्र ग्रन्थ	157
20	वैशेषिक "	67	45	जैन "	158
21	General Books on Indian Philosophy	68	46	बौद्ध "	175
22	शैव ग्रन्थ	69	47	Parsism	190
23	भक्ति "	71	48	Catalogues of Mas.	191
24	गीतादि "	71	49	Art and Architecture	195
25	इतिहास "	74	50	Histories of Literatures	197
			51	Commemoration Vols.	199
			52	Archaeology, Epigraphy Ethnography and Palaeo- graphy	199

53 Ancient Indian History	204	64 Works in the Press	248
54 Indian Economics & Politics	208	65 पं. सं. पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ	249
55 General books on India	209	66 O. Publications of the Pb. University	262
56 Reports of the Oriental Conferances	220	67 Agency Books	263-272
57 Journals and magazines	220	68 Dacca University Publication	272
58 Sexual Science	221	69 Agency Books.	273-275
59 Addenda	223	70 Karanja Jain Series	276
60 Allahabad University Studies	225	71 D. A. V. College Series	276
61 P. W. Saraswati Bhavana Studies	230	72 Gaekwad Oriental Series	277
62 Punjab Oriental Series	232	73 P. W. Saraswati Bhavana Texts	282
63 Books out of Series	245	74 Some important Publications of Calcutta University.	287

JUST PUBLISHED!

JUST PUBLISHED!

YOGA

As the System of Physical Culture
and

How to defy disease, old age, and
death

BY

PRAKASH DEV

WITH 33 ILLUSTRATIONS

1932

Price Rupee one only.

A

CLASSIFIED CATALOGUE

Generally for the use of Scholars
and Libraries.

ऋग्वेदग्रन्थ

- १ आश्वलायनगृह्यसूत्र—मूलमात्र खुलापत्रा मुम्बई १॥
- २ आश्वलायन गृह्यसूत्र—गार्ग्यनारायणीवृत्ति गृह्यपरिशिष्टादि २॥
- ३ आश्वलायन गृह्यसूत्र—गार्ग्यनारायणीवृत्ति सहित अत्युत्तम
सोसाइटी के छापे का दुष्प्राप्य कलकत्ता १२॥
Aswalayana Grihya Sutra with the comm. Gargya
Narayana critically edited by Ramnarayana Vidyaratna
1869 Very rare. Calcutta 12-0-0
- ४ आश्वलायनगृह्यसूत्र—हरदत्त कृत व्याख्या सहित द्विवेङ्कम् २॥
- 5 Aswalayan Grihya Sutra—German trans. by Stenzler
Germany 5-0-0
- ६ आश्वलायनगृह्यसूत्र प्रयोगदीपिका २ भाग में काशी ३॥
- ७ आश्वलायनश्रौतसूत्र—गार्ग्यनारायणीवृत्ति सहित पूना ४॥
- ८ ऋग्वेद संहिता—मूल संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई ३॥
- ९ ऋग्वेद संहिता—मूलमात्र बुकसाइज अजमेर ३॥
- १० ऋग्वेद संहिता—पदपाठ सहित अत्युत्तम २ भागों में ५०॥
Hymns of the Rigveda in the Samhita and Pada text
edited by F. Max Muller in 2 parts. Europe 50-0-0
- ११ ऋग्वेद संहिता—सायणभाष्य सहित तथा भट्टमोक्षमुल्लर द्वारा
संशोधित संपूर्ण चार जिलदों में बढ़िया संस्करण २६७॥
Rigveda Samhita with the Bhashya of Sayanacharya
critically edited by F. Max Muller complete in 4 Vols.
Europe 267-0-0
- १२ ऋग्वेद संहिता—सायणाचार्य कृत भाष्यसहित प्रथमाष्टकस्य
द्वितीयाध्याय पर्यन्त—सुसाइटी का छाप कलकत्ता ३०॥

- Rigveda Samhita with the commentary of Sayana and English trans. by Dr. E. Roer. Only first two lectures. very rare 1848. Calcutta 30-0-0
- 13 Rigveda Samhita—text, Swarachinha Padapatha, Sayan Bhasyam, Marmanusarini Sanskrit Vyakhya, Banganubad elaborate notes and explanations in Sanskrit and Bengali by Pt. Durgadass Lahiri. All In Bengali script. Complete well bound with gold letters in 16 Vols. 252-0-0
- १४ ऋक्संहिता-स्कन्दस्वामि कृत भाष्येण वेङ्कटमाधवाचार्य कृत व्याख्यानेन च सहिता-प्रथमः सम्पुटः प्रथमेऽष्टके प्रथमाध्यायः अविशिष्ट मुद्रयते दिवेंड्रम् १॥=)
- १५ ऋग्वेदसंहिता-वैदिक जीवन भाष्य तथा हिन्दी अनुवाद सहित लाहौर २५)
- १६ ऋग्वेदभाष्यटीका-सम्बन्धदीपिका श्रीचार्लयाचार्य कृत टीका केवल ४० सूक्त मुम्बई ६)
- 17 Rigveda Hymns (Selection) with Sayanbhashya. 2-13-0
- 18 Hymns from the Rigveda with Sayana's comm. notes and English trans. by Peterson (Selection) Part I 2-0-0
- 19 Do Do Part II Revised ed. 5-8-0
- 20 Riksangraha—or a University selection of Vedic Hymns with the comm. of Sayana ed. by V. G. Bijapurkar 2-0-0
- 21 Rigveda translated into English by Max Muller Vol. I all published. Very rare. 10-0-0
- 22 Hymns of the Rigveda translated into English by T. H. Griffith in 2 Vols. Benares 14-0-0
- 23 Rigveda Samhita translated into English with several useful notes from commentaries by M. N. Datt in 2 Vols. Very rare. Calcutta 35-0-0
- 24 Rigveda Samhita—Original text and Latin trans. by F. Rosen. Very rare. Europe 12-0-0
- 25 Rigveda translated into French by Langlois complete in 4 Vols. Very rare set 1848 Europe 100-0-0
- 26 Der Rigveda order d'e heiligen Hymnen der Brahmana Zum ersten male vollstendig ins Deutsche ubersetzt mit commentar und einleitung von A. Ludwig. Complete German translation in 6 Vols. 1876-1888. Very rare set Prag 200-0-0

- 27 Rigveda translated into German by H. Grassman. This work is specially useful giving a convenient general view of the Rigveda and as enabling the student to grasp easily many matters touching the metres the arrangement and the textual condition of the original. Complete in 2 Vols. Europe 36-0-0
- 28 Rigveda translated into German by Geldner Vol I. 31-0-0
- 29 Der Rigveda in Auswahl von K. F. Geldner 1909 9-0-0
- 30 Hymns from Rigveda in English by Macdonell 1-4-0
- 31 Rigveda—the oldest literature of Indians by A. Kaegi translated into English with addition to the notes by R. Arrowsmith. Very useful Europe 10-0-0
- 32 The Apokryphen of the Rigveda (Khilani recension) text edited by Dr. Scheftolowitz Europe 10-0-0
- 33 Rigvedic India by Abinaschandra Dass Calcutta 10-0-0
- 34 Rigvedic Culture by „ „ „ 10-0-0
- 35 Lectures on Rigveda by Ghate Poona 3-0 0
- 36 Rigveda Repititions or the repeated verses distichs and stanzas of the Rigveda systematic presentation and with critical discussion and notes in English by Bloomfield in 2 Vols. America 36-9-0
- 37 The Doctrine of Revelation in the Rigveda by D. C. Acharya. 0-12-0
- 38 Beitrage Zur Metrik des Avestas und des Rigvedas von J. Hertel. 1927 Germany 8-0-0
- 39 God Varuna in the Rigveda by Griswold English. 3-8-0
- 40 Religion of Rigveda by Dr Griswold „ 8-0 0
- 41 Worterbuch des Rigveda by W. Neisser 1924-30 in 2 parts in German. Germany 15-8-0
- 42 Der altindische Gott Varuna des Rigveda von K. Bohnenberger 1893 Germany 8-0-0
- 43 Recherches sur les conception economiques et politiques dans l' Inde Ancienne d' apres Le Rigveda by H. C. Joshi in French 1928 6-0-0
- 44 Bidrag Rigvedas Tolkning of Johansson Upsala 2 0-0
- 45 Ushas og Ushashyamuerne Rigveda by E. Brandis 10 0 0
- 46 Die Gotter des Rigveda von F. Bonsens 1894 1-0-0
- 47 Stilgeschichte und Chronologie des Rigveda by W. Wust

- in German 1928. Germany 12-0-0
- 48 *Mysterium und Mimus im Rigveda* by Schroeder in German 1908. Bound. Germany 15-0-0
- 49 *The Riks or Primeval Gleams of Light and Life* by T. Paramasiva Iyer Madras 5-0-0
- 50 *Pushan in Rigveda* by Siecke in 2 pts. (German) 6-0-0
- 51 *Altindisch Verbum—aus dem hymen des Rigveda* von Delbruck 1874 Germany 5-0-0
- 52 *Myths of the Rigveda and the Indian tradition* by E. Sieg in German. Germany 6-0-0
- 53 *Die Dānastutis des Rigveda* by Patel Germany 5-0-0
- ५४ ऋग्वेदीय नित्यविधि—मूल मुम्बई 1=)
- ५५ ऋग्वेद पर व्याख्यान—पं० भगवदत्त कृत हिन्दी लाहौर १॥)
- ५६ सभाष्य ऋक्संहितायाः ऋचां वर्णानुक्रम सूची दुष्प्राप्य १२)
- ५७ ऋग्वेद प्रतिशाख्य—शौनक प्रणीत—उवट भाष्य सहित काशी ६)
- ५८ ऋग्वेद प्रतिशाख्यम्—उवट भाष्यानुसारिण्या व्याख्यया समेतम् with introduction. कलकत्ता २॥)
- 59 *An introduction to Rigveda Pratishakhya* by Dr. Mangal Dev Shastri. Rare. Europe 5-0-0
- ६० ऋग्वेदीय ब्रह्मकर्म समुच्चय मूल मुम्बई २॥)
- ६१ ऋग्वेदभाष्योपक्रमशिका—सायण कृत कलकत्ता ॥)
- ६२ ऋग्वेदभाष्यभूमिका—मूल अजमेर ॥)
- ६३ ऋग्वेद मंत्रार्थमंजरी—श्रीचार्लयाचार्य कृत केवल ४० मूक ३॥)
- ६४ ऋग्वेदमंत्रसंहिता—सखरपाठ मुम्बई १॥)
- ६५ ऋग्यजुस्सामाथर्वविधानम् " =)
- ६६ ऋग्विधान—शौनकाचार्य प्रणीत मूल मदरास ॥॥)
- ६७ ऋग्वेद सर्वानुक्रमणी—कात्यायन प्रणीत वेदार्थदीपिका सहित अत्युत्तम विलायत १८)
- Rigveda Śaṭvanukramni of Katyayana with extracts from Shadgurushishya's commentary Vedarthadipika edited with critical notes and appendix by A. A. Macdonell Europe 18-0-0*
- ६८ ऐतरेयारण्यक—मूलमात्र मुम्बई १)
- ६९ ऐतरेयारण्यक—सायणाचार्य कृत भाष्य सहित पुना ३)
- 70 *Aitareyāranyaka* edited with text, introduction, English

translation, notes, index and an appendix containing the portion hitherto unpublished of the Shankhayan Aranyak by A. B. Keith. 23-10-0

- ७१ ऐतरेयब्राह्मण—मूलमात्र खुलापत्रा १॥ तथा मुम्बई १)
- ७२ ऐतरेयब्राह्मण—सायणाचार्य कृतभाष्य सहित कलकत्ता १७)
- ७३ ऐतरेयब्राह्मण— „ „ २ भागों में पूना १०॥=)
- 74 Aitereya Brahman text ed. with the comm of Sayana by Aufrecht in Roman. Germany 15-0-0
- 75 Aitereyabrahman translated into English by M. Haug in 2 parts. Allahabad 9-0-0
- 76 Aitereyabrahman, text, Eng. notes & translation by M. Haug in 2 Vols. 1883 Very rare. Bombay 30-0-0
- 77 Rigveda Brahman—The Aitereya and Kaushitaki Brahman translated into English by A. B. Keith 27-10-0
- 78 Word Index to Aitereya Brahman Bombay 4-0-0
- 79 Grammatiscche in Aitereyabrahman by Bohtlingk 1-8-0
- ८० ऐतरेयालोचन—अर्थात् ऐतरेयब्राह्मणस्योपद्रात कलकत्ता २)
- ८१ कौषीतकिब्राह्मण—संपूर्ण अत्युत्तम दुष्प्राप्य यूरुप १५)
- Das Kaushitaki Brahmana—herausgegeben und uebersetzt von B Linder 1887. Jena 15 0-0
- ८२ पार्षदसूत्रम्—(ऋक्षप्रातिशाख्यम्) मूल (शौनक प्रोक्तं) ५)
- ८३ पार्षदसूत्र वृत्तिसहित दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
- ८४ बृहद्देवता—शौनकाचार्य कृत सम्पूर्ण दुष्प्राप्य कलकत्ता ५)
- ८५ बृहद्देवता—मूल तथा अंग्रेजी टीका सहित २ भागों में २७॥=)
- Brihaddevata—a summary of the deities and myths of the Rigveda together with English notes and trans. by A. A. Macdonell 2 Vols. America 27-10-0
- ८६ शाङ्खायनारण्यक—मूल पूना ॥=)
- 87 Shankhayan Aranyak with an appendix on the Mahavrata translated into English by A. B. Keith 5-12 0
- 88 Shankhayan Aranyaka text with German trans. by Friedlander. Germany 5-0-0
- ८९ शाङ्खायनगृह्यसंग्रह तथा कौषीतकी गृह्यसूत्राणि काशी १॥)
- ९० शाङ्खायनब्राह्मण—मूल पूना १)
- ९१ शाङ्खायन श्रौतसूत्र—चरदत्तसुत अनृत्य कृत भाष्य दुष्प्राप्य २०)
- ९२ खराड्कुश—(ऋग्वेदस्य) जयन्त रचित सटीक कलकत्ता २)

- ६३ सर्वानुकमणी-कात्यायन विरचित ed. by Macdonell १०)
 94 Hymns of the Gaupayanas and the legend of King
 Asmati by Max Muller. Very rare 1866. Europe 15-0-0

कृष्ण यजुर्वेद ग्रन्थ

- ६५ आपस्तम्बीयगृह्यसूत्र—हरदत्तकृत अनाकुला तथा तात्पर्य-
 दर्शन सहित काशी ४)
 ६६ आपस्तम्बीयगृह्यसूत्र—सुदर्शनाचार्य कृत टीका सहित
 Critically edited by A. Mahadeva Sastri Very rare
 Mysore 15-0-0
 ६७ आपस्तम्ब परिभाषासूत्र—कपर्दिस्वामि विरचितन भाष्येण
 हरदत्ताचार्य विरचितया व्याख्याया च समेतम् दुष्प्राप्य मैसूर १०)
 ६८ आपस्तम्ब शुल्बसूत्र—कपर्दिस्वामि, करविन्द और सुन्दरराज
 कृत ३ व्याख्याओं सहित १६३१ मैसूर ३)
 ६९ आपस्तम्ब श्रौतसूत्र—रुद्रदत्त कृत व्याख्या सहित ३ जिल्दों
 में संपूर्ण सोसाईटी का दुष्प्राप्य कलकत्ता १९५)
 Apastamba Srauta Sutra with the comm of Rudradatta
 ed. by R Garbe complete in 3 Vols. Very rare. 125-0-0
 100 Apastamba Srauta Sutra translated into German by
 Dr. W. Caland, c mplete in 3 Vols Europe 52-0-0
 १०१ एकाग्रिकाण्ड—(कृष्णयजुर्वेदीय) हरदत्त मिश्र विरचित व्या-
 ख्या सहित दुष्प्राप्य मैसूर २०)
 १०२ काठक गृह्यसूत्र—सटीक लाहौर ७)
 Kathak Grihya Sutra with extracts from three com-
 mentaries, appendix and indexes ed. by Dr. W. Caland
 Lahore 7-0-0
 १०३ काठक संहिता (शाखा) कृष्णयजुर्वेदीय ४ भागों में संपूर्ण ४०)
 Kathakam Samhita or Katha Sakha of the Black Ya-
 jurveda ed. with notes, intro. etc. by L. Schroeder and
 Index Verborum by R. Simon. Complete in 4 Vols.
 Germany 40 0-0
 १०४ तैत्तिरीयारण्यक-सायण भाष्य सहित २ भागों में संपूर्ण पूना ६-)
 १०५ तैत्तिरीयारण्यक-भट्टभास्कर कृत भाष्य सहित संपूर्ण मैसूर ३०)
 Taittiriya Aranyaka with Bhatta Bhaskar's Bhashya
 Critically edited by A. Mahadeva Sastri. Complete in
 3 Vols. Mysore 30-0 0

- १०६ तैत्तिरेय प्रातिशाख्य—त्रिभाष्यरत्न टीका सहित दुष्प्राप्य १५)
- १०७ तैत्तिरेय प्रातिशाख्य—सोमयार्यविरचित त्रिभाष्यरत्नाख्य व्याख्या मार्ग्य गोपाल यज्व विरचित वैदिकाभरणाख्य व्याख्या च सहितम् Critically edited by R. Shamasastry. Very rare Mysore 30-0-0
- १०८ तैत्तिरेय प्रातिशाख्य—पदक्रमसदनभाष्य सहित मदरास २॥)
- १०९ तैत्तिरेयब्राह्मण—सायणाचार्य कृत भाष्यसहित ३ भाग पूना १४॥)
- ११० तैत्तिरेयब्राह्मण भट्टभास्कर कृत भाष्यसहित . भाग खंडित १०॥)
- १११ तैत्तिरेय संहिता—(कृष्णयजुर्वेद) मूल खुले पत्रे मुम्बई ४॥)
- ११२ तैत्तिरेय संहिता—सायणाचार्य कृत भाष्यसहित संपूर्ण ४८॥)
- 113 Taittiriyaśamhita—text in Roman character ed. with notes etc by A. Weber. complete in 2 Vols. Germany 25-0-0
- ११४ तैत्तिरेयसंहिता—भट्टभास्कर प्रणीत संस्कृत भाष्य १० खण्ड सुन्दर अक्षर सजिह्द दुष्प्राप्य मैसूर ६०)
- Taittiriyaśamhita with the commentary of Bhattabhaṣkar in 10 Vols. as far as published. Very rare. 90-0-0
- 115 Taittiriyaśamhita or the Black Yajurveda translated into English from the original Sanskrit Prose and Verse with a running commentary by A. B. Keith in 2 Vols. America 36-9-0
- ११६ तैत्तिरीयसंहितायाः पदानुक्रमणी पूना २)
- Word Index to Taittiriya Śamhita compiled by Parshuram Sastri Part I. Poona 2-0-0
- ११७ पितृमेध सूत्राणि—बौधायण, हरिण्यकेशी तथा गौतम यूरुप १०)
- Pitramedhśutras of Baudhayana. Hiranyakesin and Gautam—Text with critical English notes and an index by Dr. W. Caland. Germany 10-0 0
- ११८ बौधायन गृह्यसूत्र—अत्युत्तम मैसूर २॥)
- 119 Baudhayana Ritual Sutra by Dr Caland. Germany 2-0-0
- 120 Baudhayana Grihya Parisishtasutra text edited with English trans'ation, notes and intro. by Harting. 10-0-0
- १२१ बौधायन पितृमेधसूत्र—यूरुप ८)
- Baudhayana Pitramedh Sutra, original text with comm. and trans in Dutch by Dr. Ruabs Europe 8 0 0
- १२२ बौधायन श्रौतसूत्र संपूर्ण ed. by Dr. Caland दुष्प्राप्य २०)

- १२३ भारद्वाज गृह्यसूत्र-अत्युतम् दुष्प्राप्य यूरोप १५)
Bhardwaj Grihya Sutra critically edited by Salcmoms.
very rare. Europe 15-0 0
- १२४ मानवगृह्यसूत्र-अष्टावक्र कृत भाष्य सहित बड़ोदा ५)
१२५ मानव श्रौतसूत्र-अत्युतम् ३ भागों में दुष्प्राप्य रशिया २५)
Manava Srauta Sutra ed. by F. Knauer in 3 parts.
Very rare. Russia 25 0-0
- १२६ मानव श्रौतसूत्र-चयन यूरोप ५)
१२७ मैत्रायणीसंहिता-(कृष्णयजुर्वेदीय) संपूर्ण जर्मनी २४)
Maitrayini Samhita of the Black Yajurveda critically
edited by L. Schroeder complete Germany 24 0-0
- १२८ मन्त्रपाठ आपस्तम्बीयों का विलायत १०॥)
Mantrapath or the Prayer Book of the Apastambis
text edited by Winternitz' Europe 10-8-0
- १२९ यज्ञपरिभाषासूत्र-धूर्तस्वामि कृत टीका सहित दुष्प्राप्य ३०)
१३० रुद्राध्याय-सायण तथा भट्टभास्कर कृत भाष्य सहित १॥)
१३१ लौगाक्षि गृह्यसूत्र-देवपाल कृत भाष्य सहित अत्युतम् २॥)
132 Uber das Vadhulasutra von W. Caland 1-8 0
१३३ वैखानसस स्मार्त्त (गृह्य) सूत्र—ed. by Dr. Caland. 1-8-0
134 Vaikhanasasamartasutram translated into English by Dr.
W. Caland. Calcutta 3-12-0
- 135 Vyasa Ciksha zum T. Pratishakhya by Luders 10 0 0
- १३६ वाराहगृह्यसूत्र-मूल संपूर्ण बड़ोदा ॥॥)
१३७ सत्याषाढ श्रौतसूत्र-महादेव कृत वैजयन्त व्याख्या सहित
तथा ज्योत्सनां व्याख्या सहित ८ भागों में पूना २१-)
१३८ हिरण्यकेशीयगृह्यसूत्र-सटिप्पण दुष्प्राप्य यूरोप १०)
Hiranyakesm Grihya Sutra with extracts from the
comm. of Maitri Datt edited by Dr. J. Kirste. 10-0-0
- १३९ हिरण्यकेशीयब्रह्मिकोपयोगी मंत्रसंग्रह मुम्बई १॥)

शुक्लयजुर्वेद ग्रन्थ

- १४० 'इषे त्वा ऊर्जे त्वा'-भाष्यकृत वैदिकमुनि लाहौर ॥)
१४१ उत्सर्जनोपाकरण प्रयोगः काण्वशास्त्रीय ॥२)
१४२ कात्यायन श्रौतसूत्र-कर्कभाष्य सहित संपूर्ण ग्रन्थ
१४३ कात्यायन श्रौतसूत्र-कर्कभाष्य सहित ११ अध्याय तक काशी ६)

- १४४ चरणव्यूह—परिशिष्टसूत्र सभाष्य काशी ॥)
 १४५ पवमानपञ्चसूक्त— मुम्बई ॥)
 १४६ पारस्कर गृह्यसूत्र—मूल काशी ॥)
 १४७ पारस्करगृह्यसूत्र—हरिहरभाष्य सहित मुम्बई २)
 १४८ पारस्कर गृह्यसूत्र—हरिहरभाष्य सहितम्—लाधाराम संशो-
 धित दुष्प्राप्य ३)
 १४९ पारस्कर गृह्यसूत्र—हरिहर-गदाधर-जयराम भाष्य काशी ३)
 १५० पारस्कर गृह्यसूत्र—श्रीकौपीयाध्याय जयराम, हरिहर, गदाधर
 विश्वनाथ प्रणीत भाष्य पंचक समलंकृतम् मुम्बई ६॥)
 १५१ पारस्कर गृह्यसूत्र—५ भाष्य कामदेव कृत भाष्य मुम्बई ७)
 152 Paraskara Grihya Sutra text etc with German trans-
 lation by Stenzler. Very rare Germany 9-0-0
 १५३ पुरुषसूक्त—श्रीसूक्त मूल मुम्बई -॥)
 १५४ पुरुषसूक्त—सायणाचार्य कृत भाष्य सहित पूना १)
 १५५ पुरुषसूक्त—सायण-महीधर-मंगल-निम्बार्क ४ भाष्य काशी १)
 १५६ पुरुषसूक्त—अनन्ताचार्य कृत भाष्य सहित काशी १)
 157 Das Pratigyasutra von A. Weber. Germany 5-0-0
 १५८ माध्यन्दिनीय मंत्र संहिता—मूल मुम्बई ॥)
 १५९ रुद्रभाष्यम्—श्रीमद्भिनव शंकराचार्य प्रणीतम् " १)
 १६० " " " " मद्रास ॥)
 १६१ रुद्राभिषेकानुष्ठान पद्धति—श्रीसोमयाजि मद्रास ॥=)
 १६२ रुद्रम् तथा चमकम् मद्रास ॥=)
 १६३ रुद्राष्टाध्याई—मूल पाठ मुम्बई १-)
 १६४ शतपथब्राह्मण—माध्यन्दिन—मूल संपूर्ण दुष्प्राप्य अजमेर १२)
 १६५ शतपथब्राह्मणम्—(माध्यन्दिन) सायणाचार्य कृत वेदार्थप्रकाश
 सहित प्रथम काण्ड मुम्बई ५)
 १६६ शतपथब्राह्मण सायणभाष्य सहित (माध्यन्दिन) सोसाइटी का
 दुष्प्राप्य प्रथम खंड रहित कलकत्ता २५)
 १६७ शतपथब्राह्मणम्—माध्यन्दिनीयां शाखामनुसृत्य श्रीमत्सायणा-
 चार्यहरिस्वामिद्विवेदगङ्गकृतभाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य वेबरेण सशा-
 धितम् संपूर्ण अत्युत्तम संस्करण जर्मनी ६०)
 The Sathapatha Brahmana in the Madhyandina Sakha
 with extracts from the comm. of Sayana, Hariawamin,
 and Dvivedaganga critically edited in Nagari script by

- Dr. Weber. The famous complete edition. 60-0-0
 168 Satpatha Brahmana Madhyandina translated into English
 by J. Eggeling complete in 5 Vols. Europe 56-4-0
- १६८ शतपथ ब्राह्मणम् काण्वशाखीय—यह ग्रन्थ आज तक पृथ्वी
 भर में कहीं नहीं छपा—डा० कैलेण्ड द्वारा संशोधित—हर
 वैदिक प्रेमी को इसे एक बार अवश्य देखना चाहिये १०)
 Sathapatha Brahmana of the school of Kanva critically
 edited for the first time by Dr. W. Caland M. A.—
 Text with an extensive historical introduction of 120
 pages with variants. Each Vedic Scholar ought to
 have this valuable text published for the first time
 Lahore 10 0-0
- १७० शान्तीपाठ—मूलपाठ कलकत्ता २)
 १७१ शुक्लयजुर्वेद संहिता—माध्यन्दिन मूलमात्र स्थूलाक्षर खुलापत्रा
 मुम्बई ३)
 १७२ शुक्लयजुर्वेद संहिता—मूल अत्युत्तम बड़िया कपड़े की जिल्द ३)
 १७३ शुक्लयजुर्वेद संहिता—मूल बारीक अजमेर III)
 १७४ शुक्लयजुर्वेद—पदपाठ अत्युत्तम मुम्बई ३)
 १७५ शुक्लयजुर्वेद—काण्वसंहिता मूलमात्र संपूर्ण मदरास ३)
 १७६ शुक्लयजुर्वेद—माध्यन्दिन—उवट महीधरभाष्य सहित बारीक
 मुम्बई ५)
 १७७ शुक्लयजुर्वेद— „ „ „ स्थूलाक्षर चार भाग
 काशी ८)
 १७८ शुक्लयजुर्वेद—काण्वसंहिता—सायणभाष्य २० अध्याय तक काशी ६)
 १७९ शुक्लयजुर्वेद संहिता—मूल, स्वरचिन्ह, विविध पाठान्तर उवट
 तथा महीधर के भाष्य पं० दुर्गादास ल.हिड़ी की मर्मानुसा-
 रिणी संस्कृत व्याख्या, हिन्दी, बंगला तथा अंग्रेजी अनुवाद
 सहित, अनेकों टिप्पणीयां सहित—केवल प्रथम अध्याय
 बाकी छपते हैं बड़िया जिल्द सहित १म.भाग का मूल्य ७)
- 180 Yajurveda Samhita—Shukla and Krishna text, Swaracin-
 ha, Padapatha, Mahidharabhashya Sayanbhashya, Mar-
 manusarini Sanskrit commentary and Banganubad ela-
 borate notes and explanations in Sanskrit and Bengali
 by W. Durgadass Lahiri. All in Bengali Script. Com-
 plete set in 9 bound Vols. Calcutta 144-0-0

- 181 White Yajurveda translated into English by R. T. H. Griffith. Benares 4-0-0
- 182 Ueber einige commentatorem Zu Sutren des weissen Yajurveda von R. Simon 1892. 1-8-0
- १८३ शुक्लयजुर्वेद—आचार मार्तण्ड सोमयाजि रचित काण्वशास्त्रीय मद्रास १॥)
- १८४ शुक्लयजुर्वेद पादसूची— औंध १।)
- १८५ शुक्लयजुर्वेद—प्रातिशाख्य उवटभाष्य सहित कलकत्ता २)
- १८६ शुक्लयजुर्वेद—प्रातिशाख्य-उवटभाष्य स्थूलान्तर काशी ५)
- १८७ शुक्लयजुर्वेद श्राद्धमार्तण्ड-काण्वशास्त्रीय मद्रास १)
- १८८ शुक्लयजुर्वेद—संस्कारमार्तण्ड काण्वशास्त्रीय „ २)
- १८९ शुक्लयजुर्वेद—सर्वानुक्रमसूत्र औंध १।)
- १९० शुक्लयजुर्वेदसर्वानुक्रमसूत्र महर्षि कात्यायन प्रणीत यान्निकान्त-देव विरचित भाष्य सहित काशी ४)
- १९१ शुल्बसूत्र—कात्यायन प्रणीत वृत्तिसमेतम् „ 1)
- 192 Die Mathematik der Sulbasutra by C. Muller 1-8-0
- १९३ श्रीसूक्त—मूलमात्र मुम्बई -)
- १९४ श्रीसूक्त—अनंताचार्य कृत भाष्य सहित कांची =)
- १९५ श्रीसूक्त-३ भाष्य सहित काशी 1=)

सामवेद ग्रन्थ

- १९६ आरण्य संहिता—सायणभाष्य सहित कलकत्ता ॥=)
- 197 Arsheyakalpa Sutra of Sama Veda, text edited with notes etc. by Dr. W. Caland—Text in Roman 8-8-0
- १९८ उपग्रन्थसूत्र कलकत्ता १॥)
- १९९ उपनिदानसूत्र—डा० मंगलदेव द्वारा संशोधित यंत्रस्थ
- २०० उपलेखसूत्र कलकत्ता १॥)
- २०१ खादिरगृह्यसूत्र—संख्याख्या मैसूर १।)
- २०२ गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका शी ५)
- २०३ गोभिलगृह्यसूत्र-गृह्यसंग्रह, श्राद्धकल्प, तत्परिशिष्ट सन्ध्यासूत्र स्नानसूत्र तत्परिशिष्ट समेत श्रीचन्द्रकान्त तर्कालंकार कृत भाष्यसहित संपूर्ण दुष्प्राप्य कलकत्ता ३०)
- 204 Gobhilya Grihya Sutra text with German translation by F. Knauer. Germany 12-0-0
- २०५ छन्दोग्यमंत्रभाष्यम्—भट्टगुणविष्णु कृत कलकत्ता ३॥।)

- Chhandogyamantrabhashya—(A pre 'Sayana commentary on select Vedic mantras). Calcutta 3-12-0
- 206 Jaimini Upanishad Brahman text edited with English translation and notes by H. Oertel. America 10-0-0
- २०७ जैमिनीयगृह्यसूत्र-सुबोधिनी व्याख्या तथा आंगल अनुवाद सहित बहुत बढ़िया जिल्द लाहौर ६)
- Jaiminiya Grihya Sutra of the Sama Veda text edited with extracts from the Sanskrit commentary, notes introduction and translated into English for the first time by Dr. W. Caland 1922. Lahore. 6-0-0
- २०८ जैमिनीय तलवकार उपनिषद् ब्राह्मण-सटिप्पण बढ़िया २॥)
- 209 Jaiminiya Brahman in Auswahl edited by W. Caland. Text in Roman & Dutch translation. 15-0-0
- २१० जैमिनीय श्रौतसूत्र—मूलमात्र-बढ़िया यूरोप १२)
- Jaimini Srauta Sutra—Original text in Nagari critically edited by Dr. Dieuke Gaastra. Europe 12-0-0
- 211 Jaimini Sambhita text in roman ed. by W. Caland 6-8 0
- २१२ ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्-सायणभाष्य सहित अत्युत्तम संपूर्ण दुष्प्राप्य सोसाइटी का छपा. कलकत्ता १५०)
- Tandya Maha Brahmana with the commentary of Sayanacharya critically edited by A. C. Vedantvagish complete in 2 Vols. Very rare set. Calcutta 150-0 0
- २१३ दैवतब्राह्मण-षड्विंशब्राह्मण सायणभाष्य सहित कलकत्ता २)
- २१४ ब्राह्मयन गृह्यसूत्र वृत्ति रुद्रस्कन्ध प्रणीत पूना १)
- २१५ निदानसूत्र-सामवेदीय कल्पसूत्र दुष्प्राप्य कलकत्ता २०)
- २१६ पुष्पसूत्र-अजातशत्रु कृत भाष्य सहित संपूर्ण काशी ४॥)
- 217 Pushpa Sutra of Sama Veda text edited with notes and German translation by R. Simon Germany 15-0-0
- २१८ पंचविधसूत्र—सामवेदीय कलकत्ता १॥)
- 219 Panchvidh Sutra text with German translation by R. Simon. Germany 4-0 0
- 220 Panchvidh Sutra translated for the first time into English by Dr. W. Caland. Calcutta 10-0-0
- २२१ लाट्यायन श्रौतसूत्र-अग्निस्वामि कृत वृत्तिसहित दुष्प्राप्य ६०)
- Srauta Sutra of Latyayana with the commentary of Agniswami. Very rare. Calcutta 60-0-0

- २२२ वंशब्राह्मण—सायणभाष्य सहित लाहौर ॥)
 223 Shadvinsh Brahmana—Vijnapnabhashyasahitam criti-
 cally edited by H. F. Belsingh. Europe 15-0-0
 २२४ सामपदसंहिता—अत्युत्तम टाईप दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
 २२५ सामप्रकाश—प्रीतिकाचार्य प्रणीत ” ३)
 226 Samavidhanabrahmana text with comm. of Sayan in
 roman edited by A. C Burnell. Europ 7-0-0
 २२७ सामवेद संहिता—मूल स्वर सहित अजमेर ॥)
 २२८ सामवेद संहिता—सायणभाष्य तथा भाषाटीका मुरादाबाद ५)
 २२९ सामवेद संहिता (अग्नेयपर्व) सभाष्य कलकत्ता ॥)
 २३० सामवेदार्चकम्—मूल तथा जर्मन नोट्स आदि जर्मनी ३०)
 Hymns of the Sama Veda text edited with German
 translation by Th. Benfey 1848 Very rare. 30-0-0
 231 Sama Veda Samhita translated into English by J. Ste-
 venson Very rare. Calcutta 10-0-0
 232 Hymns of the Sama Veda translated into English by
 Ralph T. H Griffith. Benares 4 0-0
 233 Sama Veda Samhita text Swaracinha, Geya Gana, Sa-
 yanbhashya, Marmanusarini Sanskrit commentary, Ban-
 ganubad, elaborate notes and explanations by Pt. Durga-
 dass Lahiri, in Bengali script complete in 9 vols 128-0-0
 234 Textkritik der dem Samaveda von J. Brune 1909 3-0-0
 २३५ सामवेदीरुद्री-मूल टाईप काशी ॥)
 २३६ सामसंग्रह-नित्यपाठ-सप्तदश महासामानि दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
 २३७ जुद्धसूत्र—सामवेदीय लाहौर ॥)

अथर्ववेद ग्रन्थ

- २३८ अथर्ववेद संहिता—मूल स्वर सहित अजमेर १॥)
 २३९ अथर्ववेदसंहिता-मूल संपूर्ण बहुत बढ़िया जर्मनी २५)
 Atharva Veda text originally edited by Roth & Whit-
 ney revised by Lindzenau 1924 The famous text edition.
 Germany 25-0-0
 २४० अथर्ववेद संहिता सायणभाष्य सहित संपूर्ण ४ भागों में ४०)
 Atharva Veda Samhita with Sayanbhashya in 4 Vols.
 Bombay 40-0-0
 241 Atharva Veda Samhita text, padapatha, swaracinha

Sayanbhashya, Marmanusarini Sanskrit commentary, Banganubad, elaborate notes in Sanskrit and Bengali by Pt. Durgadass Lahiri. All in Bengali Script. Complete in 5 Vols. Calcutta 80-0-0

२४२ अथर्ववेद संहिता—पिप्पलादशाखा-अति प्राचीन-यह ग्रन्थ आज तक नहीं छपा—पृथिवी भर में केवल एक हस्त लिखित प्रति से फोटू में उतारा हुआ अमरीका २५०)

Atharva Veda (The Kashmirian School of Paipaladas) reproduced by chromophotography from the Mss. in the University Library at Tübingen, edited by M. Bloomfield and R. Garbe in 3 big Vols. folio, 540 fascimile plates and 3 leaves of letterpress. (This is a fascimile of celebrated Atharvaveda Mss. written on birch bark found in 1875 in the Library of the Maharajah of Jammoo and Kashmir, Ranbir Singh and analysed in Professor Roth's famous tract 'Die Atharvaveda in Kashmir 1876') Very rare copy. Library edition (Original price £ 30/-) America 250 0-0

243 The Kashmirian Atharvaveda text in roman ch. edited with critical notes by L. C. Barret (only 1-5 books). 25-0-0

244 Atharva Veda translated into English with a critical and exegetical commentary by Prof. W. D. Whitney in 2 Vols. (This includes critical notes on the text, with various readings European and Hindu Mss., readings of the Kashmirian version, notices of variants, date of the scholiasts as to authorship and divinity and metre of each verse; extract from the ancillary literature concerning ritual and exegesis; literal translation, elaborate critical and historical introduction) America 54-7-0

245 Hymns of the Atharva Veda together with extracts from the ritual books and the commentaries translated into English by M. Bloomfield. Europe 15 12-0

246 The Hymns of Atharva Veda translated with a popular commentary into English by R. T. H. Griffith in 2 vols. Benares 12-0-0

247 Atharva Veda and Gopatha Brahmana by M. Bloomfield in English. 6-8-0

- 248 Atharva Veda Zweite buch von Weber Germany 5-0-0
 249 Hundred lectures of Atharva Veda translated into German with various notes by J. Grill. Germany 7-0-0
 250 Atharva Veda translated into German by Ruckert 12-0-0
 251 The Parisistas of the Atharva Veda text edited with critical apparatus index etc. by G. M. Bolling and J. V. Negelein in 3 vols. Germany 40-0-0
 252 Index Verborum to the published text of the Atharva Veda compiled by W. D. Whitney. Very useful for research scholars. America 25-0-0
 253 On the Interpretation of some Doubtful words in the Atharva Veda by Dr. T. Chowdhury M. A. B. L. Ph. D. Patna 3-8-0
 254 Some Atharvanic portions in the Grihya Sutras by B. C. Elele 1927. 3-8-0
 255 Die Skambha Hymen des Atharva Veda by M. Lindedau Germany 2-8-0
- २५६ अथर्वप्रतिशाख्यम्—तच्चाप्रकाशितचरम् अथर्वसंहिताया लक्षण ग्रन्थानामान्यतमं सूत्ररत्नं विविधविषया भूमिकयान्वितं नैक परिशिष्टचक्रेण चोपस्कृतम् मुम्बई ३)
 Atharva Prati hakhyam or the Phonetics Grammatical Aphorisms of the Atharva Veda critically edited for the first time from original Mss. with an introduction and appendices by Viswa Bandhu Sastri. Bombay 3-0-0
- २५७ कौशिकसूत्र (अथर्ववेदीय दरिल और केशव की टीकाओं से टिप्पण किया हुआ अमरीका ४५)
 Kausik Sutra of Atharva Veda with extracts from the commentaries of Darila and Kesava edited with valuable notes by M. Bloomfield. Very rare America 45-0 0
- २५८ गणपत्यथर्वशीर्ष-समाख्य पूना 1=)
- २५९ गोपथब्राह्मण—मूलमात्र कलकत्ता १)
- २६० गोपथब्राह्मण—सोसाईटी के छापे का दुष्प्राप्य बढ़िया ,, २५)
 Gopatha Brahmana in the original Sanskrit critically edited with an introduction of 40 pages by Rajendralal Mitra and Vidyabhusana 1872 Very rare. 25-0-0
- २६१ गोपथब्राह्मण (अथर्ववेदीय) बहुत बढ़िया छाप गूरुप १८)

- Gopatha Brahmana of the Atharva Veda—text in Devanagari character edited with an introduction, notes, Mantras, Index etc. by Dr. D. Gaastra. Europe 18-0-0
- २६१ दन्त्योष्ठविधि — अथर्ववेदीय भूमिका तथा अनुवाद सहित ॥)
- २६३ पञ्चपटलिका „ „ मूल आज तक नहीं छपा था ॥)
- २६४ बृहत्सर्वानुक्रमणी „ „ „ „ लाहौर ४)
- २६५ माण्डूकी शिक्षा „ „ „ „ १)
- 266 Vaitana Sutra translated by Dr. Caland. 12-0 0
- 267 Vaitana Sutra translated into German by R. Garbe 4-0-0
- 268 Ueber des Vaitana Sutra von W. Caland. 2-8-0

General Books on Vedic Literature

- 269 Agnishtoma or complete description of the sacrifice of Soma according to Vedas by Caland & Henery in 2 vols. (in French). Paris 20-0-0
- 270 Asvamedha description du sacrifice par Dumont, in French 1927. Paris 27-0-0
- 271 Arctic Home of the Vedas by Lokmanya Tilak 5-10-0
- 272 Altindische Ahnencult das craddha nach den verschiedenen schulen mit benutzung handschriftlicher quellen: dargestellt by Caland in Dutch & original text. 8-0-0
- 273 Ueber die Gottin Aditi by Hillib-andt. German 1-8-0
- 274 Age of the Veda by Winternitz in English. 1-0-0
- 275 Orion or the researches into the antiquity of the Vedas by Lokmanya Titak. 2-4-0
- 276 Gavam Ayanam or the Vedic Era by Dr. Shamasastri in English. 1-4-0
- 277 Geheimlehre des Veda by P. Deussen in German 5-8-0
- 278 Golden Legend of India or story of India's God given Cynosure (Sunashepa Devarata) A Vedic theme of human life and divine wisdom by Robinson. 10-8-0
- 279 Grihya Sutras or the rules of Vedic domestic ceremonies containing, Sankhayan Asvalayana, Paraskara, Khadira Gobhila, Hiranyakesin, Apastamba and Yajnaparibhasa Sutras translated into English by Oldenberg and Max Muller in 2 Vols. Europe 22-8-0
- 280 Der Tramschlussel des Jagaddeva- Beitrage zur Indischen Mantik by J. V. Negelein 1912. Germany 15-0 0

- 281 Der Brahmana Texte von Oldenberg in German. 8-0-0
 282 Der Vedische Mythos des Yama von J. Ehni 1890. 5-0-0
 283 Der Vratya by J. W. Hauer in German 1927. 15-0-0
 284 Die Himmelstore im Veda und Awesta von J. Hertel
 in German 1924. 6-0-0
 285 Brhaspati im Veda von O. Strauss 1905. 5-0-0
 286 Brahmin by V. S. Ramanatha and Dhurtaswamin with
 Foreword by K. S. Ramaswami Sastri in English. Worth
 seeing book. Madras 1-8-0
 287 Brahmanen und Cudras von A. Hillebrandt. 1-0-0
 288 Brahman-Baresman-Bricht Bhrajan-an essay by Dr.
 Belvalkar Poona 0-6-0
 २८९ मंत्रार्थदीपिका-शत्रुघ्न विरचित दुष्प्राप्य काशी ५)
 290 Yaksha par A. Boyer in French 1906. Paris 5-0-0
 291 Ritual Litteratur, Vedische opfer und zauber von A.
 Hillebrandt 1897 in German. 10-4-0
 292 Religion and Philosophy of Veda and Upanishads by
 A. B. Keith in English in 2 Vols. America 36-9-0
 293 Religion des Veda by H. Oldenberg in German 10-0-0
 294 Religion of the Veda by M. Bloomfield in English. 20-0-0
 295 Les maitres de la Philologie Vedique par L. Renou. 4-8-0
 296 Wisdom of the Vedas or India's Outlook on Life by J. C.
 Chatterji. America 6-0-0
 २९७ वेदप्रामाण्यचन्द्रिका-बोड्स कृत मुम्बई ॥)
 298 Vedic India by N. B. Pavgi. Poona 4-0-0
 299 Vedic Indexes of all the four Vedas—(complete Alphabe-
 tical & accented word indexes) by Swami Visheshvara-
 nand & Nitya Nand complete in 4 parts. 25-0-0
 300 Veda-interpretation von A. Hillebrandt. 2-0-0
 301 Vedic Concordance being an alphabetic index to every
 line of every stanza of the published Vedic Literature to
 the liturgical formulas thereof, that is an index to the
 Vedic Mantras together with an account of their varia-
 tions in the different Vedic books by M. Bloomfield 91-0-0
 302 Vedic Chrestomathie with glossary by Delbruck. 5-0-0
 ३०३ वैदिककोश-ब्राह्मणग्रन्थेतिहास प्रकाशिका भूमिकया सहित
 लाहौर १२)

- Vedic Kosa—compiled by Hansraja comprising a concordance of all the etymologies, meanings of Vedic words, attributes of different devatas, scientific and moral passages and other useful material contained in the 15 printed Brahmanas of the Vedas. Lahore 12-0-0
- 304 Vedic Chronology by Lokmanya Tilak. 3-6-0
- 305 Vedic Gods as figures of Biology by V. G. Rele. 6-8-0
- 306 Vedic Grammar for students by Macdonell. 6-0-0
- 307 Vedic Grammar by Macdonell big enlarged edition 24-0-0
- ३०८ वैदिक पाठावली-संपादक श्री रसिकलाल पारिख-वैदिक स्फालरों के लिये अतीव उपयोगी है अहमदाबाद ३॥)
- 309 Vedic Philosophy by Har Narayan. 2-8-0
- 310 Vedische Beiträge von A. Weber in 6 parts. 20 0-0
- 311 Vedic Mythology by Macdonell in English. 10-0-0
- 312 Vedische Mythologie by A. Hillebrandt-revised and enlarged new edition in German in 2 Vols. 1927-29 Rs.61-4-0
- 313 Vedische Myths des Yama von J. Ehni. 5-0-0
- 314 Vedic Metre in its historical development in English by Arnolds Very rare copy. Europe 20-0-0
- ३१५ वैदिकमुनि प्रणीत वेदसर्वस्व-१ भाग हिंदी १॥)
- 316 Vedic Reader by Macdonell text with translation 5-0-0
- 317 Vedic Variants Series Vol. I-The Verb by Bloomfield & Edgerton. Europe 21-14-0
- ३१८ वैदिक शब्दार्थ पारिजात—१म भाग लाहौर ४)
- Vedic Shabdārtha Parijata or a complete etymological Dictionary of the Vedic Language in Sanskrit, Hindi and English. The first regular and substantial attempt to accord a complete lexicographical treatment to the entire vocabulary of all available Samhitas edited by Pt. Vishwa Bandhu Shastri M. A., M. O. L., 1 fasc. 1929. Lahore 4-0-0
- ३१९ वैदिक साहित्य चरित्रम्-पि० सुब्रह्मण्य शास्त्रि विरचित २॥)
- 320 Vedism und Brahmanismus von K. F. Geldner. 8-0-0
- 321 Weisheit des Brahmanen von Ruckert. Germany 5-0-0
- 322 Wortverzeichnis or full indexes of Asvalayana, Paraskara, Sankhayana and Gobhilya composed by Stenzler. Germany 10 0-0

- 323 Short Account of Yaga by Natesa Dikshitar. 2-8 0
 ३२४ श्रुतिमतोद्योत—लघुगुरुश्च—त्र्यम्बक शास्त्रि विरचित III)
 ३२५ श्रौतपदार्थनिर्वचनम्— बनारस ६)
 Shroutapadarthanirvachana or a dictionary of sacrificial
 terms by Visvanath Sastri. Benares 6-0-0
 326 Syntax of Cases in the narrative and descriptive prose
 of the Brahmanas by H. Oertel-the disjunct use of cases
 1928. Germany 28 C-)
 327 Sacrifices Ancient and Modern by R. Naidu. 2-0-0
 328 Soma Plant by B. L. Mukerjee Very rare. 2-8-0
 329 Historical Vedic Grammar by Arnold. Very rare. 25-0-0
 330 History of Vedic Literature in Hindi by Pt. Bhagavad-
 datta Vol. II. The Brahmanas and Aranyakas. 5-0 0
 331 Do. Do. Samhitas. Vol. I in the Press
 332 History of Sanskrit Literature Vol I Śruti (Vedic) Period
 (circa 4000 to 800 B. C.) in four sections by C. V. Vidyā
 M. A. Poona. 10-0-0
 333 Histoire des ideestheosophiques dans l' Inde par Oltra-
 mare la theosophie Brahmanique 1927. Paris 20-0-0
 ३३४ त्रयीचतुष्टयम्—सर्ववेदनिर्देशनम्—आचार्य सत्यव्रत कृत ४०)
 ३३५ त्रयीटीका—सायणभाष्य सहित दुष्प्राप्य कलकत्ता ६)
 ३३६ त्रिकाण्डमंडन-सव्याख्या ३ भागों में कलकत्ता ३)

उपनिषद् ग्रन्थ

- 337 Amritbindu and Kaivalya Upanishads text with English
 translation by A. Mahadeva Sastri. Madras 1-2-0
 ३३८ अष्टाविंशदुपनिषद्—मूल गुटका रेशमी मुम्बई १॥)
 ३३९ अष्टाविंशदुपनिषद्—मूल रेशमी गुटका „ १)
 ३४० अष्टोत्तरशतोपनिषद्—मूल बारीक अक्षर रेशमी „ ३)
 ३४१ अष्टोत्तरशतोपनिषद्—मूल स्थूलाक्षर खुलापत्रा „ ६)
 ३४२ आथर्वणोपनिषद्—दीपिका टीका सहित ११ उपनिषदें „ १॥)
 ३४३ ईशावास्योपनिषद्—सटीक शंकरभाष्यादि ६ टीका सहित III=)
 ३४४ ईशावास्योपनिषद्—कूर्मनारायणादि व्याख्या सहित मदरास २)
 ३४५ ईशावास्योपनिषद्—साधु निश्चलदास कृत संस्कृत व्याख्या
 सहित लाहौर 1-)

- ३४६ ईशावास्योपनिषद्-मध्वाचार्य टीका+जयतीर्थ टीका १।-)
- ३४७ ईशावास्योपनिषद्—कूरनारायण कृत प्रकाशिका तथा बाल-
बोधनी सहित पूना १)
- 348 Isavasyopanishad with Sankarabhashya translated into
English by M. Hiriyana M. A Madras 0-4-0
- 349 Isavasyopanishad with comm. of Sankara and Anantachar-
ya translated into English by Srischandra. 0-12-0
- 350 Isa Upanishad text, with elaborate comm. and Eng-
lish trans. by Aurbindo Ghosh Calcutta 1-8-0
- 351 Isa Upanishad translated into English according to the
comm. of Madhva by Srinivasa Row. Madras 0 5-0
- ३५२ ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक माण्डूक्योपनिषद्—शंकरभाष्य
तथा आनन्दगिरि कृत टीका सहित कलकत्ता ५)
- ३५३ ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, भृगुवल्ली उपनिषद्
रामानुजभाष्य सहित पूना २॥)
- ३५४ ईश केन, कठोपनिषद्—प्रकाश व्याख्या सहित पूना १)
- 355 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundak, Taittiriya, and Aite-
reya Upanishads. text with English trans. by Bhagwat.
Poona 2-8 0
- 356 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundak and Mandukya Upa-
nishads with Madhva's comm. translated into English by
R. B. Sris Chandra. Allahabad 7 8-0
- 357 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundak, Aitereya, Taittiriya
and Chhandogya Upanishads with Sankara's commentary
translated into English by Sitaram Sastri and Ganga-
nath Jha complete in 5 Vols. Best edition Madras 15-8 0
- 358 Isa, Kena, and Mundak with Sankarabhashya translated
into English by Sitaram Sastri. Madras 2-8 0
- 359 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundak, Mandukya & Taitti-
riyopanishads with intro. paraphrase, with word for
word literal translation in English by Sharvanand 4 4-0
- 360 Upanishads von H. Luders 1922. Germany 1-0 0
- 361 Upanishads (9 Major translated by G. R. S. Mead &
Chattopadhyaya). Madras 2-0-0
- 362 Upanishads translated into English by Max Muller in
2 Vols. Europe 18-12-0

- ३६३ उपनिषद् पाठावली-उपनिषदों से चुने हुये उत्तम स्थल ॥)
- ३६४ उपनिषद् समुच्चय इसमें ३२ उपनिषद् हैं सटीक पूना ६॥)
- ३६५ एकत्रिंशदुपनिषद्—मूल स्थूलाक्षर मुम्बई १)
- ३६६ एकादशोपनिषद्—ईषाद्यष्टसु श्रीमदुदासीनवर्यामरदासाख्य विदुषा विरचितयोपनिषन्मणीप्रभया छान्दोग्यबृहदारण्यकयो-
नित्यानन्दाश्रमविरचित मिताक्षरया कैवल्ये च शंकरानन्द विर-
चितया दीपिकया समलंकृता अत्युत्तम बद्धिया संस्करण पक्की
कपड़े की जिल्द सहित लाहौर ६)
Eleven Upanishads with Sanskrit comm. of Swami
Amardass and others bound in one. Lahore 6-0-0
- ३६७ ऐतरेयोपनिषद्-शंकरभाष्य, विद्यारण्य कृत दीपिका सहित १)
- ३६८ ऐतरेयोपनिषद्-मध्वाचार्य टीका+ताम्रपर्णीय टीका ७॥)
- 369 Aitereya and Taittiriya with Shankarbhashya translated
into English by Sitaram Sastri. Madras 2 8-0
- 370 Aitereya and Taittiriya Upanishads with Madhva's comm.
translated into English by R. B. Srischandra. 6-0 0
- 371 An introduction to the study of Upanishads by Vidya-
ranya translated by A. Mahadeva Sastri 0-6-0
- ३७२ कठोपनिषद्-द्वय शंकरभाष्य सहित सटीक पूना १)
- ३७३ कठोपनिषद्—मध्वाचार्य तथा व्यासतीर्थ टीका मुम्बई १॥)
- ३७४ कठोपनिषद्—शंकर+रामानुजभाष्य तथा श्रीधर कृत व्याख्या
सहित पूना २)
- 375 Kathopanishad with Eng Trans. by Arvindo Ghosh. 0-4 0
- 376 Katha with Sankarbhashya trans. into English by
Hiriyana. Madras 0-12-0
- 377 Kathaka Upanishad with Madhva's comm. in German by
Heiman. Germany 3-0-0
- 378 Katha and Prasna with Shankarbhashya translated into
English by Sitaram Sastri. Madras 2-8-0
- 379 Constructive Survey of Upanishadic Philosophy by
Ranade. Poona 10-0-0
- ३८० केनोपनिषद्—शंकरभाष्य, शंकरानन्द तथा नारायण कृत
दीपिका पूना १)
- ३८१ केनोपनिषद्—मध्वाचार्य तथा व्यासतीर्थ २ टीका मुम्बई ॥)
- ३८२ केनोपनिषद्—शंकर+रामानुजभाष्य तथा श्रीधर कृत व्याख्या

- सहित पूना १॥)
- 383 Kenopanishad with Shankarbhaskya translated into English by Hiriyana. Madras 0-6-0
- ३८४ कौलोपनिषद्+त्रिपुरामहोपनिषद्+ भावनोपनिषद्+ बह्वचोपनिषद्+अरुणोपनिषद्+कालिकोपनिषद् सटीक ed by A. Avalon. Calcutta ४)
- 385 Kaushitaki and Maitra Upanishads with Shankarananda's comm. translated into English. Allahabad 6-0-0
- ३८६ गोपालतापनी उपनिषद्-विश्वेश्वर कृत व्याख्या सहित दुष्प्राप्य सोसाइटी कलकत्ता ८)
- Gopaltapani Upanishad with comm. of Visvesvara critically edited by H C Vidyabhushana very rare. 8-0-0
- ३८७ गोपालतापनी-टाइप सटीक कलकत्ता २)
- ३८८ छान्दोग्योपनिषद्-सटीक शंकरभाष्य सहित पूना ५)
- ३८९ छान्दोग्योपनिषद्-नित्यानन्द कृत मिताक्षरा व्याख्या पूना २)
- ३९० छान्दोग्योपनिषद्—रंगरामानुज कृत प्रकाशिकोपतो „ ३॥१)
- ३९१ छान्दोग्योपनिषद्—१म अध्याय-धर्मबोधभाष्य सहित १॥)
- ३९२ छान्दोग्योपनिषद्—अत्युत्तम जर्मनी १२)
- Chhandogyopanishad original text in Nagari with notes and German trans. by O. Bohtlingk 1882. 12-0-0
- 393 Chhandogyopanishad with Shankarbhaskya translated into English by Dr. Ganganath Jha in 2 Vols. 6-0-0
- 394 Teachings of the Upanishads by H. Sarkar. 1-0 0
- 395 Twelve Principal Upanishads—text in Devanagari with English translation and notes from Shankara and Anand-giri by Dr. E. Roer Vol I Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundaka, Mandukya, Taittiriya, Aitereya and Svetasvatropanishad. Madras 5-0-0
- 396 Do. Do. Vol. II Brihadaranyaka.
- 397 Do. Do. Vol. III Chhandogya & Kaushitaki in the Press.
- ३९८ तैत्तिरीयोपनिषद्-शंकरभाष्य तथा वनमाला व्याख्या मदरास ४॥)
- ३९९ तैत्तिरीयोपनिषद्-शंकरभाष्य+आनन्दगिरि कृत टीका मुम्बई १)
- ४०० तैत्तिरीयोपनिषद्-शंकरभाष्य+शंकरानन्द कृत दीपिका पूना १॥१॥)
- ४०१ तैत्तिरीयोपनिषद्-सटीक तथा सुरेश्वराचार्य कृत भाष्य वार्त्तिक पूना २=)

- ४०२ तैत्तिरेयोपनिषद्—भाष्य श्रीजयगोपाल भट्ट कृत मुम्बई १=)
- ४०३ तैत्तिरेयोपनिषद्—भाष्य अनन्ताचार्य काशी ३)
- ४०४ तैत्तिरेयोपनिषद्—श्रीनिवास तीर्थीय सहित मुम्बई २॥३)
- 405 Taittiriyaopaniṣhad with comm of Shankara, Sureshwara and Sayana translated into English by Mahadeva Sastri. Madras 5-0-0
- 406 Thirty Minor Upanishads English translation by Narayanswami Madras 3-8-0
- 407 Thirteen Principal Upanishads translated by Hume. 12-0-0
- ४०८ दशोपनिषद्—शंकरभाष्य सहित—बारीक टाईप दो जिल्दों में यंत्रस्थ पूना
- ४०९ दशोपनिषद्—स्वा. भास्करानन्द कृत भाष्य काशी ४)
- 410 Die Weisheit der Upanishden or 6 Upanishadas translated into German by Hertel. 1921 Germany 5-0-0
- ४११ नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषद्—शंकरभाष्य सहित पूना १॥१)
- ४१२ नृसिंहतापनी उपनिषद्—सोसाइटी के छापे की दुष्प्राप्य ५)
- ४१३ नृसिंहोत्तरतापिन्युपनिषत्—दीपिका सहित मुम्बई ॥१)
- ४१४ पञ्चविंशदुपनिषद्—सूक्त रेशमी ” १॥)
- ४१५ प्रश्नोपनिषद् सटीक शंकरभाष्य+शंकरानन्द कृत दीपिका १)
- ४१६ प्रश्नोपनिषद्—मध्वाचार्यटीका+जयतीर्थ टीका मुम्बई ॥१-)
- 417 Philosophical Teachings in the Upanishads English 3-0-0
- 418 Philosophy of the Upanishads or Ancient Indian Metaphysics by Deussen translated into English by Geden. Europe 14-0-0
- 419 Philosophy of the Upanishads and Ancient India Metaphysics by A E Gough Very rare 1882. Europe 20-0-0
- 420 Philosophy of the Upanishads by Prof. Radhakrishna. Europe 4-6-0
- 421 Four unpublished Upanishadic text (वाक्कल्य+छागल्य+आर्षेय+शौनक) tentatively ed. and translated for the first time पर्यंकविद्या text & trans. by Dr. Belvalkar. 1-4-0
- ४२२ बृहदारण्यकोपनिषद्—शंकरभाष्य सहित पूना ८)
- ४२३ बृहदारण्यकोपनिषद्—मिताक्षरा नित्यानन्द विरचित ” २॥१)
- ४२४ बृहदारण्यकोपनिषद्—रंगरामानुज कृत भाष्य सहित ” ३॥)
- ४२५ बृहदारण्यकोपनिषद्—सुरेश्वराचार्य कृत भाष्य वार्त्तिक तथा

- आनन्दगिरि कृत टीका सहित ३ भागों में संपूर्ण पूना २२॥)
- ४२६ बृहदारण्यकवार्त्तिकसार—श्रीविद्यारण्यस्वामि विरचित तथा महेश्वरतीर्थ कृत लघुसंग्रह व्याख्या सहित काशी १५)
- ४२७ बृहदारण्यकोपनिषद्—मध्वाचार्य टीका+रघुसम स्वा० कृत टिप्पणी मुम्बई ७॥)
- ४२८ बृहदारण्यकोपनिषद्—शंकरभाष्य तथा आनन्दगिरि कृत टीका सहित सोसाइटी का छपा दुष्प्राप्य २ जिल्दों में कलकत्ता २०)
Brihadaranyakopanishada with Shankarabhashya and gloss of Anandgiri critically edited by Dr. Roer in 2 Vols. Very rare. Calcutta 20 0-0
- 429 Brihadaranyakopanishad and the comm of Shankara translated into English by Dr. Roer. Calcutta 10 0-0
- 430 Brihadaranyakopanishad with English trans. by H. R. Bhagwat. 3 0-0
- 431 Brihadaranyakopanishad trans. into English by Hiriya-na 1st. part. Madras 0-12-0
- 432 Brihadaranyakopanishad—French translation by Herold 1984. Paris 5 0-0
- ४३३ ब्रह्मोपनिषत् सार संग्रह—दीपिका व्याख्या सहित १)
- 434 Brahmopanishatsarsangrah with original comm and English Trans. Allahabad 3 0-0
- ४३५ मण्डलब्राह्मणोपनिषद्—राजयोगभाष्यसहित दुष्प्राप्य ५)
- ४३६ महानारायणोपनिषद्—दीपिका सहित मुम्बई ३)
- ४३७ माण्डूक्योपनिषद्—सगौडपादकारिका सव्याख्या मुम्बई १)
- ४३८ माण्डूक्योपनिषद्—सगौडपादकारिका शंकरभाष्य पूना २१-)
- ४३९ मिताक्षरा—श्रीगौडपाद कृत माण्डूक्य कारिका व्याख्या १॥)
- 440 Mandukyopanishad with Gaudpadkarika and Shankarabhashya translated into English by M L. Dvivedi. 2-0-0
- ४४१ मुण्डकोपनिषद्—शंकरभाष्य+नारायण कृत दीपिका पूना ॥=)
- ४४२ मुण्डको+माण्डूक्य+तैत्तिरेय—मध्वाचार्य टीका तथा व्यास-तीर्थीय एक जिल्द में मुम्बई ८)
- ४४३ मुण्डकोपनिषद्—शंकरभाष्य तथा बालबोधनी टीका पूना १)
- 444 Mundaka Upanishad with Shankarabhashya & Anandgiri comm, critically edited in Devanagari ch. by Hertel with intro. of 67 pages. Germany 12-0 0

- ४४५ मैत्रायणी-उपनिषद्-सव्याख्या २ भाग मुद्रिता १॥)
- ४४६ योग उपनिषद्-ब्रह्मयोगी कृत व्याख्या सहित (२० उपनिषद्) ५)
- ४४७ रामतापनी उपनिषद्-रामकाशिका तथा आनन्दनिधि व्याख्या सहित काशी ३॥॥)
- 448 R-current and Paralled passages in the principal Upanishads & Bhagvadgita by G Haas. 1-0-0
- 449 Wisdom of the Upanishads by Dr. Besant. 0-14-0
- ४५० वैष्णव उपनिषद्-ब्रह्मयोगी कृत व्याख्या सहित (१४ उपनिषद्) मदरास ४)
- ४५१ शाक्त उपनिषद्-ब्रह्मयोगी कृत व्याख्या सहित मदरास २॥)
- ४५२ शैव उपनिषद्- " " " ३)
- ४५३ शैव तथा शाक्त उपनिषद् " " उपनिषद् " ४)
- ४५४ श्रुतिसिद्धान्तसारसंग्रह-अष्टोत्तर शतोपनिषत्सार मुम्बई ३)
- ४५५ श्वनाश्वतरोपनिषद्-शंकरभाष्य तथा ३ टीका पूना २॥)
- 456 Swetaswatropanishad text with Eng. trans. by Siddheswar Sastri. Allahabad 3-0-0
- 457 Swetaswatra and Bhagwadgita—an essay by Dr. Belvalkar. Poona 0-4-0
- 458 Swetaswatra Upanishad text with German translation by R. Haushild. Germany 7-0-0
- ४५९ सन्यास उपनिषद्-श्री ब्रह्मयोगी कृत व्याख्या (१७ उपनिषद्) ४)
- ४६० सन्यास उपनिषद्-बहुत बढ़िया छपाई कागज देखने योग्य १०)
Minor Upanishads critically edited with Sanskrit text notes preface in English by F. O. Schroeder. Best publication. Vol I Sanyasa Upanishads. Madras 10-0-0
- 461 Some Sayings of Upanishads translated by Barnett 1-12 0
- ४६२ सामान्य वेदान्त उपनिषद्-ब्रह्मयोगी कृत व्याख्या सहित (२४ उपनिषद्) मदरास ५)
- 463 Selections from the Upanishads translated into English Very rare. 1895. 3-0-0
- 464 Studies in 6 Upanishads by R. B. Srischandra. 4 0-0
- 465 Sixty Upanishads translated from Sanskrit into German by Deussen 3rd. edition 1921. Germany 24-0-0

वेदाङ्ग ग्रन्थ

४६६ कौत्सव्य निरुक्त निघण्टु-संपादक पं० रामगोपाल लाहौर ॥=)

- ४६७ निरुक्त—मूलमात्र अजमेर ॥=)
 ४६८ निघण्टु समन्वितं निरुक्तम्-मूलमात्रम्-संहिताब्राह्मणप्रातिशा-
 ख्याप्राध्यायीमहाभाष्यादि ग्रन्थान्तरैः साकं निरुक्तसम्बन्धप्रद-
 शिना परिशिष्टेन सहितम्—डा० लक्ष्मणस्वरूप एम. ए., डी.
 फिज इत्यनेन सम्पादितं—बहुत बढ़िया संस्करण मुम्बई ४॥)
 Nighantu and Nirukta—critically edited from original
 Mss. by Dr. Lakshman Sarup M. A., D. Phil, Sanskrit
 text with an appendix showing the relation of the
 Nirukta with other Sanskrit works. Printed at the
 Nirnaya Sagar Press Bombay. Best critical edition
 published so far Bombay 4-8-0
- ४६९ निरुक्तभाष्यटीका—स्कन्दस्वामिमहेश्वरविरचिता २॥ सादा १॥)
 Fragments of the commentaries of Skandaswamin and
 Maheshwara on the Nirukta edited by Dr. Lakshman
 Sarup M. A., cloth bound 2-4-0, paper cover. 1 4-0
- ४७० निरुक्तभाष्यटीका—श्री स्कन्दस्वामि महेश्वर विरचित २ से ६
 अध्याय तक ५)
 Commentary of Skandaswamin and Maheshwara on The
 Nirukta chapters II-VI critically edited for the first
 time by Dr. Lakshman Sarup M. A. D., Phil 5-0-0
- ४७१ निरुक्त निघण्टु—(वैदिककोश) यास्कमुनि कृत दुर्गाचार्य कृत
 व्याख्या सहित तथा पं. शिवदत्त टिप्पणी संपूर्ण मुम्बई ८)
- ४७२ निरुक्त निघण्टु—दुर्गाचार्य कृत व्याख्या सहित २ भागों में १६॥)
- ४७३ निरुक्त—दुर्गाचार्य कृत व्याख्या सहित ७ अध्याय पर्यन्त ६॥)
 Nirukta of Yaska edited with Durgacharya's comm. by
 Prof. H. M. Bhadkamkar Vol. I. Bombay 9-8-0
- ४७४ निरुक्त—५ अध्याय शास्त्रि परीक्षोपयोगी सटीक २)
- ४७५ निरुक्त निघण्टु—दुर्गाचार्य व्याख्यानसारिण्या पं. मुकुन्द भा
 कृत निरुक्त विवृति सहित मुम्बई ६)
- ४७६ निरुक्त लघुविवृति पञ्चपादिका ., ॥=)
- 477 The Nighantu and the Nirukta. The oldest Indian treatise
 on etymology, philosophy, and semantics translated for
 the first time into English by Dr. Lakshman Sarup
 M. A., D. Phil. Europe 15-12 0
- 478 The Nirukta—its place in old Indian Literature, its ety-
 mologies by H. Skold in English. 1926. Europe 18-8-0

- ४७६ निघण्टुनिगमनिरुक्तकोशनिर्वचनानुक्रमणिकादि विविध परि-
शिष्टानि डा. लक्ष्मण स्वरूप विरचिता अत्यन्त उपयोगी ६)
Indices and Appendices to the Nirukta—alphabetically
arranged with meanings of each word in English and
with an introduction on Nirukta compiled by Dr. Laksh-
man Sarup M. A. Very useful and important book for
research scholars and students. Bound 6-0-0
- ४८० निरुक्तालोचन-आचार्य सत्यव्रत सामाश्रामी विरचित ४)
Niruktalochana compiled by Pt. Satyabrata Samasrami
Calcutta 4-0-0
- ४८१ पाणिन्यादि ३२ शिक्षा संग्रह—संपूर्ण ५ भाग काशी ५)
४८२ पाणिनी शिक्षादि दश पाठ संग्रह „ ॥)
- 483 Bhardvajaisa by E. Sieg Very rare. 3-8-0
- 484 Vyasa Ciksha zum T. Pratishakhya von Luders. 10-0-0
- ४८५ शिक्षादि वेदांग षडंगानि—(शिक्षा, ज्योतिष, छन्द, अष्टाध्या-
यी, निरुक्त) १।)
- ४८६ शिक्षादिवेदांग चतुष्टय—मूल मुम्बई १)
487 Sarvasmata Siksa text with German trans. by Franke
Germany 2-8-0

छन्द ग्रन्थ

- ४८८ छन्दसार संग्रह-चन्द्रमोहन घोषसंकलित कलकत्ता २)
४८९ छन्दोऽनुशासन—कर्ता हेमचन्द्राचार्य दुम्प्राप्य ४)
४९० पिङ्गल छन्द शास्त्र—सटीक मुम्बई १।।।)
- ४९१ पिङ्गल छन्द सूत्र-भट्ट हलायुद्ध कृत टीका सहित कलकत्ता १।।)
- ४९२ पिङ्गल छन्द सूत्र-हलायुद्ध कृत व्याख्या तथा जीवानन्द कृत
टीका सहित कलकत्ता ३)
- ४९३ प्राकृत पैङ्गलम्—सटीक विवृत्ति सहित कलकत्ता ६)
Prakrit Paingalam with the commentary of Viswanath
Panchanana, Krishna and Yadavendra edited and suppli-
mented with a complete index and glossary of all Pra-
krit words in the text. Calcutta. 6-0-0
- ४९४ वाणीभूषण-दामोदर मिश्र विरचित मुम्बई ॥)
- ४९५ वृत्तमणिकोश—श्रीनिवास कवि विरचित मदरास ३)
- ४९६ वृत्तरत्नाकर-पं. रामचन्द्रशास्त्रिकृत अत्यन्त सरल बालबोधनी

संस्कृत टीका सहित बहुत उपयोगी है	लादौर ॥१)
४१७ वृत्तरत्नाकर-तथा छन्दोमञ्जरी-जीवानन्द कृत टीका कलकत्ता १)	
४१८ वृत्तरत्नाकर-पञ्चिकाव्याख्या सहित	मुम्बई १)
४१९ वृत्तरत्नाकर-सटीक+श्रुतबोध+छन्दोमञ्जरी	काशी १॥)
५०० वृत्तरत्नाकर-श्रुतबोध सहित सटीक	मुम्बई ॥=)
५०१ वृत्तरत्नाकर-विस्तृतटीका-प्रस्तारादिभि समलंकृतः	॥=)
५०२ वृत्तालंकार-	काशी ॥३)
५०३ वृत्तिवार्त्तिक-अण्वयदीक्षित विरचित	मुम्बई १)
५०४ श्रुतबोध तात्पर्यप्रकाश टीका सहित	काशी ॥=)
५०५ श्रुतबोध-जीवानन्द कृत व्याख्या	कलकत्ता =)
५०६ श्रुतबोध-आनन्दवार्त्तिकनी टीका तथा हिं. टी.	काशी १)

धर्मशास्त्र ग्रन्थ

५०७ अधिमास परीक्षा-मूलमात्र	मुम्बई १)
५०८ अग्नि नौयानमीमांसा-	" ११)
५०९ अशौच निर्णय-मूलमात्र	" =)
५१० अभिलषितार्थचिन्तामणि-सोमेश्वर विरचित १म भाग	२१)
५११ अष्टादशस्मृति-मूल गुटका	मुम्बई २)
५१२ आचारमयूख-नीलकंठ भट्ट विरचित	, ॥१)
५१३ आचारमयूख-critically edited by J. R. Gharpure	2-4-0
५१४ आपस्तम्ब धर्मसूत्र-मूलमात्र	मदरास १)
५१५ आपस्तम्ब धर्मसूत्र-हरदत्त मिश्र कृत उज्ज्वल व्याख्या	५)
५१६ आपस्तम्ब धर्मसूत्र-बड़िया दुष्प्राप्य २ भाग	मुम्बई १२)
Apastamba Dharma Sutra critically edited with extracts from the comm. of Hardatta by J. Buhler in 2 Vols. Very rare. Bombay 12-0-0	
५१७ आपस्तम्ब धर्मसूत्र-उज्ज्वलाख्य व्याख्यया हरदत्तमिश्र विरचितया सहितम्-दुष्प्राप्य १=१८	मैसूर १२)
५१८ आर्यविद्यासुधाकरः-ग्रन्थोऽयं समस्तार्यवर्याविद्याविवेकचिन्तनयशिल्पविद्वानशौर्यौदार्यचातुर्यादि कथा प्रकाशको दाक्षिणात्येन द्विजन्ममूर्धन्येन चिमनाजीतनूजेन परिडितप्रवरेण यज्ञेश्वरेण विरचितः तथा महामहोपाध्याय पं. शिवदत्त संशोधितः अत्युपयोगी ग्रन्थ-द्वितीयावृत्ति यंत्रस्थ.	
Aryavidyāsudhakara or an historical survey of Sans	

- krit Literature by Yajnaeshwara reprinted with various new notes by M. M. Pt. Sivadatta. 2nd. edition revised and enlarged by Dr Mangal Dev M.A.(in the press)
- 519 International Law and Customs in Ancient India by Pramath Nath Banerji M. A. Calcutta 4-0-0
- ५२० उत्सर्गमयूख-नीलकंठ विरचित मुम्बई १)
- ५२१ उत्सर्गमयूख—critically edited by J. R. Gharpure 0-14-0
- 522 Ancient Hindu Judicature by B Rajah Rao Madras 2-0-0
- 523 Evolution of Law by N. C. Sengupta. Calcutta 2-8-0
- ५२४ कर्मविपाक—मूल खुलापत्रा मुम्बई ॥८=)
- ५२५ कर्मविपाक—व्याधिनुसार ,, १॥)
- ५२६ कात्यायनमतसंग्रह कलकत्ता २॥)
- Katyayana-mata-Sangrah or a collection of the legal fragments of Katyayana by N. C Banerji. 2-4-0
- ५२७ कालनिर्णय-माधवाचार्य विरचित critically edited by Chandrakant Tarkalankar Very rare. 10-0-0
- ५२८ कालमाधव-माधव विरचित काशी १॥)
- ५२९ कालमाधव-माधवाचार्य कृत मुम्बई २॥)
- ५३० कालविवेक-स्मृतिनिबन्धपारिभद्रोयजीभूतवाहन रचित १॥)
- 531 Caste in India by E. Senart in English. 7-7-0
- 532 Catechism of Hindu Dharma text with English translation by R. B. Srischandra. Allahabad 2-0-0
- ५३३ गदाधर पद्धति-राजगुरु गदाधर प्रणीत कालसार ७॥)
- ५३४ गदाधर पद्धति- ,, ,, ,, आचारसार ४॥)
- ५३५ गौतम धर्मसूत्र-मस्करीयव्याख्या सहित मैसूर ४)
- ५३६ गौतम धर्मसूत्र-हरदत्त कृत व्याख्या सहित पूना २॥)
- ५३७ गौतम धर्मशास्त्र-संपूर्ण यूरुप १५)
- Institutes of Gautama text edited with an index of words by A. F. Stenzler Very rare. Europe 15-0-0
- ५३८ गृहस्थरत्नाकर-खण्डेश्वर ठक्कुर विरचित संपूर्ण कलकत्ता १॥)
- ५३९ चतुर्वर्गाचिन्तमणि-हेमाद्रि कृत दान खण्ड संपूर्ण २ भाग ७)
- ५४० चतुर्वर्गाचिन्तामणि हेमाद्रि कृत प्रायश्चित्तखण्ड संपूर्ण ६)
- ५४१ चतुर्विंशतिमतसंग्रह—२ भागों में काशी ३)
- 542 Jain Law by Champat Rai Bar-at-Law containing text with English trans. of Bhadrabahusambhita, Arhanniti,

- Vardhamanniti, Jinasamhita, Trivarnikachar. 7-8-0
- ५४३ जयविह कल्पद्रुम-यत्र द्वादशमासीय व्रतोत्सव निर्णय ८)
- ५४४ तीर्थचिन्तामणि—वाचस्पतिमिश्र विरचित कलकत्ता ३॥)
- ५४५ दत्तकमीमांसा—नंद पंडित विरचित काशी ॥)
- ५४६ दण्ड विवेक-वर्धमान विरचित बड़ोदा ८॥)
- Dandaviveka or a comprehensive Penal Code of the ancient Hindus by Vardhamana of the 15th. century A. D. 1931. Baroda 8-8-0
- ५४७ दानमयूख-नीलकण्ठ विरचित काशी १॥)
- ५४८ दानमयूख— „ „ अत्युत्तम मुम्बई २)
- 549 Dayatattwa of Raghunandana with English translation by G. S. Sastri M. A., B. L. Very rare. Calcutta 40-0-0
- ५५० दायभाग-जीमूत वाहन कृत-कृष्णतर्कालंकार कृत व्याख्या २)
- ५५१ धर्मतत्त्वनिर्णयः-म. म. वासुदेव शास्त्रिप्रणीतः पूना ॥-)
- ५५२ धर्मप्रदीप—तिथ्यादिनिर्णय— मुम्बई १।)
- 553 Dharma Sastras original text with English translation by M. N Datt M. A., containing Smritis, complete in 5 Vols. Very rare. Calcutta 35-0-0
- ५५४ धर्मशास्त्रसंग्रह—इसमें २६ स्मृतियें हैं कलकत्ता ११)
- ५५५ धर्मसिन्धु—मूलमात्र मुम्बई ३)
- ५५६ धर्मानुबन्धीश्लोकचतुर्दशी-शेषकृष्ण विरचित काशी १)
- ५५७ नवरात्रप्रदीप—नन्द पंडित विरचित „ २)
- ५५८ नारदीयमनुसंहिता-भवस्वामि कृत भाष्य सहित टीवेंड्रम् २८)
- ५५९ नारद स्मृति-संपूर्ण दुष्प्राप्य—सोसाइटी कलकत्ता ३५)
- Institutes of Narada together with copious extracts from the Naradathashya of Ashaya and other standard commentaries edited by J. Jolly Very rare copy. 35-0-0
- 560 Narada and Brihaspati or Minor Law Books translated into English by J. Jolly. Europe 9-6-0
- 561 Palmblatt Handschrift des Narada by A. Conrady. 2-8-0
- ५६२ निर्णयामृत—धर्मशास्त्र निबंध मुम्बई २)
- ५६३ निर्णयसिन्धु—मूल टिप्पणी सहित मुम्बई ३॥) तथा २॥)
- ५६४ निर्णयसिन्धु—कृष्णभट्ट कृत व्याख्या सहित संपूर्ण काशी २२)
- ५६५ नीतिमयूख-critically edited by J. R. Gharpure. 2-4-0
- ५६६ नातमयूख-मूल संपूर्ण मुम्बई १।)

- ५६७ पञ्चालम्भमीमांसा-वामन शास्त्री विरचित पूना ॥२)
- ५६८ पाराशरसंहिता-मध्वाचार्य कृत भाष्य सहित संपूर्ण ६ जिलदों में दुष्प्राप्य ७५)
- Parashra Samhita with Madhva Bhashya complete in 6 Vols. Very rare. Bombay 75 0-0
- ५६९ पाराशरस्मृति-श्रीविनायक धर्माधिकारी कृत व्याख्या ३॥)
- ५७० पाराशरस्मृति-माध्वाचार्य प्रणीत भाष्य सहित-पाराशर माधव संपूर्ण दुष्प्राप्य सोसाइटी का छपा कलकत्ता ९०)
- Parashara Smriti or Parashara Madhava with Madhva-bhashya complete set Very rare. Calcutta 60-0-0
- 571 Parashara Smriti English trans. 1-0-0
- ५७२ पुरुषार्थचिन्तामणी-विष्णुभट्ट कृत बारीक मुम्बई २०)
- ५७३ पुरुषार्थचिन्तामणी—, स्थूलाक्षर पूना ४)
- 574 Position of Women in Hindu Law by Dwarka Nath 12-0-0
- ५७५ प्रपञ्चसार विवेक—खुलापत्रा मुम्बई १)
- ५७६ प्रपञ्चहृदय—एक अद्भुत ग्रन्थ द्विवेङ्गम् १-)
- ५७७ प्रायश्चित्त कदम्ब—गोपालन्यायपञ्चानन काशी ॥१)
- ५७८ प्रायश्चित्तेन्दुशेखर—काशीनाथ कृत मुम्बई ॥१)
- ५७९ प्रायश्चित्तनिर्णय—अग्निपुराणोक्त " =)
- ५८० प्रायश्चित्त प्रकरण भवदेव विरचित बंगाल २)
- ५८१ प्रायश्चित्तप्रकाश—पं. चतुर्थीलाल कृत मुम्बई १)
- ५८२ प्रायश्चित्तमयूख—critically edited by Gharpure. 2-4-0
- ५८३ प्रायश्चित्तमयूख—सटिप्पण मुम्बई ॥)
- ५८४ प्रायश्चित्तविवेक—गोविन्दानन्द कृत टीका कलकत्ता ३)
- ५८५ प्रतिष्ठामयूख—मूल मुम्बई ॥
- ५८६ प्रतिष्ठामयूख—critically edited by Gharpure. 0-14-0
- 587 Fictions in the development of the Hindu Law texts—an original treatise in Hindu Law and jurisprudence by C. Sankararama Sastri. Madras 4-0-0
- ५८८ बौधायनधर्मशास्त्र—अत्युत्तम जर्मनी १२)
- Baudhayana Dharm Sastra original text in Nagari ch. with appendix and notes by E. Hultzsch. 12-0 0
- ५८९ बौधायनधर्मसूत्र—गोविन्दस्वामि प्रणीत विवरण समेत मैसूर १२)
- ५९० ब्राह्मणसर्वस्व—दत्तायुध कृत काशी २)

- ५११ मधुसूदनसंहिता—श्रीनिगमागम मंडली मुम्बई २)
- ५१२ मनुस्मृति—कुल्लुकभट्ट कृत टीका सहित ,, २॥)
- ५१३ मानवधर्मशास्त्र—(मनुस्मृति)मेधातिथी, सर्वज्ञनारायण, कुल्लुक, राघवानंदनंदन, रामचंद्र, भट्टगोविन्दराज आदि ७ टीका सहित ३ भागों में दुष्प्राप्य मुम्बई ५०)
- Manavadharma Sastra with 7 original commentaries edited by N. C. Mandlik complete in 3 Vols. 50 0-0
- ५१४ मानवधर्मशास्त्र—श्रंग्रेजी अनुवाद सहित विलायत ६०)
- Manavadharma Sastra or the Institutes of Manu critically edited with the original text and English translation according to Kulluka by G. C. Haughten complete in 2 Vols. Very rare. 1825 London 60-0-0
- ५१५ मनुटीकासंग्रह—दुष्प्राप्य कलकत्ता ५)
- Manutikasangrah being a series of copious extracts from six unpublished commentaries of the code of Manu edited by Dr. Jolly. Calcutta 5-0-0
- 596 Manu translated into English by Buhler. 15-12-0
- 597 Manava Dharam Sastra according to the gloss of Kulluk verbally translated into English by William Jones Very rare copy. 1796 40-0-0
- 598 Manu Smriti with the commentary of Medhatithi translated into English by Dr. Ganganath Jha complete in 10 Vols. Calcutta 66-8-0
- 599 Manu Smriti Notes, by the above author-textual, explanatory and comparative in 3 big Vols. Calcutta 42 0-0
- 600 Manusamhita—Chapter 7th. with trans. by S. Ray 2-0-0
- 601 Manu Samhita translated into Eng. by M. N. Dutt 5-0-0
- 602 Laws of Manu, abridged Eng. trans. by J. Murdoch. 2 8-0
- 603 Manu's Land and Trade Laws by R. S. Vaidyanath. 8-0-0
- 604 Mutual Relations of the four castes according to Manva-dharma by Hopkins. Germany 5-0-0
- ६०५ मातृकाविलास—सर्वशास्त्र संग्रह मुम्बई २)
- ६०६ मांसतत्त्वविवेक—विश्वनाथ न्यायपञ्चानन विरचित काशी ॥)
- ६०७ याज्ञवल्क्य स्मृति—मिताक्षरा व्याख्या सहित मुम्बई २॥)
- ६०८ याज्ञवल्क्य स्मृति—मिताक्षरा सहित critically edited by J. R. Gharpure. 6-12-0

- ६०६ याज्ञवल्क्यस्मृति विश्वरूपाचार्य कृत बालक्रीडा व्याख्या सहित २ भागों में (आचार, व्यवहार, प्रायश्चित खण्ड) ५॥=)
- ६१० याज्ञवल्क्यस्मृति सुबोधनी और बालम्भट्टी दो व्याख्या युक्त मिताक्षरा तथा विश्वरूपाचार्य कृत बालक्रीडा सहित critically edited by S. Setlur. Bombay 10-0-0
- ६११ याज्ञवल्क्यस्मृति-मित्र मिश्र तथा विज्ञानेश्वर कृत २ टीका ११)
- ६१२ याज्ञवल्क्यस्मृति अपरार्क टीका सहित २ भागों में पूना १६)
- ६१३ याज्ञवल्क्यस्मृति-बालम्भट्टी समाख्यव्याख्या समलंकृता मिताक्षरा सहित व्यवहाराध्याय ११ भागों में काशी १६॥)
- ६१४ बालम्भट्टी-लक्ष्मीदत्तपरनाम्नीमितक्षराव्याख्या स्वपत्नी लक्ष्मीदेवीनाम्ना बालम्भट्टपायगुण्डेन विरचिता ३ भाग मुद्रिता २१)
- ६१५ सुबोधनी-विश्वेश्वरभट्ट कृत (मिताक्षरा के ऊपर व्याख्या) व्यवहाराध्याय केवल ३)
- ६१६ बालम्भट्टी-आचाराध्याय edited by J. R. Gharpure 11-4-0
- ६१७ बालम्भट्टी-व्यवहाराध्याय edited by J. R. Gharpure 6-12-0
- ६१८ बालम्भट्टी-प्रायश्चित्ताध्याय edited by Gharpure. 6-12-0
- 619 English translation of Yajnavalkyasmriti (Vyavharadhyaya) by Gharpure. 17-0-0
- 620 English translation of Mitakshra and Dayabhaga of Jimutvahana or Two Treatises on the Hindu Law of Inheritance by H T. Colebrooke 1867 Very rare 50-0 0
- 621 Yajnavalkyasmriti with the comm. of Mitakshra translated into English by R. B. Srischandra Acharadhyaya. 15-0-0
- 622 Do. Do. Prayaschitadhyaya 10-0-0
- 623 Yajnavalkyasmriti Vyavharadhyaya only translated into English by M. L Sandal. Allahabad 3-0-0
- 624 English translation of Subodhini Vyavharadhyaya only by Gharpure. 11-4-0
- 625 Die Yajnavalkyasmriti translated into German by Losch 1927. Germany 14-0-0
- 626 Die Altindische Strafrecht nach der Mitakshra von Jolly Germany 6-0-0
- ६२७ यतिधर्म संग्रह—विश्वेश्वर सरस्वती कृत पूना १॥॥)
- ६२८ यीशुख्रीष्टेन निरूपितस्य नूतनधर्मनियमस्यग्रन्थसंग्रह १०)

- New Testament in Sanskrit V. rare. 10-0-0
- 629 Rites of the Twice Born by S. Stevenson. 15-12-0
- ६३० वासिष्ठ धर्मशास्त्र—मूल टाईप edited by Fuhrer. 1-0-0
- ६३१ विधान परिजात-स्मृतिनिबन्ध काव्यशास्त्रीय श्रीनागदेव भट्टा-
त्मज श्रीमदनन्तदेव भट्ट विरचिता अपूर्ण कलकत्ता १५)
- ६३२ विधानमाला—श्रीनृसिंह भट्ट विरचित पूना ४॥)
- ६३३ विवादाण्यवसेतु—धर्मशास्त्र सम्बन्धीय मुम्बई २॥)
- ६३४ विवादचिन्तामणी—धर्मशास्त्र „ १॥)
- 635 Vivadchintamani or a succinet commentary on Hindu
Law translated into English by P. C. Tagore, 1865.
Very Rare. Calcutta 55-0-0
- ६३६ विवादरत्नाकर-चण्डेश्वर प्रणीत कलकत्ता ६)
- ६३७ विष्णुस्मृति-critically edited by J. Jolly कलकत्ता १५)
- 638 Institutes of Vishnu translated into Eng. by Jolly 9-6-0
- ६३९ वीरमित्रोदय-म. म. मित्र मिश्र विरचित आह्निक प्रकाश काशी ९)
- ६४० „ „ „ तीर्थप्रकाश „ ६)
- ६४१ „ „ „ पूजाप्रकाश „ ६)
- ६४२ „ „ „ राजनीतिप्रकाश „ ७॥)
- ६४३ „ „ „ लक्षणप्रकाश „ १०॥)
- ६४४ „ „ „ व्यवहाराध्याय „ ६)
- ६४५ „ „ „ „ कलकत्ता ५)
- ६४६ „ „ संस्कारप्रकाश-सापिण्ड्यदीपिकश्च काशी १६॥)
- 647 The Law of Inheritance as in the Virmitrodaya of Mitra
Misra with English translation by G. S. Sastri. 55-0-0
- ६४८ वृद्धकर्मविपाकसूर्यारण्य-संपूर्ण २५००० श्लोक मुम्बई ७)
- 649 Vedic Basis of Hindu Law P. V. Kane. 1-2-0
- 650 Vedic Law of Marriage or the emancipation of women
by A. Mahadeva Sastri. Madras 1-8-0
- ६५१ वैखानसधर्मप्रश्न-प्रवरखण्ड सहित मद्रास १)
- 652 Vaikhanas Dharma Sutra-Intro. translation, and notes
with tables of Pravara in English by K. Rangachari
M. A. 1930. Madras 3-4-0
- 653 Das Grihya and Dharmasutra der Vaikhanasa von Bloch.
Germany 2-0-0
- ६५४ व्यवहारमयूख-नीलकण्ठ भट्ट कृत मुम्बई १॥)

- ६५५ व्यवहारमयूख—critically edited by Gharpure. 3-8-0
- ६५६ व्यवहारमयूख—of Nilkanth critical edition of the text with exhaustive notes and intro. by P. V. Kane. 10-0-0
- 657 English translation and notes of Vyavhara Mayukha by J. R. Gharpure. 13-8-0
- ६५८ वात्यता प्रायश्चित्त निर्णय-महान लघुश्च काशी १॥)
- ६५९ शंख लिखित धर्मशास्त्र—reconstructed. पूना १॥)
- ६६० शान्तिमयूख—नीलकण्ठ विरचित edited by Gharpure. २॥)
- ६६१ शाश्वत धर्मदीपिका-मन्वादिस्मृति भारत इतिहासेभ्यः म. म. श्री गंगाधर शास्त्रिणा संकलिता काशी १)
- ६६२ शुद्धिभास्कर—पञ्चनाभ विरचित ,, ॥)
- ६६३ शुद्धिमयूख—नीलकण्ठ विरचित edited by Gharpure. १=)
- ६६४ शुद्धिविवेक—मूल काशी ॥=)
- ६६५ शुद्धिसर्वस्व—रामशास्त्रि विरचित ,, १)
- ६६६ श्राद्धमयूख—टार्डिप-नीलकण्ठ विरचित मुम्बई १॥)
- ६६७ श्राद्धमयूख—critically edited by Gharpure. ,, २॥)
- ६६८ षड्शीति-आदित्याचार्य प्रणीता काशी २)
- ६६९ सत्यार्थप्रकाश दयानन्द सरस्वती कृत संस्कृतानुवादः २॥)
- ६७० सनातनधर्मदीपिका-श्री हंसयोगी विरचित प्रथम भाग १=)
- 671 Sanatandharamadipika of Hans Yogi translated into English. Madras 2-4-0
- ६७२ समयमयूख—नीलकण्ठ विरचित मुम्बई १॥)
- ६७३ समयमयूख—critically edited by Gharpure. ,, १॥॥)
- ६७४ सरस्वतीविलास-व्यवहार काण्ड-प्रतापरुद्र विरचित २॥॥-)
- ६७५ सर्वमत संग्रह—टार्डिप द्वीवेन्द्र ॥-)
- 676 Sacred Laws of the Aryas translated into English by Buhler 1 part. Europe 9.6 0
- 677 Sources of Law and Society in Ancient India by Nareschchandrasen. Calcutta 1-8-0
- ६७८ संस्कारपद्धति—भट्टगोपीनाथ विरचित पूना २॥)
- ६७९ संस्कारमयूख—नीलकण्ठ विरचित मुम्बई ॥॥)
- ६८० संस्कारमयूख—critically edited by Gharpure. 2-4-0
- ६८१ स्मृतिकौस्तुभ-अनन्तदेव भट्ट कृत मुम्बई २=)
- ६८२ स्मृतिचन्द्रिका-याज्ञिकदेवणभट्टोपाध्याय सोमयाजिरचित ६

जिल्दों में संपूर्ण (संस्कार+आह्निक+व्यवहार+श्राद्ध+आशौच)
मैसूर १०॥

- ६८३ स्मृतिचन्द्रिका-देवणभट्ट कृत-आह्निक+व्यवहार+श्राद्ध criti-
cally edited by Gharpure. 13-8-0
- ६८४ स्मृतितत्व-रघुनन्दन भट्टाचार्य कृत २ भागों में कलकत्ता १०)
- ६८५ स्मृत्यर्थसागर-माध्वसंप्रदायी धर्मशास्त्र मुम्बई १॥)
- ६८६ स्मृत्यर्थसार-श्रीधराचार्य विरचित पूना १॥=)
- ६८७ स्मृतिप्रकाश-वासुदेव प्रणीत १ भागा मुद्रिता कलकत्ता ॥)
- ६८८ स्मृतिरत्नाकर-वैकटनाथ विरचित मुम्बई २)
- ६८९ स्मृतिसमुच्चय-इसमें २७ स्मृति हैं पूना ५)
- ६९० स्मृतिसारोद्धार-विश्वम्भर त्रिपाठी संकलित काशी ६)
- ६९१ द्वारलता-निरुद्ध भट्ट विरचित कलकत्ता २१)
- 692 Hindu Philosophy of Law by Radhabino i Pal Bare 10-0-0
- 693 Hindu Law by J. R. Gharpure B A., 4th. edition 13-8 0
- 694 Hindu Law or the Defence of the Dayabhaga by J. Cochrane 1872. 20-0-0
- 695 Hindu Law and Custom by Jolly authorised English trans. by B. Ghosh. Calcutta 10-8-0
- 696 History of the Dharmasastras in English by P. V. Kane. Poona 15-0-0

कर्मकाण्ड वा प्रयोगग्रन्थ

- ६९७ अग्निहोत्रचंद्रिका- पूना २॥=)
- ६९८ अन्त्यकर्मदीपक-आशौचकालनिर्णयसहित काशी १॥)
- ६९९ अन्त्येष्टी पद्धति विश्वनाथ विरचित मुम्बई ३॥)
- ७०० अन्त्येष्टी श्राद्ध कर्म पद्धति-चतुर्थीलाल कृत , १)
- ७०१ अष्ट शान्ति प्रयोग " =)
- ७०२ आचारार्क-दिवाकर कृत मुम्बई ॥१)
- ७०३ आचारादर्श-उपाध्याय कृत , ॥)
- ७०४ आचारेन्दु-त्र्यम्बक विरचित पूना ४)
- ७०५ आचारभूषण- " " " ४॥=)
- ७०६ आचाररत्न-आह्निकग्रन्थ मुम्बई १)
- ७०७ आधानपद्धति-वामनशास्त्रि विरचित पूना १॥=)
- ७०८ आह्निकचन्द्रिका-सायणमन्त्रभाष्य सहित मुम्बई १)
- ७०९ आह्निककर्मसूत्रावली- " २॥)
- ७१० आह्निक शुक्लयजुर्वेदी मुम्बई १)
- ७११ आह्निकसूत्रावली-वैद्यनारायण संगृहीत " २॥)

- ७१२ उपनयनपद्धति—यज्ञोपवीतसंस्कार मुम्बई ३)
- ७१३ एकोदशश्राद्ध—सांवत्सरिक " ३)
- ७१४ कर्मप्रदीप—छान्दोग्य परिशिष्ट २ भाग मुद्रिता कलकत्ता २)
- 715 Karmapradipa von Schroeder 2 prapathakas. 4-0 0
- ७१६ कातीयेष्टिदीपकः—(दर्श पौर्ण मास पद्धति) काशी)
- ७१७ कुराडरत्नावली—सटीक खुला मुम्बई १)
- ७१८ कुराडसिद्धि—सटीक " ॥)
- ७ १ कुराडार्क—सटीक " १=)
- ७२० कुष्कण्डिकाभाष्य—खुला " १)
- ७२१ कृत्यरत्नाकर—चंडेश्वर विरचित संपूर्ण कलकत्ता ६)
- ७२२ कृत्यसारसमुच्चय—अमृतनाथशर्मा विरचित मुम्बई)
- ७२३ गोत्रप्रवरनिबन्धकदम्बम्—पुरुषोत्तम पंडित विरचित " ३)
- ७२४ गोत्रप्रवरनिबन्धकदम्बम्—critical edition दुष्प्राप्य मैसूर १२)
- ७२५ गोविन्दार्चनचंद्रिका—संपूर्ण मुम्बई ६)
- ७२६ ग्रहशान्ति—शुक्लयजुर्वेदोक्त " ॥=)
- 727 Doctrine du sacrifice of Brahmins par S. Levi. 12-0-0
- ७२८ छंदोगाह्निकम्—सामवेदीय आह्निकग्रन्थ मुम्बई ॥)
- ७२९ छान्दोग्यमन्त्रभाष्य—गुणविष्णुविरचित कलकत्ता ३॥)
- ७३० जलशयोत्सर्गप्रकाश—वापिकूपतडागादि मुम्बई २)
- 731 Daily Practise of the Hindus containing the morning duties in Eng. by R. B. Srischandra. 3-0-0
- ७३२ तुलादानपद्धति—तारानाथ विरचित कलकत्ता ४)
- ७३३ दशकर्मपद्धति—मूल खुला मुम्बई ॥=)
- ७३४ दानक्रियाकौमुदी—गोविन्दानंद विरचित कलकत्ता २॥)
- ७३५ दानचंद्रिका मुम्बई ॥=)
- ७३६ दानसंग्रह—पं. महीधर संगृहीत " २)
- ७३७ नवग्रहविधानपद्धति—मूल " १=)
- ७३८ नारायणवली—खुली " ॥)
- ७३९ नारायणभट्टी—प्रयोगरत्न—खुला पत्रा " २)
- ७४० नित्यकर्मप्रयोगमाला—संगृहीत " १)
- ७४१ नित्याचार प्रदीप—१३ भागा मुद्रिता कलकत्ता १२॥)
- 742 Nityanika or the Daily rites of Brahmanas in English. Madras 1 0-0
- ७४३ नित्याचारपद्धति—विद्याकर वाजपेयी कृत कलकत्ता ५॥)

७४४	नूतनगृहप्रवेशहवनपद्धति	मुम्बई १॥)
७४५	पितृदयिता—अनिरुद्ध भट्ट कृत	कलकत्ता १।)
७४६	पौराणिकर्मदर्पणम्—श्रीशिवशंकरविरचित ६१८ विषय सहित	
	कर्मकांड का अत्युत्तम ग्रन्थ	मुम्बई ६)
७४७	पौरोहित्यकर्मसार—सटिप्पण २ भाग में	काशी ॥।)
७४८	पूजासमुच्चय इसमें ०० विषय हैं	मुम्बई १)
७४९	प्रतिष्ठासंग्रह - पं. रामलाल कृत	„ ४)
७५०	प्रयोग पारिजातस्य - षोडशसंस्कारकाण्डम्	„ ४)
७५१	बृहद्वेदसंहिता-नारदपंचरात्रान्तर्गता	पूना १॥।)
७५२	बृहत्कर्मकाण्डसमुच्चय-	मुम्बई १८)
७५३	ब्रह्मकर्म समुच्चय-ऋग्वेदी-३८८ विषय	„ २॥।)
७५४	ब्रह्मकर्म समुच्चय-हिरण्यकेशी-३८८ विषय	„ ३॥)
७५५	ब्रह्मनित्यकर्म—शुक्लयजुर्वेदीयनां	मुम्बई १॥)
७५६	भद्रमार्तण्ड—सचित्र खुला	„ १।)
७५७	मंडपकुण्डसिद्धि—श्रीविठ्ठलदीक्षित विरचित	„ १।)
७५८	रामार्चनचंद्रिका—आनन्दवन प्रणीत	„ १)
७५९	रुद्राभिषेकानुष्ठान पद्धति	„ २)
७६०	रुद्राभिषेकानुष्ठान पद्धति—श्रीमार्तण्डसोमयाजिविरचित	१८)
७६१	लघुदर्पण—अनेक विषय	काशी ३)
७६२	वर्षक्रियाकौमुदी—कंकणाचार्य विरचित	कलकत्ता ५।)
७६३	वास्तुप्रतिष्ठासंग्रह—पं. रामचंद्र कृत	मुम्बई १॥)
७६४	वास्तुशान्तिप्रयोग—	„ १॥)
७६५	विवाहपद्धति—मूलमात्र	लाहौर ॥)
७६६	„ „ पं. निवाडुराम कृत सं. टीका	„ १।)
७६७	व्रतकोश—जगन्नाथ शास्त्रिणा संगृहीत	काशी ४)
७६८	व्रतराज—मूल विश्वनाथ दैवज्ञ विरचित	मुम्बई ६)
७६९	व्रतोद्यापनकौमुदी-	„ १)
७७०	व्रतोद्यापनप्रकाश-पं. चतुर्थीलाल कृत	„ १॥।)
७७१	शाण्डिल्यसंहिता—मुनि शाण्डिल्य प्रणीत	मुम्बई ३)
७७२	शान्तिकमलाकर—अत्युत्तम ग्रन्थ	„ ५)
७७३	शान्तिप्रकाश—मूल खुला पत्रा	„ ३)
७७४	शान्तिसार—दिवाकर भट्ट कृत	„ २)
७७५	शिवार्चनपद्धति—मूलमात्र	„ १)

- ७७६ शुद्धि कौमुदी—गोविन्दानंद विरचित कलकत्ता ३॥)
- ७७७ शुक्लयजुःशाखीय कर्मकाण्डप्रदीप मुम्बई ४॥)
- ७७८ श्राद्धक्रियाकौमुदी—कंकणाचार्य विरचित कलकत्ता ५॥)
- ७७९ श्राद्धप्रकाश—महानिबन्ध (गौडीय)—चतुर्थीलाल कृत मुम्बई ४)
- ७८० श्राद्धमंजरी—बापुभट्ट विरचित पूना २)
- ७८१ श्राद्धविवेक—मूल मुम्बई १)
- ७८२ श्रावणी प्रयोग— , ॥=)
- 783 Sanatan Dharam Dipika or Anushtanehandrika by Hans Yogi in 2 pts. 2-12 0
- ७८३ संध्याभाष्य समुच्चय—६ भाष्य सहित पूना २)
- ७८४ सर्वदेवप्रतिष्ठाप्रकाश—मूलमात्र मुम्बई २)
- ७८६ संस्कार कौस्तुभ—अनन्तदेव कृत , २)
- ७८७ संस्कारदीपकः—परिशिष्टदीपकश्च काशी ६॥)
- ७८८ संस्कारपद्धति—भास्कर शास्त्रि विरचित पूना २॥)
- ७८९ संस्कार प्रकाश—गौड सम्प्रदाय के दश संस्कारों समेत २)
- ७९० संस्कार भास्कर—ऋषि संज्ञेन रचित मुम्बई ३॥)
- ७९१ संस्कार रत्नमाला—गोपीनाथ भट्ट विरचित संपूर्ण पूना १२॥)
- ७९२ सापिण्ड्यकल्पलतिका—नारायण कृत वृत्ति सहित काशी १॥)
- ७९३ सूरिसर्वस्व—कवि कंकणाचार्य विरचित कलकत्ता २॥)
- 794 Hindu Exogamy by Karandikar—A scientific exposition of Hindu Marriage customs. Bombay 6-0-0

पाञ्चरात्र आगम ग्रन्थ

- ७९५ अहिरबुधन्यसंहिता—पाञ्चरात्र आगम २ बडिया जिलदों में संपूर्ण मदरास १०)
- Ahimbudhanya Samhita of the Panchratra Agama critically edited under the supervision of Dr. Schroeder in 2 Vols Madras 10 0-0
- 796 Introduction to the Panchratra and the Ahimbudhnyasamhita in English by Dr. Schroeder. Madras 3 0-0
- ७९७ ईश्वरसंहिता—पाञ्चरात्रग्रन्थाः कांची ७॥)
- ७९८ जयाख्यसंहिता—पाञ्चरात्रागम बहुत प्राचीन ग्रन्थ बड़ोदा १२)
- Jayakhyasamhita—an authoritative Pancharatra work of the 5th century A. D. highly respected by the South Indian Vaishnavas—Published for the first time. 12-0-0

- ७६६ नारद पंचरात्र-(भारद्वाज संहिता) सटीक मुम्बई १।)
 ८०० नारद पंचरात्र-(ज्ञानामृतसार) संपूर्ण अत्युत्तम दुष्प्राप्य
 सोसाइटी का कलकत्ता २५)
 Narada Panchratra critically edited by K. M. Benerjee.
 Very rare copy 1865. 25 0-0
 801 Narada Panchratra Jnanasamhita translated into
 English by Swami Vijnanananda. Allahabad 6-0 0
 ८०२ पारमेश्वरसंहिता-सव्याख्या पाञ्चरात्र ग्रन्थः काशी १०)
 ८०३ सात्वत संहिता-पाञ्चरात्र ग्रन्थ २॥)

पूर्व मीमांसादर्शन ग्रन्थ

- ८०४ अर्थसंग्रह-लौगाक्षी भास्कर कृत मूल कलकत्ता १।)
 ८०५ अर्थसंग्रह-रामेश्वरशिवयोगी कृत व्याख्या सहित मुम्बई ॥८)
 ८०६ अर्थसंग्रह रामेश्वरयोगी कृत व्याख्या तथा टिप्पणी सहित ॥८)
 ८०७ अर्थसंग्रह-कृष्णनाथ न्याय पञ्चानन कृत टीका सहित ॥)
 ८०८ अधिकरण कौमुदी-देवनाथ ठाकुर कृत काशी १॥)
 ८०९ अध्वरमीमांसा कुतूहलवृत्ति-वासुदेव दीक्षित विरचित
 (जैमिनीयसूत्रव्याख्या) अपूर्ण मदरास १०)
 ८१० जैमिनीयन्यायमाला विस्तरः-अतिस्थूलाक्षर विलायत ४०)
 Jauminiya Nyayamalavistara of Madhvacharya critically
 edited by Th. Goldstucker Very rare 1878. 40-0-0
 ८११ जैमिनीयन्यायमाला अर्थात् मीमांसाधिकरण न्यायमाला
 माध्वाचार्य विरचित तथा स्वराचित विस्तराख्य व्याख्या पूना ८)
 ८१२ " " " " कलकत्ता ६)
 ८१३ जैमिनीयसूत्रवृत्ति-रामेश्वरसूरी कृत काशी २॥)
 ८१४ तत्त्वबिन्दु-पं. वाचस्पति मिश्रकृता काशी ८)
 ८१५ तंत्ररहस्य-रामानुजाचार्य विरचित (प्रभाकरमत) मुम्बई १॥)
 ८१६ तंत्रवार्तिकम्-कुमारिल भट्ट विरचित यंत्रस्थ काशी
 817 Tantra Vartik translated into English by Dr. Ganganath
 Jha complete. Calcutta 25-0-0
 ८१८ तंत्रवार्तिकाविशेष-दुप्टीका काशी ६)
 ८१९ न्यायबिन्दु-वैद्यनाथ भट्ट प्रणीत सटिप्पण मुम्बई १।)
 ८२० न्यायरत्नमाला-पार्थसारथि मिश्र प्रणीत काशी ३)
 ८२१ न्यायसुधा-तंत्रवार्तिक टीका भट्टसोमेश्वर विरचित काशी २५)

- ८२२ पूर्वमीमांसाधिकरण कौमुदी रामकृष्ण विरचित काशी १॥)
- ८२३ प्रकरणपञ्चिका-प्रभाकरमतानुसारि मीमांसा दर्शन ,, ५)
- ८२४ प्रभाकरविजय-नन्दीश्वर विरचित कांची १॥)
- ८२५ बृहती-प्रभाकर मिश्र विरचित १म भाग काशी १॥)
- ८२६ भाट्टचिन्तामणि -तर्कपादः ,, ३)
- ८२७ भाट्टदीपिका-प्रभावल्लीटीका-निर्वीतान्तोभाग मुम्बई ६)
- ८२८ भाट्टदीपिका-८ भागा मुद्रिता अविशिष्ट मुद्रयते कलकत्ता ६)
- ८२९ भाट्टभाषाप्रकाश -नारायणतीर्थ कृत काशी ॥=)
- ८३० भाट्टरहस्य -मूलमात्र कांची १॥)
- ८३१ मानमेयोदय-नारायण भट्ट विरचित दुष्प्राप्य द्रीवेंडूम ४॥)
- ८३२ मीमांसार्थप्रकाश सटीक-लौगालि-भट्टकेशवविरचित १)
- ८३३ मीमांसा अनुक्रमणिका-मंडनमिश्र कृत काशी ७॥)
- ८३४ मीमांसा कौस्तुभ-खण्डदेव विरचित ८ भाग काशी १२)
- ८३५ मीमांसा कौस्तुभ-१-४-५ भाग कांची ४)
- ८३६ मीमांसा दर्शन-जैमिनी मुनि प्रणीत मूल मुम्बई १)
- ८३७ मीमांसा दर्शन जैमिनी मुनि प्रणीत मूल काशी ॥=)
- ८३८ मीमांसा दर्शन-शबर स्वामि कृत भाष्य सहित २ भागों में १०)
- ८३९ मीमांसा दर्शन-शबर भाष्य तथा तंत्रवार्त्तिक सहित ३ अध्याय तक संपूर्ण ३ भागों में अविशिष्ट मुद्रयते पूना १३॥=)
- 840 Purva Mimansa Sutras with an original comm. in English by Dr. Ganganath Jha Very rare. 10-0-0
- 841 Jaimini Sutras of Purva Mimansa translated into English by Mohan Lal Sandal complete. Allahabad 20-0-0
- 842 Introduction to Jaimini Sutras by Mohan Lal 4-8-0
- 843 Brief Sketch of Purva Mimansa system by Kane. 1-4-0
- 844 Jaimini Sutras—an essay by Dr. Belvalkar. 0-8-0
- ८४५ मीमांसान्यायप्रकाश- मुम्बई ॥=)
- ८४६ मीमांसान्यायप्रकाश-सार विवेचनी टीका सहित काशी २)
- ८४७ मीमांसान्यायप्रकाश-भाट्टालंकार टीका सहित ,, ५)
- ८४८ मीमांसान्यायप्रकाश-अनन्तदेव कृत टीका सहित पूर्वार्द्ध १)
- ८४९ मीमांसान्यायप्रकाश-मदनमोहन निर्मितया टिप्पण्या सनाथः २)
- ८५० मीमांसान्यायप्रकाश-कृष्णनाथ कृत टीका सहित कलकत्ता २॥)
- 851 Mimansa Nyaya Prakasha trans'ated by F. Edgerton. America 15-12-0

- ८५२ मीमांसा पादुका— कांची ॥=)
- ८५३ मीमांसा परिभाषा—कृष्णयज्वकृत मूल मुम्बई १)
- ८५४ मीमांसा परिभाषा—सटीक कलकत्ता ॥=)
- ८५५ मीमांसा परिभाषा-परिष्कार तथा अक्षरार्थ २ टीका २॥)
- ८५६ मीमांसा बालप्रकाश—भट्टशंकर विरचित काशी ३)
- ८५७ मीमांसा शास्त्रसार—अनन्त कृष्ण शास्त्रि मुम्बई १)
- ८५८ विधिरसायन-अप्यदीक्षित कृत काशी ३)
- ८५९ शास्त्रदीपिका—सोमनाथ प्रणीत मयूख मालिका व्याख्या संव-
लिता प्रत्यधिकरणविभक्त जैमिनीय न्यायमाला मुम्बई ८॥)
- ८६० शास्त्रदीपिका-प्रथमस्तर्कपादाः ,, ,, १॥)
- ८६१ शास्त्रदीपिका—तर्कपाद रामकृष्ण व्याख्या ५ भाग में काशी ५)
- ८६२ शास्त्रदीपिका-तर्कपाद-पं. सुदर्शनाचार्य कृत व्याख्या ,, ४)
- ८६३ श्लोकवार्त्तिक—कुमारिलभट्ट विरचित सटीक संपूर्ण ,, २०)
- ८६४ श्लोकवार्त्तिक—सुचरितमिश्र कृत काशिका २ भागों में ४॥॥)
- 865 Sloka Vartik translated into English by Dr. Ganganath
Jha complete. Calcutta 10-0-0
- ८६६ सेखरमीमांसा—श्रीवेदान्तचार्य विरचित कांची १॥=)
- ८६७ संकर्षकाण्ड—सटिप्पण काशी १॥)

वेदान्त ग्रन्थ

(शंकर+रामानुज+मध्व+वैष्णव आदि)

- ८६८ अच्युत शतक—श्रीवेदान्तदेशिक विरचित मदरास १-)
- ८६९ अणुभाष्यम्—बादरायण प्रणीत वेदान्तसूत्रस्य वल्लभाचार्य कृत
द्वैताद्वैतपरं व्याख्यानम्-सोसाइटी का संपूर्ण दुष्प्राप्य १२)
- ८७० अणुभाष्य-प्रकाश व्याख्या सहित संपूर्ण काशी २२॥)
- ८७१ अणुभाष्य-बालबोधनी व्याख्या सहित संपूर्ण २ भाग पूना ६॥)
- ८७२ अणुभाष्यम्-पञ्चटीका सहितम्-त्रिसूत्री परिमितोभागः ३॥)
- ८७३ अणुभाष्यस्य-प्रकाशरश्मिपरिवृंहितस्य तृतीयोऽध्यायः ५॥=)
- ८७४ ,, ,, ,, ,, चतुर्थोऽध्याय ४)
- ८७५ अणुभाष्य प्रदीप— मुम्बई ४)
- 876 Artha Panchaka or the 'five truths' by P. Lokacharya
text with English translation by Govindacharya 5-0-0
- ८७७ अद्वैतामोद-वासुदेव शास्त्रि प्रणीत पूना २)
- ८७८ अद्वैतचिन्ता कौस्तुभ—(तत्त्वानुसंधान) ४ भाग में संपूर्ण ३॥॥)

- ८७६ अद्वैतचिन्तामणि-रङ्गोजीभट्टविरचित काशी १॥)
- ८८० अद्वैतचंद्रिका—पं. सुदर्शनाचार्य ,, ॥=)
- ८८१ अद्वैततरणि—नटेशार्य विरचित मदरास १॥)
- ८८२ अद्वैतदीपिका—सटीक २ भागों में काशी ८॥)
- ८८३ अद्वैतब्रह्मसिद्धि—काश्मीरिक सदानंद यति विरचित-वामन शास्त्रि विरचित व्याख्या सहित दुष्प्राप्य सोसाइटी का २०)
- ८८४ अद्वैतब्रह्मसिद्धि-सदानंद यति विरचित सटिप्पण पूर्वार्द्ध १।)
- ८८५ अद्वैतमकरन्द-लक्ष्मीधर विरचित मदरास १=)
- ८८६ अद्वैतरत्नरत्नम्—मधुसूदनीयम् मुम्बई ॥=)
- 887 Adwaitabad (in Bengali) by Kokileshwar Sastri. 3-8 0
- ८८८ अद्वैतविद्यातिलक-समरपुङ्गवदीक्षित विरचित दर्पण व्याख्या १।)
- ८८९ अद्वैतसिद्धान्तवैजयन्ती—व्यम्बक शास्त्रि विरचित मदरास ॥)
- ८९० अद्वैतसिद्धि-मधुसूदन सरस्वती कृत सटीक ,, ५)
- ८९१ अद्वैतसिद्धि-मधुसूदन सरस्वती कृत ३ टीकाओं सहित १०)
- ८९२ अद्वैतसिद्धि सिद्धान्तसार सटीक काशी ४॥)
- ८९३ अद्वैतसुधा मधुसूदनीयम्-खुलापत्रा मुम्बई ॥।)
- ८९४ अध्यात्मप्रदीपिका—मूल ,, १=)
- ८९५ अनुभूति प्रकाश-विद्यारण्य स्वामि कृत ,, ११)
- ८९६ अनुव्याख्यानम्—श्रीमयाचार्य विरचित ,, २॥=)
- ८९७ अपरोक्षानुभूति-विद्यारण्य कृत सटीक कलकत्ता १=)
- 898 Aprokshanubhuti translated by Nabhubhai. 0-6-0
- ८९९ अभिनवकौस्तुभमाला-दक्षिणमूर्तिस्तवौ मदरास १=)
- ९०० अवैदिकदर्शनसंग्रह—वाजपेयी कृत ,, ३=)
- ९०१ अष्टावक्रसंहिता—सटीक कलकत्ता १)
- ९०२ आनंदलहरी—चंद्रिका सहित १॥=)
- ९०३ आत्मतत्त्वविवेक-उदयनाचार्य विरचित ३ भाग में काशी ४॥)
- ९०४ आत्मनात्मविवेक आत्मबोधश्च सटीक कलकत्ता १=)
- 905 Atmanatmaviveka and Atmabodh Eng. trans. 0-6-0
- ९०६ आत्मपुराण—शंकरानंद कृत सटीक मुम्बई १२)
- 907 Atma Vidya by Ramchandra Iyer. Madras 2 2 0
- ९०८ आत्मविद्याविलास-सदाशिवेंद्र सरस्वती विरचित मदरास ३=)
- 909 Introduction to Vedanta Philosophy by Kokileshwar Sastri, Calcutta 4-0-0

- 910 Introduction to Vedanta Philosophy by P. Mukhopadhyaya. Calcutta 7-8-0
- ६११ ईश्वरप्रतिपत्तिप्रकाश—श्रीमधुसूदन सरस्वती द्वीवेंडम् (—)
- ६१२ उपदेशरत्नमाला—अभिरामगुरु विरचित (—)
- ६१३ उपदेश साहस्री—रामतीर्थ विरचित व्याख्या सहित १॥) तथा १॥)
- ६१४ उपाधिसखण्डन टीका— १॥)
- 915 An examination of Sankara's Refutation of the Sankhya Theory. 1-2-0
- 916 Outlines of Vedanta based on Sankara's Dakshinamoorti Stotra by M. Srinivas Row. 1-10-0
- 917 Outlines of the Vedanta System of Philosophy according to Shankara by Deussen. America 3-12-0
- ६१८ काश्चबोध—साजनी कृत टीकोपेतः—दत्तात्रेय सम्प्रदायानुगत ॥)
- ६१९ कार्याधिकरणतत्त्वम्— कांची ॥=)
- ६२० कार्याधिकरण वाद—२ भागों में „ १॥=)
- ६२१ कैवल्यरत्नम्—वासुदेव मुनि संकलितम् काशी १)
- 922 Comparative Studies in Vedantism by Mahendranath Sircar 1927. 10-0-0
- 923 Crest Jewel of Wisdom of Sankaracharya translated into English. 0-8-0
- ६२४ कल्पवृक्षाभोगः—लक्ष्मीनृसिंह विरचित-चतुःसूत्री २)
- ६२५ खण्डनोद्धार—वाचस्पति मिश्र विरचित काशी २॥)
- ६२६ खण्डन खण्ड खाद्यम्—श्रीहर्ष प्रणीत-विद्यासागरी टीका ६४)
- ६२७ खण्डन खण्डखाद्यम्— „ शंकरा टीका सहित ७॥)
- ६२८ खण्डन परिशिष्ट—ताराचरण प्रणीत काशी ॥)
- ६२९ गणकारिका—भासर्वज्ञ प्रणीत (पाशुपत मत ग्रन्थ) बड़ोदा १॥)
- ६३० गद्यत्रयम्—रामानुज मुनिभिः अनुगृहीतम् मदरास १॥)
- ६३१ गूढार्थदीपिका—धनपतिसूरिकृता काशी १॥)
- ६३२ गोपालविंशति—व्याख्या सहित मदरास ॥=)
- ६३३ गोविन्दाष्टक—सचित्र „ १)
- ६३४ गुरुप्रसादमाहिमादर्श—अत्युत्तम „ १)
- ६३५ जीवन्मुक्ति विवेक—सव्याख्या पूना ३॥)
- 936 Jivanmukta translated into English. 1-8-0
- ६३७ तर्कताण्डव व्यासराज प्रणीत केवल २ भाग मुम्बई ३=)
- ६३८ तत्त्वोद्योत टीका—श्रीमद्वीकाचार्य प्रणीत „ ३=)

- ६३६ तत्वदीपनम्-पञ्चपादिका विवरणस्य व्याख्यानम् काशी १२)
 ६४० तत्वदीपनिबंध—वल्लभसंप्रदाय ३।=)
 ६४१ तत्त्वनिर्णय-श्रीवात्सव वर्यदाचार्य विरचित १-)
 ६४२ तत्वप्रदीपिका चित्सुखी-चित्सुखाचार्यविरचिता परमहंस
 प्रत्यप्रभगवत् प्रणीतया नयनप्रसादिनी सहित मुम्बई ३।)
 ६४३ तत्वमुक्ताकलाप—श्रीवैकटनाथ देशिकेन प्रणीत काशी ५॥=)
 ६४४ तत्वमंजरी—श्रीमदाचार्य विरचित मुम्बई १॥=)
 ६४५ तत्वशेखर-तत्त्वत्रयचुलुकसंग्रह सहित काशी १॥)
 ६४६ तत्वसंख्यानटीका-सत्यधर्मतीर्थार्यसहिता मुम्बई १॥=)
 947 Tattvasankhyayana translated into English. 0-10-0
 ६४८ तरंगिणी-न्यायमृतस्य टिप्पणी मुम्बई १०॥=)
 ६४९ तात्पर्यचन्द्रिका—श्रीव्यासराज प्रणीत „ १६=)
 ६५० त्यागराजविजय—यज्ञस्वा. विरचित १।)
 951 Thirty two Vidyas by K. Narayanswami. 4-0-0
 952 Thoughts from the Vedanta by Krishnaswami. 1-10-0
 ६५३ दृक्दृश्यविवेक-भारततीर्थ विरचित १=)
 ६५४ दृश्यत्वानुमाननिरासवादः— कांची १)
 ६५५ दर्शनादर्श-रामनाथ विरचित मुम्बई ३=)
 ६५६ दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम्-शंकराचार्य विरचित सव्याख्या ३॥।)
 ६५७ दहरविद्याप्रकाश-शिवेंद्र सरस्वती विरचित मदरास ॥)
 958 The Vedanta—its place as a system of Metaphysics by
 N. K. Dutt. Calcutta
 959 Dharma and Life in 2 parts. Madras 4-0-0
 ६६० निर्णयार्णव-बालकृष्णभट्ट प्रणीत मुम्बई १=)
 ६६१ नैष्कर्मसिद्धि—सुरेश्वराचार्य प्रणीत सटीक काशी ४)
 ६६२ नैष्कर्मसिद्धि-चंद्रिका सहित revised edition of Col. Jacob
 by Prof. M. Hiriyana M. A. Poona 3-0-0
 963 Essentials of Advaitism or a free English translation of
 Naishkarmasiddhi with an introduction by Dr. R. Dass
 M. A. Published for the first time. In the press, and
 will be out shortly.
 ६६४ न्यायपरिशुद्धि—सटीक न्यायसारव्याख्या सहित ५ भाग ७॥)
 ६६५ न्यायभास्कर—जगन्मिथ्यात्वखंडनम् कांची १॥)
 ६६६ न्यायभास्कर खण्डन-मध्वचंद्रिका खण्डनं च काशी १॥)

- ६६७ न्यायमकरन्द—आनन्दबोधसंगृहीत व्याख्या सहित काशी ६)
 ६६८ न्यायसिद्धाञ्जन—श्रीवैकटनाथदेशिकेन प्रणीतः , १॥)
 ६६९ पाराशर्यविजयः—प्रथमाध्याय प्रथमपाद कांची ४)
 ६७० पुष्टिप्रवाहमर्यादाभेदः—विवरण समेत मुम्बई १=)
 ९७१ Pushtimarga of Shri Vallabhacharya. 0-8-0
 ६७२ पूर्णप्रबोधदर्शनम्—आनन्दतीर्थ कृत मध्वभाष्य सहित कलकत्ता १।)
 ६७३ पूर्वोत्तरमीमांसावादनक्षत्रमाला—श्रीमदप्पयदीक्षित मदरास २॥)
 ६७४ पञ्चीकरण—मूलमात्र ,, ॥)
 ६७५ पञ्चीकरण—सटीक काशी ॥)
 ६७६ पञ्चीकरण—६ संस्कृत टीका सहित मुम्बई १॥)
 ६७७ पंचदशी—मूलमात्र गुटका ,, १)
 ६७८ पंचदशी—रामकृष्ण कृत व्याख्या सहित गुटका ,, १)
 ६७९ पंचदशी — ,, ,, स्थूलान्तर ,, २॥)
 ६८० पंचदशी—पददीपिका तथा पूर्णेन्दुकौमुदी २ टीका ,, ४)
 ९८१ Panchadashi translated into English by a devotee. 2-8-0
 ९८२ ,, ,, ,, ,, by N. Dhola. 8-0-0
 ६८३ पञ्चपादिका—पदमपाद विरचित काशी २॥)
 ६८४ पञ्चपादिका विवरण ,, ,, ५)
 ६८५ प्रकरण ग्रन्थाः—Minor works of Shankracharya पूना ४)
 ६८६ प्रणववाद—महर्षि गार्ग्यायण प्रणीत स्वा. योगानन्द विरचित
 प्रणववादार्थ दीपिका च २ भागों में संपूर्ण मदरास ७)
 ९८७ Pranava Vada translated into English by B. Bhagwan
 Dass M. A., (The Science of the Sacred World) in 3 Vols.
 Madras 13-0-0
 ६८८ प्रपन्न पारिजातः— कर्ची १
 ६८९ प्रपञ्चामृत—मूल-रामानुज सम्प्रदायी मुम्बई ४)
 ६९० प्रमाण पद्धति—जनार्दन भट्टीय सहिता ,, १॥१)
 ६९१ प्रमेयरत्नावली—गौडीय वैष्णव दर्शन प्रकरणग्रन्थः बलदेव
 विद्या भूषण विरचित कलकत्ता १।)
 ६९२ प्रश्नोत्तरपयोनिधि मुम्बई ३=)
 ६९३ प्रस्थानभेद—श्रीमधुसूदन सरस्वती विरचित मदरास १।)
 ६९४ प्रस्थानरत्नाकर—शुद्धद्वैत २ भाग में काशी ३)
 ९९५ Philosophy of Vaishnava Religion with special reference
 to the Krishnite and Gaurangite cults by Prof. Girin-

- dra Narayan Mallik M. A., B. L. 1927. 8-0-0
 996 Philosophy of Sankara by M. A. Buch. 3-0-0
 ११७ बालबोध—पुरुषोत्तम कृत विवृति १-) तथा प्रकाश सहित १)
 ११८ बोधसार—नरहरि विरचित सटीक काशी १५)
 ११९ ब्रह्मस्तर्कस्तव-पञ्चरत्नस्तुती मदरास १-)
 1000 Brahm Knowledge or an outline of the Philosophy of
 Vedanta by Dr. Barnett 1920. Europe 3-8-0
 १००१ ब्रह्ममीमांसा—श्रीकण्ठशिवाचार्य भाष्यसहितम् मैसूर २०)
 १००२ ब्रह्मवाद—गो. हरिराय विरचित काशी १)
 १००३ ब्रह्मसूत्र अर्थात् वेदान्तदर्शन मूल १) तथा ३)
 १००४ ब्रह्मसूत्र अर्थात् वेदान्तदर्शन के ऊपर शंकरभाष्य मूल २॥)
 १००५ ब्रह्मसूत्र—शारीरिक+शंकरभाष्य+रत्नप्रभा+भामती+न्याय-
 निर्णय सहित मुम्बई १२)
 १००६ ब्रह्मसूत्र—शंकरभाष्य+भामती+कल्पतरु+परिमल मुम्बई १०)
 १००७ ब्रह्मसूत्र भाष्य—भामती+कल्पतरु+परिमल तीन व्याख्याओं
 सहित चतुः सूत्री पर्यन्त-अत्यन्त उत्तम छपाई बढ़िया ६)
 १००८ ब्रह्मसूत्र—शारीरिक शंकरभाष्य तथा आनन्दगिरि कृत टीका
 सहित स्थूलाक्षर २ भागों में पूना १२)
 १००९ ब्रह्मसूत्र—भामती व्याख्या वाचस्पति कृत कलकत्ता ३॥)
 १०१० ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका—सदाशिवेंद्र सरस्वती विरचित ब्रह्मसूत्र-
 वृत्ति मदरास २॥)
 १०११ ब्रह्मसूत्र शंकरभाष्यम्—पूर्णान्दीय व्याख्या सहितया गोविन्दा-
 नन्द प्रणीतया रत्नप्रभया समन्वितम् २ भाग काशी ५)
 १०१२ ब्रह्मसूत्र—रामानन्द सरस्वती कृत टीका सहित ,, ६)
 १०१३ ब्रह्मसूत्रभाष्य—बादरायण प्रणीत वेदान्तसूत्रस्य यतीन्द्र श्री-
 मद्विज्ञान भिक्षु कृत व्याख्यानं सम्पूर्ण काशी १)
 १०१४ ब्रह्मसूत्र भाष्य अभोग व्याख्या सहित बढ़िया मदरास ४)
 १०१५ अभोगव्याख्या केवल कल्पतरु पर लक्ष्मीनृसिंह रचित ,, २)
 १०१६ ब्रह्मसूत्रवृत्ति—अद्वैतमंजरी-श्रीशंकरभगवद्धिष्य प्रणीत ॥)
 १०१७ ब्रह्मसूत्रवृत्ति—शंकरभगवत्पादशिष्य विरचित मदरास १॥)
 १०१८ ब्रह्मसूत्र—भाष्य-श्रीभास्कराचार्य विरचितम् ३ भाग काशी ४॥)
 १०१९ ब्रह्मसूत्रवृत्ति—मरीचिका-श्रीव्रजनाथ भट्ट कृता ,, ३)
 १०२० ब्रह्मसूत्र—द्वैतद्वैतदर्शन-श्रीदेवाचार्य प्रणीत दशश्लोकी ,, ४॥)

- १०२१ ब्रह्मसूत्रदीपिका-श्रीमच्छंकरानन्दभगवद् विरचित काशी ३)
 १०२२ ब्रह्मसूत्र भाष्यार्थरत्नमाला-सुब्रह्मण्य विरचिता पूना ४।)
 १०२३ ब्रह्मसूत्रवृत्ति-हरिदीक्षित कृत ,, २।३)
 १०२४ ब्रह्मसूत्राणि-ब्रह्मामृतवर्षिणी सहित ,, ४।।)
 १०२५ वेदान्तसूत्र-रामानन्द कृत वृत्ति सहिता काशी ३।)
 १०२६ शास्त्रदर्पण-ब्रह्मसूत्रोपरि-अमलानन्द कृत व्याख्या सहित २।।)
 १०२७ ब्रह्मसूत्र-शिवकर्मणिदीपिका सहित दुष्प्राप्य मदरास २५)
 १०२८ न्यायरत्नामणि-श्रीमदण्णयदीक्षित कृत ब्रह्मसूत्र १म अध्याय ५)
 १०२९ ब्रह्मविद्याभरणम्-अद्वैतानन्द विरचित मदरास १२)
 १०३० ब्रह्मसूत्र-भाष्य माध्वाचार्य रचित गुटका खुला मुम्बई १।।)
 १०३१ ब्रह्मसूत्रभाष्य-आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य विरचित जय-
 तीर्थ-व्यासतीर्थ-राघवेंद्रतीर्थ कृत व्याख्या ४ भागों में १६)
 १०३२ तत्त्वप्रकाशिका-जयतीर्थ स्वामि कृता-भावदीप व्याख्या १४)
 १०३३ वेदान्तसूत्रवैदिकवृत्ति-स्वा. हरिप्रसाद कृत मुम्बई ५।)
 १०३४ ब्रह्मसूत्रतात्पर्य विवरण- काशी १।।)
 १०३५ ब्रह्मसूत्रानुगुण्य सिद्धि-कृष्णशास्त्रि विरचित मदरास १।।२)
 १०३६ भावप्रकाशिका-ब्रह्मसूत्रवृत्ति-श्रीकृष्णचन्द्रकृता २।।)
 1037 Vedantasutras with the commentary of Shankracharya
 translated into English by G. Thibaut in 2 Vols. 22-8-0
 1038 Vedanta Philosophy in English with original Sutras
 and explanatory quotations from Upanishads, Bhagvad
 Gita etc., and their Eng. trans. by S. Majumdar M. A.,
 Mostly based on Nimbarkacharya. Calcutta 5-0-0
 1039 Vedanta Sutras with the comm. of Shri Madhvacharya
 complete Eng. trans. by S. Subha Rao. Madras 10-0-0
 1040 Brahmsutra Shankarabhashya with English translation
 by S. Belvalkar II Adhyaya 2 padas. Poona 6-0-0
 1041 Brahma Sutra in Bengali Ch. with the Bhagvata
 Bhashya and its Bengali translation. Calcutta 2-8-0
 1042 Vedanta or a study of the Brahmsutras with the
 Bhashya of Shankar, Ramanuja, Nimbarka, Madhva
 and Vallabha by V. S. Ghate. Poona 2-0-0
 1043 System of Vedanta according to Badrayana Sutras with
 Shankara's comm. by Deussen translated into English
 by Johnston Very rare. America 25-0-0

- ८२२ पूर्वमीमांसाधिकरण कौमुदी रामकृष्ण विरचित काशी १॥)
- ८२३ प्रकरणपञ्चिका-प्रभाकरमतानुसारि मीमांसा दर्शन ,, ५)
- ८२४ प्रभाकरविजय-नन्दीश्वर विरचित कांची १॥)
- ८२५ बृहती-प्रभाकर मिश्र विरचित १२ भाग काशी १॥)
- ८२६ भाट्टचिन्तामणि—तर्कपादः ,, ३)
- ८२७ भाट्टदीपिका-प्रभावल्लीटीका-निर्वीतान्तोभाग मुम्बई ६)
- ८२८ भाट्टदीपिका-८ भागा मुद्रिता अविशिष्ट मुद्रयते कलकत्ता ६)
- ८२९ भाट्टभाषाप्रकाश—नारायणतीर्थ कृत काशी ॥=)
- ८३० भाट्टरहस्य—मूलमात्र कांची १॥)
- ८३१ मानमेयोदय-नारायण भट्ट विरचित दुष्प्राप्य ट्रीवेंड्रम ४॥)
- ८३२ मीमांसार्थप्रकाश सटीक—लौगाक्षि-भट्टकेशवविरचित १)
- ८३३ मीमांसा अनुक्रमणिका—मंडनमिश्र कृत काशी ७॥)
- ८३४ मीमांसा कौस्तुभ-खण्डदेव विरचित ८ भाग काशी १२)
- ८३५ मीमांसा कौस्तुभ-१-४-५ भाग कांची ४)
- ८३६ मीमांसा दर्शन-जैमिनी मुनि प्रणीत मूल मुम्बई १)
- ८३७ मीमांसा दर्शन जैमिनी मुनि प्रणीत मूल काशी ॥=)
- ८३८ मीमांसा दर्शन-शबर स्वामि कृत भाष्य सहित २ भागों में १०)
- ८३९ मीमांसा दर्शन—शबर भाष्य तथा तंत्रवार्त्तिक सहित ३ अध्याय तक संपूर्ण ३ भागों में अविशिष्ट मुद्रयते पूना १३॥=)
- 840 Purva Mimansa Sutras with an original comm. in English by Dr. Ganganath Jha Very rare. 10-0-0
- 841 Jaimini Sutras of Purva Mimansa translated into English by Mohan Lal Sandal complete. Allahabad 20-0-0
- 842 Introduction to Jaimini Sutras by Mohan Lal 4-8-0
- 843 Brief Sketch of Purva Mimansa system by Kane. 1-4-0
- 844 Jaimini Sutras—an essay by Dr. Belvalkar. 0-8-0
- ८४५ मीमांसान्यायप्रकाश— मुम्बई ॥=)
- ८४६ मीमांसान्यायप्रकाश—सार विवेचनी टीका सहित काशी २)
- ८४७ मीमांसान्यायप्रकाश-भाट्टालंकार टीका सहित ,, ५)
- ८४८ मीमांसान्यायप्रकाश-अनन्तदेव कृत टीका सहित पूर्वाञ्च १)
- ८४९ मीमांसान्यायप्रकाश-मदनमोहन निर्मितया टिप्पण्या सनाथः २)
- ८५० मीमांसान्यायप्रकाश-कृष्णनाथ कृत टीका सहित कलकत्ता २॥)
- 851 Mimansa Nyaya Prakasha translated by F. Edgerton. America 15-12-0

- ८५२ मीमांसा पादुका— कांची ॥=
- ८५३ मीमांसा परिभाषा—कृष्णयज्वकृत मूल मुम्बई १)
- ८५४ मीमांसा परिभाषा—सटीक कलकत्ता ॥=
- ८५५ मीमांसा परिभाषा-परिष्कार तथा अक्षरार्थ २ टीका २॥)
- ८५६ मीमांसा बालप्रकाश—भट्टशंकर विरचित काशी ३)
- ८५७ मीमांसा शास्त्रसार—अनन्त कृष्ण शास्त्रि मुम्बई १)
- ८५८ विधिरसायन-अप्यदीक्षित कृत काशी ३)
- ८५९ शास्त्रदीपिका—सोमनाथ प्रणीत मयूख मालिका व्याख्या संव-
लिता प्रत्यधिकरणविभक्त जैमिनीय न्यायमाला मुम्बई ८)
- ८६० शास्त्रदीपिका—प्रथमस्तर्कपादा: ,, ,, १॥)
- ८६१ शास्त्रदीपिका—तर्कपाद रामकृष्ण व्याख्या ५ भाग में काशी ५)
- ८६२ शास्त्रदीपिका—तर्कपाद-पं. सुदर्शनाचार्य कृत व्याख्या ,, २)
- ८६३ श्लोकवार्तिक—कुमारिलभट्ट विरचित सटीक संपूर्ण ,, २०)
- ८६४ श्लोकवार्तिक—सुचरितमिश्र कृत काशिका २ भागों में ४॥)
- 865 Sloka Vartik translated into English by Dr. Ganganath
Jha complete. Calcutta 10-0-0
- ८६६ सेश्वरमीमांसा—श्रीवेदान्तचार्य विरचित कांची १॥=)
- ८६७ संकर्षकाण्ड—सटिप्पण काशी १)

वेदान्त ग्रन्थ

(शंकर+रामानुज+मध्व+वैष्णव आदि)

- ८६८ अच्युत शतक—श्रीवेदान्तदेशिक विरचित मदरास १-)
- ८६९ अणुभाष्यम्—बादरायण प्रणीत वेदान्तसूत्रस्य वल्लभाचार्य कृत
द्वैतद्वैतपरं व्याख्यानम्-सोसाइटी का संपूर्ण दुष्प्राप्य १२)
- ८७० अणुभाष्य-प्रकाश व्याख्या सहित संपूर्ण काशी २२॥)
- ८७१ अणुभाष्य-बालबोधनी व्याख्या सहित संपूर्ण २ भाग पूना ६॥)
- ८७२ अणुभाष्यम्-पञ्चटीका सहितम्-त्रिसूत्री परिमितोभागः ३॥)
- ८७३ अणुभाष्यस्य-प्रकाशरश्मिपरिवृद्धितस्य तृतीयोऽध्यायः ५॥=)
- ८७४ ,, ,, ,, ,, चतुर्थोऽध्याय २)
- ८७५ अणुभाष्य प्रदीप— मुम्बई ४)
- 876 Artha Panchaka or the 'five truths' by P. Lokacharya
text with English translation by Govindacharya 5-0-0
- ८७७ अद्वैतामोद—वासुदेव शास्त्रि प्रणीत पूना २)
- ८७८ अद्वैतचिन्ता कौस्तुभ—(तत्त्वानुसंधान) ४ भाग में संपूर्ण ३॥)

- ८९१ अद्वैतचिन्तामणि—रङ्गोजीभट्टविरचित काशी १॥)
- ८९० अद्वैतचंद्रिका—पं. सुदर्शनाचार्य ,, ॥=)
- ८८९ अद्वैततरणि—नटेशार्य विरचित मदरास १॥)
- ८८८ अद्वैतदीपिका—सटीक २ भागों में काशी ८॥)
- ८८३ अद्वैतब्रह्मसिद्धि—काश्मीरिक सदानंद यति विरचित—वामन शास्त्रि विरचित व्याख्या सहित दुष्प्राप्य सोसाइटी का २०)
- ८८४ अद्वैतब्रह्मसिद्धि—सदानंद यति विरचित सटिप्पण पूर्वार्द्ध १।)
- ८८५ अद्वैतमकरन्द—लक्ष्मीधर विरचित मदरास १=)
- ८८६ अद्वैतरत्नरत्नम्—मधुसूदनीयम् मुम्बई ॥=)
- 887 Adwaitabad (in Bengali) by Kokilleshwar Sastri. 3-8-0
- ८८८ अद्वैतविद्यातिलक—समरपुङ्गवदीक्षित विरचित दर्पण व्याख्या १।)
- ८८६ अद्वैतसिद्धान्तवैजयन्ती—ज्यम्बक शास्त्रि विरचित मदरास ॥)
- ८८० अद्वैतसिद्धि—मधुसूदन सरस्वती कृत सटीक ,, ५।)
- ८८१ अद्वैतसिद्धि—मधुसूदन सरस्वती कृत ३ टीकाओं सहित १०)
- ८८२ अद्वैतसिद्धि सिद्धान्तसार सटीक काशी ४॥)
- ८८३ अद्वैतसुधा मधुसूदनीयम्—खुलापत्रा मुम्बई ॥।)
- ८८४ अध्यात्मप्रदीपिका—मूल ,, १=)
- ८८५ अनुभूति प्रकाश—विद्यारण्य स्वामि कृत ,, ११।)
- ८८६ अनुव्याख्यानम्—श्रीमयाचार्य विरचित ,, २॥=)
- ८८७ अपरोक्षानुभूति—विद्यारण्य कृत सटीक कलकत्ता १=)
- 898 Apokshanubhuti translated by Nabhubhai. 0-6-0
- ८८६ अभिनवकौस्तुभमाला—दक्षिणमूर्तिस्तवौ मदरास १=)
- ८८० अवैदिकदर्शनसंग्रह—पं. तावर वाजपेयी कृत ,, ३=)
- ८८१ अष्टावक्रसंहिता—सटीक कलकत्ता १)
- ८८२ आनंदलहरी—चंद्रिका सहित १॥=)
- ८८३ आत्मतत्त्वविवेक—उदयनाचार्य विरचित ३ भाग में काशी ४॥)
- ८८४ आत्मनात्मविवेक आत्मबोधश्च सटीक कलकत्ता १=)
- 905 Atmanatmaviveka and Atmabodh Eng. trans. 0-6 0
- ८८६ आत्मपुराण—शंकरानंद कृत सटीक मुम्बई १२)
- 907 Atma Vidya by Ramchandra Iyer. Madras 2 2 0
- ८८८ आत्मविद्याविलास—सदाशिवेंद्र सरस्वती विरचित मदरास ३=)
- 909 Introduction to Vedanta Philosophy by Kokilleshwar Sastri. Calcutta 4-0-0

- 910 Introduction to Vedanta Philosophy by P. Mukhopadhyaya. Calcutta 7-8-0
- ६११ ईश्वरप्रतिपत्तिप्रकाश—श्रीमधुसूदन सरस्वती द्विवेदम् १-)
- ६१२ उपदेशरत्नमाला—अभिरामगुरु विरचित १-)
- ६१३ उपदेश साहस्री—रामतीर्थ विरचित व्याख्या सहित १॥) तथा १॥)
- ६१४ उपाधिखण्डन टीका— १॥)
- 915 An examination of Sankara's Refutation of the Sankhya Theory. 1-2-0
- 916 Outlines of Vedanta based on Sankara's Dakshinamoorti Stotra by M. Srinivas Row. 1-10-0
- 917 Outlines of the Vedanta System of Philosophy according to Shankara by Deussen. America 3-12-0
- ६१८ काथबोध-साजनी कृत टीकोपेतः—दत्तात्रेय सम्प्रदायानुगत ॥)
- ६१९ कार्याधिकरणतत्त्वम्— कांची ॥)=
- ६२० कार्याधिकरण वाद—२ भागों में ,, १॥)=
- ६२१ कैवल्यरत्नम्—वासुदेव मुनि संकलितम् काशी १)
- 922 Comparative Studies in Vedantism by Mahendranath Sircar 1927. 10-0-0
- 923 Crest Jewel of Wisdom of Sankracharya translated into English. 0-8-0
- ६२४ कल्पवृक्षाभोगः—लक्ष्मीनृसिंह विरचित-चतुःसूत्री २)
- ६२५ खण्डनोद्धार—वाचस्पति मिश्र विरचित काशी २१)
- ६२६ खण्डन खण्ड खाद्यम्—श्रीहर्ष प्रणीत-विद्यासागरी टीका १४)
- ६२७ खण्डन खण्डखाद्यम्— ,, शंकरी टीका सहित ७॥)
- ६२८ खण्डन परिशिष्ट—ताराचरण प्रणीत काशी ॥)
- ६२९ गणकारिका—भासवैज्ञ प्रणीत (पाशुपत मत ग्रन्थ) बड़ोदा ११)
- ६३० गद्यत्रयम्—रामानुज मुनिभिः अनुगृहीतम् मदरास ११)
- ६३१ गूढार्थदीपिका—धनपतिसूरिकृता काशी १॥)
- ६३२ गोपालविशति—व्याख्या सहित मदरास ॥-)
- ६३३ गोविन्दाष्टक—सचित्र ,, १)
- ६३४ गुरुप्रसादमहिमादर्श—अत्युत्तम ,, १)
- ६३५ जीवन्मुक्ति विवेक—सव्याख्या पूना ३॥)
- 936 Jivanmukta translated into English. 1-8-0
- ६३७ तर्कताण्डव व्यासराज प्रणीत केवल २ भाग मुम्बई ३=)
- ६३८ तत्त्वोद्योत टीका—श्रीमद्वैकाचार्य प्रणीत ,, ३=)

- ६३६ तत्त्वदीपनम्-पञ्चपादिका विवरणस्य व्याख्यानम् काशी १२)
 ६४० तत्त्वदीपनिबन्ध—वल्लभसंप्रदाय ३॥=)
 ६४१ तत्त्वनिर्णय-श्रीवात्सव वर्यदाचार्य विरचित १-)
 ६४२ तत्त्वप्रदीपिका चित्सुखी-चित्सुखाचार्यविरचिता परमहंस
 प्रत्यप्रूपभगवत् प्रणीतया नयनप्रसादिनी सहित मुम्बई ३॥)
 ६४३ तत्त्वमुक्ताकलाप—श्रीवेंकटनाथ देशिकेन प्रणीत काशी ५॥=)
 ६४४ तत्त्वमंजरी—श्रीमदाचार्य विरचित मुम्बई १॥=)
 ६४५ तत्त्वशेखर-तत्त्वत्रयचुलुकसंग्रह सहित काशी १॥)
 ६४६ तत्त्वसंख्यानटीका—सत्यधर्मतीर्थीर्यसहिता मुम्बई १॥=)
 947 Tattvasankhyayana translated into English. 0-10-0
 ६४८ तरंगिणी-न्यायमृतस्य टिप्पणी मुम्बई १०॥=)
 ६४९ तात्पर्यचन्द्रिका—श्रीव्यासराज प्रणीत ,, १६=)
 ६५० त्यागराजविजय—यज्ञस्वा. विरचित १॥)
 951 Thirty two Vidyas by K. Narayanswami. 4-0-0
 952 Thoughts from the Vedanta by Krishnaswami. 1-10-0
 ६५३ दृक्दृश्यविवेक-भारततीर्थ विरचित १=)
 ६५४ दृश्यत्वानुमाननिरासवादः— कांची १)
 ६५५ दर्शनादर्श-रामनाथ विरचित मुम्बई ३=)
 ६५६ दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम्-शंकराचार्य विरचित सव्याख्या ३॥॥)
 ६५७ दहरविद्याप्रकाश-शिवेंद्र सरस्वती विरचित मदरास ॥)
 958 The Vedanta—its place as a system of Metaphysics by
 N. K. Dutt. Calcutta
 959 Dharma and Life in 2 parts. Madras 4-0-0
 ६६० निर्ययार्णव-बालकृष्णभट्ट प्रणीत मुम्बई १=)
 ६६१ नैष्कर्मसिद्धि—सुरेश्वराचार्य प्रणीत सटीक काशी ४)
 ६६२ नैष्कर्मसिद्धि-चंद्रिका सहित revised edition of Col. Jacob
 by Prof. M. Hiriyana M. A. Poona 3-0-0
 963 Essentials of Advaitism or a free English translation of
 Naishkarmasiddhi with an introduction by Dr. R. Dass
 M. A. Published for the first time. In the press, and
 will be out shortly.
 ६६४ न्यायपरिशुद्धि—सटीक न्यायसारव्याख्या सहित ५ भाग ७॥)
 ६६५ न्यायभास्कर—जगन्मिथ्यात्वखंडनम् कांची १॥)
 ६६६ न्यायभास्कर खण्डन-मध्वचंद्रिका खण्डनं च काशी १॥)

- ६६७ न्यायमकरन्द—आनन्दबोधसंगृहीत व्याख्या सहित काशी ६)
 ६६८ न्यायसिद्धाञ्जन—श्रीवेंकटनाथदेशिकेन प्रणीतः „ १॥)
 ६६९ पाराशर्यविजयः—प्रथमाध्याय प्रथमपाद कांची ४)
 ६७० पुष्टिप्रवाहमर्यादाभेदः—विवरण समेत मुम्बई १=)
 971 Pushtimarga of Shri Vallabhacharya. 0-8-0
 ६७२ पूर्णप्रज्ञदर्शनम्—आनन्दतीर्थ कृत मध्यभाष्य सहित कलकत्ता १।)
 ६७३ पूर्वोत्तरमीमांसावादनक्षत्रमाला—श्रीमदण्णयदीक्षित मदरास २॥)
 ६७४ पञ्चीकरण—मूलमात्र „ ॥)
 ६७५ पञ्चीकरण—सटीक काशी ॥)
 ६७६ पञ्चीकरण—६ संस्कृत टीका सहित मुम्बई १॥)
 ६७७ पञ्चदशी—मूलमात्र गुटका „ १)
 ६७८ पञ्चदशी—रामकृष्ण कृत व्याख्या सहित गुटका „ १)
 ६७९ पञ्चदशी — „ „ स्यूलाक्षर „ २॥)
 ६८० पञ्चदशी—पददीपिका तथा पूर्णेंद्रुकौमुदी २ टीका „ ४)
 981 Panchadashi translated into English by a devotee. 2-8-0
 982 „ „ „ „ by N. Dhole. 8-0-0
 ६८३ पञ्चपादिका—पदमपाद विरचित काशी २॥)
 ६८४ पञ्चपादिका विवरण „ „ ५)
 ६८५ प्रकरण ग्रन्थाः—Minor works of Shankracharya पूना ४)
 ६८६ प्रणववाद—महर्षि गार्ग्यायण प्रणीत स्वा. योगानन्द विरचित
 प्रणववादार्थ दीपिका च २ भागों में संपूर्ण मदरास ७)
 987 Pranava Vada translated into English by B. Bhagwan
 Dass M. A., (The Science of the Sacred World) in 3 Vols.
 Madras 13-0-0
 ६८८ प्रपन्न पारिजातः— क ची १
 ६८९ प्रपन्नामृत—मूल-रामानुज सम्प्रदायी मुम्बई ४)
 ६९० प्रमाण पद्धति—जनार्दन भट्टीय सहिता „ १॥)
 ६९१ प्रमेयरत्नावली—गौडीय वैष्णव दर्शन प्रकरणग्रन्थः बलदेव
 विद्या भूषण विरचित कलकत्ता १।)
 ६९२ प्रश्नोत्तरपयोनिधि मुम्बई ३=)
 ६९३ प्रस्थानभेद—श्रीमधुसूदन सरस्वती विरचित मदरास १)
 ६९४ प्रस्थानरत्नाकर—शुद्धद्वैत २ भाग में काशी ३)
 995 Philosophy of Vaishnava Religion with special reference
 to the Krishnite and Gaurangite cults by Prof. Girin-

- dra Narayan Mallik M. A., B. L. 1927. 8-0-0
- 996 Philosophy of Sankara by M. A. Buch. 3-0-0
- ६६७ बालबोध—पुरुषोत्तम कृत विवृत्ति १-) तथा प्रकाश सहित १)
- ६६८ बोधसार-नरहरि विरचित सटीक काशी १५)
- ६६९ ब्रह्मसूत्र-स्तव-पञ्चरत्नस्तुती मदरास १-)
- 1000 Brahm Knowledge or an outline of the Philosophy of Vedanta by Dr. Barnett 1920. Europe 3-8-0
- १००१ ब्रह्ममीमांसा-श्रीकण्ठशिवाचार्य भाष्यसहितम् मैसूर २०)
- १००२ ब्रह्मवाद—गो. हरिराय विरचित काशी १)
- १००३ ब्रह्मसूत्र अर्थात् वेदान्तदर्शन मूल १) तथा ३)
- १००४ ब्रह्मसूत्र अर्थात् वेदान्तदर्शन के ऊपर शंकरभाष्य मूल २॥)
- १००५ ब्रह्मसूत्र-शारीरिक+शंकरभाष्य+रत्नप्रभा+भामती+न्याय-
निर्णय सहित मुम्बई १२)
- १००६ ब्रह्मसूत्र—शंकरभाष्य+भामती+कल्पतरु+परिमल मुम्बई १०)
- १००७ ब्रह्मसूत्र भाष्य-भामती+कल्पतरु+परिमल तीन व्याख्याओं
सहित चतुः सूत्री पर्यन्त-अत्यन्त उत्तम छपाई बढ़िया ६)
- १००८ ब्रह्मसूत्र-शारीरिक शंकरभाष्य तथा आनन्दगिरि कृत टीका
सहित स्थूलाक्षर २ भागों में पूना १२)
- १००९ ब्रह्मसूत्र—भामती व्याख्या वाचस्पति कृत कलकत्ता ३॥)
- १०१० ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका-सदाशिवेन्द्र सरस्वती विरचित ब्रह्मसूत्र-
वृत्ति मदरास २॥)
- १०११ ब्रह्मसूत्र शंकरभाष्यम्-पूर्णानन्दीय व्याख्या सहितया गोविन्दा-
नन्द प्रणीतया रत्नप्रभाया समन्वितम् २ भाग काशी ५)
- १०१२ ब्रह्मसूत्र—रामानन्द सरस्वती कृत टीका सहित ,, ६)
- १०१३ ब्रह्मसूत्रभाष्य-बादरायण प्रणीत वेदान्तसूत्रस्य यतीन्द्र श्री-
मद्विज्ञान भिज्जु कृत व्याख्यानं सम्पूर्ण काशी ६)
- १०१४ ब्रह्मसूत्र भाष्य अभोग व्याख्या सहित बढ़िया मदरास ४)
- १०१५ अभोगव्याख्या केवल कल्पतरु पर लक्ष्मीनृसिंह रचित ,, २)
- १०१६ ब्रह्मसूत्रवृत्ति-अद्वैतमंजरी-श्रीशंकरभगवद्धिष्य प्रणीत ॥)
- १०१७ ब्रह्मसूत्रवृत्ति—शंकरभगवत्पादशिष्य विरचित मदरास १॥)
- १०१८ ब्रह्मसूत्र-भाष्य-श्रीभास्कराचार्य विरचितम् ३ भाग काशी ४॥)
- १०१९ ब्रह्मसूत्रवृत्ति-मरीचिका-श्रीवज्रनाथ भट्ट कृत ,, ३)
- १०२० ब्रह्मसूत्र-द्वैताद्वैतदर्शन-श्रीदेवाचार्य प्रणीत दशश्लोकी ,, ४॥)

- १०२१ ब्रह्मसूत्रदीपिका—श्रीमच्छंकरानन्दभगवद् विरचित काशी ३)
 १०२२ ब्रह्मसूत्र भाष्यार्थरत्नमाला—सुब्रह्मण्य विरचिता पूना ४१)
 १०२३ ब्रह्मसूत्रवृत्ति—हरिदीक्षित कृत ,, २॥
 १०२४ ब्रह्मसूत्राणि—ब्रह्मानुतवर्षिणी सहित ,, ४॥)
 १०२५ वेदान्तसूत्र—रामानन्द कृत वृत्ति सहिता काशी ३॥)
 १०२६ शास्त्रदर्पण-ब्रह्मसूत्रोपरि-अमलानन्द कृत व्याख्या सहित २॥)
 १०२७ ब्रह्मसूत्र—शिवकर्मणिदीपिका सहित दुष्प्राप्य मदरास २५)
 १०२८ न्यायरत्नामणि—श्रीमदप्पयदीक्षित कृत ब्रह्मसूत्र १म अध्याय ५)
 १०२९ ब्रह्मविद्याभरणम्—अद्वैतानन्द विरचित मदरास १०)
 १०३० ब्रह्मसूत्र—भाष्य माध्वाचार्य रचित गुटका खुला मुम्बई १॥)
 १०३१ ब्रह्मसूत्रभाष्य—आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य विरचित जय-
 तीर्थ+व्यासतीर्थ+राघवेंद्रतीर्थ कृत व्याख्या ४ भागों में १६)
 १०३२ तत्त्वप्रकाशिका—जयतीर्थ स्वामि कृता—भावदीप व्याख्या १४)
 १०३३ वेदान्तसूत्रवैदिकवृत्ति—स्वा. हरिप्रसाद कृत मुम्बई ५॥)
 १०३४ ब्रह्मसूत्रतात्पर्य विवरण— काशी १॥)
 १०३५ ब्रह्मसूत्रानुगुण्य सिद्धि—कृष्णशास्त्रि विरचित मदरास १॥)
 १०३६ भावप्रकाशिका—ब्रह्मसूत्रवृत्ति श्रीकृष्णचन्द्रकृता २॥)
 1037 Vedantasutras with the commentary of Shankracharya,
 translated into English by G. Thibaut in 2 Vols. 22-8-0
 1038 Vedanta Philosophy in English with original Sutras
 and explanatory quotations from Upanishads, Bhagvad
 Gita etc., and their Eng. trans. by S. Majumdar M. A.,
 Mostly based on Nimbarkacharya. Calcutta 5-0-0
 1039 Vedanta Sutras with the comm. of Shri Madhvacharya
 complete Eng. trans. by S. Subha Rao. Madras 10-0-0
 1040 Brahmsutra Shankarabhashya with English translation
 by S. Belvalkar II Adhyaya 2 padas. Poona 6-0-0
 1041 Brahma Sutra in Bengali Ch. with the Bhagvata
 Bhashya and its Bengali translation. Calcutta 2-8-0
 1042 Vedanta or a study of the Brahmsutras with the
 Bhashya of Shankar, Ramanuja, Nimbarka, Madhva
 and Vallabha by V. S. Ghate. Poona 2-0-0
 1043 System of Vedanta according to Badrayana Sutras with
 Shankara's comm. by Deussen translated into English
 by Johnston Very rare. America 25-0-0

- १०४४ भाट्ट कल्पतरु—रामसुब्रह्मण्य शास्त्रि विरचित भाट्ट दीपिका
व्याख्या सहित मद्रास ५)
- १०४५ भावनाविवेक—मण्डन मिश्र विरचित तथा भट्ट कृत व्या-
ख्या सहित २ भागों में काशी १॥)
- १०४६ भेदोज्जीवन-व्यासराज स्वामि कृत मुम्बई १॥=)
- १०४७ भेदत्रिकारः—व्याख्या सहित काशी ३)
- १०४८ भेदवादः—तत्कनून्यायविचारश्च १)
- १०४९ भगवद्भ्यानसोपानम्—व्याख्या सहित मद्रास ॥=)
- १०५० भगवन्नामकौमुदी-प्रकाश टीका सहित काशी ॥=)
- 1051 Mathva's Philosophie des Vishnu-glaubens by Glase-
napp 1923. Germany 6-0-0
- १०५२ मध्वविजय-नारायण परिडिताचार्य विरचित मुम्बई ॥)
- १०५३ महावाक्यरत्नावली—१०८ उपनिषदों का सार „ ३)
- १०५४ मायावादखण्डन टीका-श्रीनिवासतीर्थीय सहिता „ ॥=)
- १०५५ मणिमंजरी-नारायण परिडिताचार्य कृत „ १)
- १०५६ मूलविद्यानिरास-अथवा श्रीशंकरद्वयम् मद्रास ३)
- १०५७ मोक्षकारणतावाद-दृश्यत्वानुमान निरासवादश्च कांची १)
- 1058 Memorial edition of the works of Shankaracharya
complete in 20 Volumes. Madras 60-0-0
- १०५९ युक्तिमल्लिका-श्रीमद्वादिराजतीर्थ श्रीपाद कृत युक्तिमल्लिका
टीकायां सुरोत्तम तीर्थ कृतायां भावविलासिन्यां भेदसौरभ
सर्वस्य व्याख्या संपूर्णम् मुम्बई १२॥॥)
- १०६० योगवासिष्ठ-आनन्दबोधेन्द्र भिक्षु कृत व्याख्या सहित „ १५)
- १०६१ योगवासिष्ठ-तात्पर्यव्याख्या सहित २ जिल्दों में संपूर्ण , १५)
- १०६२ यति लिङ्गसमर्थनम्— कांची १)
- १०६३ यतीन्द्रमतदीपिका प्रकाश व्याख्या सहित पूना ११)
- १०६४ यतीन्द्रमतदीपिका—मूल मुम्बई १)
- 1065 Yatindramatadipika of Sri Ramanuja by Srinivas trans-
lated into English by A. Govindacharya. 3-0-0
- १०६६ यमुनाष्टक—विवृति समेत मुम्बई १)
- १०६७ रत्नपंचक—सोपान पंचक सभाष्य „ ३)
- १०६८ रामानुजसिद्धान्तसार— कांची १)
- 1069 Ramanuja's Idea of the Finite Self by P. N. Sriniva-
sachari. 3 0-0

- १०५० लघुचंद्रिका—श्रीब्रह्मानंद सरस्वती कृत सटीक ८॥)
- १०५१ लघुयोगवासिष्ठ आत्मसुख विरचित टीका सहित मुम्बई १)
- १०५२ लघुवासुदेव मनन—सुब्रह्मण्यशास्त्रि विरचित मदरास १॥)
- १०५३ ललितात्रिशती—मूल „ १)
- १०५४ ललितात्रिशती—शंकराचार्य कृत व्याख्या सहित „ ॥)
- 1075 Life of Sri Vallabhacharya. Bombay 0-8-0
- १०५६ वरवरमुनि शतक—रामानुजसम्प्रदायी १)
- १०५७ वादावलि—पुरुषोत्तम विरचित मुम्बई १॥=)
- १०५८ वादिविनोद—शंकरमिश्र कृत प्रयाग १॥)
- 1079 Vicharmala translated into English by Sri Ram 1866 Very rare. 5-0-0
- १०८० विद्वन्मण्डनोपोद्धात—भट्ट श्रीवल्लभद्र प्रणीत मुम्बई १=)
- १०८१ विद्वन्मण्डनम्—विठ्ठलनाथ कृत सटीक काशी ३॥)
- १०८२ विधिरसायन—अप्पयदीक्षित विरचित „ ३)
- १०८३ विधिविवेक—न्यायकनिकाख्या व्याख्या सहित „ ३॥)
- १०८४ विरुपाक्ष पंचाशिका—दुष्प्राप्य द्रीवेंड्रम् ३)
- 1085 Virupak hpanchashika (Saiva) edited by Barnett. 2-8-0
- १०८६ विभ्रम विवेक—मण्डन मिश्र विरचित ed. by M. M. S. Kuppuswami Sastri. 0 8-0
- १०८७ विवेक चूडामणि—मूल १=)
- १०८८ विवेक चूडामणि—उपदेशसाहस्री मूल तथा नृसिंहपूर्वोत्तर-
तापनी शंकर भाष्य सहित पूना १॥)
- 1089 Vivekchudamani with English translation. 2-0-0
- १०९० विवरणोपन्यास—वाक्यसुधा सहित काशी ३)
- १०९१ विवरणप्रमेयसंग्रह—विद्यारण्य मुनि प्रणीत „ ४)
- १०९२ विषयवाक्यदीपिका— मुम्बई ३)
- १०९३ विशिष्टाद्वैतधिकरणमाला—सुदर्शनाचार्य „ १॥)
- १०९४ विशिष्टाद्वैतमतविजयवाद—नरहरि कृत „ -)
- १०९५ वेदार्थ संग्रह—रामानुजाचार्य प्रणीत काशी ४॥)
- 1096 Vedanta Le—par V. S. Ghate. Paris 6-0-0
- 1097 Vedanta according to Shankara and Ramanuja by S. Radhakrishnan. Europe 8-12-0
- 1098 Vedanta its ethical aspect by K. Sundaram 3-3-0
- 1099 Vedanta its doctrine of divine personality by K. Sundaram. Madras 1-10 0

- ११०० वेदान्ताधिकरण माला—श्रीपुरुषोत्तम प्रणीता १=)
- 1101 Vedanta and Modern Thought by Urquhart. 9-6 0
- ११०२ वेदान्तकल्पतरुपरिमल—अप्पयदीक्षित विरचित ३ भाग काशी
- ११०३ वेदान्तकल्पलतिका—मधुसूदन सरस्वती विरचित १॥)
- ११०४ वेदान्तचिन्तामणि—गद्गलाल विरचित मुम्बई १=)
- ११०५ वेदान्तडिण्डिमः - मूलमात्र मदरास ३=)
- 1106 Vedanta Doctrine of Shri Shankracharya containing Dakshinamoorthy etc text with English translation by Mahadeva Sastri Madras 2-4 0
- ११०७ वेदान्ततत्त्वत्रय—भाट्ट भाषाप्रकाश सहित काशी ३)
- ११०८ वेदान्त तत्त्वविवेक—नृसिंह शर्मा रचित २॥)
- ११०९ वेदान्तदीप - रामानुजाचार्य विरचित काशी ५॥)
- १११० वेदान्तपारिजात—सौरभं नाम ब्रह्ममीमांसा भाष्य ,, १॥)
- ११११ वेदान्तपरिभाषा—अर्थदीपिका टीका सहित १॥) तथा १॥)
- १११२ वेदान्तपरिभाषा-समणिप्रभा शिखामणिटीकासहित मुम्बई ३॥)
- १११३ वेदान्तपरिभाषा—श्रीअनन्तकृष्ण शास्त्रि विरचित स्वकृत्या परिभाषा प्रकाश अतिविस्तृत व्याख्या सहित कलकत्ता ६)
- १११४ वेदान्तपरिभाषा—प्रकाशिका व्याख्या सहित टीर्वेडूम ॥=)
- 1115 Vedanta Philosophy by Dr. Belvalkar. 4-0 0
- 1116 Vedanta Philosophy (Harvard Lectures). 0-6 0
- १११७ वेदान्तरत्नमञ्जुषा—श्रीभगवत्पुरुषोत्तमाचार्य कृत काशी ३)
- १११८ वेदान्तरहस्य—वागीशभट्टाचार्य प्रणीत मुम्बई -)
- 1119 Vedanta Vindicated by J. F. Pessein. 1-0-0
- ११२० वेदान्तसार—बालबोधनीव्याख्या तथा Eng. Intro. १॥-)
- ११२१ वेदान्तसार—सुबोधनी तथा विद्वन्मनोरंजनी टीका सहित ed. by Col. Jacob. मुम्बई १॥)
- ११२२ वेदान्तसार-सुबोधनी, विद्वन्मनोरंजनी तथा शंकरभाष्य १॥)
- 1123 Vedantasara-text edited with intro., notes and English translation by M. Hiriyana M. A. Poona 1-8-0
- ११२४ वेदान्तसार—रामानुजाचार्य प्रणीत कलकत्ता १॥)
- 1125 Vedantasiddhantamuktavali translated into English by Venice. Benares 1-12-0
- ११२६ वेदान्त सिद्धान्त संग्रह काशी ४॥)
- ११२७ वेदान्तसूत्रमुक्तावलि—ब्रह्मानन्द सरस्वती विरचित पूना २=)

- ११२८ वेदस्तुती-वंशीधर कृत टीका सहित मुम्बई १)
 ११२९ वेदस्तुती-श्रीधरी तथा श्रीवरी प्रकाश ,, ॥=)
 ११३० वेदान्तस्यमन्तक-राधादामोदर विरचित लाहौर २॥)
 Vedanta-Syamantak of Radhadamodara being a treatise
 on Bengal Vaishnava Philosophy edited with introduc-
 tion, notes and appendices by Prof. U. C. Bhattacharya
 M. A. B. L. 1930. Lahore 2-8-0
- ११३१ वैयासिक न्यायमाला-मूल मुम्बई ॥)
 ११३२ वैयासिक न्यायमाला-वेदान्ताधिकरणन्यायमाला पूना १॥)
 ११३३ व्यासतात्पर्य निर्णय-अय्यणदीक्षितनिरचित मदरास ॥)
 ११३४ शतदूषणी-संपूर्ण चार भागों में कांची १ ॥=)
 ११३५ शतदूषणी-२ भाग मुद्रिता अपूर्ण कलकत्ता १॥)
 ११३६ शाब्दनिर्णय-प्रकाशात्मयतीन्द्र विरचित दीवेंड्रम् ॥-)
 ११३७ शास्त्रसिद्धान्तलेशतात्पर्यसंग्रह-चासुदेव ब्रह्मेन्द्र विरचित ॥=)
 1138 Shankara's select works text with English translation
 by S. Venkatraman. Madras 2-0-0
- ११३९ शिखरिणीमाला-तत्कृत शिवतत्त्वविवेकाख्यव्याख्या मदरास ८)
 ११४० शिवकर्णामृत-अप्पय दीक्षित विरचित ॥=)
 ११४१ शिवतत्त्वग्रहस्य-नीलकण्ठ दीक्षित विरचित ॥)
 ११४२ शिवद्वैत निर्णयः-अप्पयदीक्षित विरचित ३=)
 1143 Sivadwaita of Shrikantha by S. Sooryanarayan Sas'ri
 in English. Madras 6-4-0
- ११४४ शिवनामकल्पलता-भास्करराय प्रणीत सटीक मुम्बई १)
 1145 Shivanamkalpalata of Bhaskararay by E. Strohl. 2-8 0
 ११४६ शिवस्तोत्रावलि-उत्पलदेवविरचित काशी ३)
 ११४७ शिवज्ञानबोध-लघुटीका सहित १)
 1148 Sivanandlahiri text with Eng. translation. 0-10 0
- ११४९ शुद्धाद्वैतमार्तण्ड-प्रकाश व्याख्या सहित काशी ॥)
 ११५० श्रीभाष्य-मूलमात्र ed. by Johnson. काशी ६)
 ११५१ श्रीभाष्यम्-वेदान्तदीपवेदान्तसाराधिकरणसारावलि सहित
 बहुत बढिया कागज २ जिल्दों में संपूर्ण मदरास ७)
 ११५२ श्रीभाष्यम्-रामानुजाचार्य कृत टिप्पणी सहित २ भाग मुम्बई १७)
 Shribhashya text with notes etc. complete in 2 pts. 17-0-0
 ११५३ श्रीभाष्यवार्तिक-रामानुजाचार्य कृत २ भाग में काशी ३)

- 1154 Vedanta Sutras with Shribhashya of Ramanuja translated into English by G. Thibaut complete. 18-12-0
- 1155 Vedantasutras with Shribhashya of Ramanuja translated into English by Rangacharya Vol. I all published 8 0-0
- 1156 Shri Bhashyam translated into English by V K. Ramanujachariar in 3 Vols. Madras. 14-0-0
- ११५७ श्रीमद्व्यासदीक्षितेन्द्र विजयः— ११)
- ११५८ श्रीसर्वमूला—श्रीमन्माधवाचार्य विरचित मुम्बई १४८)
- ११५९ श्रीसुबोधिनी—वल्लभाचार्य निर्मित काशी ४४)
- ११६० श्रीस्तुति—व्याख्या सहित मदरास ॥—)
- ११६१ श्रुत्यन्तकल्पवल्ली—पुरुषोत्तमदास विरचित काशी ३)
- ११६२ श्रुत्यन्तसुरदुग्धः—पुरुषोत्तम प्रसाद विरचित ,, ४॥)
- ११६३ सतत्परब्रह्ममाला—ताम्रगर्णीय प्रमेयग्रन्थः मुम्बई ४१)
- ११६४ सनत्सुजातीयम्—शंकरभाष्य तथा नीलकण्ठी टीका ११)
- 1165 Sir, Teach me Brahman by J. F. Plessier. 0-8-0
- ११६६ सर्ववेदान्तसिद्धान्तसारसंग्रह— ॥)
- ११६७ सर्वसिद्धान्तसंग्रह—शंकराचार्य विरचित critically edited with English translation and notes by P. S. Bose in 2 parts. Calcutta 2 0-0
- 1168 Studies in Vedanta by Lt Kirtikar. 16-0-0
- 1169 Studies in Vedantism by Krishnachandra. 3-12-0
- 1170 Studies in the Vedanta Sutras and Upanishads by R. B. Sris Chandra. A'lahabad 8-0-0
- ११७१ स्तोत्ररत्न—श्रीमद्यामुनमुनिविरचित सभाष्य मदरास ११)
- ११७२ स्पन्दप्रदीपका—मूल काशी ११)
- ११७३ स्वराज्यसिद्धि—कैवल्यकल्पद्रुमाख्यटीकया दुष्प्राप्य १२)
- ११७४ स्वानुभवादर्थ—सटीक काशी ३)
- ११७५ सिद्धान्तकल्पवल्ली—सदाशिवेन्द्रसरस्वती विरचित मदरास ॥)
- ११७६ सिद्धान्तचिन्तामणि— कांची ॥)
- 1177 Sidhanta des Ramanuja tex zur Indischen Gottesmystik by Rudolph O. Germany 3-8-0
- ११७८ सिद्धान्ततत्त्वनाम वेदान्तप्रकरणम्—श्रीअनन्तदेवविरचित ॥)
- ११७९ सिद्धान्तदर्शन—विश्वदेवाचार्य विरचित पूना ११)
- 1180 Siddhanta Darshan translated into English. 3-0-0
- ११८१ सिद्धान्त बिन्दु—मधुसूदन सरस्वती विरचित-शास्त्रि अभ्यंकर

- विरचित व्याख्या सहित पूना २॥)
- ११८२ सिद्धान्त बिन्दु-शंकर कृत दश श्लोकी व्याख्यारूप न्यायरत्नावली तथा लघुव्याख्या सहित काशी ५)
- ११८३ सिद्धान्तबिन्दु—रत्नावली टीका दुष्प्राप्य मदरास ५)
- ११८४ सिद्धान्तबिन्दुसार— कलकत्ता ॥)
- ११८५ सिद्धान्तमुक्तावली—लालूभट्ट कृत योजना मुम्बई १)
- ११८६ सिद्धान्तरत्न - बलदेव विरचित भाग काशी ३॥=)
- ११८७ सिद्धान्तलेशसंग्रह—मूल १॥=)
- ११८८ सिद्धान्तलेशसंग्रह-जीवानन्द कृत व्याख्या सहित कलकत्ता ४॥)
- ११८९ सिद्धान्तलेशसंग्रह-कृष्णालंकार कृत व्याख्या काशी ६)
- ११९० सिद्धान्तलेशसंग्रह—कृष्णानन्द विरचित व्याख्या कुम्भघोण ६)
- ११९१ सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम्—कृष्णानन्द सरस्वती विरचित द्विवेङ्कट ८)
- ११९२ सिद्धान्तसिद्धापगा—बलभद्र शर्मा मुम्बई ॥)
- ११९३ सिद्धित्रय—यामुन मुनि प्रणीत काशी १॥)
- 1194 System of Vedantic Thought and Culture by Mahendranath Sircar Very rare. Calcutta 15-0-0
- 1195 System des Vedanta according to Badrayana's Brahmsutra and Sankara's comm. thereon set forth as a compendium of the dogmatics of Brahmanism from the standpoint of Sankara by Deussen in German. 15-0-0
- ११९६ सूतसंहिता—तात्पर्यदीपिका व्याख्या सहित मदरास ६)
- Sutasamhita with Tatparyadipika Madras 6-0-0
- ११९७ सूतसंहिता—माध्वाचार्य कृत टीकोपेत ३ भागों में पूना ११॥)
- ११९८ सौन्दर्यलहरी-श्रीशंकराचार्य विरचिता-श्री लक्ष्मीधर व्याख्या सहिता, 'भावनोपनिषद्' भास्करराजभाष्य सहिता 'देवी पञ्चस्तवी च' संपूर्ण दुष्प्राप्य मैसूर ७)
- 1199 Sambandh Vartik translated into English. 1-12-0
- १२०० संक्षेपशारीरिक-अन्वयार्थ बोधनी टीका रामतीर्थ स्वा. कृत ८)
- १२०१ संक्षेपशारीरिक-सटीक सुबोधनी तथा अन्वयार्थ प्रकाशिका २ टीका सहित संपूर्ण २ भाग पूना ६-)
- १२०२ संक्षेपशारीरिक-मधुसूदनी टीका सहित काशी ८)
- १२०३ हरिमीडेस्तोत्र— मुम्बई ११)
- 1204 Handbook of the Vedanta Philosophy and Religion by R. V. Khedkar. 5-0-0

सांख्य ग्रन्थ

- 1205 Critical study of the Sankhya System on the line of the Sankhya Karika, Sankhya Sutra and their commentaries by V. V. Sovani. 1-0-0
- १२०६ जयमङ्गला नाम सांख्य सप्तति टीका श्रीशंकराचार्य विरचिता edited by H. Sarma M. A. 2-0 0
- 1207 Sankhya and Modern Thought by J. Ghosh 5-8-0
- 1208 Sankhya und Yoga von R. Garbe in German 3-4-0
- 1209 Sankhya Conception of Personality or a new interpretation of the Sankhya Philosophy by Majumdar. 2-8-0
- १२१० सांख्य कारिका-गौडपादाचार्य कृत टीका कलकत्ता १), ॥)
- १२११ सांख्य कारिका—माडर वृत्ति सहित काशी १॥)
- १२१२ सांख्य कारिका-चंद्रिकाव्याख्या+गौडपादभाष्य काशी १)
- १२१३ सांख्य कारिका—चंद्रिका व्याख्या सहित „ ॥)
- 1214 Sankhya-Karika with Eng. trans. (Gaudabhashya) 3-0-0
- 1215 Sankhya Philosophy or Sankhya Karika with Gaudpada's scholia and Narayana's gloss translated into English by S. C. Banerji Very rare. 16-0-0
- 1216 An essay on Matharavritti (Comm. on Sankhyakarika) by Belvalkar. 1-0-0
- १२१७ सांख्यतत्त्वकौमुदी सटिप्पण काशी यंत्रस्थ
- १२१८ सांख्यतत्त्वकौमुदी-तारानाथ कृत टीका कलकत्ता २)
- १२१९ सांख्यतत्त्वकौमुदी तत्त्वविभाकरटीका २ भाग में काशी ५)
- १२२० सांख्यतत्त्वकौमुदी-कृष्णनाथ कृत टीका कलकत्ता २)
- १२२१ सांख्यतत्त्वकौमुदी-बालरामोदासीन कृत विद्वत्तोषणी व्याख्या सहित अत्युत्तम मुम्बई २)
- १२२२ सांख्यतत्त्वकौमुदी-वंशीधरी टीका सहित काशी २॥)
- 1223 Sankhya Tattva Kaumudi with English translation by Dr. Ganganath Jha. 2-0-0
- 1224 Sankhya Philosophie von R. Garbe in German. 10-0-0
- १२२५ सांख्यसार—विज्ञानभिचुकृत मूल कलकत्ता १)
- १२२६ सांख्यसार— „ „ सटीक „ ॥=)
- १२२७ सांख्यसार—विवेक प्रदीप सरल व्याख्या सहित „ १)
- १२२८ सांख्यसार—दामोदर शास्त्रि कृत व्याख्या सहित यंत्रस्थ

- 1229 Sankhya System by A. B. Keith bound. 2-8-0
 १२३० सांख्यसंग्रह — क्षेमेन्द्र विरचित २ भाग में काशी ३)
 १२३१ सांख्य सूत्र (दर्शन) मूल मात्र मुम्बई १)
 १२३२ सांख्य सूत्र (दर्शन) विज्ञानभिज्जु कृत सांख्यप्रवचन काशी २)
 १२३३ सांख्य सूत्र-अनिरुद्ध वृत्ति तथा प्रथमनाथ कृत टीका १)
 १२३४ सांख्यसूत्र-वृत्ति-अनिरुद्ध तथा महादेव वेदान्ति कृत वृत्ति
 सहित दुष्प्राप्य सोसाइटी का छपा १२)
 १२३५ सांख्यसूत्र-स्वा. हरि प्रसाद कृत वैदिक वृत्ति १)
 1236 Sankhya Sutravritti of Aniruddha translated into
 English by Garbe, Rare. 20-0-0
 1237 Sankhya Aphorisms of Kapila with extracts from
 Vijnanabhikshu's comm. translated into English by
 J. R. Ballantyne Very rare. 20-0-0

योग ग्रन्थ

- १२३८ अमनस्कदर्श — मुम्बई १)
 1239 Ideal of the Karma Yogin by Aurbindo Ghosh. 1-12-0
 1210 Intro. to the study of Yoga Aphorisms of Patanjali
 by C. Williams. 0-8-0
 1241 Introduction to Yoga Philosophy. 0-12-0
 1242 Introduction to Yoga by Dr. A. Besant. 1-8 0
 1243 Advanced Course in Yogi Philosophy by Yogi Ram-
 charak in English. Europe 5-4-0
 1244 Occult Training of the Hindus by E. Wood Madras
 1245 Karma Yoga by Swami Vivekanand. Almora 0 12-0
 1246 Compendium of Raja Yog Philosophy comprising princi-
 pal treatise of Shankaracharya. Bombay 2-0-0
 1247 Kunstform und Yoga in Indischen Kultbild von H.
 Zimmer with 36 plates and 9 text figures Germany 12-8-0
 १२४८ गोरक्ष सिद्धान्त संग्रह काशी ॥॥=)
 1249 Gherand Samhita translated into Eng. by S. Vasu 0-12-0
 1250 Treatise on the Yoga Philosophy by N. C. Paul. 0-6-0
 1251 Doctrine of Karma by S. Abhedanand. 0-6-0
 1252 Thirty two Vidyas by K. Narayanswami. 3-0-0
 1253 Die Aufänge der Yogapraxis eine Unter. Über die
 Wurzeln der Ind. mystic nach Rigveda und Atharva-
 veda von Dr. J. w. Hauer 1922. 7-0-0

- 1254 Practical Yoga by O. Hashnu Hara. Europe 1-2-0
 1255 Practice of Yoga by Swami Shivananda. 2-0 0
 1256 Fakir und Fakirtum with 75 illustrations of Yoga by Dr. Schmidt. Germany 12-0-0
 1257 Philosophy of Union by Devotion by Nityapada 1-10-0
 1258 Mysterious Kundalini or the physical basis of the 'Kundalini Hathayoga' in terms of western Anatomy and Physiology by Dr. Rele. Bombay 3-8-0
- १२५६ याज्ञवल्क्य योग-मूल १)
 १२६० योगचिन्तामणि-शिवानंद सरस्वती कृत कलकत्ता ४)
 1261 Yoga as Philosophy and Religion by Das Gupta 7-14 0
 1262 Yoga and its Object by Aurbindo Ghosh. 0-9-0
 १२६३ योगदर्शन-पातञ्जलि मुनि प्रणीत मुम्बई १)
 १२६४ योगदर्शन-व्यासभाष्य+वाचस्पति कृत टीका कलकत्ता २)
 १२६५ योगदर्शन-व्यासभाष्य+वाचस्पति कृत टीका+नागोजीभट्ट टीका मुम्बई ३))
 १२६६ योगदर्शन-विज्ञानभिन्नु कृत योगवार्त्तिक काशी ३)
 १२६७ योगदर्शन-भावागणेशीय नागोजी भट्टीयवृत्ति सहित ॥८)
 १२६८ योगदर्शन-मणि प्रभा टीका सहित कलकत्ता १॥)
 १२६९ योगदर्शन-व्यासभाष्य+वाचस्पति टीका+भोजवृत्ति पूना ३)
 १२७० योगदर्शन-वैदिकवृत्ति स्वा. हरिप्रसाद कृत ॥१)
 १२७१ योगसूत्रवृत्ति-योगसुधाकर-सदाशिवेंद्र सरस्वती कृत १॥)
 १२७२ योगदर्शन-अनन्त पंडित कृत व्याख्या सहित १८)
 १२७३ योगसूत्र-योग प्रदीप व्याख्या सहित काशी १)
 १२७४ योगदर्शन-भोजवृत्ति+भावागणेशीय+नागोजीभट्ट वृत्ति+मणि-प्रभा+चंद्रिका+योगसुधाकर ६ टीका सहित काशी २)
 १२७५ योगसूत्र-भोजवृत्ति तथा आंगल अनुवाद दुष्पाप्य ३०)
 Aphorisms of Yoga of Patanjali with the commentary of Bhoja and an English translation by Rajendralal Mitra Very rare. 1883. Calcutta 30-0-0
 १२७६ योगदर्शन-तथा हारिभट्टीय योगविशिका सहित भावनगर २)
 १२७७ योगदर्शन-योगसिद्धान्तचंद्रिका तथा सूत्रार्थबोधनी ३)
 १२७८ योगदर्शन-पं. नागेश कृत टीका काशी २॥१)
 1279 Yoga Sutras trans. into English by Nabhubhai. 2-8-0
 1280 Yoga Sutras-text and translation by M. Dvivedi. 1-8 0

- 1281 Yoga System of Patanjali or the Hindu Doctrine of concentration with commentaries translated into English by J. H. Woods. new edition America 18-4-0
- 1282 Yoga Darshan translated into English by Dr. Ganganath Jha. Bombay 1-8-0
- 1283 Aphorisms of Yoga by Patanjali with the comm. of Vyas and gloss of Vachaspati translated into English by Ramaprasad M. A. Allahabad 7 8-0
- 1284 Yoga Aphorisms translated by W. Judge. leather 5-4-0
- 1285 Yoga Aphorisms German translation. 2-0 0
- १२८६ योगदीपिका—with English trans. by Subrahmanya 1-6-0
- 1287 Yoga Philosophy in relation to other systems of Indian Thought by Dr. S N. Dasgupta. Calcutta 5-0-0
- 1288 Yog Methods by Stocker. Europe 1-2-0
- १२८९ योगशास्त्र-श्रीहेमचंद्राचार्य विरचित संपूर्ण भावनगर ५)
- 1290 Yoga Shastra or a treatise on Practical Yoga by Srischandra. Allahabad 7-0-0
- १२९१ योगसारसंग्रह-विज्ञानभिक्तुविरचित काशी ॥)
- 1292 Yoga Sara Sangrah of Vijnana Bhikshu with English translation by Dr. Ganganath Jha. Bombay 1-4-0
- 1293 Yogic Sadhana by A. Ghosh. Calcutta 0.10-0
- 1294 Yogi Philosophy and Oriental Occultism by Yogi Ramacharak. Europe 4-8-0
- 1295 Raja Yoga by S. Vivekananda. Calcutta 1-4-0
- 1296 Raja Yoga and Mental Development by Yogi Ramacharak. Europe 4-8 0
- 1297 Lessons in Gnani Yogi by Yogi Ramacharak. ,, 3-12-0
- 1298 Study of Patanjali by Dr. S. N. Dasgupta. 4-8-0
- 1299 Scientific Yoga Series by Shri Yogendra in 12 Vols. each Vol. @ Rs. 10 0-0 In the Press.
- १३०० सिद्धसिद्धान्तसंग्रह—बलभद्र विरचित काशी ॥=)
- 1301 Hathyogapradipika of Swatmaram translated into English by Srinivas Iyengar. Bombay 1-8-0
- 1302 Higher Life or Rules of Rajyoga. 0-2-0
- 1303 How to be a Yogi by S. Abhedanand. 2-4-0
- 1304 Hindu Yogi—Science of Breath by Ramacharak 1-4-0
- 1305 Jnana Yoga by Vivekanand 0-8 0

न्याय ग्रन्थ

- १३०६ अनुमानचिन्तामणि—गंगेशोपाध्याय कृत, काणभट्ट शिरोमणि
कृत टीका कलकत्ता ४॥)
- १३०७ अनुमानचिन्तामणि—व्याख्या शिरोमणि कृत दीवित्या जाग-
दीशी टीका संपूर्ण काशी १६॥)
- १३०८ अनुमानदीधितिप्रसारणी—३ भागा मुद्रिता कलकत्ता २॥)
- १३०९ अवच्छेदकता निरुक्ति — कांची ॥३॥)
- १३१० आत्मतत्त्वविवेक—बौध्न्याय खण्डन (उदयनाचार्य) काशी ४॥)
- १३११ आत्मतत्त्वविवेक— „ „ खंडित कलकत्ता ३॥॥)
- १३१२ आत्मतत्त्वविवेक—(बौध्नाधिकार) उदयनाचार्य कृत , २)
- १३१३ उपमानचिन्तामणि—गङ्गेशोपाध्याय कृत कलकत्ता ८)
- १३१४ उपाधिवाद—गदाधरस्य कांची २॥)
- १३१५ कणादसिद्धान्तचंद्रिका—गंगाधरसूरि विरचित दुष्पाप्य २॥)
- १३१६ क्रोडपत्रसंग्रह—श्रीकालीशंकर प्रणीत ८ भाग काशी १२)
- १३१७ कालीशंकर—जागदीशीपंचलक्षणी „ १)
- १३१८ कारिकावली—मूल (विश्वनाथन्यायपञ्चानन) मुम्बई ८)
- १३१९ कारिकावली—पं. दुर्गादत्त कृत मनोरमा व्याख्या लाहौर १८)
- १३२० कारिकावली—कण्ठाभरण व्याख्या सहित मुम्बई ॥)
- १३२१ कारिकावली—सिद्धान्तमुक्तावली पं. हरदत्तशर्मा कृत
टिप्पणी सहित अमृतसर ॥८)
- १३२२ कारिकावली—सिद्धान्तमुक्तावली (न्यायमुक्तावली) मुम्बई ॥८)
- १३२३ कारिकावली—मुक्तावली, प्रभा मञ्जूषा, दिनकरी रामरुद्री
गंगारामजटी ६ व्याख्या सहित संपूर्ण मदरास १२)
- १३२४ कारिकावली—मुक्तावली+दिनकरी+रामरुद्री+शब्दखण्ड स-
हित तथा म. म. लक्ष्मणशास्त्रि कृत गुणनिरूपण व्याख्या ६)
- १३२५ कारिकावली—मुक्तावली, दिनकरी, रामरुद्री ३ टीका ३)
- १३२६ „ „ „ „ केवल शब्दखण्ड १॥॥)
- १३२७ कारिकावली—न्यायमुक्तावली न्यायचंद्रिका टीका काशी १)
- १३२८ कारिकावली—मयूखोद्भासित सिद्धान्तमुक्तावली सहिता १॥)
- १३२९ (कारिकावली) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली—पं. छज्जुराम विद्या-
सागर प्रणीतया मूलचन्द्रिकाख्य विवृत्यनुगता विद्यार्थियों के
अति उपयोगी सरल व्याख्या काशी १॥॥)

- १३३० (कारिकारली) न्यायसिद्धान्तमुकाली-पं. नृसिंह देव कृत
प्रभाव्याख्या सहित लाहौर ४॥)
- 1331 Karikavali German trans. by Hultzs. 2-0-0
- १३३२ कुसुमाञ्जलि-(उदयनाचार्य कृत) हरिदास कृत टीका ॥=)
- १३३३ कुसुमाञ्जलि—हरिदासीटीका समेत सटीक कलकत्ता १॥॥)
- १३३४ कुसुमाञ्जलि—(उदयनाचार्य कृत) हरिदास भट्टाचार्य कृत
सटीक तथा टिप्पणी सहित काशी ॥)
- १३३५ कुसुमाञ्जलि बोधिनी—वरदराज विरचित उदयनाचार्य कृत
न्याय कुसुमाञ्जलि पर व्याख्या काशी २)
- १३३६ केवलान्वयी—शिरोमणि टीका-जागदीशविवृति कलकत्ता १)
- १३३७ खण्डन परिशिष्ट— काशी ॥)
- १३३८ गदाधरी चतुर्दशलक्षणी—सटीक कांची २१)
- १३३९ गदाधरी पञ्चलक्षणी— कांची ॥=)
- १३४० गदाधरी—पञ्चलक्षणी मुम्बई १॥॥)
- १३४१ गदाधरी—तत्त्वचिंतामणि की दीधिति व्याख्या पर व्याख्या २१)
- १३४२ जगदीशी पञ्चलक्षणी सिंहव्याघ्र लक्षणं च काशी ॥)
- १३४३ तर्क कौमुदी-मूल मात्र मुम्बई =)
- 1344 Tarka Kaumdi Roman text with notes by Hultzs. 2-0-0
- १३४५ तर्कपथरत्नावली—वाजपेयी सुन्दराचार्य मदरास १-)
- १३४६ तर्कभाषा-श्रीमत्केशव मिश्र विरचित न्यायप्रदीपिका टीका १॥॥)
- १३४७ तर्कभाषा—गोवर्धन कृत टीका सहित and English notes
by Patanjali. Poona 2-4-0
- १३४८ तर्कभाषा—आंगल अनुवाद सहित २ भाग पूना १॥॥)
- Tarkabhasha text with English translation by Kulkarni & Dr. Jha in 2 parts. Poona 1-12-0
- 1349 Tarkabhasha of Keshvamishra translated into English
with intro. and notes by P. Tuxen. 10-0-0
- १३५० तर्कसंग्रह-अन्नम् भट्ट कृत मूल मुम्बई =)
- १३५१ तर्कसंग्रह—दीपिका व्याख्या सहित पूना ॥=)
- १३५२ तर्कसंग्रह—सिद्धान्तचंद्रोदय टीका सहित मुम्बई ॥=)
- १३५३ तर्कसंग्रह—दीपिका नीलकंठी टीका सहित „ ॥१)
- १३५४ तर्कसंग्रह—चंद्रिकाटीका सहित „ ॥=)
- १३५५ तर्कसंग्रह—(भास्करोदय) दीपिकाप्रकाश (नीलकंठी) „ ११)
- १३५६ तर्कसंग्रह—न्यायबोधनी पदकृत्य २ व्याख्या सहित „ ॥=)

- १३५७ तर्कसंग्रह—न्यायबोधनी वाक्यवृत्तिः, निरुक्तिपट्टाभिराम
टिप्पणी, दीपिका, प्रकाशिका, रामरुद्रीय पट्टाभिराम प्रकाचे-
त्येनैर्नवभि व्याख्यानै समन्विता मदरास ३।)
- १३५८ तर्कसंग्रह—लघुबोधनी टीका सहित ॥)
- १३५९ तर्कसंग्रह—न्यायबोधनी+पदकृत्य तथा प्रतिबिम्ब टीका ॥)
- १३६० तर्कसंग्रह—दीपिका न्यायबोधनी edited with English
notes etc. by V. Athayle revised ed. Poona 2-8-0
- १३६१ तर्कसंग्रह—सर्वस्व टीका मदरास २॥)
- १३६२ तर्कसंग्रह—गूढार्थदीपिन्याव्याख्या सहित ,, २)
- 1363 Tarkasangraha translated into English Calcutta 0-8-0
- 1364 Tarkasangraha with Dipika German trans. by Hultsch
Germany 6-0-0
- 1365 Tarkasangraha with Dipika, trans. & notes by B. N.
Bahulkar. 3-0-0
- १३६६ तर्कामृत—मूलमात्र कलकत्ता १।)
- १३६७ तत्त्वचिन्तामणि—अवयवग्रन्थः कांची १)
- १३६८ तत्त्वचिन्तामणि—दीधितिप्रकाश ६ भागा मुद्रिता अपूर्ण ४॥)
- १३६९ तत्त्वचिन्तामणि—दीधितिबिबृत्ति १३ भागा मुद्रिता ,, ६॥)
- १३७० तत्त्वसार—रखलदास न्यायरत्न विरचित—हरिहरशास्त्रि कृत
भूमिका सहित काशी १)
- १३७१ तत्त्वावली—न्याय २)
- १३७२ तार्किकरत्ना—वरदराज कृत तथा मल्लीनाथ कृत टीका ,, ३॥)
- १३७३ दीपिका सर्वस्व— मदरास ३)
- १३७४ न्यायकलिका—जयन्तभट्ट विरचित, काशी ॥॥)
- १३७५ न्यायकुसुमांजलि—(उदयनाचार्य) रुचीदत्त कृत व्याख्या ,, ६)
- १३७६ न्यायकोश—भीमाचार्य विरचित पूना १५)
Nyayakosha of Bhimacharya revised and considerable
enhanced. 3rd. edition. Poona 15-0-0
- १३७७ न्यायकौस्तुभ—(प्रत्यक्ष) महादेव विरचित पं. उमेश मिश्र
कृत भूमिका सहित काशी ३।)
- १३७८ न्यायदर्शन—गौतम प्रणीत मूल मुम्बई १।)
- १३७९ न्यायदर्शन—विश्वनाथवृत्ति तथा टिप्पणी सहित काशी १)
- १३८० न्यायदर्शन—वात्सायनभाष्य+विश्वनाथवृत्ति कलकत्ता २॥)
- १३८१ न्यायदर्शन—वात्सायनभाष्य+विश्वनाथवृत्ति पूना ४॥)

- १३८२ न्यायदर्शन—वात्सायनभाष्य+विश्वनाथवृत्ति सहित काशी ३)
 १३८३ न्यायदर्शन—सुदर्शन भाष्य सहित अत्युत्तम मुम्बई ६)
 १३८४ न्यायदर्शन—वात्सायनभाष्य+भाष्यचंद्र तथा म. म. डा. गंगानाथ झा कृत खद्योतटीका सहित काशी १०)
 १३८५ न्यायसूत्रवैदिकवृत्ति—स्वा. हरिप्रसाद वैदिक मुनि कृत २॥=)
 १३८६ न्यायसूत्रविवरण—राधामोहन गोस्वामि विरचित काशी ३)
 1387 Indian Logic in the early schools or a study of the Nyayadarshana in its relation to the early logic of other schools in English by H. Randle. 7-8-0
 1388 Nyaya Sutras translated with an original comm. by M. M. Dr. Satis Chandra and revised by Nand Lal Sinha new edition. Allahabad 7-0-0
 1389 Die Nyayasutras translated into German with notes and glossary by W. Ruben with text 1928. 15-0-0
 1390 Zum Nyayabhashya von M. Spitzer 1927. 3-0-0
 १३९१ न्यायपरिशुद्धि—निगमान्त महादेशिक मदरास २॥)
 १३९२ न्यायप्रदीप—पं. गंगासहाय कृत मुम्बई १)
 १३९३ न्यायलीलावती—श्रीवल्लभाचार्य रचित " ॥)
 १३९४ न्यायलीलावती—सटीक संपूर्ण ५ भाग में काशी ७॥)
 १३९५ न्यायवार्त्तिक—भारद्वाजोद्योतकरविरचित भूमिका सहित ६)
 १३९६ न्यायवार्त्तिक—तात्पर्यटीका वाचस्पति कृत संपूर्ण काशी ६)
 १३९७ न्यायवार्त्तिकम्—तात्पर्य परिशुद्धि (उदयनाचार्य विरचित) वर्द्धमानोपाध्याय कृत टीका सहित ८ भागा मुद्रिता अविशिष्ट मुद्रयते कलकत्ता ६)
 १३९८ न्यायसार—महादेव पंडित विरचित काशी २॥)
 1399 Nyayasara of Bhasarvajna with an unpublished comm. and English trans. by C. R. Devadhar Poona 2-8-0
 १४०० न्यायसिद्धान्तदीप—श्रीशशधराचार्य कृत काशी ५)
 १४०१ न्यायसिद्धान्तमाला—जयरामन्यायपञ्चानन कृत १ भाग ३=)
 १४०२ न्यायसिद्धान्तमंजरी—व्याख्या सहित " २॥)
 १४०३ पञ्चलक्षणीसर्वस्व — मदरास १॥)
 १४०४ प्रत्यक्तत्त्वचिन्तामणिः—प्रथमभाग खोपब्रह्म स्वप्नभा काशी २)
 १४०५ पदवाक्यरत्नाकर—गोकलनाथ भट्टाचार्य विरचित काशी २॥)
 १४०६ पदार्थतत्त्वनिरूपणम्—श्रीरघुनाथ विरचित काशी १॥)

१४०७ पदार्थदीपिका—कौण्डभट्ट विरचित	काशी ॥=)
१४०८ पदार्थरत्नमाला—श्रीरघुनाथ निर्मितः	काशी ॥)
१४०९ पक्षता—गदाधरी	कांची १॥)
१४१० पक्षता—गदाधरी	कलकत्ता १॥)
१४११ पक्षता—टीकात्रयोपेता	" १)
१४१२ प्रमाणपद्धति—सटीक	मुम्बई १॥१)
१४१३ प्रमाणलक्षणटीका—राघवेन्द्रतीर्थ	" २॥)
१४१४ प्रामाण्यवाद—	कांची ३=)
१४१५ बाधगदाधरी—	" ॥३=)
१४१६ भाषापरिच्छेद—मैथिल मुकुन्द भा प्रणीत (अर्थदीपिका) ॥=)	
१४१७ भुवनेशलौकिकन्यायसाहस्री—पं. ठाकुरदत्त कृत	मुम्बई २॥)
१४१८ मणिदर्पण—शब्दपरिच्छेदः श्रीराजचूडामणिमणिप्रणीत	१=)
१४१९ मणिसार—अनुमानखण्डः—श्री गोपीनाथ विरचित मदरास	१॥=)
१४२० महाविद्याविडम्बनम् भट्टवादीनन्द विरचित आन्द्रपूर्ण भुवन सुन्दर सूरि कृत टीकाभ्यां समन्वितम्	मुम्बई २॥)
१४२१ माथुरीपञ्चलक्षणी—मूल	काशी ३=)
१४२२ माथुरीपञ्चलक्षणी—तथा माथुरी सिंहव्याघ्रलक्षणम्	" ॥)
१४२३ मिथ्यात्वानुमानखंडनटीका—	मुम्बई २)
१४२४ मुक्तिवाद—गदाधर विरचित	काशी ॥)
१४२५ मुक्तिवाद—टीकाद्वयोपेतः	कलकत्ता २)
१४२६ मूलगदाधरी—शब्दखण्ड	कांची १)
१४२७ लौकिकन्यायांजलि—or a collection of popular sayings by Col. Jacob in 3 parts.	Bombay 2-8-0
१४२८ विषयतावाद—गदाधरभट्टाचार्य कृत	काशी ॥)
१४२९ व्यासिपंचक—गंगेशोपाध्याय कृत ४ टीका	कलकत्ता १)
१४३० व्यासिपञ्चकम्—सिंहव्याघ्रलक्षणं च	काशी ॥)
१४३१ व्यासिपंचकरहस्य—सिंहव्याघ्रलक्षण रहस्यं च	" ॥३)
१४३२ व्युत्पत्तिवाद—सुदर्शन कृत आदर्श टीका	मुम्बई ६)
१४३३ व्युत्पत्तिवाद—	कांची २॥)
१४३४ शत्कोटिः—	" ॥=)
१४३५ शत्कोटि खण्डनम्—ताताचार्य कृत	" ॥३=)
१४३६ शत्कोटि खण्डनम्—अनंताचार्य कृत	" ॥३)
१४३७ शत्कोटिमण्डनम्—विजयराघवाचार्य कृत	" १)

- १४३८ शक्तिवाद-सुदर्शनाचार्य कृत आर्दश व्याख्या मुम्बई २॥)
 १४३९ शक्तिवाद-माधव प्रणीत टीका सहित काशी २)
 १४४० शक्तिवाद हरिनाथ तर्क सिद्धान्त कृत विवृति ,, ३)
 १४४१ शक्तिवाद-टीका त्रयोपेतः ,, २)
 १४४२ शब्दशक्तिप्रकाश-१म भाग (जगदीश तर्कालंकार) १।=
 १४४३ शब्दशक्तिप्रकाशिका — कलकत्ता १।)
 १४४४ सत्प्रतिपक्षग्रन्थः कांची ॥।=
 १४४५ सत्प्रतीति-संख्या ed. by Ghate पूना १॥)
 १४४६ सामान्यनिरुक्ति - गदाचर कृत टीका सहित कलकत्ता २)
 १४४७ सामान्यनिरुक्ति— कांची ॥।)
 १४४८ सिद्धान्तलक्षण— ,, १।)
 १४४९ सिद्धान्तलक्षण-गंगेशोपाध्याय कृत सटीक कलकत्ता १)
 १४५० सिद्धान्ततत्त्वण -जागदीश्याः कालीशकरीति पदव्यवहृता पत्रिका ॥।=
 १४५१ सिद्धान्तग्री -जागदीशी पंचलक्षणी ॥।=)

जैन न्याय

- १४५२ आतपरीक्षा-श्रीविद्यानंदि स्वा. विरचित खोपपञ्चवृत्ति मुम्बई १)
 १४५३ तत्त्वार्थाधिगमसूत्राणि-सभाष्य सचित्र पूना २॥।-)
 १४५४ तत्त्वार्थाधिगमसूत्र-सभाष्य सोसाइटी का छपा कलकत्ता १२)
 Tattvarthadhigamasutra with Bhashya critically ed.
 by Mody Very rare. Calcutta 12-0-0
 1455 Tattvarthadhigamasutra or a treatise on the essential
 Principles of Jainism with intro. translation notes and
 comm. by J. L. Jain M. A., in English. 5-0-0
 १४५६ धर्मविन्दु—श्रीहरिभद्र कृत सटीक कलकत्ता ॥।)
 १४५७ न्यायदीपिका—जैनन्याय १-)
 १४५८ नयोपदेश-श्रीयशोविजय कृत खोपपञ्च वृत्ति सहित दुष्पाप्य ५)
 १४५९ न्यायसार-श्रीजयसिंहसूरि रचित दीपिका व्याख्या कलकत्ता ३)
 1460 Nyayavtara of Siddha Sen Divakara with English
 translation. 1-0-0
 १४६१ न्यायावतार-(श्रीसिद्धसेन दिवाकर रचित) टीका टिप्पण
 सहितः मुम्बई १॥)
 Nyayavatara of Sidhasena Divakara with the vivriti

of Siddharsigani and with the Tippana of Devabhadra
edited with notes and introduction by Dr. P. L.
Vaidya. Bombay 1-8-0

- १४६२ परीक्षामुखसूत्र—श्रीमाणिक्यनन्दि प्रणीत सटीक २)
१४६३ प्रमाणमीमांसा - कलिकालसर्वज्ञ श्रीहेमचंद्राचार्य विरचित
खोपन्न वृत्ति सहित पूना १।)
१४६४ प्रमाणनयतत्त्वालोकालङ्कार-वादिदेवसूरि विरचित-रत्नकराव-
तारिका लघुटीका सहित दुष्प्राप्य भावनगर १२)
१४६५ प्रमाणनयतत्त्वालोकालंकार-मूल दुष्प्राप्य , १।)
१४६६ प्रमेयकमलमार्तण्ड-श्रीप्रभाचंद्राचार्य कृत मुम्बई ४)
१४६७ प्रमेयरत्नमाला—अनंतवीर्य कृत , ॥।)
१४६८ षड्दर्शन समुच्चय - मणिभद्र कृत टीका सहित काशी १।)
१४६९ सम्मतितर्क—जैन दर्शन का महान बेजोड़ ग्रन्थ
विवेचनात्मक पद्धति द्वारा संशोधित-संपूर्ण ५ भागों में हर
एक दार्शनिक विद्वान को इसे अवश्य देखना चाहिये ५०)
Sammati Tarka—critically edited for the first time
with several appendices by Pt Sukh Lal. Worth
reading book. Every Library ought to possess this
book. Complete in 5 parts. Ahmedabad 50-0-0
- १४७० स्याद्वादमंजरी—सटीक संपूर्ण काशी ३)
१४७१ स्याद्वादमंजरी-कलिकालसर्वज्ञ श्रीहेमचंद्राचार्य रचित अन्य-
योग व्यवच्छेदिका तद्व्याख्या च श्रीमल्लिषेणसूरि प्रणीता २।)
१४७२ स्याद्वादरत्नाकर-वादिदेवसूरिविरचितः प्रमाणनयतत्त्वालोकाल-
ङ्कारः सहितः ५ भागा मुद्रयते अविशिष्टमुद्रयते पूना १।।।)

बौद्ध न्याय

- १४७३ अद्वयवज्रसंग्रह—२० बौधन्यायग्रन्थ बड़ोदा २)
Advayavajrasangrah consisting of 20 short works on
Buddhist Philosophy by Advayavajra belonging to the
11th century ed. by M. M. Dr. Harprasad Sastri. 2-0-0
- १४७४ तत्त्वसंग्रह-(बौद्ध दर्शन) शान्तरक्षित विरचित पञ्जिका व्या-
ख्या सहित २ भागों में अत्युत्तम ग्रन्थ बड़ोदा २४)
Tattvasangrah—A Buddhist philosophical work of the
8th century by Santarakshita, a Professor at Nalanda
with Panjika (commentary) by his disciple Kamalasila
also a Prof. at Nalanda in 2 Vols. Baroda 24 0-0

- १४७५ न्यायप्रवेश—दिङ्गनाग विरचित-हरिभद्रसूरि तथा पार्श्वदेव
कृत २ टीका सहित बड़ौदा ४)
Nyaya Pravesha (Sanskrit Text) on Buddhist logic of
Dinnaga with commentaries of Haribhadra & Parash-
vadeva ed. by Principal A. B. Dhruva 1930. 4-0-0
- 1476 Nyayapravesha of Dinnaga Tibetan text ed. with intro.,
notes; appendices etc., by Prof. Bhattacharya. 1-8 0
- १४७७ न्यायबिन्दु सटीक-धर्मकीर्ति प्रणीत काशी १॥)
- १४७८ न्यायबिन्दु-धर्मकीर्ति विरचित तथा विनीतदेव कृत व्याख्या
सहित कलकत्ता २)
- १४७९ न्यायबिन्दु-धर्मकीर्ति विरचित-धर्मोत्तराचार्य कृत टीका
सहित ed. by Stecherbatsky. रशिया ७)
- १४८० न्यायबिन्दुटीकायाः टिप्पणी—आचार्य धर्मोत्तर कृताया-
edited by Stecherbatsky. रशिया ७)
- १४८१ न्यायबिन्दुटीका—धर्मोत्तराचार्य विरचित तथा न्यायबिन्दु
सहित edited by Peterson Very rare 1889 8-0-0
- 1482 Indices Verborum Sanscrit-Tibetan and Tibetan-Sans-
krit to Nyayabindu of Dharmakirti and Nyayabindu-
tika of Dharmottara by E. Obermiller in 2 parts
Russia
- 1483 Nyayabindu Index—Sanskrit-Tibetan. 2-0-0
- 1484 Nyayamukha of Dinnaga, the oldest Buddhist text on
Logic edited by G. Tucci 1930. 8-0-0
- १४८५ प्रमाणसमुच्चय—(प्रत्यक्षपरिच्छेद) दिङ्गनाग विरचित-Tibetan
version edited and restored into Sanskrit with vritti,
tika and notes by H. R. Rangaswamy Iyengar. 3-8-0
- १४८६ प्रज्ञोपायविनिश्चयसिद्धि—अनङ्गवज्र विरचित तथा इन्द्रभूति
कृत ज्ञानसिद्धि (8th. century) बड़ौदा ३)
- 1487 Pre-Dinnāga—a Buddhist text on Logic from Chinese
Sources: containing the English translation of Sata-
sastra of Aryadeva, Tibetan text and English transla-
tion of Vighraha-vyāvartani of Nagarjuna and the re-
translation into Sanskrit from Chinese of Upāyahrdaya
and Tarkasastra edited by Prof. G. Tucci. 1930. 9-0-0
- 1488 Fragments from Dinnaga by H. N. Randle. 6-0-0
- 1489 Buddhist Logic Vol. II by Stecherbatsky. 20 0-0

1490 Six Buddhist Tracts in Sankrit ed by Dr.Harprasad. 6-0-0

वैशेषिकदर्शन ग्रन्थ

- १४९१ तर्कसंग्रह-आनन्दगिरि विरचित वैशेषिक का खंडन १)
Tarkasangrah (Refutation of Vaicesik theory of atomic creation) Baroda 5-0-0
- १४९२ पदार्थ मण्डन-श्रीवेणीदत्त विरचिता काशी ॥२॥
- १४९३ वैशेषिकदर्शन-कणाद प्रणीत मूल मुम्बई १)
- १४९४ वैशेषिकदर्शन-उपस्कारभाष्य+जयनारायण कृत भाष्य २)
- १४९५ वैशेषिकदर्शन-उपस्कार भाष्य तथा प्रशस्तपाद काशी १॥)
- १४९६ वैशेषिकदर्शन - प्रशस्तपादभाष्य सहित ॥॥)
- १४९७ प्रशस्तपादभाष्य-जगदीश कृत सूक्ति तथा बंगला टीका २)
- १४९८ प्रशस्तपादभाष्य टीका संग्रह—२ भाग में काशी ३)
- १४९९ प्रशस्तपादभाष्य-सूक्ति+सेतु+व्योमवती ३ व्याख्या ,, १२)
- १५०० वैशेषिकदर्शन प्रशस्तपादभाष्यम्—भट्ट श्रीधराचार्य कृत न्यायकंदली टीका सहित दुष्प्राप्य काशी ५०)
- १५०१ वैशेषिकदर्शन-किरणावलीटीका संवलित प्रशस्तपादभाष्य सहित संपूर्ण काशी ६१)
- १५०२ किरणावली—उदयनाचार्य कृत तथा वर्द्धमानोपाध्याय कृत टीका सहित ३ भागा मुद्रिता अपूर्ण कलकत्ता २१)
- १५०३ किरणावलीभास्कर—पञ्जनाभमिश्र विरचित उदायन कृत किरणावली के द्रव्यविभाग पर टीका काशी १॥॥)
- १५०४ रससार -भट्ट वादीन्द्र विरचित उदायन कृत किरणावली के गुण विभाग पर टीका काशी १२)
- १५०५ वैशेषिकसूत्रवैदिकवृत्ति स्वा. हरिप्रसाद कृत मुम्बई १॥२॥)
- 1506 Vaicesik Sutras of Kanada with the comm. of Shankara and extracts from the gloss of Jai Narayan translated into English by Nand Lal Sinha. Allahabad 7-8 0
- 1507 Vaicesik Philosophy according to the Dashpadaratha Sastra Chinese text with intro. and notes by Prof. H. Ui. in English. Europe 7-8-0
- 1508 Vaicesik System described with the help of the oldest text in English by Dr. B Faddgone. Valuable book scarce. Amsterdam 40-0 0
- 1509 Padarathadharam Sangrah or the Prasatapada Bhash-

ya of Vaisesikdarshana and Nyayakandali translated into English by Dr. Ganganath Jha Benares 10-0-0

General Books on Indian Philosophy

- 1510 Ethics of the Hindus by Sushil Kumar Mitra. 4-8-0
 1511 Introduction to Indian Philosophy by Jwala Prasad M. A. Allahabad 4-0-0
 1512 Indian Philosophy by S. Radhakrishnan 2 Vols. 33-6-0
 1513 Indische Philosophie by O. Strauss 1925. 5-8-0
 1514 Indische Philosophie by R. Garbe. 1-8-0
 1515 Uber die Erkenntnistheorie der Inder by Freytag 2-0-0
 1516 Contribution towards an index to the bibliography of the Indian Philosophical System by F. Hall. 25-0-0
 1517 Karma and Reincarnation in Hindu Religion and Philosophy by P. Yevtic 1927. London 6-0-0
 1518 Karma Mimansa by A. B. Keith. Bound 2-8-0
 1519 Charvak Shashthi (Indian Materialism) by D. Shastri.
 1520 Die Religiösen und Philosophischen Grundanschauungen der Inder by Happel 1902. 8-0-0
 1521 Nastika Carvaka E. Lokayatika by A. M. Pizzagalli in Italian. Very Rare 15-0-0
 1522 Philosophie Indienne par M. Oursel in Franch. 12-0-0
 1523 Philosophy of Ancient India in Eng. by Garbe 2-8-0
 1524 Philosophy of Vaisnava Religion with special reference to Krishnite and Gaurangite cults by Prof. G. N. Mullick. Lahore 8 0-0
 1525 Philosophical Discipline by Dr. Ganganath Jha 1-8-0
 1526 Vaisnavism, Saivism and other minor religious systems by Dr. R. G. Bhandarkar. Poona 3-8-0
 1527 Mystery of the Mahabharata or a picture of six Systems of Hindu Philosophy with 48 illustrations by N. V. Thadani M. A. Karachi 12-0-0
 1528 Mysteries of Karmayoga by a Sannyasi. 1-8-0
 1529 Short History of Indian Materialism by Sastri Dakshinaraman. 2-8-0
 1530 Short History of the Mediaval School of Indian Logic by M. M. Dr. Satishchandra Vidyabhushana. 7-8-0
 १५३१ षड्दर्शन—मूलमात्र गुटका स्थूलाक्षर मुम्बई १॥)

- १५३२ षड्दर्शन—मूलमात्र टाईप काशी १।)
 १५३३ सर्वदर्शनसंग्रह—मूल स्थूलाक्षर (मध्वाचार्य) पूना २)
 १५३४ सर्वदर्शनसंग्रह—मध्वाचार्य प्रणीत कलकत्ता १।)
 १५३५ सर्वदर्शनसंग्रह—वासुदेव शास्त्रि अभ्यंकर कृत व्याख्या पूना १०)
 1536 Sarvadarshansangraha translated into English by E. B. Cowell M. A. 9-3-0
 1537 Six Systems of Indian Philosophy by Max Muller 6-6-0
 1538 Hindu Philosophy by Dhirendranath Pal. 1-8-0
 1539 Hindu Logic as preserved in China and Japan by S. Sagiura Very rare. 25-0-0
 1540 History of Indian Philosophy Vol. II. The Creative Period by Dr. S. K. Belvalkar and Ranade. 16-0-0
 1541 History of Indian Philosophy by Dr. S. N. Das Gupta
 1542 History of Indian Logic (Ancient, Mediaval & Modern) by M. M. Dr. Satishchandra Vidyabhushana. 15-0-0
 1543 History of Pre-Buddhist Indian Philosophy by B. M. Barua. Calcutta 10-8-0

शैव ग्रन्थ

(Including Kashmir Series of Texts and Studies)

- १५४४ ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी—व्याख्या सहित २ भाग सजिलद ८)
 1545 Origin of Saivism and its History in the Tamil Land by K. R. Subramaniam. 3-8-0
 १५४६ कामकलाविलास—श्रीपुण्यानंद कृत सटीक काशमीर १।)
 १५४७ कामकलाविलास— " " सटीक मदरास १।)
 1548 Kamkalavilas—with English trans. by A. Avalon 4-0-0
 1549 Kashmir Saivism being a brief intro. to the History, Lit. and doctrine of the Advaita Shaiva Philosophy of Kashmir by Chatterji. 2-8-0
 १५५० जन्म मरण विचार—अमरौघशासन+तंत्रवटधनिका १।)
 १५५१ तंत्रसार—अभिनवगुप्तचार्य विरचित काशमीर २।)
 १५५२ तंत्रालोक—अभिनवगुप्तविरचित-जयरथ विरचित विवेक व्याख्या सहित ८ भागों में काशमीर २६।।।)
 १५५३ देशोपदेशमाला—राजशेखर विरचित " १।।)
 १५५४ नरेश्वर परीक्षा—प्रकाशटीका सहित " २)
 १५५५ नेत्रतंत्र—क्षेमराज कृत व्याख्या सहित " ३।।)

- १५५६ परमार्थसार-अभिनवगुताचार्य कृत तथा योगराज विवृत्ति २॥
 १५५७ परात्रिंशका-अभिनवगुतापादकृत विवृत्युपेतः , ३=)
 १५५८ प्रत्यभिज्ञाहृदयम्—श्रीक्षेमराज विरचित सटीक ,, ११=)
 1559 Pratyabhijnahridya translated into German by Baer Germany 4 0 0 1926.
 १५६० महानयप्रकाश—श्रीशितिकंठाचार्य विरचित काशमीर १॥)
 1561 Language of the Mahanaya Prakash by Grierson 2-4-0
 १५६२ महारथमंजरी-नंदाचार्य विरचित तथा परिमलव्याख्या १॥)
 १५६३ महारथमंजरी—सटीक द्विवेङ्गम् २॥१-)
 १५६४ मालिनीविजयवार्त्तिकम्—अभिनवगुत विरचित काशमीर ३)
 १५६५ मालिनीविजयतंत्र—अत्युत्तम ३॥)
 १५६६ मृगेन्द्रतंत्रम्—(विद्यापाद+योगपाद नारायण कण्ठ कृत व्याख्या सहित काशमीर ३॥)
 १५६७ लल्लेश्वरी वाक्यानि—श्रीराजानकभास्कराचार्य काशमीर १=)
 1568 Lalla Vakyanir or the sayings of Lal Deo a mystic Poetess of Kashmir edited with English trans., notes and a Vocabulary by Sir Grierson. 10 0-0
 १५६९ लौगाक्षिगृह्यसूत्र-देवपाल कृत भाष्य सहित काशमीर २॥)
 १५७० वतुलनाथसूत्र—)
 १५७१ विज्ञानभैरव—श्रीक्षेमराजाचार्य कृत विवृत्तिभागोत्तर श्री परिडित शिवोपाध्यायकृतोद्योताख्य विवृत्युपेतः काशमीर २॥)
 १५७२ शिवसूत्रवार्त्तिकम्—वरदराज कृत ,)
 १५७३ शिवसूत्रवार्त्तिकम्—भास्कर कृत शिवसूत्रवृत्ति तथा स्पन्द कारिका सहित काशमीर २॥)
 १५७४ शिवसूत्रविमर्शिनी—चसुगुप्तस्य सूत्राणि श्रीक्षेमराजस्य विमर्शिनी टीकोपेतानि काशमीर २॥)
 1575 Short Review of the Research publication (Kashmir State). 0-8-0
 १५७६ षट् त्रिंशत्-तत्त्वसंदोह+भावोपहार+बोधपंचदशिका+प्रवेशिका सव्याख्या १॥=)
 १५७७ स्तवचिन्तामणि—भट्ट नारायण विरचित-क्षेमराज टीका २॥)
 १५७८ स्पन्दकारिका—रामकंठाचार्य कृत विवृत्युपेता ,, २॥१)
 1579 Spandanirnaya text with English translation. 4-0-0
 १५८० स्पन्दसन्दोह—श्रीक्षेमराजाचार्य विरचित काशमीर ॥)

- १५८१ स्वच्छन्दतंत्र—४ भाग सजिलद काशमीर १२॥)
 १५८२ सिद्धित्रय-प्रत्यभिज्ञकारिकावृत्ति-उत्पलदेव विरचित ,, ३)
 1583 Hindu Realism—an excellent intro. to the metaphysics
 of Nyaya-Vaicesik System by Chatterji. 3-0-0

भक्ति ग्रन्थ

- 1584 Aphorisms of Narada translated into English by
 Kannco Mull. 0-8-0
 1585 Die Bhakti—Religion in Indian und der Christliche
 Glaube im Neuen Testament von K Hutten 7-8-0
 1586 Bhakti Cult in Ancient India by Bhagwat Kumar 8-0-0
 १५८७ भक्तिचंद्रिका-नारायणतीर्थ विरचित शाण्डिल्य के भक्ति
 सूत्रों पर व्याख्या काशी ॥३)
 १५८८ भक्तिमार्तण्ड-गोपेश्वर महाराज विरचित ,, ११)
 १५८९ भक्तिमीमांसा-शाण्डिल्यसूत्रसभाष्य मुम्बई ॥)
 १५९० भक्तिमंजरी-स्वाति श्रीरामवर्मा विरचित द्रीवेंड्रम् १=)
 1591 Bhaktiratnavali with the comm. of Vishnupuri trans-
 lated into English. 5-0-0
 १५९२ भक्तिरसायन—मधुसूदनसरस्वती कृत टीका ॥३)
 1593 Bhakti Sastra translated into English by Nand Lal
 Sinha M. A. 7-0-0
 १५९४ भक्तिसागर—नारायण भट्ट विरचित काशी २)
 १५९५ भक्तिसुत्रांतरंगणी-शिवभिनवनुसिंह भारती विरचित २॥३)
 १५९६ भक्तिहंस-व्याख्यात्रितयानुगतः मुम्बई १)
 १५९७ लघुस्तुति—लघुभट्टारक विरचित सटीक द्रीवेंड्रम् ॥-)
 १५९८ शाण्डिल्यसूत्र—स्वप्नेश्वरभाष्य सहित प्रयाग ॥३)
 १५९९ शाण्डिल्यसूत्र—स्वप्नेश्वर भाष्य सहित edited by J. R.
 Ballantyne कलकत्ता ५)
 1600 Aph. risms of Shandilya translated into English by
 Cowell.
 १६०१ हरिभक्तिरसामृतसिन्धुः—दुर्गमसंगमनी संस्कृतटीका ३)

गीतादि ग्रन्थ

- १६०२ अवधूत गीता मूलमात्र मुम्बई १=)
 1603 Ishwar Gita translated into English by L, Kannoo
 Mull M. A. 1-8-0

- १६०४ उत्तरगीता-दीपिकाव्याख्या सहित मुम्बई ३)
- १६०५ उत्तरगीता-गौडपादाचार्य कृत व्याख्या सहित मदरास १=)
- 1606 Uttaragita translated into English Bombay 0-4-0
- १६०७ गणेशगीता-मूल रेशमी मुम्बई १=)
- १६०८ गणेशगीता-संस्कृत टीका सहित पूना २)
- १६०९ गीतासंग्रह—२० प्रकार की गीता का संग्रह „ ५)
- १६१० भगवद्गीता-मूल स्थूलाक्षर रेशमी मुम्बई ॥=)
- १६११ भगवद्गीता- „ , सजिल्दा ३=) सादा १) तथा १) तथा २=)
- १६१२ भगवद्गीता-एक इंच से भी छोटी लम्बाई चौड़ाई में । फोडू से उतारी हुई । इतना होने पर भी स्पष्ट पढ़ी जाती है जर्मनी से तैयार कराई गई है । ताबीज में मढ़ाने योग्य १)
- १६१३ भगवद्गीता-स्थूलाक्षर-पंचरत्न ११) तथा ॥=) बारीक ॥१)
- १६१४ भगवद्गीता-सदानंद कृत भावप्रकाश टीका सहित मुम्बई ४)
- १६१५ भगवद्गीता-शंकरानंदी टीका सहित „ २॥)
- १६१६ भगवद्गीता शंकरभाष्य सहित पूना २)
- १६१७ भगवद्गीता-पैशाचभाष्य सहित „ १॥)
- १६१८ भगवद्गीता-मधुसूदनी टीका सहित मुम्बई २॥)
- १६१९ भगवद्गीता-मधुसूदनी तथा श्रीधरी २ टीका पूना २)
- १६२० भगवद्गीता-श्रीधरीटीका सहित मुम्बई १)
- १६२१ भगवद्गीता-बरबरमुनि कृत भाष्य सहित कांची २१)
- १६२२ भगवद्गीता-प्रतिपदार्थ विवरण सहित „ २=)
- १६२३ भगवद्गीता—रामानुजभाष्य सहित मुम्बई २)
- १६२४ भगवद्गीता-तात्पर्यचंद्रिका टीका रामानुजभाष्य पूना ७॥)
- १६२५ भगवद्गीता-आनंदगिरि कृत टीका तथा शंकरभाष्य „ ६१)
- १६२६ भगवद्गीता-२६ अध्याय गोभिल कारिका सहित १=)
- १६२७ भगवद्गीताभाष्य—हंसयोगी विरचित २ भागों में ४१)
- १६२८ गीतार्थसंग्रह—रक्षया सहित १=)
- १६२९ भगवद्गीता-तात्पर्यन्यायदीपिका तथा ताम्रपर्णीय टिप्पणी ८॥)
- १६३० गीताभाष्य-मध्वाचार्य कृत तथा जयतीर्थ कृत प्रमेयदीपिका सुमतींद्र रचित भावरत्नकोश—तथा गीता विवृति ५ भाग केवल छपे हैं बाकी छपते हैं ५ भाग मूल्य ८)
- १६३१ भगवद्गीता-बालबोधनी नामक अति सरल संस्कृत व्याख्या सहित टीका बहुत सरल है—स्थूलाक्षर बड़िया जिल्द २)

- १६३२ भगवद्गीता-ज्ञानेश्वरी मराठी टीका का संस्कृत अनुवाद २।)
- १६३३ भगवद्गीता—(८ टीकाओं सहित) तत्वप्रकाशिका गूढार्थ-
दीपिका तात्पर्यबोधनी, सुबोधनी, भावप्रकाश, भाष्योत्कर्ष-
दीपिका परमार्थप्रपा तथा अर्थसंग्रह सहित संपूर्ण मुम्बई १०)
- १६३४ भगवद्गीता-श्रीरामानुज भाष्येण तद्व्याख्या श्रीमन्नृगमान्त
महागुरु विरचितया तात्पर्यचंद्रिका तदुभयप्रमाणकरैः तद-
व्याख्यानैः श्रीशंकरभाष्येण, श्रीमदानंदतीर्थभाष्ये, जयतीर्थ
मुनि विरचित तद्व्याख्याचनुगतम् ३ जिलदों में मदरास ९)
- 1635 Bhagavadgita, Sanatsujatiya and Anugita translated
into English by K. T. Telang. Europe 9-6-0
- 1636 Bhagavadgita with English translation by Annie Besant
and Bhagwan Dass. Madras 2-8-0
- 1637 Bhagavadgita with Eng. trans. by Annie Besant 0-5-0
- 1638 Bhagavadgita translated into English with copious
notes, an intro., on Sanskrit Philosophy and other
matters by Thompson. Europe 15-0 0
- 1639 Bhagavadgita with English translation etc. by Hill 11-4 0
- 1640 Bhagawadgita with copious annotations translated into
English by Tookaram Tatya. Bombay 0-12-0
- 1641 Bhagavadgita with Eng. translation and notes by K.
S. Ramaswami Vol. I Madras 2-2-0
- 1642 Bhagavadgita with Shankarabhashya translated into
English by Mahadeva Sastri. Madras 5-0-0
- 1643 Bhagavadgita translated into English by A. W. Reyder.
Best edition. America 6-4-0
- 1644 Bhagavadgita text, Sanskrit easy comm., and English
translation by Pt. Sitanath Tattwabhusan. 2-8-0
- 1645 Bhagavadgita text, padachheda, word meaning English
translation, notes and comments by Radhacharan. 2-0-0
- 1646 Bhagavadgita text with English translation by F. T.
Brooks. Madras 1-0-0
- 1647 Bhagavadgita or The Song Celestial translated into
English verse by Sir E. Arnold. Very nice poket gift
book. Leather bound Rs. 3-0-0 cloth bound 1-8-0
- 1648 Bhagavadgita translated into German by Schroeder 4-0-0
- 1649 Essays on the Bhagavadgita by Aurbindo Ghosh in
2 Vols. Calcutta 12-8-0

- 1650 Bhagavadgita—An exposition on the basis of Psycho-philosophy and Psycho-Analysis by Dr. V G. Rale 4-12-0
 1651 Bhagavadgita a fresh study by D. D. Vadekar. 1-8-0
 1652 Lok. Tilaka's Gitarahasya or the Philosophy of action by Mangalvedkar. 2-4-0
 1653 Gita Idea of God by Brahmchari Gitananda. 5-8-0
 1654 Gita List—(a list of printed and Mss. books of Gita Literature). 0-8 0
 1655 Hints on the study of Bhagavadgita. 0-14-0
 1656 Philosophy of Bhagavadgita by T. Subha Rao. 2-8-0
 1657 Senart's intro. to Bhagavadgita by Dr. Belvalkar. 0-8-0
 1658 summary of the Bhagavadgita by Capters and stanzas by Dr. Belvalkar. 0-8-0
 1659 Philosophy of the Bhagavadgita—an exposition by C. G. Kaji in 2 Vols. 7-8-0
 1660 The Kashmir Recension of the Bhagavadgita in English by Dr. O. Schrader. Best Book. 1930 3-12-0
 1661 Lectures on the study of Bhagavadgita by S. R. 0-14-0
 1662 Bhagavad Gita—The Divine Path to God by Prof. Ramaswami Sastri. 1-0-0
 1663 An introduction to the study of Bhagavadgita by P. C. Nyayabagish. 1-0-0
 1664 Intro to Bhagavad Gita—by Prof. D S. Sharma 1-0-0
 1665 Bhagavadgita in French by Oltramare. 1-0-0
 1666 Bhagavadgita translated into German by R. Garbe 4-8-0
 1667 Mysticism in Bhagavadgita by M. Sircar 1929.
 1668 Notes sur la Bhagavadgita par Lamatte French 9-0-0
 1669 Gospel of Life or An intro. to the study of Bhagavadgita and the Upanishads by Brooks. 1-8-0
 १६७० शिवगीता—मूल रेशमी मुम्बई III)
 १६७१ शिवगीता—संस्कृत टीका सहित „ III)
 १६७२ शिवगीता—तात्पर्यप्रकाश सहित „ I-)

इतिहास ग्रन्थ

- १६७३ अध्यात्म रामायण—मूल रेशमी गुटका १॥) तथा मुम्बई १)
 १६७४ अध्यात्म रामायण—अत्युत्तम संस्कृत टीका खुलापत्रा „ ४)
 1675 Adhyatam Ramayana translated into English by R. B. Lala Baij Nath. Allahabad 3-0-0

- १६७६ अद्भुतरामायण—मूल खुला पत्रा मुम्बई ॥१)
- १६७७ आनंदरामायण—संपूर्ण बुकसाईज „ ६)
- १६७८ इतिहास समुच्चय—मूल टाईप „ ११)
- 1679 Indian Mythology according to Mahabharata—an outline in English by Fausboll. Europe 8-0-0
- 1680 Epic Mythology in English by Hopkins. 20-0-0
- 1681 Epic Studies by Sukththankar. 1-4-0
- १६८२ गर्गसंहिता—मूल उग्रसेन कृत खुलापत्रा मुम्बई ६).
- १६८३ गुरुपरम्परा चरित्र—ऐतिहासिक ग्रन्थ खुला „ १०)
- 1684 Geographical Dictionary of Ancient and Mediavel India with an appendix on modern names of Ancient Indian Geography by N. L. Day. Calcutta 9-0 0
- १६८५ जैमिनीयाश्वमेध—मूल खुलापत्रा मुम्बई २॥)
- 1686 Das Gokapiliyam—ein Philosophisches gesprach zwischen Kapila und Syumarasmi aus dem Mahabharata von F. Weinrich. Germany 5-0-0
- १६८७ धर्मा कृतम्—व्यम्बकराय मखिना विरचित ३ भाग मदरास ६)
- १६८८ नलोपाख्यानम्—मूलमात्र अत्युतम् यूरोप ४॥८)
- The Story of Nala original text edited with an English vocabulary by J. Eggeling Very useful. 4-6-0
- 1689 Nalopakhyanam an episode of Mahabharata text with vocabulary and Eng. trans. by M. Williams. 11-4-0
- 1690 Nalopakhyanam text with vocabulary and a sketch of Sanskrit Grammar by Jarret. Europe 10 0-0
- 1691 Notes on the Nalopakhyanam for the use of classical students by J. Peile. Europe 9-0-0
- 1692 Nala and Damayanti by N. M. Penzer illustrated with 10 coloured miniatures by Zenkar. London. 20-0-0
- 1693 Nala and Damayanti in German by Canilla. 1-0-0
- 1694 Nala and Damayanti & other poems by H. H. Milman
- १६९५ भक्तमाल—संस्कृत मूल खुलापत्रा मुम्बई ३)
- १६९६ भारतसार—मूल खुलापत्रा मुम्बई २)
- १६९७ भारतसंग्रह—लक्ष्मणसूरि विरचित मदरास ३)
- १६९८ मन्त्ररामायण—सटीक गुटका मुम्बई १)
- १६९९ महाभारत—नीलकंठी टीका सहित संपूर्ण दुष्प्राप्य मुम्बई १२५)
- १७०० महाभारत—सबसे बढ़िया और सब से शुद्ध संस्करण छप

रहा है—संपूर्ण ग्रन्थ का मूल्य छपने पर २००) रु. होगा—साथ में बढ़िया चित्र दिये हैं अभीतक ५ भाग छपे हैं केवल संपूर्ण पुस्तक के ग्राहकों को ही यह पुस्तक मिल सकेगी—अग्रिम ग्राहक बनने के लिये १०) पेशगी जमा करना पड़ेगा ५ भाग जो छपे हैं उनका मूल्य २०)

Mahabharata—Original Devanagari text—A critical and illustrated edition of the Mahabharata undertaken by the Bhandarkar Oriental Research Institute. The Price of the whole set when published will be Rs. 200-0-0 Available only to Subscribers. Subscribers are enlisted only, if they deposit Rs. 10-0-0 in advance. This is the unique edition of its kind. So far 5 fasc. are published. Price of 5 fasc. published is Rs. 20-0-0

१७०१ महाभारत—Southern Recension ed. by P. P. S. Sastri. Vol. I Part I Adiparva. Madras

१७०२ महाभारत—सव्याख्या-अत्युत्तम विराटपर्व केवल मुम्बई ४॥)

१७०३ महाभारतान्तर्गत-विराटपर्व-text edited from original Mss. as a tentative work with a critical and explanatory notes and an introduction by N. B. Utgikar together with 3 coloured illustrations. Big Volume Poona 14-0-0

१७०४ महाभारत—सव्याख्या उद्योगपर्व मुम्बई ८॥)

१७०५ महाभारत—मूल-वन, विराटपर्व बुकसाईज मदरास ५॥-)

१७०६ महाभारत—, कर्ण, शल्य, सौतिक ,, ४॥)

१७०७ महाभारत—, अनुशासन, अश्वमेध, आश्रमवासिक, मौ-सल, महाप्रस्थान और स्वर्गरोहण पर्व मदरास ५॥-)

१७०८ संक्षिप्त-महाभारत—edited by C. V. Vaidya ३॥)

१७०९ महाभारतानुक्रमणिका—An index to Mahabharata. ५॥-)

१७१० महाभारततात्पर्यनिर्णय-मूल मुम्बई ३॥)

१७११ महाभारततात्पर्यप्रकाश—काशी २॥)

1712 A Prose English translation of the Mahabharata translated from the original text by M. N. Datt M. A. Literal translation, complete set. Rare. Calcutta 50-0-0

1713 Mahabharata translated into elegant English prose by Mr. P. C. Roy. New edition in 10 Vols. 50-0-0 (eight Vols. have been published).

- 1714 Ethische Probleme aus dem 'Mahabharata' von O. Strauss 1912. 10 0-0
- 1715 Mahabharata index and concordanz in German by Jacobi. Germany 15-0-0
- 1716 The great Epic of India condenced into English verse by R. C. Datt with an intro. by Max Muller and 24 illustrations in colour. Rare. 25-0-0
- 1717 Selections from the Mahabharata edited with English vocabulary by Johnson 1842 Very rare. 15-0-0
- 1718 Additional maxims and sentiments from Mahabharata by J. Muir. 2-0 0
- 1719 Index to the names in the Mahabharata with short explanations and a concordance to the Bombay and Calcutta editions & P. C. Roy's translation by Sorenson in 13 parts. London Rs. 100-0-0
- 1720 Mahabharata—a criticism by C. V. Vaidya 2-12-0
- 1721 Mystery of the Mahabharata or a picture of six systems of Hindu Philosophy by N. V. Thadani M. A. with 48 illustrations, 12-0-0
- 1722 Introduction to the above Mystery of the Mahabharata 2 0-0
- १७२३ रामाश्वमेध—मूल खुलापत्रा मुम्बई २॥)
- १७२४ वाल्मीकीरामायण—मूल संपूर्ण रेशमी „ ५)
- १७२५ वाल्मीकीरामायण—मूल बालकाण्ड N. W. Recension लाहौर
- १७२६ वाल्मीकीरामायण—मूल अत्युत्तम अयोध्याकांड संपूर्ण ७॥)
Valmikiramayana North Western Recension published for the first time. Ayodhyakand only. 7-8-0
- १७२७ वाल्मीकीरामायण—मूल गुटकासाईज में न जिलदें मदरास ८॥)
- १७२८ वाल्मीकीरामायण —मूल स्थूलान्तर बुकसाईज २ भाग ६॥)
- १७२९ वाल्मीकीरामायण—गोविन्दराजीय व्याख्यान संपूर्ण २८)
- १७३० वाल्मीकीरामायण—बालकांड केवल „ „ मदरास १॥=)
- १७३१ „ „ —आरण्यकाण्ड „ „ „ २॥)
- १७३२ वाल्मीकीरामायण—सुन्दरकांड केवल „ „ „ ३॥)
- १७३३ „ „ —किष्किन्धाकांड „ „ „ २॥)
- १७३४ वाल्मीकीरामायण—उत्तरकांड केवल „ „ „ १॥=)
- १७३५ „ „ —युद्धकांड „ „ „ ४॥)

- १७३६ वाल्मीकीरामायण—रामाभिरामतिलक व्याख्या खुलापत्रा मुम्बई १४) तथा १०)
- १७३७ " " " बुकसाईज बारीक ८)
- १७३८ वाल्मीकीरामायण-तनिश्लोकी रामानुजी तथा भूषणादि ३ संस्कृत टीका सहित खुलापत्रा मुम्बई ३०)
- १७३९ वाल्मीकीरामायण-तिलक, शिरोमणि, भूषण ३ टीका सहित ७ बड़िया जिलदों में संपूर्ण मुम्बई ३१)
- १७४० वाल्मीकीरामायण-केवल सुन्दरकांड मूल रेशमी " ९)
- १७४१ वाल्मीकीरामायण-केवल सुन्दरकांड भूषणादि ३ टीका २॥)
- १७४२ वाल्मीकीरामायण—बालकांड सटीक कलकत्ता १)
- १७४३ वाल्मीकीभावदीप— १)
- १७४४ संक्षिप्तवाल्मीकीरामायण—Edited by C. V. Vaidya 2-8-0
- 1745 Valmiki Ramayan translated into English only 2 Vols. (Bala + Ayodhya) published. Madras 2-2-0
- 1746 Valmiki Ramayan Balkand only with English notes and trans. Bombay 3-12 0
- 1747 A metrical English translation of Ramayana of Valmiki by Ralph T. H. Griffith. Benares 10-0-0
- 1748 Ramayana—a critical study in German by Jacobi 15-0-0
- 1749 Ramayana of Valmiki original text with translations and annotations by A. G. Schlegel in 3 Vols. Very rare copy 1829-38 Bonn. Germany 40-0-0
- 1750 Ramayana of Valmiki—an abridgment. 2-8-0
- 1751 Scenes from Ramayana by Th. Griffith. 2-0-0
- 1752 Scenes from Ramayana with 109 beautiful illustrations Madras 5-8-0
- 1753 Ramayana of Valmiki translated with valuable notes by G. Gorresio complete set in 5 big Volumes Very valuable to research scholars. Rare set 100-0-0
- 1754 Valmiki Ramayana an elegant translation into idiomatic English in 8 parts. Caccutta 9-0-0
- 1755 Tulsi Ramayana translated into Eng. by Growse. 4-0-0
- 1756 Savitri und Nala episoden of Mahabharata text edited with notes and glossary by W. Caland. 4-0-0
- 1757 Social and Military position of the ruling caste in Ancient India as represented by the Sanskrit Epic

with an appendix on the status of Woman by E W Hopkins. Very rare copy. America 55-0-0

पुराण ग्रन्थ

- १७५८ अग्निमहापुराण—मूल संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई ६)
 १७५९ अग्निपुराण—मूल बुकसाईज पूना ५।)
 १७६० अग्निपुराण—मूल बुकसाईज कलकत्ता ४)
 १७६१ अग्निपुराण—संपूर्ण सोसाइटी के छापे का दुष्प्राप्य कलकत्ता ३०)
 Agnipuranam or a collection of Hindu Mythology and tradition critically edited by Rajendralal Mitra complete in 3 vols Very rare. Calcutta 30-0-0
 1762 A prose English translation of Agnipuranam by M. N. Datt complete in 2 vols. Rare Calcutta 12-8-0
 १७६३ आदिपुराण—मूल खुलापत्रा मुम्बई २)
 १७६४ आत्मपुराण—सटीक " १२)
 1765 Ancient Indian Historical Tradition by Pargiter 9-0-0
 १७६६ कल्कीपुराण—मूल संपूर्ण कलकत्ता १)
 1767 Der Messiasglaube in Indien des Kalki Purana von E. Abegg. Germany 22-0-0
 १७६८ कालिकापुराण—मूल संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई ५)
 १७६९ काशीखण्ड—सटीक (स्कान्दपुराणान्तर्गत) खुलापत्रा „ ८)
 १७७० कूर्ममहापुराण—मूल खुलापत्रा „ ३॥)
 १७७१ कूर्ममहापुराण—मूल संपूर्ण बुकसाईज सोसाइटी का छपा २५)
 Kurmamahapurana critically edited by N. Mukhopadhyaya. Very rare. Calcutta 25-0-0
 १७७२ केदारकल्प—रुद्रयामलान्तर्गत मुम्बई २)
 १७७३ केदारखण्ड—मूल (स्कान्दपुराणान्तर्गत) „ ६)
 १७७४ गणेशपुराण—मूल खुलापत्रा संपूर्ण „ ६)
 १७७५ गरुडमहापुराण—११००० ग्रन्थ संपूर्ण खुलापत्रा „ ७)
 १७७६ गरुडपुराण—मूलमात्र कलकत्ता ३)
 १७७७ गरुडपुराण—सटीक १६ अध्याय केवल मुम्बई १॥)
 1778 Garudapurana text with English translation by E. Wood. Very rare. Allahabad 15-0-0
 1779 Garuda Purana translated into English by M. N. Datt Very rare. Calcutta 10-0-0

- 1780 Der Pretakalpa des Garuda Purana German translation by Abegg. Germany 4-0-0
- 1781 Gesetzbuch und Purana von J. J. Meyer 1929. 6-0-0
- 1782 Das Gokapilhyam von F. Weinirich 1928 5-0-0
- १७८३ देवीभागवत-मूल संपूर्ण रेशमी गुटका काशी २॥)
- १७८४ देवीभागवत-नीलकण्ठी टीका सहित खुलापत्रा मुम्बई ६)
- 1785 Devi Bhagavatam translated into English by S. Vijnanananda complete in 3 parts. Allahabad 22-0-0
- १७८६ नृसिंहपुराण—संपूर्ण मूल मुम्बई २॥)
- १७८७ नारदमहापुराण—१४००० ग्रन्थ मूल खुलापत्रा " ८)
- १७८८ नीलमतपुराण—संपूर्ण अत्युत्तम यह ग्रन्थ आज तक कहीं नहीं छपा था—काश्मीर देश का इतिहास कल्हण से भी प्राचीन लाहौर ५)
- Nilamata Puranam Hitherto unpublished text. Edited with notes introduction indexes and 9 appendices etc. by Prof. Kanjulall M. A. Vedantatirtha and Vidyaratna and Prof. J. D. Zadu Shastri M. A., M. O. L., It is an historical work giving full accounts of the ancient History of Kashmir. That this work is more ancient than the Kalhana's Rajatarangni is proved by the fact that Kalhana himself quotes many references from it. Dr. Buhler remarks about this valuable book thus:—'Its great value lies therein, that it is a real mine of information regarding the sacred places of Kashmir and their legends which are required in order to explain the Rajatarangni and that it shows how Kalhana used his sources'. Thus it will be observed that from the historical point of view this book is very interesting and is of great value to the scholars of Ancient History. Cloth bound with gold letters. 5-0-0
- १७८९ पद्ममहापुराण—५५००० ग्रन्थ मूल संपूर्ण खुला मुम्बई २५)
- १७९० पद्ममहापुराण—संपूर्ण ४ भागों में बुकसाईज पूना २०)
- 1791 Padmapurana and Kalidasa by Prof. H. Sarma with a Foreword by Dr. Winternitz, Calcutta 2-0-0
- 1792 Puranas in the light of modern knowledge by N. Aiyer. Madras 1-12-0

- १७६३ बृहत् स्वयम्भु पुराण—संपूर्ण कलकत्ता ४॥)
Brihatsvayambhu Purana containing the tradition of
Svyambhu Kshetra in Nepal. Calcutta 4-8-0
- १७६४ बृहद्धर्मपुराण—संपूर्ण सटिप्पण कलकत्ता ४॥)
Brihaddharma Purana critically edited by M. M. Har-
prasad Sastri. Calcutta 4-8-0
- १७६५ ब्रह्ममहापुराण—मूल संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई ७)
- १७६६ ब्रह्ममहापुराण— „ , बुकसाईज पूना ६।)
- १७६७ ब्रह्मवैवर्तमहापुराण—संपूर्ण चारों खण्ड खुलापत्रा मुम्बई १०)
- १७६८ ब्रह्मवैवर्त पुराणान्तर्गत-कृष्ण जन्म खण्ड „ „ ५)
- १७६९ ब्रह्मवैवर्त पुराणान्तर्गत-प्रकृति+गणेश+ब्रह्मखंड „ „ ५)
- १८०० ब्रह्मवैवर्त पुराण—मूल २ भागों में सम्पूर्ण कलकत्ता ६)
- 1801 Brahmapurana translated into English by
Rajendranath Sen complete. Allahabad 17-8-0
- १८०२ ब्रह्माण्डमहापुराण—मूल संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई ७)
- १८०३ ब्रह्मोत्तरखण्ड—मूल खुला „ १)
- १८०४ भगवद्गुणदर्पणाख्य-विष्णुसहस्रनाम भाष्य १२०० श्लोक ५)
- १८०५ भविष्यमहापुराण—मूल संपूर्ण खुलापत्रा „ १२)
- १८०६ मत्स्यमहापुराण—मूल मात्र कलकत्ता ४)
- १८०७ मत्स्यमहापुराण—मूल खुलापत्रा संपूर्ण मुम्बई ७)
- १८०८ मत्स्यमहापुराण—मूल बुकसाईज पूना ६)
- 1809 Matsya Purana translated into English 2 parts 20-0-0
- 1810 Die Indische Flutsage und des Matsyapurana von
Hohenberger 1930. Germany 12-0-0
- १८११ मन्त्रभागवत—खुलापत्रा मुम्बई ॥=)
- १८१२ महाभागवत—देवीपुराणम् खुलापत्रा „ २)
- १८१३ मार्कण्डेयमहापुराण-सप्तशती शान्तनवी टीका सहित संपूर्ण ४)
- १८१४ मार्कण्डेयमहापुराण—मूल मात्र कलकत्ता २)
- 1815 Markandeyapurana translated into English by Pargiter
complete. Calcutta 9-0-0
- 1816 Markandeyapurana „ in Eng. by M. N. Dutt 10-0-0
- १८१७ मुक्ताफलम्—वोपदेव विरचित सटीक „ ६)
- १८१८ रासपंचाध्यायीप्रकाश-श्रीपीताम्बर प्रणीत मुम्बई १=)
- १८१९ ललितासहस्रनाम—सौभाग्यभास्कर भाष्य सहित „ १॥।)
- 1820 Lalitasahasranam trans. into Eng. by R. A. Sastri. 5-0-0

- १८२१ ललितोपाख्यानम्—ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत मुम्बई १।)
- १८२२ लिंगमहापुराण—सटीक खुलापत्रा संपूर्ण ,, ८)
- १८२३ लिङ्गपुराण—मूल मात्र संपूर्ण बुकसाईज कलकत्ता ५)
- १८२४ वामनमहापुराण—संपूर्ण मूल खुलापत्रा मुम्बई ३)
- १८२५ वामनमहापुराण—सटीक ,, ५)
- १८२६ वायुपुराण—संपूर्ण मूल खुलापत्रा ,, ६)
- १८२७ वायुपुराण— ,, ,, बुकसाईज पूना ४॥)
- १८२८ वाराहमहापुराण—मूल संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई ६)
- १८२९ विष्णुधर्मोत्तरपुराण—मूल अत्युतम् ,, १०)
- 1830 Vishnudharmottara—chapter on painting, translated into English by Dr. S. Kramrisch. Calcutta 3-0-0
- १८३१ विष्णुपुराण—मूल अत्युतम् बुकसाईज यंत्रस्थ
- १८३२ विष्णुपुराण—श्रीधरस्वामि कृत स्वप्रकाशाख्य टीका कलकत्ता ३॥)
- 1833 A Prose English translation of Vishnu Purana based on Prof. Wilson's translation by M. N. Datt. 12-0-0
- 1834 Vishnu Purana—an abridgment. Madras 2-0-0
- १८३५ वैष्णवमहापुराण—२३०० ग्रन्थ संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई १७)
- १८३६ वैष्णवमहापुराण—केवल ६ अंशमात्र—२ टीका सहित ,, ७)
- 1837 Sraddhakalpa in Harivamsha by J. D. L. Vria 3-0-0
- १८३८ श्रीमद्भागवत महापुराण—मूलमात्र रेशमी मुम्बई ३) तथा २॥)
- १८३९ श्रीमद्भागवत मूल स्थूलान्तर बुकसाईज २ भाग मदरास ५॥)
- १८४० श्रीमद्भागवत—बालप्रबोधनी टीका खुलापत्रा मुम्बई ३६)
- १८४१ श्रीमद्भागवत—पं. गंगासहाय कृत अन्वितार्थप्रकाश व्याख्या २०)
- १८४२ श्रीमद्भागवत—श्रीधरी भावार्थदीपिका वंशीधरी टीका ३०)
- १८४३ श्रीमद्भागवत—श्रीधरीटीका सहित अत्युतम् स्थूलान्तर १८)
- १८४४ श्रीमद्भागवत—श्रीधरीटीका तथा सच्चूर्णिकाटीका मुम्बई १२)
- १८४५ श्रीमद्भागवत—सुबोधनी (नवीन) टीका सहित ,, २०)
- १८४६ श्रीमद्भागवत—विजयभवजीटीका सहित ,, ८)
- १८४७ श्रीमद्भागवत—सच्चूर्णिकाटीका सहित ,, १२)
- १८४८ श्रीमद्भागवत—(दशमस्कन्ध केवल) श्रीधरीटीका ,, ४)
- १८४९ श्रीमद्भागवत—(दशमस्कन्ध केवल) भागवतचंद्रचंद्रिका तथा भावप्रकाश व्याख्या सहित २ भागों में संपूर्ण मदरास १०)
- १८५० श्रीमद्भागवत—(दशमस्कन्ध केवल) अन्वितार्थटीका मुम्बई ५)
- १८५१ श्रीमद्भागवत—(प्रथमस्कन्ध केवल) अन्वितार्थटीका ,, १॥)

- १८५२ श्रीमद्भागवत-(एकादशस्कन्ध) अन्वितार्थ टीका मुम्बई १॥)
- १८५३ श्रीमद्भागवत-(एकादशस्कन्ध केवल) वंशीधरीटीका ,, ३)
- १८५४ श्रीमद्भागवत-लीलाकल्पद्रुम ,, १॥)
- १८५५ श्रीमद्भागवत-आद्यपद्यव्याख्याशतक ,, १॥१)
- १८५६ श्रीमद्भागवत-तोषणीसार दशमस्कन्ध ,, ३)
- १८५७ श्रीमद्भागवतार्थ निबंध:-प्रकाशवरणभङ्गसमेत ,, १=)
- 1858 Srimad Bhagvatam translated into English embodying the interpretations of Advaita, Vishishtadvaita Dvaita by S. Subha Rao M. A. with an intro., index names subject index and glossary in 2 Vols. 28-0-0
- १८५९ शिवमहापुराण-२४००० ग्रन्थ संपूर्ण खुलापत्रा मुम्बई १०)
- १८६० स्कान्दमहापुराण-८११०० ग्रन्थ संपूर्ण ७ खण्ड खुला ,, ४०)
- १८६१ सह्याद्रिखंड a mythological, historical, geographical account of western India by J. E. De Cunha 1877. 25-0-0
- १८६२ साम्बपुराण-मूल खुलापत्रा मुम्बई २)
- १८६३ सुबोधनी-भागवत दशमस्कन्धव्याख्या-श्रीवल्लभाचार्य ४॥)
- १८६४ सुबोधनी-दशमपूर्वार्द्ध तामसफल प्रकरणम् मुम्बई ३॥=)
- १८६५ सुबोधनी-दशमउत्तरार्द्ध राजस साधन ,, २॥)
- १८६६ ,, —दशमोत्तरार्द्ध राजसफल प्रकरण ,, २॥)
- १८६७ ,, — ,, सात्विक प्रमेय प्रकरण ,, २॥)
- १८६८ ,, —श्रीमती टिप्पणी श्रीमद्विठलेश्वर प्रणीता ,, २॥)
- १८६९ ,, —दशमतामसफल प्रकरण योजना ,, ॥=)
- १८७० ,, —प्रथमस्कन्ध सुबोधनी प्रकाशः ,, १=)
- १८७१ ,, —प्रथमस्कन्ध ,, ४॥)
- १८७२ ,, —द्वितीयस्कन्ध ,, २॥)
- १८७३ ,, —तृतीयस्कन्ध ,, ५॥=)
- १८७४ ,, —जन्मप्रकरण ,, २॥)
- १८७५ ,, —प्रमाणप्रकरण ,, १=)
- १८७६ ,, —राजसप्रमेय प्रकरण ,, ३॥=)
- १८७७ सौरपुराण-मूल टाईप पूना ३)
- 1878 Das Saurapuram by German trans. by Dr. W. John. 5-8-0
- १८७९ हरिवंशपुराण-सटीक खुलापत्रा मुम्बई १)
- 1880 Harivanshapurana translated literally into English prose by M. N. Datt. Very rare. 20-0-0

- 1881 Hinduism and its Philosophy. It contains complete History and Philosophy of all the offshoots of Hinduism in German by H. Glasenapp with 46 illustrations. Germany 14-0-0

माहात्म्यादि ग्रन्थ

१८८२	अयोध्यामाहात्म्य—मूल खुलापत्रा	मुम्बई ॥=)
१८८३	आषाढमाहात्म्य— „ „	„ ॥)
१८८४	उज्जैनमाहात्म्य— „ „	„ ४)
१८८५	एकादशीमाहात्म्य— „ „	„ ॥=)
१८८६	कार्तिक माहात्म्य— „ „	„ ॥=)
१८८७	गयामाहात्म्य—वायुपुराणान्तर्गत	„ ॥)
१८८८	गोदावरीमाहात्म्य—गोतमीय माहात्म्य बड़ा खुला „	२)
१८८९	चातुर्मासमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥)
१८९०	जगन्नाथ अर्थात् पुरुषोत्तम माहात्म्य बड़ा „ „	१॥)
१८९१	द्वारकामाहात्म्य—मूल बड़ा	„ „ १)
१८९२	देवालयग्राममाहात्म्य—मूल	„ „ १॥)
१८९३	नेपालमाहात्म्य—स्कान्दपुराणान्तर्गत बुकसाईज काशी	१)
१८९४	पौषमाहात्म्य—मूल	खुला मुम्बई ॥=)
१८९५	प्रयागमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥=)
१८९६	फाल्गुणमाहात्म्य—	„ „ ॥)
१८९७	बदरीनारायणमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥)
१८९८	भाद्रपदमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥)
१८९९	मलमासमाहात्म्य—पद्मपुराणान्तर्गत	„ „ ॥)
१९००	मार्गशीर्षमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥)
१९०१	माघमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥=)
१९०२	रेवा (नर्मदा) खण्ड—स्कान्दपुराणान्तर्गत	„ „ ४)
१९०३	वेंकटेश—इतिहासमाला मूल	„ „ २)
१९०४	वेंकटेशमाहात्म्य—संस्कृत टीका	„ „ ४)
१९०५	वैशाखमाहात्म्य—सटिप्पण	„ „ ॥)
१९०६	वैशाखमाहात्म्य—सटीक	„ „ १)
१९०७	श्रावणमासमाहात्म्य—मूल	„ „ ॥)
१९०८	सेतुमाहात्म्य—स्कान्दपुराणान्तर्गत	„ „ २)

व्याकरण ग्रन्थ
(Sanskrit, Pali, Prakrit, Tibetan, Avesta
Grammars including Philology &
Linguistic Studies).

- १६०६ अर्धमागधीरीडर—अर्धमागधी भाषा सीखने के लिये ३)
Ardha Magadhi Reader by Banarsi Dass Jain M. A.,
This book deals with the sacred language of the Jainas
and serves as an introduction to the study of Jaina
Agams. Lahore 3-0-0
- 1910 Untersuchungen zur genesis der altindischen etymolo-
gischen literature von H. Skold Germany 4-0-0
- १६११ अन्तर्व्याकरण नाट्य परिशिष्टम्-संपूर्ण ४ भाग कलकत्ता
- 1912 Apabhramsa Stabakas of Rama Sarma by Sir Grierson
with 3 plates. 5-0-0
- १६१३ अव्यय मीमांसा-पं. कालूराम विरचित २)
- 1914 Avesta Grammar in comparison with Sanskrit by A.
Jackson with an intro. on the Avesta. in English 7-0-0
- 1915 Avesta Reader in English by Jackson. 6-0-0
- 1916 Avesta Reader-text, notes and glossary & index by
H. Reichet 1911. 10-0-0
- १६१७ अष्टाध्याई-मूल सूत्र पाठ मुम्बई ॥३॥
- १६१८ अष्टाध्याई-पंचपाठी स्थूलान्तर " ॥३॥
- १६१९ सवाचिकगणेशाध्याई-सूत्रपाठ मदरास १)
- 1920 Panini's Grammatik original text in Devanagari
with German translation explanation, notes, Alphabe-
tical Index of Sutras, Dhatupatha, explanations of
grammatical elements and with vocabulary edited by
O Bohtlingk. 850 pages V. Rare. Germany 30-0-0
- 1921 Altindische Grammatik von J. Wackernagel. new
revised edition in 2 pts. 1930. Germany 38-0-0
- १६२२ आशुबोधव्याकरण-तारानाथ कृत कलकत्ता २)
- 1923 Indian Loan Words in Kuchean by N. D. Mironou 3-0-0
- 1924 Indischen Philologie by Th. Zachariae 1920. 10-0-0
- 1925 Indogermanische von C. Bartholomeo in 2 pts. 12-0-0
- 1926 Indogermanischen Grammatik by Delbruck. 5-0-0
- 1927 Introduction to Prakrit by A. C. Woolner Esq. M. A.,

- C. I. E. second revised & enlarged edition 1928. It is the only book in English for mastering Prakrits. 3-0-0
- 1928 Introduction to the study of Language by Bloomfield. in English. Europe 10-8-0
- 1929 Eastern School of Prakrit Grammarians and Paisachu Prakrit by Sir Grierson. 2-8-0
- १९३० उणादि सूत्र-उज्ज्वलदत्त रचित वृत्ति सहित कलकत्ता २)
- १९३१ उणादि सूत्रवृत्ति—बहुत बढ़िया यूरोप २५)
- Ujjvaladatta's commentary on the Sutras ed. by Th. Aufrecht Very rare. 1859. Europe 25-0-0
- १९३२ उणादिगणसूत्रं-श्रीहेमचंद्राचार्य विरचित स्वोपेक्षवृत्ति सहित दुष्प्राप्य वायना १०)
- १९३३ उत्तरपक्षावली-मुम्बई १)
- १९३४ उपनिषत् पाठावली-by K. Kallekar Ahmedabad 0-12-0
- १९३५ उपसर्गवर्गः-महादेव विरचित काशी ॥)
- 1936 Etymologisches Worterbuch der Sanskrit Sprache von E. Leumann. Germany 3-0-0
- 1937 Elementarbuch der Sauraseni von R. Schmidt. 2-8-0
- 1938 Elementarbuch der Sanskrit Sprache (Grammatik-text-Worterbuch) von Stenzler ed. by Geldner-Original text in Nagari. 8-0-0
- 1939 Elementarbuch des Sanskrit—unter Berücksichtigung der Vedischen Sprache von W. Gieger. 1923. 6-0-0
- 1940 Evolution of Magadhi by A. B. Shastri. 2-10-0
- 1941 Oka's Exercises in Sanskrit Grammar and trans. 1-4-0
- 1942 Solution to the above. " 1-4-0
- 1943 Otto Bohtlingk's Sanskrit Chrestomathie edited by R. Garbe. Original text in Devanagari. Very rare and useful book. Germany 12-0-0
- 1944 On the Aindra School of Sanskrit Grammarians, their place in Sanskrit and subordinate literatures by A. C. Burnell. Very rare Madras 15-0-0
- 1945 On the classification of Languages—a contribution to Comparative Philology by G. Oppert 1879. 2-8-0
- 1946 Konkordanz Panini-Chandra von B. Leibich 3-12-0
- 1947 Kenntnis des Apabhramsa von R. Pischel. 6-0-0
- 1948 Contributions to the History of Verb Inflection in

- Sanskrit by J. Avery Very rare. America 12-0-0
- 1949 Comparative Grammar of the Dravidian or South Indian family of Languages by Caldwell translated into English. 18-8-0
- १९५० कविकल्पद्रुम-श्रीहर्ष प्रणीत कलकत्ता 1=)
- १९५१ कविकल्पद्रुम-धातुपाठ-श्रीवोपदेव रचितम् १॥)
- 1952 Kaccayanappakaranae Specimen von E. Kuhn. 2-8-0
- 1953 Kaccayana Pali Grammar translated into English by F. Mason 1868. Very rare. 30-0-0
- १९५४ कातन्त्रम्-दुर्गासिंह विरचित व्याख्या सहित दुष्प्राप्य ३०)
- Katantra with the comm. of Durga Singh edited with notes and indexes by J. Eggeling Very rare. 30-0-0
- 1955 Katantra with German trans. by B. Leibich. 5-0-0
- 1956 Katantra und Kumarlata von H. Luders 1930. 5-8-0
- १९५७ कातन्त्ररूपमाला-अत्युत्तम व्याकरण १॥)
- 1958 Katyayana and Patanjali their relation to each other and to Panini by Keilhorn Very rare. 20-0-0
- १९५९ कारकरत्न- कलकत्ता ॥)
- १९६० कारकोल्लास-भरत मल्लिक विरचित कलकत्ता =)
- १९६१ काशिका-संपूर्ण बढिया-नूतन संस्करण काशी ५)
- १९६२ काशिका-पं. बालशास्त्रि कृत टिप्पणी सहित अत्युत्तम नया छपा बढिया काशी ४॥)
- १९६३ काशिका-विवरण पंचिका श्रीजिनेंद्र ब्रुद्धि पाद विरचित व्याख्या सहित संपूर्ण edited by S. Chakravarti बंगाल २३)
- 1964 Zwei Kapital der Kasika von B. Leibich. 1-8-0
- 1965 Critical Studies in the Phonetic Observations of Indian Grammarians by Dr. S. Varma. Europe 10-14-0
- १९६६ कियारत्नसमुच्चय-श्रीगुणरत्नसूरि विरचित दुष्प्राप्य १२)
- 1967 Kurze Vergleichene Grammatik der Indogermanischen Sprachen von K. Brugmann. Germany 12-0-0
- 1968 Kleinere Sanskritphilologische Schriften von Th. Benfey Very Rare. Germany 15-0-0
- 1969 Kusum Mala by Apte in 2 parts. Bombay 2-4-0
- 1970 Course of eight lectures on the Sanskrit Language by R. R. Bhagwat. 3-0-0

- १६७१ गणद्वय-म. म. रामतारख शिरोमणि प्रणीतः कलकत्ता २)
- १६७२ गणरत्नमहोदधि-पं. वर्द्धमान कृत सटीक दुष्प्राप्य इटावा ५)
- १६७३ गणपद्यमुकाहारस्य प्रथमसरः मुम्बई ॥१)
- 1974 Geschichte der Indogermanischen declination von Meyer. 2-8-0
- 1975 Geschichte und methode der Linguistisch—Historischen Forschung von O. Schrader in 3 parts 18-0-0
- 1976 Guide to Sanskrit Sandhis. 0-2-0
- 1977 Grammar of Tibetan Language by H. Bruce. 11-4-0
- 1978 Grammar of the Pali Language (after Kaccayana) by T. D. Aung in 2 vols. 15-0-0
- 1979 Grammaire Sanscrite par Renou. Phonetique-composition-Derivation-Lenom-Le verbe-la phrase 2 pts. 50-0-0
- 1980 Grammatik der Prakrit Sprachen von R. Pischel 21-8 0
- 1981 Grammaticis Pracriticis von R. Pischel. 5-0-0
- १६८२ चंद्रव्याकरण—चंद्रगोमिन् विरचित— text edited by Leibich. 9-0-0
- १६८३ चंद्रव्याकरण—वृत्ति सहित २ भागों में संपूर्ण जर्मनी १६)
Chandra Vyakarana by Chandragomin (Sutra, Unadi, Dhatupath) text with original commentary on the grammatical sutras ed. by B. Leibich in 2 parts. 19-0-0
- 1984 Analyse der Chandra Vritti von B. Leibich 1920. 3-0-0
- 1985 Chrestomathie aus Sanskrit werken by Th. Benfey in original Nagari Ch. with Sanskrit Glossary. 20-0-0
- 1986 Jatakas of Sanskrit Grammarians by Kielhorn. 3-0-0
- १६८७ जैनेन्द्रव्याकरण—देवतन्दी विरचित सटीक २ भाग काशी ४१)
- 1988 Tibetan Primer by L. Ugyan in 3 parts. 3-0-0
- 1989 Tolkāpiyam—or the earliest extent Tamil Grammar with a short commentary in English by P. S. Subrahmanya Sastri M. A. Ph. D. Vol. I. Madras 1-0-0
- १६९० तिङ्गन्तार्थवतरणि-दुष्प्राप्य काशी ६॥)
- 1991 Der Ursprung der Sprache von Geiger 1869. 10-0-0
- 1992 Das Sanskrit Verbum F. Graefe 1835 Petersburg. 10-0-0
- १६९३ दैवम्-कृष्णलीला शुकमुनि कृत पुरुषकार सहित ५)
- १६९४ धर्मदीपिका—ड. श्री मंगल विजय जी कृत २॥)
- १६९५ धातुमंजरी जीवाराम लल्लुभाई कृत मदरास १)

- १६६६ धातुप्रदीप—मैत्रेय रचित कृत बंगाल १॥)
- १६६७ धातुपाठ-सटिप्पण काशी =)
- 1998 Dhatupatha text with German trans. and its historical introduction by B. Leibich. Germany 8-0-0
- १६६६ धातुरूपकोश—by Nagvekar. 2-8-0
- २००० धातुरूपकोश—compiled by D. N. Gandhi. Rare 5-0-0
- २००१ धातुरूपचंद्रिका-धातुपाठ सहित मुम्बई ४)
- Dhaturupachandrika by V. P. Upadhyaya. 4-0-0
- २००२ धातुरूपावली— मुम्बई =) मदरास १)
- २००३ धात्वर्थरूपमीमांसा-पं. कालूराम विरचित १)
- २००४ नागेशोक्तिप्रकाश-श्रीखुदी शर्मणा विनिर्मितः काशी ५)
- २००५ न्यासकौमुदी—पं. जगत्प्रसाद विरचित काशी ॥)
- 2006 Notes on Aryan and Dravidian Philology by M. Seshagiri Sastri 1884. Rare. 15-0-0
- 2007 Notes on the Grammar of the Tulsi Ramayana by E. Greaves. Benares 1-0-0
- २००८ पदार्थदीपिका—कौण्डभट्ट विरचित काशी ॥=)
- २००९ परमलघुमंजुषा-सटिप्पण ,, ॥)
- २०१० परिभाषापाठ— काशी -)
- २०११ परिभाषावृत्ति—नीलकंठ दीक्षित रचित मदरास ॥-)
- २०१२ परिभाषावृत्ति—श्रीक्षीरदेव कृत काशी २)
- २०१३ परिभाषेन्दुशेखर—भैरवी तथा तत्त्वप्रकाशिका ,, १॥)
- २०१४ परिभाषेन्दुशेखर—गदाटीका सहित पूना २॥=)
- २०१५ परिभाषेन्दुशेखर—की व्याख्या नागेशाशयनिर्णय ३ भाग १=)
- २०१६ परिभाषेन्दुशेखर—विजयाख्यतिलकेन विभूषितः काशी ६)
- २०१७ परिभाषेन्दुशेखर—त्रिपथगा व्याख्या ,, १॥)
- 2018 Panini von B. Liebhich in German. 12-0-0
- 2019 Panini—His place in Sanskrit Literature by Th. Goldstucker. Allahabad 5-0-0
- २०२० पाणिनीय शिक्षा-पञ्जिका सहित काशी =)
- २०२१ पाणिनीय शिक्षादि-दशपाठसंग्रह— काशी ॥)
- 2022 Parasiprakasha des Krishnadasa edited by A. Weber in 2 parts Very rare 1887-89. German 15-0-0
- 2023 Pali und Sanskrit von O. Franke. Germany 6-0-0
- 2024 Pali Unseens by Duroiselle. 4-0-0

- 2025 Pali Grammar by H. Tilbe. 6-0-0
- 2026 Pali Grammar—A phonetic and morphological sketch of the Pali language with an introductory essay on its form and ch. by J. Minayeff 1882. 10-0-0
- 2027 Pali Grammatik and Lexicographie von Franke. 4-0-0
- 2028 Pali Dhatupatha and the Dhatumanjusha text ed. with indexes by Anderson and Smith. 3-8-0
- २०२६ पाली प्रकाश—Pali Prakash-Devanagari Bengali. 4-0-0
- २०३० पाली पाठावली—or Pali Reader by Muni Jinvijayji 0-14-0
- 2031 Pali First Lessons by H. Tilbe. 6-0-0
- 2032 Pali Reader by Duroiselle. 3-0-0
- 2033 Pali Reader text edited with notes and glossary in English by Anderson in 3 parts. Very important for Pali Students. Germany 18-0-0
- 2034 Pali Literature und Spruche von W. Gieger ,, 10-0-0
- 2035 Pali Words beginning with 'S' by Sten Konow Very rare 1910. 20-0-0
- 2036 Pali Vocabulary by C. Duroiselle. 4-12-0
- २०३७ पूर्वपक्षावली— मुम्बई ≡)
- 2038 Papers on Panini by H. Skold. 3-0-0
- 2039 Paisachi, Pisachas and modern Pishachi by Grierson 3-8-0
- २०४० पंक्तिचंद्रिका अर्थात् सिद्धान्तकौमुद्या पंक्तिंशानां विवृत्तिः २॥ ≡)
- २०४१ प्रक्रिया कौमुदी—श्रीरामचंद्राचार्य प्रणीत—संपूर्ण श्रीविठ्ठलाचार्य कृत प्रसादाख्या टीकया समेतम् २ भागों में २०)
- २०४२ प्राकृतप्रकाश—वररुचि प्रणीत—भामह कृत व्याख्या १॥)
- २०४३ प्राकृत प्रकाश—वररुचि प्रणीत तथा वसन्तराज कृत संजीवनी और सदानंद कृत सुबोधनी २ टीका २ भाग काशी ५)
- 2044 Prakrit Prakash of Varruchi with the comm. of Bhamaha with copious notes and English translation by E. B. Cowell. 1854 Very rare copy. 50-0-0
- 2045 Prakrita Prakasha with Manorma comm. ed. with English translation intro. Glossary etc. by Dr. Vaidya 3-0-0
- २०४६ प्राकृतमंजरी—श्लोकबद्धा मुम्बई १ ≡)
- २०४७ प्राकृतरूपावतार—सिंहराज कृत प्राकृत का व्याकरणरूप ७॥) Prakritrupavtara. A Prakrit Grammar based on the Valmiki Sutras by Simharaja edited by Hultzsch 7-12-0

- २०४८ प्राकृतलक्षणम्-पंडितवर चण्डेन विरचितम् कलकत्ता १)
- २०४९ प्राकृतलक्षणम्-चण्डविरचित दुष्प्राप्य ,, १५)
Prakrit Grammar of Chanda originally edited by A.
R. Hoernle with a critical introduction of 64 pages
and indexes. Very rare 1880. Calcutta 15-0-0
- २०५० प्राकृतव्याकरण-श्रीहेमचंद्राचार्य विरचित स्वोपज्ञ बृहद्वृत्ति
सहित पूना २॥)
Prakrit Vyakarana of Sri Hemachandracharya criti-
cally edited by Dr. P. L. Vaidya Poona 2-8-0
- २०५१ प्राकृतव्याकरण-लेखक पं. बेचरदास जीवराज अहमदाबाद ४)
- २०५२ प्राकृतव्याकरण-अंग्रेजी सहित लाहौर १॥)
- २०५३ प्राकृतव्याकरण वृत्ति-श्रीत्रिविक्रमदेव निर्मित यंत्रस्थ
- 2054 Practical Grammar of the Pali Language by C. Duroi-
selle 1906. 10-0-0
- 2055 Practical Grammar of Sanskrit Language by Monier
Williams. Europe 15-12-0
- 2056 Practical Grammar of the Sanskrit Language by Th.
Benfey 1868 Very rare. 15-0-0
- 2057 Progressive Exercises by Apte in 2 parts. 1-4-0
- २०५८ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्नसहित संपूर्ण काशी १२)
- २०५९ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्नसहित-सटिप्पण-अव्ययीभावान्त ५)
- २०६० प्रौढमनोरमाखण्डन-चक्रपाणिदत्त विरचित काशी १॥)
- २०६१ फक्किका प्रकाश-इंद्रदत्तशर्मा कृत मूल मुम्बई १॥)
- १०६२ फक्किारत्नमंजुषा-सिद्धान्तकौमुदीस्थ पंक्तिव्याख्यानरूपा ४)
- २०६३ फिद्सुत्राणि-शान्तनवाचार्य प्रणीत जर्मनी ६)
Cantanava's Phitsutras with commentary edited by F.
Kielhorn Rare 1866. Germany 6-0-0
- 2164 Philosophy of Sanskrit Grammar by Chakravarti 5-0-0
- २०६५ बृहद्वैयाकरण भूषण-पदार्थदीपिका सहित काशी ६)
- २०६६ बृहद्व्याख्यानरूपावली-edited by T. R. Krishnacharya. 4-8-0
- 2067 Bhandarkar's First Sanskrit book. 1-0-0
- 2068 Guide to above. " " 0-12-0
- 2069 Bhandarkar's Second Sanskrit Book. 1-8-0
- 2070 Guide to above. " " " 4-9-0
- 2071 Brahui Language by Bray D. 2-13-0
- २०७२ भाषान्तर मयूखस्य प्रथमोविलासः मुम्बई ॥३)

- २०७३ भाषावृत्ति—पुरुषोत्तमदेव प्रणोत केवल १ भाग मुद्रिता ॥)
- २०७४ भाषावृत्ति—पुरुषोत्तमदेव कृत सटीक संपूर्ण बंगाल ६)
- २०७५ भैरवी—शब्दरत्नव्याख्या कारकान्त काशी ८)
- २०७६ मध्यसिद्धान्तकौमुदी—मूल १) तथा सटिप्पण १=)
- २०७७ मध्यसिद्धान्तकौमुदी—बालबोधनी टीका सहित यंत्रस्थ काशी
- २०७८ मध्यसिद्धान्तकौमुदी—नृसिंहदेव कृत टीका पूर्वार्द्ध १॥)
- २०७९ महाभाष्य—प्रदीपोद्योत ३६ भागा मुद्रिता—अविशिष्ट मुद्रयते
सोसाइटी का छाप ३१॥)
- २०८० महाभाष्य—प्रदीपोद्योत—नवाह्निकमात्र काशी ५)
- २०८१ „ „ „ तथा पायगुंडकृतछायासहित मुम्बई यंत्रस्थ
- २०८२ „ „ „ विधिशेषरूपद्वितीय खण्ड ४॥)
- 2083 Vyakarana Mahabhashya critical ed. of the text by
Kielhorn Vols. II & III are available only 18-0-0
- २०८४ महाभाष्य प्रश्नोत्तरमाला—पं. जगतराम विरचित मुम्बई २=॥
- २०८५ व्याकरण महाभाष्य अनुक्रमणिका पूना १५)
Vyakarana Mahabhashya—Word Index compiled by
Pt. Shridhar Sastri and Siddheshwar Sastri—A
monument of patient industry. Poona 15-0-0
- २०८६ माध्वीयधातुवृत्ति—मध्वाचार्य विरचित ३ भाग संपूर्ण मैसूर ५०)
Dhatu Vritti of Madhvacharya complete 4 vols. 50-0-0
- २०८७ मितान्तरा व्याकरण—सर्वतन्त्र स्वतंत्र श्रीमदन्नमभट्ट कृत १५)
- २०८८ मुग्धबोध व्याकरण—वोपदेव विरचित संपूर्ण कलकत्ता ४)
- २०८९ मुग्धबोधव्याकरण—सोसाइटी का छाप अपूर्ण „ ५:)
- 2090 Manual of Pali being a graduated course of Pali for
beginners by C. V. Joshi M. A. 1931. 2-0-0
- २०९१ रामचंद्रिका नाम संस्कृत शब्दरूपावली मुम्बई १-)
- २०९२ रूपमाला—म. म. पं० शिवदत्त कृत संपूर्ण मुम्बई १॥)
(इसके पृथक् २ भाग षड्वर्णविभाग॥) क्रियाकलाप ॥)
अव्यर्थ १) संधि २) प्रयोगविधि ३) भी मिलते हैं)
- २०९३ रूपावतार—धर्माकीर्ति विरचित २ भागों में मदरास ५॥)
Rupavtara of Dharmakirti ed. by M. Rangacharya
in 2 Vols. Madras 5-8-0
- २०९४ लकारार्थ निर्णय—सिद्धान्तवागीश विरचित)
- २०९५ लघुकौमुदी—मूल सटिप्पण॥=) तथा॥) तथा॥=) स्थूलाक्षर१)

- २०६६ लघुकौमुदी-पं. जीवाराम कृत सरलाव्याख्या मुरादाबाद २॥)
 २०६७ लघुकौमुदी रणछोड शास्त्रि कृत संस्कृत व्याख्या सहित २)
 2098 Laghusiddhantkaumudi Part I containing sections on Samjna, Sandhi. Krit, Karak and Samas with a detailed comm. notes, and appendices by Mirashi. 2-8 0
 2099 Laghusiddhantkaumudi with Sanskrit tika, necessary English translation etc. by Principal S.Ray&K Ray 1-8-0
 2100 Laghukaumudi with an English translation by Dr. Ballantyne complete. Benares 4-0 0
 2101 Laghukriyapadkosa of Alekar in 3 parts. 2-8-0
 २१०२ लघुशुटीका-अभिनव परिभाषेन्दु शेखर परिष्कृति काशी ॥)
 २१०३ लघुधातुरूपसंग्रह-श्री देवकीनंदन संकलितः मुम्बई १)
 २१०४ लघुशब्देन्दुशेखर-अव्ययी भावान्त-शेखरदीपिका काशी ४॥)
 २१०५ लघुशब्देन्दुशेखर-चंद्रकलाटीका सहित संपूर्ण काशी १३)
 २१०६ लघुशब्देन्दुशेखर-व्याख्या शांकरि ,, १)
 २१०७ लघुशब्देन्दुशेखर-व्याख्या श्रीधरी ,, १॥)
 २१०८ लघुशब्देन्दुशेखर-सदाशिवभट्टीव्याख्या ,, ३॥)
 २१०९ लक्षणावलि-मूल पाठ =)
 २११० लिङ्गानुशासन-वामन विरचित खोपज्ञ वृत्ति सहित मुम्बई ॥)
 २१११ लिङ्गानुशासन-पाणिनि विरचित-तारानाथ कृत टीका (=)
 2112 Linganusahasana's of Shaktayana, Harshavardhana, and Varruehi with the comm. of Yakshavarma and Sabar-swami text in original Sanskrit with trans., notes and intro. of 63 pages in German by O. Franke. 15-0-0
 2113 Linguistic Survey of India by Sir George A. Grierson 11 Vols. in 19 parts. Calcutta 123-4-0
 2114 Language its nature, development and origin by Jespersen in English. 14-0-0
 2115 Lehrbuch der Phonetik by Otto Jespersen with 2 plates in German 1926. 7-8-0
 २११६ वाक्यपदीयम्-भट्टहरि विरचित ८ भागों में काशी १०)
 २११७ वाक्यवृत्ति-सटीक पूना ॥)
 २११८ वादरत्नम्-सूर्यनारायण शुक्लेन विरचितम् काशी १॥)
 २११९ वादार्थ संग्रह-स्फोट तत्त्व निरूपण स्फोट चंद्रिका प्रति-पादिक संज्ञावाद, वाक्यपाद, वाक्यदीपिकादि ३ भाग १॥=)

- २१२० विभक्त्यर्थ निर्णय श्रीगिरिधरोपाध्याय विरचित काशी ७॥)
- 2121 Wilson Philological Lectures by Sir Bhandarkar 3-0-0
- २१२२ विषमपदवाक्यवृत्ति लघुशब्देन्दुशेखर व्याख्या २॥)
- 2123 Vedic Grammar for students by Macdonell. 6-0-0
- 2124 Vedic Grammar big edition for scholars by Macdonell. Europe 24-0-0
- 2125 Vedic Reader by Macdonell. 5-0 0
- 2126 Vedic Variants Series Vol. I the Verb by M. Bloomfield and Edgerton. 21-14-0
- 2127 Vedische und Sanskrit Syntax von J. S. Speyer. 5-8-0
- २१२८ वैदिक पाठावली—or Vedic Reader compiled by R. C. Parikh. Ahmedabad 3-8-0
- २१२९ वैयाकरणभूषणसार—दर्पण टीका सहित काशी ४)
- २१३० वैयाकरणभूषणसार—सरलाटीका सहित „ २)
- २१३१ वैयाकरणभूषणसार—सिद्धान्त कारिका सहित पूना ॥)
- २१३२ वैयाकरणभूषण—काशिकाख्य टीका सहित by Trivedi. १०)
- २१३३ वैयाकरण सिद्धान्तलघुमंजुषा-कुञ्जिका तथा कला व्याख्या ३)
- २१३४ वैयाकरण सिद्धान्तलघुमंजुषा-श्रीनगेशभट्ट विरचित „ १५)
- २१३५ वृत्तिदीपिका—मौनि श्रीकृष्ण भट्ट विरचिता „ १=)
- २१३६ व्याकरणदीपिका—पाणिनीसूत्रवृत्ति औररम्मट्ट विरचित ८॥)
- 2137 Vyakaran Siddhant Darpan by P. B. Pandey. 2-0-0
- २१३८ व्याकरण सिद्धान्त सुधानिधि—श्रीविश्वेश्वरसूरि विरचित १५)
- २१३९ शब्दकौस्तुभ—तथा स्फोटचंद्रिका सहित काशी १८)
- २१४० शब्दकौस्तुभ—नवाह्निकपर्यन्त „ ५)
- २१४१ शब्दमंजरी—अव्यय-समासप्रकरण धातुमालिका सहित ॥=)
- २१४२ शब्दरूपावली— लाहौर =)
- २१४३ शब्दार्थरूपमीमांसा-पं. कालूराम १)
- २१४४ शाकटायनव्याकरण-यज्ञवल्की कृत टीका सहित काशी ७)
- २१४५ शाकटायनव्याकरण—अभयचंद्र कृत प्रक्रिया संग्रह मुम्बई ४)
- 2146 Short introduction to the ordinary Prakrit of Sanskrit Dramas by Cowell 1875. 3-8-0
- 2147 Saddaniti—la grammaire Palie d' Aggavamsa edited by H. Smith (Padamala, Dhatumala, Suttamala) in 3 parts. 1928-30. Europe 50-0-0
- २१४८ षड्भाषाचंद्रिका—लक्ष्मीधर प्रणीत अंग्रेजी टिप्पणी सहित ७॥)

- २१४६ समांस कुसुमावली—अनन्त शिष्य कृत ॥)
- 2150 Sanskrit Grammar by F. Kielhorn. Bombay 2-8-0
- 2151 Sanskrit Grammar for Students by Macdonell. 9-6-0
- 2152 Sanskrit Grammars for beginners by Max Muller 10-0-0
- 2153 Sanskrit Grammar, Higher-by M. R. Kale. 4-0-0
- 2154 Sanskrit Grammar, Smaller by M. R. Kale. 3-0-0
- 2155 Sanskrit Grammar including both the classical language and the older dialects of Veda and Brahmana by W. D. Whitney. Europe 15-12-0
- 2156 Sanskrit Teacher by K. P. Trivedi in 2 parts. 2-12-0
- २१५७ संस्कृत पद्यावलि—edited by P. V. Kane. 1-4-0
- २१५८ संस्कृत प्रवेशनी— मद्रास ॥)
- 2159 Sans. Primer based on Buhler's Grammar by Perry. 12-0-0
- 2160 Sanskrit Phonetics by Uhlenbeck in English. 5-4-0
- २१६१ संस्कृत मञ्जरी—भट्टाचार्य कृत कलकत्ता ॥)
- 2162 Sanskrit Manual by Monier Williams. Europe 10-8-0
- 2163 Sanskrit Rajmarag in 2 parts. 2-0-0
- 2164 Sanskrit Readers in 4 parts. 2-10-0
- 2165 Sanskrit Readers in 3 parts. 1-6-0
- 2166 Sanskrit Reader original text with vocabulary and notes by C. R. Lanman. America 12-4-0
- 2167 Sanskrit Lesebuch text with translation notes etc. by B. Liebich 650 pages bound. Germany 12-0-0
- २१६८ संस्कृत शिक्षा-६ भागों में-पं. जीवाराम कृत २=)॥
- २१६९ संस्कृत शिक्षामञ्जरी-पं. जीवानंद विरचित ४ भाग १॥)
- 2170 Sanskrit Syntax in English by Dr. J. S. Speyer with an introduction by Dr. H. Kern very useful for Sanskrit Students 1886. 18-0-0
- २१७१ सारमंजरी—जयकृष्णतर्कालंकार कृत कलकत्ता ॥)
- २१७२ सारस्वत-मूल पूर्वार्द्ध कापडी ॥-) सादा मुम्बई ॥)
- २१७३ सारस्वत—मूल तीनों वृत्ति संपूर्ण १=) तथा १)
- २१७४ सारस्वत-चंद्रकीर्ति टीका सहित संपूर्ण ३॥) तथा ३)
- २१७५ सारस्वत- " " पूर्वार्द्ध १॥) तथा उत्तरार्द्ध २॥)
- २१७६ सारस्वत-माधव भट्ट कृत टीका सहित मुम्बई २॥)
- २१७७ सारस्वत-प्रसादटीका " १)
- २१७८ सारस्वत—सूत्रवृत्ति-सूत्रों की व्याख्या " २)

- २१७६ लघुभाष्य—सारस्वत सूत्रों की व्याख्या „ ३)
 २१८० सिद्धहेमशब्दानुशासन-मूल खड्गपाठ २)
 २१८१ सिद्धहेमशब्दानुशासन-श्री हेमचन्द्राचार्य विरचित स्वोपल
 लघुवृत्ति विभूषितम् हेमधातुपाठादि परिपूरितम् दुष्प्राप्य २५)
 २१८२ सिद्धहेमसूत्र की अकाराद्यनुक्रमणिका ॥॥)
 २१८३ सिद्धान्तकौमुदी-मूल गुटका विद्यार्थियों के अति उपयोगी ३)
 २१८४ सिद्धान्तकौमुदी—मूल निर्णयसागर मुम्बई ३)
 २१८५ सिद्धान्तकौमुदी-पंचपाटी म. म. पं. शिवदत्त कृत टिप्पणी ४)
 २१८६ सिद्धान्तकौमुदी-तत्त्वबोधनी टीका सहित मुम्बई ५)
 २१८७ सिद्धान्तकौमुदी-तत्त्वबोधनी टीका तथा पं. शिवदत्त कृत
 टिप्पणी मुम्बई ६)
 २१८८ सिद्धान्तकौमुदी—तारानाथ कृत सरला व्याख्या सहित १०)
 २१८९ सिद्धान्तकौमुदी-वासुदेवदीक्षित कृत बालमनोरमा टीका १५)
 2190 Siddhant Kaumudi text with English trans. by R. B.
 Sris Chandra—complete. Allahabad 50-0-0
 2191 Siddhant Kaumudi translated into English by S. Ray
 in 3 parts. Calcutta 7-0-0
 २१९२ सिद्धान्त चंद्रिका-मूल संपूर्ण मुम्बई ॥॥)
 २१९३ सिद्धान्त चंद्रिका-सुबोधनी और तत्त्वदीपिका २ टीका २)
 २१९४ सिद्धान्तरत्निका व्याकरण सटिप्पण जिनचंद्रसूरि प्रणीत १)
 2195 Selections from Avesta and old Persian by J. S. Tara-
 porevala Part I. Calcutta 6-0-0
 2196 Selections from Hindi Literature compiled by L Sita-
 ram B. A. complete in 6 vols. in 7 parts. 30-0-0
 2197 Systematische Pali Grammatik von Nayanatiloka. 6-0-0
 2198 System of Sanskrit Grammar by S. K. Belvalkar. 3-0-0
 २१९९ सुगमकौमुद्याः—श्रीगंगासहाय शर्मा विरचित मुम्बई ३)
 २२०० सुबोध संस्कृत—by Kamat. 1-2-0
 2201 Student's Guide to Sanskrit composition by Apte 2-12-0
 2202 Key to above „ „ „ 1-2-0
 २२०३ स्फोटसिद्धि—भरत मिश्र कृत द्विवेङ्गम् ॥—)
 २२०४ स्फोटसिद्धि—न्यायविचार „ १—)
 २२०५ स्यादिशब्दसमुच्चय—सटीक दुष्प्राप्य २॥)
 2206 History of Language by H. Sweet. 2-0-0
 2207 Histoire de la langue Sanscrite par J. Mansion 10-0-0

- 2208 History of Sanskrit Philology or Geschichte der Sanskrit Philologie by E. Windisch in 2 parts Very useful in German. 32-0-0
- 2209 Historical Investigation on Panini together with a brief account of Katyayana and Patanjali by Rajnikant Gupta in Bengali. Calcutta 1-8-0
- 2210 Historical Grammar of the Ancient Persian Language by E. L Johnson 1917. 11-0-0
- 2211 Historical Vedic Grammar by Arnold in English. 25-0-0
- 2212 Hemachandra's Grammatik der Prakrit sprachen (Siddhahemachandram Adhyaya VIII) by R. Pischel. I Theil—Text und Wortverzeichnis II Thiel—Übersetzung und erlauter ungen 1877-1880 Halle. Rare 45-0-0
- 2213 Handbuch der Pali Sprache—elementargrammatik textglossar by Dr. P. K. Seidenstucker in 3 parts. 18-0-0
- 2214 Handbuch des Sanskrit with text and glossary by A. Thumb. Germany 16-0-0
- २२१५ हैमधातुपरायणम्—श्रीहेमचन्द्राचार्य प्रणीत स्वकीय विवरण सहित दुष्प्राप्य १६)
Dhatupath of Sri Hemachandra with the author's own commentry edited with roots in alphabetical order and notes by Dr. J. Kirste very scarce 1899. 16-0-0
- 2216 Kshiratarangani or Kshirswami's commentary on Panini's Dhatupatha critically edited for the first time in Roman by B. Leibich 1930. Germany 22-0-0

प्रस्ताव ग्रन्थः

- २२१७ प्रबन्धकल्पलतिका-रेवतीकान्त (प्रथमस्तबके रचना शिक्षा) २)
- २२१८ " " " द्वितीयस्तबके-समालोचना १॥)
- २२१९ " " " तृतीयस्तबके कविजीवनी १॥)
- २२२० प्रबन्धप्रकाश—डा. मङ्गलदेव शास्त्रि एम ए निर्मित प्रयाग १।)
- २२२१ प्रस्तावचन्द्रिका-पं. नृसिंहदेव शास्त्रि विरचित लाहौर १॥)
- २२२२ प्रस्तावप्रभाकर—पं. रामचन्द्र शास्त्रि विरचित " यंत्रस्थ
- २२२३ रचनानुवादशिक्षा-गुरुनाथ विद्यानिधि विरचित कलकत्ता १॥)

काव्य ग्रन्थ

- २२२४ अच्युतराभ्युदय-राजनाथ विरचित सटीक मदरास १८)

- २२२५ अपभ्रंशकान्यत्रयी-जिनदत्तसूरि विरचित सटीक बड़ोदा ४)
Apabhramsha Kavyatrayi consisting of 3 works the
Carcari Upadesarasayana, and Kalasvarupakulaka by
Jinadatt Suri (12th century) with commentaries edit-
ed with an elaborate intro. Baroda 4-0-0
- २२२६ अमरसूक्तिसुधाकर-पं. ईश्वरलाल विरचित मुम्बई १३॥)
Amarsuktisudhakara or Rubayat of Omar Khyam
rendered into Sanskrit verses with English translation
in verses by Pt. Ishwarlal. 13-8-0
- २२२७ अमरुशतक-सटीक मुम्बई ॥)
२२२८ अमरुशतक—दो टीका एक शृंगार दूसरी वेदान्त पर , ॥=)
- 2229 Das Amarucataka translated into German 9-0-0
2230 Die Hundert Strophen des Amaru translated into
German prose by F. Ruckert with 5 illustrations. 6-8-0
- २२३१ अक्षयशष्ठी—श्रीधरवेङ्कटेश विरचित मदरास ३)
२२३२ आर्याशतक—मूक कवि कृत " ३)
२२३३ आर्यासप्तशती-गोवर्धनाचार्य कृत सटीक मुम्बई १॥)
२२३४ आर्यासप्तशती-श्रीविश्वेश्वर सूरि कृत व्याख्या सहित काशी॥)
२२३५ आर्यास्तवराज-जगन्नाथ पं. विरचित मदरास ३)
२२३६ आशीर्वादशतक-श्रीवैश्वेश्वरकवि विरचित " ३)
2237 Indian Poetry and Indian Idylls by Arnold. 9-3-0
2238 Indische Libeslyrik or selection of Indian Love Poems
translated into german with very beautiful 10 illus-
trations. Germany 4-8-0
- २२३९ उदारराघवः श्री महााचार्य प्रणीत सटिप्पण मुम्बई १॥)
२२४० उषाहरणम्-त्रिविक्रम पंडिताचार्य विरचित सटीक ,, १॥=)
- २२४१ ऋतुसंहार मूलमात्र गुटका बड़िया मदरास १)
२२४२ ऋतुसंहार-कालीदास प्रणीत सटीक मुम्बई १=)
- 2243 Ritusanhar with English trans. by Kale. ,, 1-4-0
2244 Ritusanhar translated into English with several tri-
colour plates by P. V. Mavji. Bombay 4-0-0
2245 'The Seasons—a descriptive poem by Kalidas von H.
Kreyenborg. 1924. Germany 7-8-0
2246 Ritusanhar—text in Nagari and German translation
P. A. Bohlen 1840. Very rare. 5-0-0
- २२४७ कटाक्षशतक—मूक कवि विरचित मदरास ३)

- २१४८ कथाकौतुक—पं. श्रीवर विरचित मुम्बई ॥)
- 2249 Katha Kautukam compared with Jusuf & Zulekha 2-0-0
- २२५० कथासरितसागर-सोमदेव विरचित इसमें १२ कथा हैं ५)
- 2251 Kathasaritasagara ed. by Brockhaus Buch IX-XVIII in Roman. Germany 16-0-0
- 2252 Kathasaritasagara of Soma Deva or a ocean of stories translated into English by C. H. Tawney complete set Very rare. Calcutta 100-0-0
- 2253 Studies about Kathasaritsagara by Speyer in Eng. 15-0-0
- २२५४ कविचित्त प्रमोदक-सटीक ॥)
- २२५५ कवीन्द्रवचनसमुच्चय-अंग्रेजी टिप्पणी सहित यूरोप ५)
- Kavindra Vachan Samuchhaya—A Sanskrit Anthology of verses edited with introduction and notes by Dr. F W. Thomas. Calcutta 5-0-0
- २२५६ कादम्बरीकथासार-श्री अभिनन्दन कृत मुम्बई ॥=)
- 2257 Kalidasa by A. Hillibrandt in German. 4-8 0
- 2258 Kalidasa by Aurbindo Ghosh in English. 1-4-0
- 2259 Kalidasa and Vikramaditya or a historical and a literary diversion to relieve the monotony of retirement by S. C. De. Calcutta 3-8-0
- 2260 Date of Kalidasa by K. Chattopadhyaya 1-4-0
- 2261 An investigation on some of Kalidasa's views by Harris. Europe 4-0-0
- 2262 The Birth Place of Kalidasa by Pt. Lachmidhara Sastri M. A. Delhi 1-4-0
- 2263 Kalidasa and Bhavabhuti an introduction to the mind and art of—by Prof. G. P. Bhattacharya M. A. 1-0-0
- 2264 Die Zeit des Kalidasa by G. Huth. 5-0-0
- २२६५ काव्यचिन्ता-काव्यसमालोचनाग्रन्थ कलकत्ता १)
- 2266 Kavyaratnavali or selections from classical Sanskrit Poets ed. by Dr. Lakshman Sarup M. A. Ph. D. 2-0-0
- २२६७ काव्यमाला—१४ गुच्छक—अनेक काव्य संगृहीत हैं ५, १२, १४ गुच्छक छपते हैं मुम्बई ११॥)
- २२६८ काव्यसंग्रह-अनेक उत्तम काव्यों का संग्रह है कलकत्ता ५)
- २२६९ कार्ष्णिक कण्ठाभरण— मुम्बई ॥)
- २२७० किरातार्जुनीयकाव्य-मल्लिनाथ कृत टीका सहित २॥) तथा १॥)

- २२७१ किरातार्जुनीयकाव्य-मल्लिनाथ टीका, अन्वयवाच्य परिवर्त-
नादि हिन्दी तथा बंगला टीका सहित कलकत्ता ३।)
- २२७२ किरातार्जुनीय-मल्लिनाथ टीका+सुत्रा व्याख्या सर्गत्रय काशी ॥)
- २२७३ " " +भावार्थदीपिनी सर्गत्रय " 1=)
- २२७४ किरातार्जुनीय-चित्रभानु कृत शब्दार्थदीपिका ३ सर्ग २॥)
- 2275 Kirata with English trans. by M. R. Kale 1-3 cantos 1-10-0
- 2276 Kirata with Eng. trans. by S. Ray 1, 2, 11 cantos. 3-12-0
- 2277 Kirata with Eng. trans. by Pangarkar 10 cantos. 2-0-0
- 2278 Kirata translated into German by Cappeller. 13-0-0
- २२७६ कीचकवधम्-महाकविनीतिवर्मविरचितम्-श्रीजनार्दनसेन—
कृतया तत्त्वप्रकाशिकाख्यया व्याख्या समेतम्-अत्युत्तम का-
व्य-प्रथमवार छपा है ढाका यूनिवर्सिटी के प्रधान संस्कृत
अध्यापक डा. सुशील कुमार दे द्वारा संशोधित प्रयाग ४)
Kichaka-Vadha of Nitivarman with the Comm. of Ja-
nardansena ed. from original Mss. with an Introduc-
tion, Notes and extracts from the comm. of Sarvaan-
danāga by Dr. S. K. De M. A., D. Litt., with 5 fasci-
mile specimen pages of the Mss. Allahabad 4-0-0
- २२८० कीर्त्तिकौमुदी—सोमेश्वरदेव विरचित दुष्प्राप्य मुम्बई २०)
Kirtikaumudi or a life of Vastupala—a minister by
Sri Someshwaradeva critically edited by A. V. Katha-
vate. Very rare copy. 20-0-0
- २२८१ कुमारपालप्रतिबोध-श्रीसोमप्रभाचार्य विरचित मुम्बई ७॥)
- २२८२ कुमारसंभव-संजीवनी तथा शिशुहितैषणीटीका काशी १।)
- २२८३ कुमारसंभव-संजीवनी टीका मुम्बई १॥)
- २२८४ कुमारसंभव—अरुणगिरिनाथ कृत प्रकाशिका तथा नारायण
पंडित रचित व्याख्या सहित, २, सरा, ३ सराभाग मिलता है ६।)
- २२८५ कुमारसंभव-संजीवनीटीका तथा वंगानुवाद कलकत्ता १॥)
- 2286 Kumarasambhava with Eng. trans. by Ray 2 cantos. 2-8-0
- 2287 Kumarsambhava with Eng. trans. etc., by M. R. Kale
I-VIII cantos. Bombay 3-8-0
- 2288 Kumarsambhava by Griffith. 2-0-0
- 2289 Kumarsambhava with notes etc. by Nerurkar. 3-0-0
- २२९० कुवलयारविलास— १)
- २२९१ कूटपदव्याख्या—कूट पद्यों की व्याख्या 1=)

- २२६२ कृष्णकर्णामृत—सरलकाव्य ॥=)
- २२६३ कृष्णकर्णामृत—लीला शुक प्रणीत व्याख्या सहित १॥)
- २२६४ कृष्णभक्तिचंद्रिका— ॥=)
- 2295 Krishna und Radha with 12 beautiful plates 12-0-0
- २२६६ कृष्णलीलामृतकाव्य—भक्तमनोरंजनी ॥=)
- 2297 Krishnavataralila-Kashmiri text in Roman with English trans. by Sir G. A. Grierson. 3-12-0
- २२६८ गाथासप्तशती—सातवाहन विरचित—गंगाधरभट्ट विरचितया टीकया समेता मुम्बई १॥)
- 2299 Garden of Kama and other love lyrics from India arranged in verse & with 21 coloured illustrations by B. Shaw. London 25-0-0
- २३०० गीतगोविन्द—जयदेव कवि विरचित मूल ॥=)
- २३०१ गीतगोविन्द—मूलपाकेट साइज में २ भाग ॥=)
- २३०२ गीतगोविन्द—जयदेव कवि विरचित सटीक मुम्बई १)
- 2303 Indian Song of Songs from the Sanskrit of Gita Govinda of Jayadeva in English verse by E. Arnold. 25-0-0
- 2304 Gita Govinda translated into French by G. Courtiller and preface by S Levi. Paris 3-8-0
- २३०५ गीतगौरीपति काव्य— मुम्बई १॥)
- २३०६ गीतशंकरायम्—कवि जयनारायण विरचित कलकत्ता ॥=)
- २३०७ गीतसुन्दरम्—सदाशिव दीक्षित विरचित मदरास ॥=)
- २३०८ गीताञ्जलि—(टेंगोर) श्री अमरेन्द्रमोहन तर्क तीर्थ प्रणीत १॥)
- २३०९ गुरुवंशकाव्य—लक्ष्मणसूरि विरचित मदरास १॥)
- २३१० गऊडवाहो—वाक्पति विरचित संस्कृत व्याख्या ५॥)
- Gaudavaho of Vakpatiraj—an Historical poem. 5-8-0
- २३११ गंगावतरण—नीलकण्ठ विरचित मुम्बई १॥)
- २३१२ घटखर्परकाव्य—मूल मुम्बई ॥=)
- २३१३ चतुर्वर्गावतार— मदरास ॥=)
- २३१४ चौरपञ्चाशिका—बिल्हण कवि विरचित मुम्बई ॥=)
- 2315 Chaurpanchashika of Bilhana text with German translation by Solf. 5-0-0
- २३१६ जयन्तविजय—श्रीमदभयदेव विरचित मुम्बई १)
- २३१७ जानकीहरण—of Kumaradasa text with notes etc. by Nandargikar. Bombay 3-2-0

- २३१८ दयाशतक-श्रीधर वैकुण्ठेश विरचित मदरास ≡)
- २३१९ दशावतारचरितम्—क्षेमेन्द्र विरचित मुम्बई १)
- २३२० दिलीपचरितम्—(From Raghuvamsha of Kalidasa 0 3 0
- २-२१ देलरामकथासार राजानक विरचित मुम्बई १=)
- २३२२ द्वाध्रयमहाकाव्य-आचार्य श्रीहेमचन्द्र विरचित सटीक २ भागों में मुम्बई १८)
- २३२३ नटेशविजय-वैकट् कृष्ण दीक्षित विरचित मदरास ॥)
- २३२४ नरनारायणीयकाव्य—सटीक मुम्बई ॥१)
- २३२५ नलाभ्युदयकाव्य - वामनभट्ट बाण प्रणीत मदरास १-)
- २३२६ नलोदयकाव्य—सटीक मुम्बई)
- २३२७ नलोदयकाव्य—सटीक बारीक कलकत्ता ॥)
- २३२८ नलोपाख्यानम्—मूल पूना ॥)
- २३२९ नवसाहसाङ्कचरित-पद्मगुप्त विरचित दुष्प्राप्य मुम्बई १५)
Navasahsankharita of Padmgupta Very rare. 15-0 0
- २३३० नीतिशतक-भर्तृहरि विरचित सटीक मुम्बई १=)
- 2331 Niti and Vairagya Satakas of Bhartrihari with English trans. etc. by M. R. Kale. Bombay 1-12-0
- 2332 Niti and Vairagya with English trans. etc., by Balmukund. 2-4 0
- 2333 Nitisatakam with comm., notes and Eng. trans. 0-10-0
- २३३४ नैषधीय चरित-नारायणी टीका सहित संपूर्ण मुम्बई ६)
- २३३५ नैषधीय चरित-नारायणी तथा पं. शिवदत्त कृत टिप्पणी ७)
- २३३६ नैषधीय चरित-मल्लिनाथ कृत टीका केवल १२ सर्ग तक ॥)
- २३३७ नैषधीय चरित हरिदास कृत जयन्ती टीका तथा वंगानुवाद सहित दो भागों में संपूर्ण कलकत्ता १०)
- 2338 Naishadha Carita of Shri Harsha Deva. Completely translated into English with copious explanatory notes published for the first time by K. K. Handiqui M. A. will be ready for sale shortly.
- २३३९ पत्रिका प्रशस्ति— मुम्बई ≡)
- २३४० पद्मानन्द महाकाव्य—कवि अमरचंद विरचित बड़ोदा
Padmananda Mahakavya—giving the life history of Rishabhadeva the first Tirthankara of the Jains by Amarchand Kavi of the 13th century shortly.
- २३४१ पद्मचूडामणि-बुधघोषाचार्य प्रणीत सटीक दुष्प्राप्य मदरास १०)

Padyachudamani edited by Rangacharya M. A. 10-0-0

- २३४२ पद्यहर्षचरितम्—राजगोपाल चक्रवर्त्ति कृत मदरास १-)
- २३४३ परशुरामचरित्र - श्रीहेमचंद्रायविरचित कलकत्ता ॥=)
- २३४४ पवनदूत—धोयी विरचित-critical edition. कलकत्ता ॥=)
- २३४५ पाण्डवविजय—श्रीहेमचंद्राय विरचित ,, १।)
- २३४६ पादारविदशतक—मूककवि विरचित मदरास ३=)
- २३४७ पुष्पवाणीविलास—सटीक मुम्बई १।)
- २३४८ पृथ्वीराज विजय—जोनराज कृत ३ भागा मुद्रिता कलकत्ता २।)
- २३४९ प्रशस्ति प्रकाशिका—बालकृष्ण कृत ॥=)
- २३५० प्राचीनगुर्जरकाव्यसंग्रह—अनेक प्राचीन काव्य हैं मुम्बई २।)
- २३५१ प्रेमरसायनम्—विश्वनाथ विरचित काशी १।)
- २३५२ बालभारत काव्य—श्रीअमरचंद्र कृत यंत्रस्थ
- २३५३ बुद्धचरित-अश्वघोष प्रणीत संपूर्ण ed. by Cowell यूरोप १८)
- 2354 Buddhacharita cantos 1-5 with comm., notes and English trans. by Joglekar. Bombay 2-0-0
- २३५५ बृहत्कथाश्लोकसंग्रह—बुधस्वामि विरचित दुष्प्राप्य यूरोप २००)
- Brihatkathaslokasangrah of Budhswamin text with translation by F. Lacote Very rare. Paris 200-0-0
- 2356 Essays on Gunadhya and Brihatkatha by Rev. Tabard Bangalore 10-0-0
- २३५७ बृहत्कथामंजरी—क्षेमेन्द्र विरचित मुम्बई ३॥=)
- 2358 Kshemendra's Brihatkathamamjari text and German trans. by Mankowski. 10-0-0
- २३५९ भट्टीकाव्य-जयमंगला टीका सहित मुम्बई ३)
- २३६० भट्टीकाव्य-मल्लीनाथ तथा भरतसेन कृत टीका सहित वंग-
नुवादादि सहित २ भागों में कलकत्ता ७॥=)
- 2361 Bhatti with English trans. by Ray first 2 cantos 2-0-0
- 2362 Bhatti with ,, ,, notes by Pradhan. I-VI 0-12-0
- 2363 Bhatti—with English notes by Godbole 2 Sargas. 0-8-0
- २३६४ भरतचरितम्—श्रीकृष्ण कवि कृत द्विवेङ्गम् १॥=)
- २३६५ भगवत्पादाभ्युदयम्—लक्ष्मणसूरि विरचित मदरास १=)
- २३६६ भामिनीविलास—जगन्नाथ विरचित मूल मुम्बई १।)
- २३६७ भामिनीविलास—सटीक ,, १।)
- २३६८ भारतमंजरी—श्रीक्षेमेन्द्र विरचित ,, २।)
- २३६९ भावशतक—काव्य ,, १।)

- २३७० मधुरविजयम्-(वीरकम्परायचरितम्) श्रीगंगादेवी विरचित॥१)
 २३७१ मनोदूतम्, हृदयदूतं च-गुर्जरानुवाद सहित मुम्बई ॥=)
 २३७२ मंदसित शतक—मूक कवि विरचित मद्रास ॥=)
 २३७३ मयूरशतक-मयूरभट्ट विरचित काशी ॥=)
 2374 Sanskrit Poems of Mayura edited with an English translation, notes and an introduction together with the text and translation of Bana's Candishataka by G. P. Quackenbos. America
 २३७५ मातृभूतशतक-श्रीशर विरचित मद्रास ॥=)
 २३७६ मुद्रलाचार्य कृत आर्या सटीक मुम्बई ॥=)
 २३७७ मूर्खशतक— , -)
 २३७८ मेघदूत-कालीदास प्रणीत-मल्लीनाथ कृत संजीवनीटीका ,, ॥)
 २३७९ मेघदूत—संजीवनी तथा चरित्रवर्द्धनीटीका काशी ॥)
 २३८० मेघदूत—संजीवनी, मेघप्रभा, वंगानुवाद भाषानुवाद and Prof. Wilson's English translation. कलकत्ता ११)
 २३८१ मेघदूत—वल्लभदेव कृत व्याख्या सहित यंत्रस्थ
 2382 Megh Duta text with Vallabh Dev's commentary, English translation, exhaustive notes, intro, etc by Dr. Har Datt Sharma M. A. Ph. D in the Press.
 २३८३ मेघदूत-वल्लभदेव कृत व्याख्या सहित यूहप ६)
 Megha Duta text with the comm. of Vallabhadeva and provided with a complete Sanskrit English Vocabulary by E. Hultsch. 6-0-0
 २३८४ मेघदूत तथा शृङ्गारतिलक अत्युत्तम जर्मनी १०)
 Kalidasa Meghaduta et Cringaratilaka von J. Gilde-meisteri 1840. Very rare. 10-0-0
 2385 Megh Duta text with English trans by G. R. Nandargikar. Bombay 1-8-0
 2386 Megh Dut with English trans. etc. by M. R. Kale 1-12-0
 2387 Megh Dut with English trans. etc. by Pathak. 1-4-0
 2388 Megh Dut with English trans. etc. by S. Ray. 2-0-0
 2389 Cloud Messenger of Kalidasa translated into English by King. 2-4-0
 २३९० मेघसंदेश दक्षिणावर्त्त कृत प्रदीपव्याख्या सहित मद्रास ॥=)
 २३९१ मेघसंदेश-विद्युलता व्याख्या सहित ,, १॥)
 २३९२ यादवाभ्युदयकाव्य-वेदान्तदेशिक विरचित सटीक सचित्र

- ३ भागों में मद्रास ४॥)
- २३६३ युधिष्ठिरविजय महाकाव्य-राजानकरत्न कृत सटीक १॥)
- २३६४ रघुवंश—कालीदास प्रणीत मूल पाकिट साईज १५ सर्ग पर्यन्त ८ भागों में मद्रास १॥)
- २३६५ रघुवंश—मल्लिनाथ कृत संजीवनी टीका मुम्बई १॥)
- २३६६ रघुवंश—संजीवनी टीका-स्थूलान्तर ,, २॥)
- २३६७ रघुवंश- , सटिप्पण बारीक काशी १)
- २३६८ रघुवंश-पदार्थदीपिका तथा अरुणगिरिनाथ कृत प्रकाशिका दो व्याख्या सहित १-६ सर्ग पर्यन्त मद्रास २॥)
- २३६९ रघुवंश-५ सर्ग-संजीवनी+अर्थ प्रकाशिका काशी ॥)
- २४०० रघुवंश— सर्ग-संजीवनी+सुधा २ भागों में ,, ३)
- 2401 Raghuvansha with Eng trans. by M. R. Kale com. 14-0-0
- 2402 Raghuvansha with English trans. by Joglekar. 4-0-0
- 2403 Raghuvansha with English trans. etc. by S. Ray 1, 2, 13, 14, 16 cantos Price of each canto. 1-8-0
- 2404 Raghuvansha french trans. by L. Renou 1928 Paris 5-0-0
- 2405 Ragnuvansha with the comm. of Mallinath a literal English translation with copious notes intermixed with full extracts from the commentaries by Nandargikar 1877 complete. Very rare copy. 15-0-0
- २४०६ रघुवंशविमर्श-कृष्णाचार्य प्रणीत मद्रास २)
- २४०७ रघुवीरचरित— द्रौवैडूम् १॥)
- २४०८ रसाब्धि महाकाव्य-श्रीदेवकीनन्दन कृत मुम्बई १=)
- २४०९ रसिकजीवन— ,, २)
- २४१० राघवनैषधीयकाव्य— ,, ॥=)
- २४११ राघवपाण्डवीय—सटीक ,, १॥)
- २४१२ रामकृष्णविलोमकाव्य— ,, १)
- २४१३ रामचरित—अभिनन्द विरचित बड़ौदा ७॥)
- Ramacharita of Abhinanda—Court poet of Haravarsa (9th. century) ed. by K. S. Ramaswami Sastri. 7-8-0
- २४१४ रामचरित-सन्ध्याकर नन्दी विरचित कलकत्ता ३)
- २४१५ रामायण तात्पर्यसंग्रह तथा भारत तात्पर्यसंग्रह-अस्पृश्य दीक्षित विरचित सटीक मद्रास ॥)
- २४१६ रामायण सूक्तिसुधाकर— ,, ॥=)
- २४१७ रामायणमंजरी-श्रीक्षेमेन्द्र प्रणीत मुम्बई ३॥)

- २४१८ रामोदन्त— मद्रास १)
 २४१९ रावणार्जुनीयकाव्य—श्रीभट्टभीम विरचित मुम्बई १॥)
 २४२० राष्ट्रौढवंशमहाकाव्य—रुद्रकवि कृत ऐतिहासिक काव्य १॥॥)
 २४२१ राक्षसकाव्य—कविराक्षस कृत मुम्बई—)
 २४२२ रुक्मणीहरण—श्रीहेमचंद्रराय प्रणीत कलकत्ता १=)
 २४२३ रुक्मणीकल्याणम्—राजचूडामणि विरचित सटीक मद्रास २)
 २४२४ ललितरामचरितकाव्य—सटीक १॥)
 २४२५ लक्ष्मीकाव्य—लक्ष्मीनाथ विरचित सटीक १॥)
 २४२६ वज्रालम्बम्—text edited by Laber. कलकत्ता १॥)
 २४२७ वरदराजस्तव—अण्पयदीक्षित विरचित सटीक मद्रास १—)
 २४२८ वसन्तविलास—बालचंद्र सूरि विरचित १॥)
 Vasantavilas—An historical poem with an historical introduction. Baroda 1-8-0
 २४२९ वसन्तशतक— मुम्बई १—)
 २४३० विक्रमाङ्कदेवचरित—बिल्हण कवि विरचित विनारस १॥)
 २४३१ विदग्धमुखमंडन—काव्य सटीक मुम्बई १=)
 २४३२ विद्वन्मोदतरंगिणी— " १)
 २४३३ विप्रसंदेश—लक्ष्मणसूरि विरचित २)
 २४३४ विष्णुभक्तिकल्पलता—सटीक मुम्बई १॥=)
 2435 Vaisnava Lyrics done into English verse by Suparen-
 dranath, Nandlal, and J. A. Chapman. 4-8-0
 २४३६ वैराग्यशतक—भर्तृहरि विरचित सटीक मुम्बई १=)
 2437 Vairagyasataka in English by Bhartrihari. 0-10-0
 २४३८ शतकत्रय—भर्तृहरि विरचित मूल मद्रास १=)
 २४३९ शतकत्रय—संस्कृत टीका सहित सुभाषितत्रिशती मुम्बई १॥)
 2440 Bhartrihari's Three Satakas text with Hindi and Eng-
 lish trans. by Purohit R. B. Gopinath. Bombay 4-0-0
 २४४१ शतकावलि—महिष+पादार्विन्द + स्तुति + मन्दसित + कटाक्ष
 शतक संग्रह कलकत्ता १=)
 2442 Santisataka of Shilhan text with critical apparatus
 and German trans. by Schoufeld 1910. 8-0 0
 २४४३ शार्ङ्गधरपद्धति—अत्युत्तम दुष्प्राप्य मुम्बई २५)
 Sharangdhar Paddhati or a Sanskrit Anthology ed. by
 Peterson. Very rare. 25-0-0
 २४४४ शिवपरिणयः—कृष्णराजानक कृत काश्मीरिक भाषा तथा

- संस्कृत छाया सहित कलकत्ता २१)
- २४३५ शिवलीलार्णव-नीलकण्ठ दीक्षित विरचित सटीक सचित्र २॥)
- २४३६ शिवानन्दलहरी—शंकराचार्य विरचित मदरास ३)
- 2447 Shivanandlahari—text with Eng. translation. „ 0-9-0
- २४४८ शिशुपालवध-(माघप्रणीत) मल्लिनाथ कृत टीका मुम्बई २॥)
- २४४९ शिशुपालवध—मल्लिनाथ कृत टीका तथा हरिदास कृत मा-
धुरी टिप्पणी वंगानुवाद सहित कलकत्ता ५)
- २४५० शिशुपालवध-मल्लिनाथ कृत सर्वङ्गषा तथा वल्लभदेव कृत
सन्देहविषौषधि व्याख्या सहित संपूर्ण काशी ३) तथा रफ २॥)
- २४५१ शिशुपालवध-१ सर्ग मल्लिनाथ+वल्लभदेव काशी ॥॥)
- २४५२ शिशुपालवध-२ सर्ग „ „ ॥)
- २४५३ शिशुपालवध-सर्वङ्गषाख्यया टीकयाकविकाव्यविर्मेश प्रभृति-
भिश्च समलंकृतम् कलकत्ता ४)
- २४५४ माघ काव्य-मल्लिनाथ कृत टीका १ सर्ग मुम्बई २)
- 2455 Maghakavya (1 & 2 cantos) with English trans. etc.
by S. Ray. Calcutta 3-0-0
- 2456 A literal Eng. trans. of Magha canto 14 only 0-4-0
- 2457 Magha Sisupalvadha nach den comm. des Vallabhadeva
und des Mallinatha translated into German by E.
Hultsch 1926 complete. Germany 33-0-0
- 2458 Magha Sisupalvadha Balamagha text with German
trans. by Cappeller. Germany 7-0-0
- 2459 Ubereinstimmungen in Gedenken Vergleichen und
Wendungen bei den indischen kunstdichtern von Val-
miki auf Magha von O. Walter. Germany 2-8-0
- २४६० शृङ्गारतिलक—कविकालीदास मुम्बई १-)
- २४६१ शृङ्गारतिलक-रुद्रट्ट कृत तथा सहृदयलीला रुय्यक कृत १२)
Rudrata's Sringaratilaka and Ruyyaka's Sahridayalila
with intro. and notes by R. Pischel. 1886 rare. 12-0-0
- २४६२ शृङ्गारशतक—भर्तृहरि विरचित-सटीक १-)
- 2463 A century of Passion being a rendering into English
verse of the Sringarsataka by Gurner. 1927. 4-8-0
- २४६४ श्रीकण्ठचरितकाव्य-श्रीमंखकवि कृत मुम्बई २॥)
- २४६५ श्रीकृष्णविलासकाव्य-सटीक मदरास १)
- २४६६ श्रीरामोदन्तः—अत्युत्तम „ १)

- २४६७ श्रीलक्ष्मीसहस्रम्—सुबोधनीव्याख्या सहित काशी १२)
- २४६८ सदाशिवेन्द्रस्तुति—नृसिंह भारती विरचित मदरास ३)
- २४६९ सदुक्तिकर्णामृत—श्रीधरदास प्रणीत-म. म. श्रीरामावतार शर्मा एम. ए. द्वारा संशोधित-तथा डा. हरदत्त शर्मा एम. ए. और पं. श्री पद्मसिंह शर्मा द्वारा इंगलिश तथा संस्कृत भूमिका सहित—पुस्तक बहुत बढ़िया देखने लायक है संपूर्ण लाहौर १०)
- Sadukti Karnamrita of Shridhar Dass edited by the late Mahamahopadhyaya Pt. Ramavtar Sarma M. A. together with a Sanskrit intro by Pt. Padm Singh Sharma and English Introduction by Dr. Har Datt Sharma M. A. complete. (shortly) Lahore 10-0-0
- २४७० सद्वृत्तपुष्पगुच्छ—पं. ईश्वरलाल १)
- 2471 Saptasatakam of Hala text edited with notes translation and intro. in German by Weber 1870 8-0-0
- 2472 Saptasatakam of Hala text edited with notes, trans. various recensions, concordance and full index by A. Weber in German. Very rare big edition. 30-0-0
- २४७३ सत्यभामापरिग्रहम्— कलकत्ता १=)
- २४७४ समयमातृका—क्षेमेन्द्र विरचित मुम्बई ॥=)
- २४७५ सहृदयानन्द - कृष्णानन्द विरचित ,, ॥=)
- २४७६ साम्बपञ्चाशिका-सटीक ,, १)
- २४७७ साहित्यरत्नमंजुषा-अभिनव भट्ट बाण विरचित मदरास १॥)
- २४७८ सुन्दरलहरी— ,, १)
- २४७९ सुभाषितनिवि-श्रीवेदान्तदेशिक विरचित मदरास ॥-)
- २४८० सुभाषितमञ्जरी— १=)
- २४८१ सुभाषितरत्नभण्डागार—अत्युत्तम् मुम्बई ४)
- २४८२ सुभाषितरत्नसुधाभण्डागार-विस्तृत ,, ६)
- २४८३ सुभाषितरत्नसंदोह अमितगति विरचित-जर्मन अनुवाद ७)
- Subhashitratnasandoh of Amitagati text with German translation by R. Schmidt. Germany 7-0-0
- २४८४ सुभाषितरत्नाकर—कृष्णशास्त्रिसंकलित मुम्बई २१)
- २४८५ सुभाषितावली—वल्लभदेव विरचित ,, ५)
- २४८६ सुरथोत्सव-श्रीसोमेश्वर विरचित ,, ॥=)
- २४८७ सुलतानचरित-कविरत्नछज्जुराम कृत ,, ॥)

- २४८८ सूर्यशतक-मयूरकवि विरचित सटीक मुम्बई ॥=)
- २४८९ सूक्तिसंग्रह—कविराजस कृत ,, -)
- २४९० सौन्दर्यलहरी—शंकराचार्य विरचित मदरास ३=)
- २४९१ सौन्दर्यलहरी-सटीक ,, १)
- २४९२ सौन्दरानन्द—अश्वघोष विरचित यूरुप १=)
- Saundranandam of Ashvaghosa critical edition of the text in Devanagari ch. by Jonston. 9-6-0
- 2493 Notes on the Saundranandam critical and explanatory by Gawronski. 4-0-0
- २४९४ संस्कृतपद्यावलि—a collection compiled by P.V. Kane १=)
- २४९५ संक्षिप्तमहाभारत—adridged edition by C.V. Vaidya ३॥)
- २४९६ संक्षिप्तसामायण—abridged edition by C. V. Vaidya २॥)
- २४९७ संक्षिप्तबालमीकिरामायण—श्री रवीन्द्रनाथ सम्पादितम् १॥)
- २४९८ संक्षिप्तसुंदरकाण्ड—with a full literal English translation and grammatical notes by K. B. Virkar 1-6-0
- २४९९ स्तुतीशतक—मूक कवि विरचित मदरास ३=)
- २५०० स्यान्दूरपुरवर्णनप्रबन्ध—सव्याख्या टीवेंड्रम् २॥)
- २५०१ हंससन्देश—वेदान्ताचार्य प्रणीत तथा रसास्वादिनी व्याख्या ४)
- २५०२ हम्मिरामहाकाव्य—नयचन्द्रसूरि कृत दुष्प्राप्य २०=)
- Hammiramamahakavya of Nayachandra Suri text edited by J. Kirtane. Very rare. 20-0-0
- २५०३ हरचरितचिन्तामणि—राजानक कृत मुम्बई १॥॥)
- २५०४ हरविजयमहाकाव्य—राजानक रत्नाकर विरचित यंत्रस्थ
- २५०५ हरिहर सुभाषित—श्रीहरिहर विरचित मुम्बई ॥)
- २५०६ हैहय-विजय—श्रीहेमचन्द्ररायेण कृत कलकत्ता ॥=)
- २५०७ हीरसौभाग्य—देवविमल गणि कृत सटीक मुम्बई ५॥)
- 2508 Hosdichter der Laksmansena by R. Pischel. 3-0-0
- २५०९ क्षत्रचूडामणि—वादीभसिंह विरचित दुष्प्राप्य मदरास ३॥॥)

नाटक ग्रन्थ

- २५१० अद्भुतदर्पणम्—श्रीमहादेव विरचित मुम्बई ॥॥)
- २५११ अनर्घराघव—रुचिपत्युपाध्याय कृत टीका सहित ,, २)
- २५१२ अभिषेकनाटकम्—महाकवि भासमुनि विरचितम्—महोपाध्याय पं. वी. वेङ्कटराम शास्त्रिणा विद्याभूषणेन संपादितं व्याख्यया च सनाथी कृतम्—अत्युतम् लाहौर १)

- 2518 *Abhishekanatakam*—A Sanskrit Drama in 7 Acts attributed to Bhāsa critically edited with Sanskrit commentary, Introduction notes and English translation by Mahopadhyaya Pt. V. Venkataram Shastri Vidya-bhushana, 1930. Lahore 1-8-0
- २५१४ अभिज्ञानशकुन्तलम्—(कालिदास प्रणीत) राघवभट्ट टीका १॥)
- २५१५ अभिज्ञानशकुन्तलम्—राघवभट्ट कृत टीका तथा श्रीनिवासाचार्य कृत टीका सहित मुम्बई २॥)
- २५१६ अभिज्ञानशकुन्तलम्—जीवानंद कृत विस्तृत व्याख्या यंत्रस्थ
- २५१७ अभिज्ञानशकुन्तलम्—हरिदास कृत संस्कृत टीका सहित ३)
- २५१८ अभिज्ञानशकुन्तलम्—अत्युत्तम् जर्मनी ६)
Sakuntala original text edited by Cappeller „, 9-0-0
- २५१९ अभिज्ञानशकुन्तलम्—अत्युत्तम् अमरीका १८॥=)
Abhijnana Sakuntalam—the Bengali Recension critically edited in Nagari Ch. with notes etc. by Fischel 18-6-0
- 2520 *Abhijnana Sakuntalam* with comm. notes, and English trans. by S Ray M. A. Calcutta 3-8-0
- 2521 *Sakuntala* with notes & English Trans. by Kale. 4-8-0
- 2522 *Sakuntalam* edited with Eng. notes by Godbole. 2-0-0
- 2523 *Sakuntala* or the lost ring by Kalidasa text edited with literal English translation by M. Williams 18-12-0
- 2524 *Sakuntala* of Kalidasa prepared for the English stage by Kedarnath Das Gupta in a new version written by L. Binyon with intro. essay by Tagore. 5-10-0
- 2525 The original *Sakuntala* by Dr. Belvalkar. 0-6 0
- 2526 *Sringarik* Elaboration in *Sakuntala* by Belvalkar 0-6-0
- 2527 The text of the *Sakuntala*—an article with notes by B. K. Thakore. Very valuable book for research scholars. 1-8-0
- 2528 The application of a few canons of textual and higher criticism to Kalidasa's *Sakuntala* by Dr. Belvalkar 3-0-0
- 2529 Kalidasa's *Sakuntalam* and other works translated into English by Reyder. 2-0-0
- 2530 *Sakuntala* translated into English prose and verse by Monier Williams. 15-0-0
- 2531 *Sakuntala* translated into German von Bodenstein and fully illustrated photographically by A. Zick. Binding

- all round gold. 1887. Germany 25-0-0
- 2532 Sakuntala—German trans. by Bodenstein Pockel. 5-0-0
- 2533 Sakuntala—German trans. by Schmillinsky. 4-0-0
- 2534 Recensionen der Cakuntala by Pischel. 1-0-0
- २५३५ अमृतोदय—श्रीगोकलनाथोपाध्याय कृत मुम्बई ॥)
- 2536 Avimarkam of Bhasa—German trans. by Weller. 5-8-0
- २५३७ आश्चर्यचूडामणि—शक्तिभद्र प्रणीत-दर्शनाचार्य श्री पं. नृसिंह देव शास्त्रि कृत सरल संस्कृत व्याख्या सहित अत्युत्तम रूप रही है—
- २५३८ आश्चर्यचूडामणि—शक्तिभद्र कृत सटीक मदरास २)
- 2539 The Wonderful Crest Jewel or an English translation of Saktibhadra's Ascharyachudamani by C. Sankara Rama. Madras 1-4-0
- 2540 Indische Dramas by a Hillibrandt. Germany 1-0-0
- २५४१ उत्तररामचरित्र—edited by Dr. Belvalkar. Poona 1-4 0
- २५४२ उत्तररामचरित्र—वीरराघव कृत टीका सहित मुम्बई १)
- २५४३ उत्तररामचरित्र—जीवानंद कृत विस्तृत व्याख्या कलकत्ता ३॥)
- २५४४ उत्तररामचरित्र—हरिदास कृत सरल संस्कृत व्याख्या तथा वंगानुवाद सहित कलकत्ता २॥)
- २५४५ उत्तररामचरित्र—विद्यानिधि कृत सं. टीका तथा वंगानुवाद ३॥)
- 2546 Uttararamcharitra with Eng. notes etc. by Bhanap 1-8-0
- 2547 Rama's Later History or English trans. of Uttararam charitra by Dr. S. K. Belvalkar. America 13-8-0
- 2548 Uttararamacharitra with comm., notes and English trans. by S. Ray M. A. Calcutta 3-8-0
- 2549 Uttararamcharitra with comm., notes and English Translation by Kale. Bombay 4-0-0
- 2550 Uttararamcharitra with comm., of Ghanshyam, notes and English trans. by P. V. Kane. Bombay 4-0-0
- २५५१ उन्मत्तराघव प्रेक्षाङ्क नाटक — ३)
- 2552 An Introduction to the mind and Art of Kalidasa and Bhavabhuti by Guru Prasanna Bhattacharya. 1-0-0
- 2553 Origin of Indian Drama by Belvalkar-an essay. 0-6-0
- २५५४ कर्पूरमंजरी—वासुदेव रचित टीका सहित मुम्बई १)
- २५५५ कर्पूरमंजरी—जीवानंद कृत व्याख्या सहित कलकत्ता ॥=)
- २५५६ कर्पूरमंजरी—अंग्रेजी अनुवाद सहित अमरीका १८॥=)

Karpur Manjari of Rajashekhar critically edited in the original Prakrit with a glossarical index and an essay on the life and writings of the poet by Sten Konow and translated into English by C. R. Lanman. 18-6-0

- २५५७ कमलिनी कालहंस-राज चूडामणि दीक्षित विरचित ॥)
- २५५८ कल्याणवज्रायुधम्-श्री बालचन्द्रसूरि विरचित मुम्बई ॥)
- २५५९ कल्याणसौगन्धिकम्-डा. लक्ष्मणस्वरूप द्वारा संपादित ॥)
Kalyan Saugandhikam—critical edition of the text
edited by Dr. Lakshman Sarup M. A. 0-8-0
- २५६० कल्याणसौगन्धिकम्-महोपाध्याय वैकटरमन कृत सटीक ॥)
- २५६१ कुन्दमाला—दिङ्नाग विरचित मूलमात्र ॥)
- २५६२ कुन्दमाला—दिङ्नाग विरचित-पं. जयचन्द्र शास्त्रि एम. ए.
विरचित अति विस्तृत सरल संस्कृत व्याख्या तथा अनेक
परिशिष्टों से विभूषित-पुस्तक अत्यन्त उपयोगी और
उत्तम है लाहौर १॥)
Kundamala of Acharya Dinnaga critically edited with
an elaborate Sanskrit commentary and appendices by
Prof. Jaichandra Sastri M. A. Lahore 1-8-0
- 2563 Kundamala of Dinnaga with Sanskrit commentary by
Pt Jaichandra Shastri, historical extensive intro. of 56
pages, English translation & notes by Veda Vyasa
M. A. & S. D. Bhanot M. A. together with a Foreword
by A. C. Woolner Esq. M. A. Lahore 3-8 0
- 2564 English translation, introduction of 56 pages, explana-
tory & critically notes by Veda Vyasa M. A. LL. B.
& S. D. Bhanot M. A. together with a foreword by A. C.
Woolner Esq. M. A. C. I. E., Library edition. 5-0-0
- २५६५ कौण्डिन्यप्रहसनम्-महालिंगशास्त्रि विरचित बहुत बढ़िया ॥)
- २५६६ कौमुदीमहोत्सव—अत्युत्तम पेटिहासिक प्राचीन नाटक ॥=)
- २५६७ कौमुदीमित्रानन्द नाटक—श्रीरामचंद्र विरचित „ १)
- २५६८ कंसवध-श्रीशेषकृष्ण विरचित मुम्बई ॥)
- 2569 Gopalakelichandrika an unknown play text edited by
by W. Caland. Europe 10-0-0
- २५७० चण्डकौशिक-व्याख्या सहित कलकत्ता १॥)
- २५७१ चातुर्भाषी—(शुद्धकवि विरचित पद्मप्राभृतकम्+ईश्वरदत्त
प्रणीत धूर्तविटसंवाद+वररुचि विरचित उभयाभिसारिका+

- श्यामिलक विरचितं पाद ताडितकम्) मदरास २)
- २५७२ चैतन्यचन्द्रोदय—कवि कर्णपूर विरचित मुम्बई १।)
- २५७३ चैतन्यचन्द्रोदय—जीवानन्द कृत टीका सहित कलकत्ता १)
- २५७४ छत्रपतिसाम्राज्यम्—text with Sanskrit comm. and English trans. by L. B. Sastri 1929. Baroda 1 4 0
- 2575 Tales from Sanskrit Dramatists by Prof. M. Hiriyana, Dr. S. K. De and Dr. Kunhan Raja and others 2 0-0
- 2576 Dramas of Bhasa by Jyotischandra Calcutta
- 2577 Das Indische Drama Von Sten Konow 1920. 7-0-0
- २५७८ तापसवत्सराज—अनङ्गद्वर्षापरनाम श्रीमात्र राजप्रणीत २।)
- 2579 Thirteen Trivandram Plays attributed to Bhasa translated into English by A. C. Woolner M. A., and Dr. Lakshman Sarup M. A.,
" " Vol. I contains English trans. of Swapnavasavadatta + Charudatta + Madhyamvya-yoga + Pancharatra + Pratigyaayangandharayan + Pratima. 1930. 6-12-0
- 2580 " Vol II contains translation of Dutavakya + Duta Ghatotkacam + Karan Bharu + Uru-bhangam + Avimaraka + Balacharitam + Abhishekana-taka 1931. 6-12-0
- २५८१ दामकप्रहसन—अंग्रेजी अनुवाद सहित १=)
- Damaka Prahasna (an old Play in one Act) text, edited with English translation by Mahopadhyaya V. Venkataram. Lahore 0-6-0
- २५८२ दूतवाक्य-भासप्रणीत म. म. गणपति शास्त्रि कृत व्याख्या ॥=)
- २५८३ दूताङ्गद—छायानाटक मुम्बई ३=)
- २५८४ धनञ्जयविजय—श्रीकाञ्चनाचार्य कृत मुम्बई ३=)
- २५८५ धर्मविजयनाटक—भूदेवशुक्ल विरचित ॥)
- २५८६ धर्मविजयनाटक—भूदेवशुक्ल विरचित पं. नारायण शास्त्रि लिखित कृत भूमिका सहित काशी १।)
- २५८७ धूर्तसमागम्—ज्योतीश्वर विरचित Printed in Litho, no date, no publisher etc. Very rare. 6-0-0
- २५८८ नलचरित्रनाटक—नीलकण्ठ दीक्षित प्रणीत मदरास १)
- २५८९ नलदमयन्तीयम्—श्रीकालीपदतर्काचार्य कृत कलकत्ता १।)
- २५९० नलविलास—रामचन्द्रसूरि विरचित मुम्बई २।)

- २५६१ नागानन्द-(श्रीहर्षदेव प्रणीत) मूल मुम्बई १३)
- २५६२ नागानन्द-सुन्दरदास शास्त्रि कृत सरस्वतीदधिमथीनामक सरल संस्कृत टीका सहित व्याख्याखण्डान्वय दण्डान्वय १)
- २५६३ नागानन्द-सटीक काशी १॥ तथा १॥)
- 2594 Nagananda with intro. and notes by Brahme. 3-8 0
- 2595 Nagananda translated into English by Nerurkar 2-12-0
- 2596 Nagananda translated into English by H. Wortham 1-8-0
- 2597 Nagananda translated into French by Bergaigne 3-8 0
- 2598 Nagananda with intro. & notes by Paranjpe. 3-0-0
- २५६६ नाटवाट प्रहसन-सटिप्पण १=)
- 2600 Note on Bhavabhuti and Vakpatiraja by J. Hertel 2-0-0
- २६०१ पञ्चरात्र-भास प्रणीत म. म. गणपति शास्त्रि कृत व्याख्या १=)
- 2602 Plays ascribed to Bhasa-their authenticity and merits by Prof. Devadhara. Poona 1-0 0
- २६०३ पाणिग्रहणम्-कृष्णाचार्य विरचित मुम्बई १-)
- २६०४ पार्थपराक्रमव्यायोग-परमार श्री प्रह्लादनदेव विरचित १=)
- २६०५ पारिजातमञ्जरीत्यपराख्याविजय श्रीराम नाटिका यूरुप २)
Parijat Manjari or Vijayasri. A Drama composed about A. D. 1213 by Madana text edited by Hultzsch. 2-0-0
- 2606 Parimala a commentary on Madana's Parijatmanjari 1-0-0
- २६०७ पारिजात हरण नाटक-उमापति उपाध्याय विरचित ५)
Parijataharana Natak of Umapati edited and translated into English by Sir G. A. Grierson. 5-0-0
- २६०८ पार्वतीपरिणय-सटिप्पण ed. by Krishnacharya 0-9-0
- २६०९ पार्वतीपरिणय-वामनभट्ट विरचित अत्युत्तम जर्मनी ६)
Parvatiparinaya Natakam of Vaman Bhatta—original text edited with Notes by R. Schmidt. 6-0-0
- २६१० पार्वतीपरिणय-बाण विरचित मुम्बई १-)
- २६११ प्रियदर्शिका-जीवानन्द कृत टीका सहित कलकत्ता १॥)
- २६१२ प्रियदर्शिका-भूमिका व्याख्या सहित मदरास १=)
- 2613 Priyadarshika with English trans. etc. by Kale 2-8-0
- 2614 Priyadarshika text in Roman with English translation etc. by Nariman and Jackson. America 11-6-0
- 2615 Priyadarsika French trans. by Strehly France. 3-8-0
- २६१६ प्रचेण्ड पाण्डव-नाटक-राजशेखर प्रणीत सटिप्पण यूरुप ३॥)

- Prachanda Pandava of Rajashekhar critically edited
by Cappeller. 3-8-0
- २६१७ प्रतापरुद्रकल्याण नाटक—श्री विद्यानाथ कृत मुम्बई ॥
२६१८ पताण विजयम्—नाटकम् बड़ोदा २)
२६१९ प्रतिक्रिया वनज्योत्सना धर्मस्यसूक्तमागतिः मदरास १॥)
Three Plays in Sanskrit by V. K. Tampi. 1-8-0
- २६२० प्रतिमानाटक—भास कृत-म. म. गणपति शास्त्रि विरचित
संस्कृत व्याख्या सहित मदरास २।)
- 2621 Pratima of Bhasa with Engl. trans. etc by Kale. 3-8-0
- 2622 Pratima of Bhasa with Engl. trans. etc by Paranjpe 3-0-0
- २६२३ प्रतिज्ञायौगन्धरायण-भासप्रणीत सटीक यन्त्रस्थ
- २६२४ प्रबोधचन्द्रोदय—सटीक मुम्बई १।)
- २६२५ प्रबोधचन्द्रोदय—विषमपद व्याख्या सहित „ १।)
- २६२६ प्रबोधचन्द्रोदय-महेशचन्द्र कृत टीका सहित कलकत्ता १।)
- 2627 Prabodhchandrodaya translated into English 0-8-0
- २६२८ प्रसन्नराघव-श्रीजयदेव प्रणीत काशी १।)
- २६२९ प्रसन्नराघव—सटीक (जयदेव विरचित) मुम्बई ॥।=)
- २६३० „ „ भावबोधनीटीका १)
- 2631 Prasannaraghava with critical and explanatory notes
by Paranjpe. Bombay 2-8-0
- २६३२ बालचरित्र-भासप्रणीत अत्युत्तम जर्मनी ४)
Balacharitra text edited by Weller. „ 4-0-0
- 2633 Balacharita—German translation of Weller. „ 5-8-0
- २६३४ बालरामायण—राजशेखर प्रणीत काशी २)
- २६३५ बालरामायण—राजशेखर कृत सटीक कलकत्ता ३)
- २६३६ बालरामायण—लक्ष्मणसूरि विरचित तत्त्वालोक व्याख्या ५)
- 2637 Balaramayana English trans. 5 acts. 1-8-0
- 2638 Bibliography of the Sanskrit Drama with an introduc-
tory Sketch of the Dramatic Literature of India by
Schuyler. 11-8-0
- 2639 Bruchstucke Buddhistischer Dramen by H. Luders
with plates. Germany 12-0-0
- २६४० भगवद्जुकीयम्—बोधायन कवि विरचित व्याख्या सहित
edited by P. Anujan and preface by Winternitz 2-4-0
- 2641 Bhasa and the authorship of the 13 Trivandram Plays
by Hirananda Sastri M. A. 0-14-0

- 2642 Bhasa's Prakrit by W. Printz 1921. Germany 4-0-0
 2643 Bhasa's Riddle by Dr. Sukhthankar. 1-4-0
 2644 Bhasa's Works—a criticism by K. Pisharoty. 1-0-0
 2645 Bhasa Studien by Dr. M. Lindenau. Germany 4-0-0
 २६४६ भर्तृहरिनिर्वेदम्-हरिहरोपाध्याय निर्मित मुम्बई =>॥
 २६४७ मत्तविलासप्रहसन-महेन्द्रविक्रम प्रणीत मदरास ॥-)
 2648 Mattavilas Prahasna of King Mahendra Vikramvarma translated into German by Hertel 1924. 4-0-0
 २६४९ मध्यम व्यायोग-भासप्रणीत सटीक द्विवेङ्गम् ॥-)
 २६५० मल्लिकामारुत-दण्डी विरचित सटीक कलकत्ता २।)
 २६५१ महानाटक-श्रीहनुमान विरचित „ ॥)
 २६५२ महानाटक-सटीक „ २॥)
 २६५३ महावीर चरित्र-वीरराघव कृत टीका सहित मुम्बई १॥)
 २६५४ महावीर चरित्र-जीवानन्द कृत टीका सहित कलकत्ता २)
 २६५५ महावीर चरित्र-अत्युत्तम सटिप्पण यूरुप १८)
 Mahavircharitra critical edition of the text with notes by the late Prof. Todar Mull and A. Maedonell. 18-0-0
 २६५६ मालतीमाधव-जगद्धर आदि ३ टीका सहित मुम्बई ३।)
 २६५७ मालतीमाधव-edited by Bhandarkar. „ 4-4-0
 २६५८ मालतीमाधव-पं. हरिदास कृत सरल टीका कलकत्ता २॥)
 2659 Malati Madhava with English trans. etc by Kale. 4-8-0
 2660 Malati Madhava—German trans. 1-0-0
 २६६१ मालविकाग्निमित्र-सटीक अत्युत्तम जर्मनी ८)
 Malavikagnimitra text edited with comm. and notes etc. by F. Bollensen. Germany 8-0-0
 २६६२ मालविकाग्निमित्र-बालबोधनीटीका सहित मुम्बई १॥॥)
 २६६३ मालविकाग्निमित्र-काट्यवेम कृत व्याख्या सहित „ ॥॥)
 २६६४ मालविकाग्निमित्र-प्रतापचन्द्र कृत सुबोधनी व्याख्या १॥)
 २६६५ मालविकाग्निमित्र नीलकण्ठ तथा काट्यवेम कृत २ व्याख्या १-)
 २६६६ मालविकाग्निमित्र-सारार्थदीपिका व्याख्या सहित मदरास १)
 2667 An English trans. and annotation of Malavikagnimitra by C. Sankara Rama Sastri with text and commentary. Madras 2-4-0
 2668 Malavikagnimitra with English trans. etc. by Kale. 3-8-0
 2669 Malvikagnimitra translated into German by Fick 1-0-0

- २६७० मुद्राराक्षस-हरिदास कृत टीका सहित कलकत्ता २)
- २६७१ मुद्राराक्षस-जीवानंद कृत व्याख्या सहित ,, १॥)
- २६७२ मुद्राराक्षस-भावबोधनी टीका सहित काशी २)
- २६७३ मुद्राराक्षस—सटिप्पण यूरोप १२)
- Mudrarakshasa of Vishakhadatta text edited from Mss. provided with notes and an index of all Prakrit words by Prof. A. Hillibrandt Germany 15-0-0
- 2674 Mudrarakshasa with original Sans. comm. English trans. critical and explanatory notes and intro. by S Ray. Calcutta 3-4-0
- 2675 Mudrarakshasa critically edited with copious notes, trans. and a scholarly introduction by Dhruva 4-0-0
- 2676 Mudrarakshasa edited with English notes etc. by K. T Telang. Bombay 2-6-0
- 2677 Mudrarakshasa with English trans etc. by Kale. 3 8 0
- 2678 Mudrarakshasa translated into German. 1-0-0
- २६७६ मुद्रितकुमुदचंद्र प्रकरण—यश्चंद्र विरचित ॥=)
- २६८० मृगांकलेखा—नाटिका-विश्वनाथदेव प्रणीत काशी १)
- २६८१ मृच्छकटिक—पृथ्वीधर कृत टीका सहित मुम्बई १॥)
- २६८२ मृच्छकटिक-पं. जीवानंद कृत व्याख्या सहित कलकत्ता ३॥)
- २६८३ मृच्छकटिक-हरिदास कृत ,, ,, ,, ३)
- 2684 Mrichhakatika text with English notes etc. by Pt. Hirananda. Bombay 2-0-0
- 2685 Mrichhakatika with English trans. etc. by Kale. 5-4-0
- 2686 The Toy Cart (Founded on Mrichhakatika) by A. Symns in English. 3-12-0
- 2687 Mrichhakatika or Little Clay Cart attributed to King Sudraka translated into English prose and verse by A. W Reyder. 11-0-0
- 2688 Uber des Verhaltnis zweischen Carudatta und Mrichhakatika von Morgenstierne. Germany 6-0-0
- 2689 Mrichhakatika German translation. 1-0 0
- २६९० मैथिल कल्याण नाटक श्रीहस्तिमल्लविरचित १)
- २६९१ माहेराजपराजयम्—मन्त्रि यशपाल विरचित बड़ोदा २)
- Mohrajaiprajaya—an allegorical drama describing the overcoming of king Moh (Temptation) or the conversion of Kumarapala, the Chalukyan king of Gujarat to Jainism. Baroda 2-0-0

- २६६१ रतिमन्मथनाटक-पं. जगन्नाथ विरचित मुम्बई १)
- २६६३ रतिविजयम् रामस्वामिविरचित १-)
- २६६४ रत्नावलि-सटीक प्रभाव्याख्या सहित मुम्बई १)
- २६६५ रत्नावलि-जीवानन्द कृत व्याख्या सहित कलकत्ता ॥)
- 2696 Ratnavali with comm. critical notes and English trans. by S. Ray. Calcutta 2-14-0
- 2697 Ratnavali with English trans. etc. by Kale. 3-8-0
- २६९८ रुक्मिणीपरिणयनाटक—रामवर्म विरचित १-)
- २६९९ रुपकषट्कम्-कविवत्सराज प्रणीत मुम्बई २)
- A collection of six Dramas by Vatsraj. 2-4 0
- २७०० लटकमेलकम्—श्रीशङ्कर विरचितम् ,, १-)
- 2701 Vasantseena translated into German by L. Feucht 5-0-0
- २७०२ वासन्तिकखम्—अन्युतम् मदरास १)
- Vasantikaswapna—An Adoption of Shakespeare's Midsummer-night's dream or A Sans. Drama in five acts by R. Krishnachari Madras 1-4-0
- २७०३ विक्रमोर्वशी-प्रकाशिका टीका सहित मुम्बई ॥=)
- २७०४ विक्रमोर्वशी-जीवानन्द कृत व्याख्या सहित कलकत्ता १)
- २७०५ विक्रमोर्वशी—edited by S. P. Pandit मुम्बई २)
- 2706 Vikramorvasiyam with Katyavema's comm. literal English trans., intro., copious notes and a vocabulary by Pt. Charu Deva Sastri. Lahore 3-8-0
- 2707 Vikramorvasiyam with English trans. by Kale. 3 8-0
- 2708 Vikramorvasiyam text, intro., prose order, notes and translation by R. D. Karmarkar in 2 parts. 4-0-0
- 2709 Vikramorvasiya with English trans. by Pranjpe 3-0-0
- 2710 Vikramorvasiyam French trans. by Faucaz. 3-8-0
- 2711 Vikramorvasiyam nach dravidischen Handschriften von Pischel. Germany 5-0-0
- 2712 Do. German trans. by Hoefler. ,, 5-0-0
- 2713 Do. German trans. by Glaser. ,, 2-0-0
- 2714 Do. German trans. by Eiricke. ,, 1-0-0
- २७१५ विदग्धमाधव—श्रीरूपगोस्वामि प्रणीत सटीक मुम्बई १)
- २७१६ विद्वशालभञ्जिका—राजशेखर कृत कलकत्ता ॥)
- २७१७ विद्यापरिणयम्—आनन्दराय मल्लि विरचित मुम्बई ॥-)
- २७१८ विराजसरोजिनी-नाटिका-पं. हरिदास कृत कलकत्ता ॥)

- २७१६ वीणावासवदत्ता—An old Sankrit Drama मद्रास ॥)
- २७२० वृषभानुजा नाटिका—मथुरादास विरचित मुम्बई १=)
- २७२१ वेणीसंहार-जगद्धर टीका सहित मुम्बई १।)
- २७२२ वेणीसंहार-अप्पा शास्त्रि कृत बालबोधनी टीका तथा अंग्रेजी टिप्पणी सहित ४)
- 2723 Venisanhara with English trans etc. by Dravid. 3-0-0
- 2724 Venisanhara with English trans. etc. by Kale. 3-8-0
- 2725 Studies in Bhasa by V. S. Sukhthankar. 1-4-0
- २७२६ सत्यहरिश्चंद्र-रामचंद्र प्रणीत मुम्बई ॥)
- २७२७ स्वप्नवासवदत्त—भास प्रणीत-म. म. गणपति शास्त्रि कृत व्याख्या सहित मद्रास १॥=)
- २७२८ स्वप्नवासवदत्तम्—of Bhasa the first critical edition with notes by T. Ganapati Sastri. 3-0-0
- 2729 Swapnavasavdatta with English trans. etc. by Devadhar. Poona 2-0-0
- 2730 Swapnavasavdatta with Eng. trans. etc. by Kale. 2-8-0
- 2731 Swapnavasavdatta or the Vision of Vasavdatta with stanzas attributed to Bhasa in various anthologies and extracts bearing on the legend of Udayana from Brihatkathaslokasangraha of Budhswamin, the Brihatkathamanjari of Kshemendra the Kathasaritsagara of Somadeva edited with an introduction English translation exegetical, grammatical, mythological, and historical notes by Dr. Lakshman Sarup M. A. Excellent edition 4-0-0
- 2732 Swapnavasavdattam Eng. trans. by Subba Rao 0-10-0
- 2733 The Dream Queen or the Eng. trans. of Swapnavasavdattam by A. G. Sheriff and Pannalal. 0-12-0
- 2734 English translation of Swapnavasavdattam by Dr. Sukhthankar. 5-4-0
- 2735 Swapnavasavdattam with Eng. trans. by Bhagvat 0-12-0
- 2736 Swapnavasavdattam French translation by Baston 4-8-0
- 2737 Swapnavasavdattam German trans. by H. Weller 6-0-0
- २७३८ सौगन्धिकाहरण-विश्वनाथ कृत मुम्बई १।)
- २७३९ संकल्पसूर्योदय-कृष्णामाचारी काशी २)
- २७४० संयोगितास्वयंबरम्—text, comm. and English translation by L. B. Sastri 1929. Baroda 1-4-0

- 2741 Sanskrit Drama in its origin development theory and
practise by A. B. Keith 1924. Euroje 15-12 0
- 2742 Sanskrit Drama and Dramatist (their chronology mind
and art) by K. P. Kulkari M. B. T. 2-8-0
- २७३ हनुमाननाटक—सटीक मुम्बई १॥)
- २७४ हमीरमदमर्दन—जयसिंह सूरि विरचित ,, २)

चम्पुग्रन्थ

- २७४५ आनन्द वृन्दावन चम्पु- ४)
- २७४६ उत्तरचम्पु—सुब्रह्मण्य कवि कृत १)
- २७४७ उत्तररामचरित्रचम्पु—वेंकटध्व विरचित मुम्बई १)
- २७४८ उदयसुन्दरीकथा—सोढल विरचित ,, २॥)
- २७४९ चम्पुभारत सटीक- अनंतभट्ट विरचित) स्थूलाक्षर दुष्प्राप्य ५)
- २७५० चम्पुभारत—रामचंद्र वृधेन्द्र कृत व्याख्या सहित मुम्बई २॥)
- २७५१ चम्पुभारत—नारायण सूरि विरचित टीका सहित ,, २)
- २७५२ चम्पुरामायण—किष्किन्धा कांड मदरास १-)
- २७५३ चम्पुरामायण—सटीक मुम्बई २)
- २७५४ चम्पुरामायण—जीवानंद कृत टीका सहित कलकत्ता १॥)
- २७५५ जीवन्धरचम्पु - हरिचन्द्र विरचित मदरास १॥)
- २७५६ द्रौपदीपरिणय—चक्रकवि विरचित मुम्बई ॥-)
- २७५७ नलचम्पु—टिप्पणी सहित यंत्रस्थ काशी
- २७५८ नलचम्पु—सटीक मुम्बई १॥=)
- २७५९ नीलकंठविजयचम्पु—सटीक मदरास २)
- २७६० नृसिंहचम्पु—केशवभट्ट कृत मुम्बई १)
- २७६१ पारिजातहरणचम्पु—श्रीकृष्ण विरचित ,, ॥=)
- २७६२ भागवतचम्पु— मुम्बई १॥)
- २७६३ भागीरथचम्पु— ,, १॥)
- २७६४ भार्गवचम्पु—रामकृष्ण सूरि विरचित ,, ॥)
- २७६५ मन्दारमन्दचम्पु—श्रीकृष्ण विरचित ,, १॥)
- २७६६ यशस्तिलकचम्पु—२ भागों में सटीक ,, ६॥)
- २७६७ रघुनाथविजयचम्पु— ,, ॥)
- २७६८ विश्वगुणदर्शचम्पु—पदार्थ चंद्रिका सटीक १॥)
- २७६९ श्रीविवासचम्पु—सटीक ,, १॥)
- २७७० हालालचम्पुप्रबंध—ज्ञानसुन्दर कृत १)

भाष्यग्रन्थ

२७७१	मुकुन्दानन्दभाष्य-काशिपति विरचित	मुम्बई ॥)
२७७२	रससदनभाष्य-युवराज कवि	" ॥)
२७७३	वसन्ततिलकभाष्य-वरदाचार्य विरचित	कलकत्ता ॥=)
२७७४	शृङ्गारतिलकभाष्य-रामभद्रविरचित	मुम्बई ॥=)
२७७५	शृङ्गारभूषणभाष्य-वामनभट्ट विरचित	" ॥=)
२७७६	शृङ्गारसर्वस्वभाष्य - नल्लकवि विरचित	" ॥=)

आख्यायिक (गद्यकाव्य) ग्रन्थ

२७७७	अञ्जना सुन्दरी चरित्र-शुभशीलगणि कृत	जामनगर ॥)
२७७८	अतिमुक्तमुनि चरित्र-	" ॥=)
२७७९	अन्निकापुत्रचरित्र-	" ॥)
२७८०	अवन्तिमुकुमालचरित —	" ॥)
2781	Asanka Sudschata Tangara und andere Dichtungen von Meyer.	Germany 3-0-0
२७८२	अंबडचरित्र-अमरसूरि कृत	जामनगर १॥)
२७८३	आर्द्रकुमारचरित्र-शुभशीलगणि कृत	जामनगर १)
२७८४	आवन्तीसुन्दरीकथा तथा आवन्तीसुन्दरीकथासार-दण्डि विरचित	मद्रास १॥)
2785	Indische Sage in Javanasche Gewoad by Kern.	5-0-0
२७८६	इलातिपुत्रचरित्र-शुभशीलगणि कृत	जामनगर ॥)
२७८७	इक्ष्वाकूकथा—	प्रयाग १-)
२७८८	इसबनीतिकथा दो भागों में Aesoph's Fables	मुम्बई ॥)
2789	Eastern Love—by E. P. Mathers—It contains English translation of the following love stories:— Kuttanimatam of Damodargupta+Samayamatrika of Kshemendra+Zenani Nameh of Fazil Bey+Ta'dib ul nisvan+Kissat al arais alsabiya of Amor Ben Amor+ Tales of Fez+Chandisataka+Amaru Satak+Mayura Shatak+Love stories and Gallant tales from the Chinese+Japanese songs of the Geishas and of comrade loves of the Samurai+90 short tales of love and women from the Arabic in 8 very beautiful vols. with coloured illustrations—Price of the 8 Vols.	Europe 120-0-0
2790	Katha Kosa or Treasury of Stories translated into	

- English by C. H. Tawney with appendix containing notes by E. Leumann. Europe 11-8-0
- २७६१ कथारत्नाकर-श्रीहेमविजयगणि कृत जामनगर १२)
- २७६२ कथासरितसागर-पं. जीवानंद कृत गद्यात्मक कलकत्ता ६)
- 2798 Kathasaritasagara or Ocean of the streams of stories translated into English by C. H. Tawney complete fine set. Very rare Calcutta 100-0-0
- २७६४ कपालकुण्डला-बङ्किमचन्द्रस्य सुप्रसिद्ध कथाया कलकत्ता १)
- २७६५ कलावतीचरित्र-शुभशीलगणि कृत जामनगर १)
- २७६६ कादम्बरी-बाण विरचित-भानुचंद्र सिद्धचंद्र कृत २ व्याख्या सहित संपूर्ण मुम्बई ६)
- २७६७ कादम्बरी-पं. हरिदास कृत टीका तथा वंगानुवाद सहित पूर्वार्द्ध कलकत्ता ५)
- २७६८ कादम्बरी-सटीक तथा अंग्रेजी टिप्पणी पूर्वार्द्ध मुम्बई ५)
- Kadambari (Purvabhaga) with Sanskrit comm. and English notes by M. R. Kale. Bombay 5-0-0
- 2799 English translation of the above by M. R. Kale. 4-8-0
- 2800 English translation of Kadambari Uttarabhag. 1-8-0
- 2801 Kadambari of Bana translated into English with occasional omission and accompanied by a full abstract of the continuation of the romance by the author's son Bhushana Bhatta by C. M. Ridding Europe. 11-8-0
- 2802 English trans. of selections from Kadambari Uttara. 0-8-0
- २८०३ कादम्बरी-(Brief story) कृष्णाचार्य कृत मदरास १=)
- 2803 Kadambarisara being an abridgement of Bana's Kadambari with copious explanatory notes, full glossary and an abstract of the tale by M. S. Apte Bombay 2-0-0
- २८०५ कादम्बरीसंग्रह-कृष्णाचार्य विरचित मदरास २)
- २८०६ कामघटकथा-गद्य- जामनगर ॥१)
- २८०७ गजसुकुमालचरित्र-शुभशीलगणि कृत ,, ॥३)
- २८०८ गद्यचिन्तामणि-वादीभसिंह विरचित दुष्प्राप्य मदरास २)
- २८०८(A) गद्यरत्नावली-डा. बनारसीदास जैन एम. ए., पी. एच. डी. व पं. जगदीश शास्त्रि व्याकरण तीर्थ द्वारा संपादित अत्यन्त उपयोगी है पुस्तक सटीक है गद्यकाव्य का इतिहास भी दिया है लाहौर २॥)
- २८०९ गान्धिविरचितम्-इदम्प्रथमतया संस्कृतेमोपनिबद्धम्-श्रीचारु-

- देव शास्त्रि एम. ए. एम. ओ. एल. बालबोधिनी टिप्पणी ११)
Life of Mahatama Gandhi in Sanskrit by Pt. Charu
Dev Sastri M. A., M. O. L. Lahore 1-4-0
- २८१० चन्दनशालाचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥१)
2811 Champaka, Pala and Gopala of Jinakirti and Batan-
chuda of Gyansagara in German by Hertel. 5-0-0
- २८१२ चेल्लणामहासतिचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥१)
२८१३ चौर्यासीप्रबन्ध—राजशेखरसूरि विरचित ,, ४)
2814 Tales of King Vikrama by Kincaid. 1-6-0
- २८१५ तिलकमञ्जरीसंग्रह—श्रीकृष्णसूरि संकलित मदरास ॥१)
२८१६ दशकुमारचरित्र—पदचन्द्रिकादि ३ व्याख्या मुम्बई १॥१)
२८१७ दशकुमारचरित्र—जीवानन्द कृत व्याख्या कलकत्ता २॥१)
२८१८ दशकुमारचरित्र—edited by Dr. G. Buhler 4-6-0
- २८१९ दशकुमारचरित्र—टिप्पणी टीका सहित काशी यंत्रस्थ
२८२० दशकुमारचरित्र—(abridged) मदरास १=)
- 2821 Dasakumaracharitra with Engl. trans. by Kale. 4-8 0
2822 The Ten Princes or the complete English translation
of Dasakumaracharitra by A. W. Reyder. America 7-0-0
2823 Hindoo Tales or the adventures of Ten Princes by
P. W. Jacob in English. Europe 15-0-0
2824 Dashkumaracharita 1st 3 ucchvas with English notes
and translation by C. Sankara Rama Sastri. 0-12-0
2825 Dashkumara translated into German by Meyer. 10-0-0
- २८२६ दशार्णभद्रचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥१)
२८२७ द्वात्रिंशत्पुत्तिलका—सटीक (सिंहासन बतीसी) कलकत्ता १॥=)
२८२८ द्रौपदीचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर १)
२८२९ धर्मदत्तकथा—गद्य- ,, ११)
२८३० धर्माकृतम्—व्यम्बकराय मखिना विरचित ३ भाग मदरास ६)
२८३१ नन्दिपण्णमुनिचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥१)
२८३२ नर्मदासुन्दरीचरित्र— ,, ,, १)
२८३३ नागदत्तचरित्र—शुभशीलगणि कृत ,, ॥=)
- 2834 Nasaketari Katha or an old Rajasthani Tale text edi-
ted with notes, grammar and glossary by Ch. Krause
in English. Germany 20-0-0
- २८३५ प्रदेशीनृपचरित्र—पं. हीरालाल कृत जामनगर ३॥१)

- २८३६ प्रबन्धचिन्तामणि-श्रीमेरुतुंगविरचित मूल संपूर्ण दृष्ट्या २५)
Prabandhachintamani of Merutung text complete 25-0-0
- 2837 Prabandhachintamani or wishing stone of narratives
composed by Merutungacharya translated into English
by C. H. Tawney. Calcutta 3-12-0
- २८३८ प्राकृतकथासंग्रह-प्राकृत साहित्य में से चुनी हुई अत्युत्तम
कथायें संगृहीत हैं-सं. मुनि श्रीजिनविजयजी अमदावाद ॥१)
- २८३९ प्रियदर्शिप्रशस्तयः-or Asoka's Inscriptions. All the ins-
criptions discovered original Pali Sanskrit and Eng-
lish trans. with English and Sanskrit Introduction and
notes by P. Ramavtar Sharma M A. 2-4 0
- 2840 Barhut Inscriptions edited and translated with critical
notes by Barua and Sinha. Calcutta 3-0-0
- २८४१ ब्राह्मीसुन्दरी चरित्र-शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥२)
- २८४२ भद्रबाहुस्वामिचरित्र-शुभशीलगणि कृत " ॥)
- २८४३ भारतीयप्राचीनलिपिमाला-गौरीशंकर हीराचंदजी विरचित ३०)
Paleography of India compiled by R. B. Gaurishankar
Hirachand Ojha. 30-0-0
- २८४४ भासकथासार-महालिंगशास्त्रि विरचित २ भागों में १)
Bhasakathasara or an abridged narrations of the stories
of 13 plays of Bhasa in 2 parts. Madras 1-0-0
- २८४५ भोजप्रबन्ध-वल्लाल सेन विरचित मूल मुम्बई ॥)
- २८४६ भोजप्रबन्ध-पं. जीवानंद कृत टीका सहित कलकत्ता १॥)
- २८४७ भोजप्रबन्ध-पं. जीवनराम कृत संस्कृत व्याख्या सहित ॥१)
- २८४८ मदनरेखाचरित्र-शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥१)
- २८४९ महाराणाप्रतापसिंहचरितम्-श्रीपाद शास्त्रि विरचित १॥)
- २८५० मुनिपतिचरित्र-गद्य जामनगर २॥)
- २८५१ मेघकुमारचरित्र-शुभशीलगणि कृत " ॥२)
- २८५२ मेतार्य मुनिचरित्र- " ॥)
- 2853 Moral Stories by Jagadisha Ayyar. 0-5-0
- २८५४ युगलांगुलीयम्-आख्यायिका ॥२)
- २८५५ राजतरङ्गिणी-श्रीकल्हण विरचित अत्युत्तम सटिप्पण २५)
Kalhana's Rajatarangani or chronicle of the kings of
of Kashmir text ed. with valuable notes by Dr. Stein.
Very rare copy. 25-0-0

- २८५६ राजतरङ्गिणी—अर्थात् काश्मीर देशीय राजकीय इतिहास:—
 प्रथमतः कल्हण विरचित राजतरङ्गिणी—द्वितीयतः जौनराज
 कृतया राजतरङ्गिणी । तृतीयतः श्रीवर कृत राजतरङ्गिणी ।
 चतुर्थतः प्राज्यभट्ट कृत राजतरङ्गिणी—सोसाइटी के छापे
 की दुष्प्राप्य ८३५ कलकत्ता ६०)
 Rajatarangani or The History of Kashmir consisting
 of 4 separate compilations of Kalhana, Jonaraja, Sri-
 vara Pandit and Prajyabhatta Very rare 1835. 60-0-0
- २८५७ राजतरङ्गिणी—कल्हण विरचित संपूर्ण दुष्प्राप्य मुम्बई ३०)
 Rajatarangani of Kalhana, Jonaraja, Srivara and Pra-
 jyabhatta edited by Pt Durgarasad Rare 30-0-0
- 2858 Critical notes on Kalhana's 8th. taranga by Hultzsch 1-8-0
- २८५९ राजीमतिचरित्र शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥)
- २८६० रामकथा—वासुदेव प्रणीता मदरास ॥)
- २८६१ रूपसेनचरित्र—गद्यकाव्य जामनगर १॥)
- 2862 Legend of Kunjara Karna with Dutch trans by Kern. 4. 0-0
- २८६३ लेखपद्धति—or a collection of models of state and pri-
 vate documents dating 8-15th. centuries. 2-0-0
- २८६४ वररुचि—कृष्णाचार्य कृत मदरास १-)
- २८६५ वल्लालचरित्र—श्रीसदानन्दभट्ट कृत कलकत्ता १॥)
- २८६६ वासवदत्ता—सुबन्धु विरचित—कृष्णाचार्य कृत व्याख्या ३॥)
- 2867 Vasavdatta or a sanskrit romance by Subandhu trans-
 lated into English with an introduction and notes by
 L. H. Gray Ph. D., America 11-6-0
- २८६८ विक्रमार्कचरित्र— मदरास १=)
- 2869 Vikrama's adventures or, the Thirty two tales of the
 throne text and English translation by Edgerton 36-9-0
- २८७० विद्वच्चरितपंचकम्—नारायण शास्त्रिखिष्टे विरचित काशी २)
- २८७१ वेतालपञ्चविंशति—पं. जीवानंद कृत कलकत्ता २)
- 2872 Vetalpanchvinsatika—Recension of Sivadasa (1544
 samvat) text with extracts from the commentary edi-
 ted with notes etc. by H. Uhle. Germany 8-0-0
- 2873 Die Vetalpanchavinsatika des Sivadasa nach einer
 handschrift 1487 von H. Uhle. Germany 4-0 0
- २८७३ वेमभूपालचरित्र—वामनभट्ट बाण विरचित मदरास २)

- २८७५ व्याख्यानमाला-स्वा. अच्युतानंद कृत लाहौर ॥)
- २८७६ शङ्करादिविजय-धनपति सूरि कृत डिरिडमाख्या व्याख्या ६)
- २८७७ शङ्करादिविजयसार-सटीक दुंदुभिटीका सहित मुम्बई ४)
- २८७८ शङ्करविजय — शङ्कराचार्यस्य जीवनवृत्तान्तम्) कलकत्ता १॥)
- २८७९ शंकरविजय-आनन्दगिरि विरचित पृष्ठ १७ से अन्त तक ४)
- २८८० शिवराजविजय—अम्बिकादत्त कृत काशी २)
- २८८१ शुकसप्तति-The Marathi recension of Sukasaptati original text in Nagari critically edited by Schmidt 7-8 0
- 2882 Der Textus Ornator der Sukasaptati von Schmidt 4-0-0
- 2883 „ Do Texts Simplicior „ 5-0-0
- 2884 The Enchanted Parrot or an English translation Shukasaptati by H. Wortham. Europe 3-8-0
- २८८५ श्रीपालचरित्र—जयकीर्तिसूरि कृत जामनगर २)
- २८८६ श्रीयकमुनिचरित्र—शुभशीलगणि कृत „ ॥)
- २८८७ श्रीशान्तीनाथचरित्र—भावचंद्रसूरि कृत „ १०)
- २८८८ सत्यभामाचरित्र-शुभशीलगणि कृत „ ॥)
- २८८९ समरादित्यचरित्र-मतिवर्धन विरचित २ भागों में , १५)
- 2890 Selections from Sanskrit inscriptions text with notes etc by D. B. Diskalkar in 2 parts. Best selection 4-0-0
- २८९१ सुदर्शनश्रेष्ठी चरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥)
- २८९२ सुभद्राचरित्र—शुभशीलगणि कृत „ ॥)
- २८९३ संसारचक्र—आख्यायिका २ भागों में काशी १॥)
- 2894 Sanskrit Gadyavali edited by P. V. Kane. 1-12-0
- २८९५ संस्कृतसाहित्यसंमेलनस्य-प्रथमवार्षिकी निबंधावली १)
- २८९६ सिंहासनद्वारिशिका—जेमंकर मुनि कृत जामनगर २॥)
- २८९७ हर्षचरित्र-संकेत व्याख्या सहित मुम्बई २)
- २८९८ हर्षचरित्र-जीवानंद कृत विस्तृत व्याख्या सहित कलकत्ता ५)
- २८९९ हर्षचरित्र-edited by A. Fuhrer. मुम्बई २)
- २९०० हर्षचरितम्—(Brief story) कृष्णाचार्य कृत मदरास १=)
- 2901 Harashacharitra with English notes by Kane. 7-0-0
- 2902 Harsha Charitra or historical work of Bana Bhatta translated into English by E. B. Cowell Europe. 12-0-0
- २९०३ हर्षचरितसंग्रह—कृष्णाचार्य विरचित मदरास १)
- २९०४ हर्षचरित्रसार-or an abridgement of Bana's Harshacharita edited with an original Sanskrit comm. intro.,

- by Prof. V. V. Mirashi with a map. 2-0-0
 2905 Hindu Tales or an English translation of Jacobi's Aus-
 gawahite in Maharashtra by J J. Meyer 1909. 10-0-0
 2906 Histoire Romanesque D Udayana roi de Vatsa by F.
 Lacote. 4-0-0
 २६०७ त्रिभुवनसिंहकुमार चरित्र — जामनगर १॥

अलङ्कार ग्रन्थ

- २६०८ अभिधावृत्तिमातृका — तथा शब्द व्यापार विचार मुम्बई १=)
 २६०९ अलङ्कारकौमुदी वल्लभ भट्ट कृत मुम्बई २=)
 २६१० अलङ्कार कौस्तुभ—ed. by Bhattacharya Vol. I. 3-8-0
 २६११ अलङ्कार कौस्तुभ-विश्वेश्वर विरचित-स्वोपज्ञ व्याख्या ३)
 २६१२ अलङ्कारचंद्रिका—संस्कृत टीका सहित १=)
 २६१३ अलङ्कारप्रदीप—विश्वेश्वर रचित काशी ॥)
 २६१४ अलङ्कारमणिहार—श्रीकृष्ण ब्रह्मतन्त्र परकाल संयमीन्द्रैः
 प्रणीतः ४ भागों में मैसूर १४)
 २६१५ अलङ्कारमुक्तावली—विश्वेश्वर निर्मित काशी ॥)
 २६१६ अलङ्कारशास्त्र-वागभट्ट प्रणीत ॥)
 २६१७ अलङ्कारशेखर-केशव मिश्र प्रणीत मुम्बई ॥)
 २६१८ अलङ्कारशेखर— " " भूमिका सहित काशी ॥)
 २६१९ अलङ्कार सर्वस्व—सटिप्पण " १॥)
 २६२० अलङ्कार सूत्र—(राजानक श्रीरुच्यक प्रणीत) श्रीमंखुख प्रणीत
 अलङ्कार सर्वस्व तथा समुद्रबन्ध कृत वृत्ति सहित २॥=)
 2921 Indischen Poetik by H. Jacobi, Germany 1-0-0
 २६२२ कर्णभूषण—गङ्गानंद विरचित मुम्बई ॥=)
 २६२३ कविकल्पलता-देवेश्वर कृत-२ भागा मुद्रिता अपूर्ण १॥)
 २६२४ कविरहस्य-हलायुद्ध विरचित मुम्बई ॥)
 २६२५ कविरहस्य-हलायुद्ध विरचित अत्युत्तम् यूरुप १०)
 Kavirahasya of Halayuddha ed. by Heller Rare 10-0-0
 2926 Kalidasa et l' art Poétique de l' Inde (Alankara Sastra)
 par Dr. Hari Chand Sastri 1917. France 15 0-0
 २६२७ काव्यकल्पलतावृत्ति—अमरचंदयति विरचिता अरिसिंह कृत
 मूत्रसहिता काशी १॥)
 २६२८ काव्यडकिनी-मैथिलगंगानंद विरचित " ॥=)॥
 २६२९ काव्यदर्पण—राजाचूडामणि दीक्षित कृत १म भाग मद्रास २॥)
 २६३० काव्यदीपिका जीवानंद कृत व्याख्या सहित कलकत्ता १=)

- २६३१ काव्यप्रकाश-जीवानंद कृत टीका सहित कलकत्ता ४)
 २६३२ काव्यप्रकाश—नागेश्वरी टीका सहित काशी ४)
 २६३३ काव्यप्रकाश—भीमसेन विरचित सुधासागर व्याख्या ,, ५)
 २६३४ काव्यप्रकाश—माणिक्यचंद्र कृत संकेत टीका मैसूर ४)
 २६३५ काव्यप्रकाश— ” ” पूना ३।)
 २६३६ काव्यप्रकाश—प्रदीपोद्योत २ व्याख्या सहित ,, ३।)
 २६३७ काव्यप्रकाश—सम्प्रदायप्रकाशिनी व साहित्यचूडामणि दो
 व्याख्याओं सहित दो भागों में द्रौवेंडूम ८॥)
 २६३८ काव्यप्रकाश—पं. शिवदत्त कृत सुवर्णमाख्य व्याख्या यंत्रस्थ
 2939 Kavyaparakasha translated into English Dr. Ganga-
 natha Jha. Allahabad 5-0-0
 २६४० काव्यप्रदीप—वैद्यनाथ रचित टीका सहित मुम्बई २)
 २६४१ काव्यमीमांसा—राजशेखर कृत द्वितीयावृत्ति ,, २।)
 २६४२ काव्यमीमांसा—१-५ अध्याय तक सटीक काशी ॥)
 २६४३ काव्याविलास—चिरञ्जीव भट्टाचार्य विरचित ,, १=)
 २६४४ काव्यादर्श—(दण्डि विरचित) जीवानंद कृत टीका कलकत्ता २॥)
 २६४५ काव्यादर्श—अंग्रेजी अनुवाद सहित पूना ३)
 Kavyadarsha with English translation by Belvalkar 3-0-0.
 २६४६ काव्यादर्श—जर्मन अनुवाद सहित जर्मनी १२)
 Kavyadarsha with German trans. by Bohtlingk 12-0-0
 २६४७ काव्यानुशासन—वाग्भट्ट विरचित सटीक मुम्बई ॥=)
 २६४८ काव्यालङ्कार—रुद्रटकृत नमिसाधु कृत टीका ,, १॥)
 २६४९ काव्यालङ्कार—भामह विरचित काशी १॥)
 2950 Kavyalankara of Bhamaha edited with English trans-
 lation and notes by T. V. Naganatha Shastri. 3-0-0
 २६५१ काव्यालङ्कारसारसंग्रह—उद्भट विरचित पूना २॥)
 Kavyalankarasangrah of Udbhat edited with intro.
 notes etc. by Banhatti. Poona 2-8-0
 २६५२ काव्यालङ्कारसारसंग्रह—उद्भट विरचित सव्याख्या बड़ौदा २)
 Kavyalankarasarsangrah of Udbhata with the commen-
 tary probably the same as Udbhata Viveka of Rajanaka
 Tilak (11th. century A. D.) Baroda 2-0-0
 २६५३ काव्यालङ्कारसंग्रह—उद्भटप्रणीत-तथाप्रतिहारेंदुराज विर-
 चित काव्यालङ्कार सार लघुवृत्ति सहित ॥=)
 २६५४ काव्यालङ्कारसूत्र—वामन विरचित मुम्बई ॥॥)

- २१५५ काव्यालङ्कारसूत्र-कामधेनुवृत्ति सहित कलकत्ता १॥)
- २१५६ काव्यालङ्कारसूत्र- , , , , बड़िया मदरास २॥)
- २१५७ काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति—वामन विरचित यूरुप ८)
Vamana's Leherbuch der Poetik original text and
comm. ed. by Cappeller. Germany 8-0-0
- २१५८ काव्यालङ्कारसूत्राणि—कामधेनुव्याख्या सहित काशी १॥)
- २१५९ काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति—with extracts from the comm.
Kamdhenu edited by Kulkarni. Poona 1-8-0
- 2960 English translation of Kavyalankarasutravritti by
Dr. Jha. Poona 1-8-0
- २१६१ कुवलयानन्द-चन्द्रालोक व्याख्या सहित मुम्बई १)
- २१६२ कुवलयानन्द-चन्द्रालोक वैद्यनाथ कृत अलङ्कार चंद्रिका १॥१)
- २१६३ कुवलयानन्द-अप्पयदीक्षित विरचित-रसिकरंजनी व्याख्या ५)
- २१६४ कुवलयानन्द कारिका-आशाधर भट्ट कृत सटीक मुम्बई ॥१)
- 2965 Appayyadikshita's Kuvalyanandakarika with Asha-
dhara's comm. translated into German by Schmidt 7-0-0
- २१६६ चंद्रालोक—जयदेव कवि विरचित मूल कलकत्ता १-)
- २१६७ चंद्रालोक—वैद्यनाथ पायगुण्ड कृत रमाव्याख्या सहित ॥=)
- २१६८ चंद्रालोक—शरदागमटीका सहित काशी ॥=)
- २१६९ चित्रमीमांसा-श्री अप्पयदीक्षित कृत टीका मुम्बई १)
- २१७० त्रिवेणिका-आशाधर भट्ट विरचित काशी ॥=)
- २१७१ दशरूपक—धनिक कृत अवलोक सहित मुम्बई ॥=)
- २१७२ दशरूपक-प्रभाव्याख्या सहित मुम्बई १)
- २१७३ दशरूपक-सटीक कलकत्ता १॥)
- 2974 Dasharupa—a treatise on Hindu Dramaturgy by Dha-
nanjaya now first translated into English with the
text, intro, and notes by Haas America 20-0-0
- २१७५ ध्वन्यालोक-आनंदवर्धनाचार्य कृत सटीक मुम्बई २)
- २१७६ , , लोचन व्याख्या सहित यंत्रस्थ—
- २१७७ नञ्जराजयशोभूषणम्-अभिनव कालीदास विरचित बड़ोदा ५)
Nanjaraajayashobhushana of Abhinava Kalidasa criti-
cally edited with introduction and index by E. Krish-
namacharya. Baroda 5-0-0
- २१७८ नाट्यदर्पण-रामचंद्र सुरि विरचित सटीक बड़ोदा ४॥)
Natyadarpana of Ramachandra Suri with his own

- commentary on dramaturgy. Baroda 4-8-0
- २६७६ नाट्यशास्त्र-भरतमुनि प्रणीतम्-संपूर्ण मूल काशी ५)
- २६८० नाट्यशास्त्र-भरतमुनि कृत-अभिनव गुप्त कृत व्याख्या सहित चार भागों में समाप्त होगा-प्रथम भाग छपकर तैयार है बाकी छपते हैं-प्रथम भाग का मूल्य बड़ोदा ६)
- Natya Sastra of Bharata with the commentary of Abhinava Gupta with illustrations Vol. I Baroda 6-0-0
- 2981 Nriptunga and the authorship of the Kavirajmarag by K. B. Pathak. 3-0-0
- २६८२ प्रतापरुद्रीय-विद्यानाथ विरचित रत्नापणाख्यया सहित २)
- २६८३ प्रतापरुद्रीय-रत्नापण व्याख्या सहित edited with notes by K. P. Trivedi B. A. Bombay 11-0-0
- 2984 Fleurs de Rhetorique dans l' Inde par H. R. Divekar 1980, Paris.
- 2985 Beitrage zur alteren Geschichte des Alankarasastra by J. Nobel. Germany 3-8-0
- २६८६ बृहच्छार्ङ्गधरपद्धति-शार्ङ्गधर प्रणीत लिथो की छपी ३॥)
- २६८७ भावप्रकाश—शरदातनय विरचित बड़ोदा ७)
- Bhavaprakasha of Sardatanaya—a comprehensive work on dramaturgy and Rasa, belonging to 1175-1250. 7-C-0
- २६८८ रसगंगाधर—नागेश भट्ट कृत टीका सटिप्पण काशी ३)
- २६८९ रसगंगाधर—नागेशभट्ट कृत टीका " मुम्बई ३॥)
- २६९० रसचंद्रिका—विश्वेश्वरपाण्डेय निर्मित काशी १)
- २६९१ रसतरंगिणी—टिप्पणी समेता मुम्बई ॥=)
- २६९२ रसप्रदीप—प्रभाकर भट्ट विरचित काशी १=)
- २६९३ रसमीमांसा—खुलापत्रा " १)
- २६९४ रसमंजरी—व्यङ्ग्यार्थ कौमुदी तथा प्रकाश सहित " ३)
- २६९५ रसमंजरी—केवल व्यङ्ग्यार्थ कौमुदी सहित मुम्बई १॥)
- २६९६ रसमंजरी—सुरभि व्याख्या सहित काशी १॥)
- २६९७ रसांशुसुधाकर—सिंहभूपाल विरचित टीवेंड्रम् ३॥=)
- 2998 Le Rasa—essai sur l' esthetique Indienne by S. C. Mukerji. Paris 3-0-0
- २६९९ वक्रोकिजीवित—राजानक कुन्तल विरचित द्वितीयवृत्ति edited with notes and introduction by Dr. S. K. De. New revised and enlarged edition. 3-8-0

- ३००० वज्जालगं—संस्कृत छाया सहित कलकत्ता १॥)
Vajjalaggam or a Prakrit Poetical work on Rhetoric
with Sanskrit versions ed. by Laber. 1-8-0
- ३००१ वागभट्टालंकार—सटीक मुम्बई ॥)
३००२ वागभट्टालंकार—व्याख्या सहित लाहौर १)
३००३ विरुदावली—विबुधराजिरजिनी विवृत्ति विभूषिता काशी १)
३००४ वृत्तलंकार— " ॥)
३००५ वृत्तिवार्त्तिक—अप्यदीक्षित विरचित मुम्बई ३)
३००६ व्यक्तिविवेक—महिमभट्ट कृत सटीक यंत्रस्थ काशी
३००७ शृङ्गारप्रकाश—भोजदेव विरचित २२ २३, २४, प्रकाशः ३॥)
3008 Some Aspects of Literary criticism in Sanskrit or the
theories of Rasa and Dhvani by A. Sankaran. 2-4-0
- ३००९ सरस्वती कंठाभरण—भोज कृत कलकत्ता ५)
३०१० साहित्यदर्पण—पं. शिवदत्त कृत रुचिरा व्याख्या मुम्बई ७)
३०११ साहित्यदर्पण—रामचरण तर्क वागीश कृत टीका " ४)
३०१२ साहित्यदर्पण—जीवानंद कृत टीका दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
३०१३ साहित्यदर्पण—हरिदास कृत व्याख्या सहित कलकत्ता ३॥)
3014 Sahityadarpana text of chapters 1-X with notes on
chapters, I, II, X and with the history of Sanskrit
Poetics by P. V. Kane. Bombay 6-8-0
- 3015 Sahityadarpana (I, II, X parichhedas) edited with notes
by Kane. Bombay 4-8-0
- ३०१६ साहित्यसार—श्रीमच्युतराय प्रणीत मुम्बई २॥)
3017 Sahityasarasangrah or a treatise on Indian Poetry 0-8-0
- ३०१८ साहित्योद्देश—सचित्र सपरिशिष्ट मुम्बई २॥)
3019 History of Sanskrit Poetics or Alankara literature by
P. V. Kane. Bombay 3-8-0
- 3020 History of Sanskrit Poetics by Dr. S. K. De. Vol. II
only is available. It gives for the first time a clear
and the exhaustive-exposition of Sanskrit Poetics in
all branches explaining the development of the system
and settling the chronology of most writers on Alan-
karasastra. Calcutta 8-0-0

कोशग्रन्थ

- ३०२१ अख्यातचंद्रिका—(क्रियाकोश) श्रीभट्टमल्ल विरचित काशी १॥)

- ३०२१ अनेकार्थसंग्रह—श्रीहेमचंद्रसूरि प्रणीत तथा श्रीमहेंद्रसूरि
विरचित टीकासार सहित दुष्प्राप्य वाचना १२)
Anekarthasangraha of Sri Hemachandracharya together
with extracts from the commentary of Sri Mahendra
Suri edited with various readings by Th. Zacharie
Very rare 1893. 12-0-0
- ३०२३ अनेकार्थसंग्रह—श्रीहेमचंद्रसूरि प्रणीत मूल काशी २)
- ३०२४ अभिधानचिन्तामणि—श्रीहेमचन्द्राचार्य प्रणीत स्वोपज्ञ टीका
विवरण तथा आकारादिकमेण अनुक्रमणिका दो भाग १०)
Abhidhanachintamani of Hemachandracharya A Le-
xicon of synonyms text comm, and alphabetical index
of all words in 2 Vols 10-0-0
- ३०२५ अभिधानचिन्तामणि-हैमकोशःरत्नप्रभाव्याख्या सहित-शेषनाम-
माला, शिलोच्छ्रृं एकाक्षरनाममाला सहित बड़ेदा २)
- ३०२६ अभिधानपदीपिका—पाली-शब्दकोश-संपादकमुनिजिन-
विजयजी अमदावाद ५)
Abhidhanappadipika—Pali Dictionary compiled by
Muni Jina Vijay ji Very useful for Pali Students 5-0-0
- ३०२७ अभिधानरत्नमाला—हलायुध विरचित अंग्रेजी कोश १०)
Halayudha's Abhidhanaratnamala, or a Sanskrit
Vocabulary text edited with a Sanskrit glossary by Th
Aufrecht cloth bound. Lahore 10-0-0
- ३०२८ अभिधानराजेन्द्रकोश-मागधी (प्राकृत) संस्कृत कोश-श्रीम-
द्विजयराजेन्द्रसूरिजी कृत संपूर्ण सात बड़ी जिल्दों में-इसमें
संपूर्ण जैन साहित्य का समावेश है-बहुत उत्कृष्ट ग्रन्थ है-
लगभग १०००० बड़े पृष्ठों में समाप्त-हरएक लाइब्रेरी में
रखने योग्य रतलाम २५०)
Shri Abhidhana Rajendra Kosha or the Grand Jaina
Encyclopaedia compiled by H. H. Jainacharya Sri
Vijaya Rajendra Suri—The only standard and reliable
Magadhi (Prakrit-Sanskrit) Encyclopaedia. Complete
in 7 big vols. containing about 10000 Royal Quarto
Pages. Very useful for Scholars as it comprises whole
of the Jaina literature. It ought to be in each and
every Oriental Library. Ratlam 250/- net.

- ३०२६ अमरकोश-अमरसिंह विरचित सटिप्पण गुटका मुम्बई ॥=)
- ३०३० अमरकोश-मूल शब्दकोश सहित .. ॥=)
- ३०३१ अमरकोश-सटीक महेश्वरीटीका मुम्बई १)
- ३०३२ अमरकोश-दीरस्वामि कृत व्याख्या सहित पूना ३॥)
- ३०३३ अमरकोश-भानुजीदीक्षित कृत व्याख्या सुधा (रामाश्रामी)४॥)
- ३०३४ अमरकोश-नामचंद्रिका व्याख्या तथा सटीक त्रिकांडशेष, हारावली, द्विरूपकोशद्वयं तथा एकाक्षरी कोश सहित मुम्बई०)
- ३०३५ अमरसार—an abridgement of Amarakosa being a Sanskrit English and English Sanskrit Dictionary by M. S. Gole M. A. Bombay 0-12-0
- 3036 Etymologisches Worterbuch der Sanskrit Sprache by E. Leumann Germany 3-0-0
- 3037 English Sanskrit Dictionary by Monier Williams M. A., very rare copy. Very useful for scholars 1851. Europe 100-0-0
- 3038 English Tibetan Dictionary by L. D. Kazi. 15-0-0
- 3039 Indischen Worterbucher (Kosa) von Zachariae. 3-8-0
- 3040 Concise Dictionary of Eastern Religions by M. Winternitz (Or Index vol. to S B. E. S.). 15-12-0
- 3041 Concise Sanskrit English Dictionary by Bhide. 4-8 0
- 3042 Crown Sanskrit English Dictionary by V. G. Aptel-12-0
- 3043 Critical Pali Dictionary by Trenckner revised by D. Anderson Vol. I in 2 parts. 15-0-0
- 3044 Classical Dictionary of Hindu Mythology and Religion, Geography, History and Literature in English by J. Dowson. Europe 9-3-0
- ३०४५ कल्पद्रुकोश-केशव विरचित बडोदा १०)
- Kalpadrakosha—standard work on Sanskrit Lexicography by Keshava ed. by M. M. Pandit Ramavtar Sarma. Baroda 10-0-0
- 3046 Dictionary of the Kashmiri Language compiled by Sir G. A. Grierson 2 fasc. published only. 60-0-0
- 3047 Dictionary Tibetan-Sanskrit (Che-Rin-Dhan-Rgyal) reproduction Phototype par J. Bacot 1930. Paris 40-0-0
- 3048 Dictionary of the Pali Language by R. C. Childers very useful. London 63-0-0
- ३०४९ देशनाममाला-आचार्य श्रीहेमचंद्र विरचित कलकत्ता ६)

- Deshinamamala of Hemachandra ed. by Banerji 6-0-0
- ३०५० धनञ्जयनाममाला-सार्थ अनेकार्थ नाममाला मुम्बई ॥)
- ३०५१ नानार्थणार्थ संक्षेपकोश-केशवखा. विरचित सटीक १०)
- ३०५२ नामलिङ्गानुशासन—(अमरसिंह विरचित सर्वदानंद कृत सवर्ख व्याख्या सहित ४ भागों में संपूर्ण मदरास ॥)
- ३०५३ पद्म-सद्म-महाराष्ट्र (प्राकृत-हिन्दी, संस्कृत कोश) शेठ हरगो-विन्ददास प्रणीत—अनेक उदाहरणों समेत—अत्युपयोगी ४०)
- Pai-Sadda-Mahannavo or a comprehensive Prakrit-Hindi Dictionary with Sanskrit equivalents, quotations and references by Sheth Hargovind Dass complete Very useful for research scholars 40-0-0
- 3054 Practical Sanskrit English Dictionary by A. Macdonnell. New edition 1924. Europe 22-8-0
- 3055 Practical Sanskrit English Dictionary by V. S. Apte M. A., New edition. Bombay 15-0-0
- ३०५६ पादचलच्छिनाममाला—महाकवि धनपाल विरचित १॥)
- 3057 Parasiprakasha des Kumaradasa text ed. by Weber in 2 parts. Germany 15-0-0
- 3058 Beitrage zur Indischen Lexicographie by Zahariae 5-0-0
- ३०५९ महाव्युत्पत्ति—नामकोश संपूर्ण दुष्प्राप्य राशिया २५)
- Mahavyutapatti complete text in Devanagari ch. with index etc. Russia 25-0-0
- 3060 Mahavyutapatti edited by Sakaki-Sanskrit—Tibetan Dictionary in 2 vols. 20-0-0
- ३०६१ मेदनीकोश—मेदनीकर प्रणीत कलकत्ता १) काशी १॥)
- ३०६२ मेदनीकोश—critically edited by Somanatha Sharma Very rare 1869. 5-0-0
- ३०६३ मंखकोश—संपूर्ण वायना ८॥)
- Mankhakosha text in original Sanskrit edited with extracts from the commentary and three indexes in English by Zachariae Very rare. 8-8-0
- 3064 Epilegomena zu der ausgabe des Mankhakosa von Zachariae 1899. Germany 4-0-0
- 3065 Radices Linguae Sanscrita ad decreta grammaticorum definitiv atque copia exemplorum equist illust. by N. L. Westergaard 1841 Very rare. 30-0-0
- ३०६६ वाचस्पत्यम्—(श्रीतारानाथ तर्क वाचस्पति रचित बृहदभि-

- धानम्) संपूर्ण ६ जिलदों में दुष्प्राप्य कलकत्ता नेट ३१५)
Vachaspathyam Brihadabhidhanam of Taranath Tarka-
vachaspati complete in 6 big vols. Very rare net 315-0-0
- ३०६७ विश्वप्रकाशकोश—श्रीमहेश्वरसूरि प्रणीत काशी ३)
३०६८ वैजयन्तीकोश—यादवप्रकाश कृत दुष्प्राप्य मदरास १०)
Vaijyanti Kosa or Yadavaprakasha original text edi-
ted with a complete Sanskrit English vocabulary by
G. Oppert Very rare. Madras 10-0-0
- 3069 Vergleichendes Worterbuch der Indogermanischen
sprachen by A. Fick 1870 Big edition. 20-0-0
- 3070 Worterbuch der Indogermanischen Grundsprache by
A. Fick, 1868. Germany 10-0-0
- 3071 Shabdasagara or a comprehensive Sanskrit English
Lexicon by Pt. Jibananda Vidyasagara. 10-0-0
- ३०७२ शाश्वतकोश—अनेकार्थ समुच्चय—edited by Kulakari. 2-0-0
- ३०७३ शाश्वतकोश—अनेकार्थसमुच्चय—text ed. by Zachariae 7-8-0
- 3074 Sino Indica Vol. II Deux Lexiques Sanskrit-Chinois
Part I by Prabodhechandra Bagchi. It is a critical edi-
tion of 2 ancient Sanskrit-Chinese lexicons of 6th. and
7th. centuries. 15-0-0
- 3075 Student's English Sanskrit Dictionary. 1-4-0
- 3076 Student's English Sanskrit Dictionary by Apte. 6-0-0
- 3077 Student's Sanskrit English Dictionary. 1-4-0
- 3078 Student's Sanskrit English Dictionary by V. S. Apte
M. A. 1922. 10-0-0
- 3079 Sanskrit English Dictionary by Pt. Ganesh Datt. 1-0-0
- 3080 Sanskrit English Dictionary by Pt. Ram Jasan. 5-0-0
- 3081 Sanskrit English Dicsionary based upon the St. Peters-
burg Lexicons by C. Cappeller very useful. 23-0-0
- 3082 Sanskrit English Dictionary—Etymologically and Phi-
lologically arranged by Sir Monier Williams. 55-2-0
- 3083 Sanskrit English Dictionary arranged by Wilson 25-0-0
- 3084 Sanskrit Worterbuch or the famous 'St. Petersburg
Lexicon' compiled by Otto Bohtlingk and R. Roth.
The biggest Sanskrit Dictionary complete set in 7
big vols. Very rare set 1856-75. Russia 700-0-0
- 3085 Sanskrit Worterbuch by Otto Bohtlingk cheap reprint

of the smaller edition complete Bound in 3 Vols. with gold letters. Germany 150-0-0

- 3086 Nachtrage zum Sanskrit Worterbuch by Otto Bohtlingk's by R. Schmidt. This is supplement to the Bohtlingk Sanskrit Worterbuch in kurzer fassung in 8 parts 60-0-0
- 3087 Handy English Sanskrit Dictionary by V. G. Apte. 3-0-0
- ३०८८ त्रिकाण्डशेष-पुरुषोत्तमदेव विरचित सटीक मुम्बई ३)

शिल्पशास्त्र ग्रन्थ

- 3089 A Dictionary of Hindu Architecture by Acharya 20-0-0
- 3090 Indian Architecture according to Manasars Silpasastra by P. K. Acharya. 10-0-0
- ३०९१ काश्यपशिल्प - महेश्वरोपदिष्टम्-सचित्र पूना ३-)
- ३०९२ प्रतिमा-मान-लक्षणम्-शिल्प विषय का अद्भुत ग्रन्थ ४)
- Pratima-mana-lakshnam-critically edited with an introduction, Sanskrit and Tibetan Texts and English translation by Prof. Phanindra Nath Bose M. A. 4-0-0
- 3093 Principles of Indian Silpa Sastra with the text of Maya Sastra by Prof. Phanindra Nath Bose M. A. of Visvabharati with a foreword by Dr. James H. Cousins 1926 cloth bound with gold letters. 3-8-0
- ३०९४ मनुष्यालयचंद्रिका—दुष्प्राप्य द्रिवेंड्रम् २)
- ३०९५ शिल्परत्नम्—श्रीकुमार विरचितम् २ भागों में ,, ६॥)
- ३०९६ शिल्पशास्त्र-प्रथमबार छपा है आंगल अनुवाद सहित २॥)
- Silpa Sastra text critically edited with an English trans. by Phanindra Nath Bose M. A. 2-8-0
- ३०९७ समराङ्गणम्—राजा भोज विरचित शिल्पशास्त्र का सबसे बढ़िया ग्रन्थ कई मशीनों का वर्णन है २ भागों में संपूर्ण १०)
- The work treats in detail of the selection of sites of the planning of towns and villages, the building of houses, halls and places stables for elephants and horses and the construction of various machines etc. 10-0-0

मन्त्र शास्त्र ग्रन्थ

- ३०९८ अनुष्ठानप्रकाश-पं. चतुर्थीलाल कृत खुला मुम्बई ६)
- ३०९९ आगम प्रामाण्यम्—यामुनाचार्य प्रणीत काशी ॥॥)
- ३१०० आर्यमञ्जुश्रीमूल कल्प—३ भागों में द्रिवेंड्रम् ८॥)

- ३१०१ इन्द्रजालविद्यासंग्रह इन्द्रजालविद्या, कामरत्न दत्तात्रेयसंहिता
षट्कर्मदीपिका सिद्धनागार्जुन कक्षपुट कलकत्ता ३)
- ३१०२ ईशानशिवगुरुदेवपद्धति-(ईशान शिवगुरु प्रणीत) ४ भाग १३॥)
- ३१०३ उच्छिष्टगुणपति-पञ्चांग मुम्बई १)
- 3104 Origin and Cult of Tara by Hirananda Sastri. 2-4-0
- ३१०५ कर्पूरादिस्तोत्र—सटीक edited by A. Avalon. कलकत्ता ४)
- ३१०६ कालविलासतंत्र—edited by A. Avalon. " २॥)
- ३१०७ कार्तवीर्यार्जुनोपासनाध्याय— मुम्बई २)
- ३१०८ कामकलाविलास-सटीक मदरास १॥)
- 3109 Kamakalavilasa with commentary and Eng. trans. 4-0-0
- ३११० कालीतंत्र-सटीक कलकत्ता ॥=)
- ३१११ कालीपञ्चांगसंग्रह— काशी १॥)
- ३११२ कुलचूडामणितंत्र— कलकत्ता २॥)
- ३११३ कुलाण्वर्तंत्र मूल टाईप " २)
- ३११४ कुलाण्वर्तंत्र—edited by A. Avalon. " ४)
- ३११५ कौलावलिनिर्णय-ज्ञानानन्द विरचित ed. by A. Avalon ४)
- ३११६ कौलोपनिषत्—त्रिपुरा महोपनिषत्+भावनोपनिषत्+बह्वृ-
चोपनिषत्+अरुणोपनिषत्+कलिकोपनिषत् सटीक ed. by
A. Avalon. कलकत्ता ४)
- 3117 Creation according to Tantra by A. Avalon. " 1-8-0
- ३११८ क्रमदीपिका-निम्बार्क काशी ४॥)
- ३११९ गायत्रीतंत्र-शंकरमुख विरचित " ॥)
- ३१२० गायत्रीपञ्चांग—मोटा अक्षर मुम्बई १)
- ३१२१ गायत्रीपुरश्चरण-शंकरसूरि कृत पूना १॥)
- 3122 Garland of Letters—Studies in the Mantra Shastras
by Sir Woodroffe. Madras 7-8-0
- ३१२३ गोपालपञ्चांग—मूल रेशमी मुम्बई ॥=)
- ३१२४ गौतमीयतंत्र—मूल " १॥)
- 3125 Greatness of Siva (Mahimanastava) Eng. trans. 2-0-0
- 3126 General Intro. to Tantra Philosophy by Dasgupta.
- ३१२७ तत्त्वनिधि-राज्याधीश कृष्णराज संगृहीत मुम्बई ४)
- ३१२८ तत्वप्रकाश-भोजदेव विरचित तात्पर्यदीपिका सहित २)
- ३१२९ तत्वप्रकाशिका-तत्त्वसंग्रह, तत्त्वात्रय निर्णयः सव्याख्या १=)
- ३१३० तथागतगुह्यक-(गुह्यसमाज) बौधतंत्र बड़ौदा ४॥)

- Tathagata guhyaka or Guhyasmaj—the earliest and the most authoritative work of the Tantra School of the Buddhist. Baroda 4-4-0
- ३१३१ तंत्रराज-सटीक २ भागों में critically edited by A. Avalon in 2 parts. कलकत्ता १०)
- ३१३२ तंत्रशुद्धाख्य प्रकरण-भट्टारक श्रीवेदोत्तम कृत मदरास १-)
- ३१३३ तारातन्त्रम्—with English introduction. Calcutta ॥)
- ३१३४ ताराहस्यतंत्र-ब्रह्मानन्द परमहंस विरचित कलकत्ता १)
- 3135 Theory and Practice of Tantra by M. M. Guru Prasanna Bhattacharya. 1-0-0
- ३१३६ दुर्गासप्तशती-संपूर्ण घटनाओं के चित्र सहित मूल मुम्बई २)
- ३१३७ दुर्गासप्तशती—मूल स्थूलाक्षर सचित्र जिल्द १) खुला ॥)
- ३१३८ दुर्गासप्तशती-सात संस्कृत टीका सहित बुकसाइज मुम्बई ४)
- ३१३९ दुर्गासप्तशती—नागोजी भट्ट कृत टीका खुलापत्रा , १॥)
- ३१४० दुर्गासप्तशती-शान्तनवी टीका सहित खुला मुम्बई १॥)
- ३१४१ दुर्गाहोमपद्धति-रामचन्द्रशास्त्रि प्रणीत मुरादाबाद ॥)
- ३१४२ दुर्गोपासना-कल्पद्रुमाध्याय मुम्बई ५)
- ३१४३ देवीमाहात्म्य- मदरास १)
- ३१४४ नित्योत्सव-उमानन्दनाथ द्वितीयावृत्ति यंत्रस्थ
- ३१४५ परशुराम कल्पसूत्र-सटीक प्रथमभाग केवल यंत्रस्थ
- ३१४६ पारानन्द सूत्र—An ancient Tantrik work of the Hindus in Sutra form. Baroda 3-8-0
- ३१४७ पुरश्चर्याण्वः तान्त्रिकविषयाणामतिदुरूहाणां निःशंसयिता शैव-वैष्णववाद्यखिलमतानां प्रदर्शयिता दुर्लभोऽयमदिनीं करक-लितः संपूर्ण ३ भागों में काशी १३)
- ३१४८ प्राणतोषिणीतंत्र-रामतोषणभट्टाचार्य कृत कलकत्ता ८)
- ३१४९ बटुकभैरवोपासनाध्याय—(बृहज्ज्योतिषार्णवान्तर्गत) खुला ॥)
- ३१५० ब्रह्मसंहिता-जीवगोस्वामि कृत टीकोपेतः तथा विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र शाङ्करभाष्योपेतम् कलकत्ता ३)
- 3151 Bharata Shakti by Sir J. Woodroffe-addresses on Indian Culture. 1-8-0
- ३१५२ मन्त्रमहाण्व—मंत्रशास्त्र का महान ग्रन्थ मुम्बई १८)
- ३१५३ मन्त्रमहोदधि-सटीक ६८ यंत्रों सहित मुराई ४॥) यंत्ररहित ३)
- ३१५४ मन्त्ररत्नमञ्जुषा-श्रीमन्त्रविक्रमभट्टारक प्रणीत मुम्बई ॥=)

- ३१५५ महानिर्वाणतंत्र—पूर्वकाण्ड सटीक कलकत्ता ४)
- ३१५६ महानिर्वाणतंत्र—हरिहरानन्द कृत व्याख्या सहित मदरास ७॥)
Mahanirvana Tantra with comm. of Hariharananda
critically edited by A. Avalon. Madras 7-8-0
- 3157 The Great Liberation or English translation of Maha-
nirvantantra from the Sanskrit with extensive commen-
tary with copious additional notes by Woodroffe 15-0-0
- 3158 Mahanirvana translated into English by Dutt. 10-0-0
- 3159 Maha Maya — (Chit-Sakti)—The world as power:
power as consciousness by J. Woodroffe and Mukho-
padhyaya. Madras 5-0-0
- ३१६० महारथमंजरी-परिमल कृत व्याख्या द्विवेङ्गम् २॥॥)
- ३१६१ मतङ्गपारमेश्वरागम विद्यापादः मूलम् मदरास १=)
- ३१६२ मृगेंद्रागमः—दीपिका सहित वृत्तियुतः ,, ५॥)
- ३१६३ मेरुतन्त्रः—महानग्रन्थ मुम्बई ७)
- ३१६४ योगिनीहृदयदीपिका—अमृतानन्दनाथ विरचित (योगिनीहृदय
पर टीका) २ भागों में काशी २॥॥)
- ३१६५ रत्नत्रयम्—भोगकारिका—नादकारिका—मोक्षकारिका—परमोक्ष-
निरासकारिका मदरास २॥)
- ३१६६ रात्राकृष्णपञ्चांग—मूल टाइप मुम्बई ॥=)
- ३१६७ लक्ष्मीनारायणपञ्चांग — ,, ॥=)
- ३१६८ वर्णबीजकोश— काशी १)
- ३१६९ वर्णबीजप्रकाश— मुम्बई १॥॥)
- 3170 World as Power as Matter by Sir Woodroffe. 2-8-0
- 3171 World as Power as Causality ,, 2-0-0
- 3172 World as power as Reality ,, 2-0-0
- 3173 World as power as Life ,, 2-0-0
- 3174 World as power as Mind ,, 2-8-0
- 3175 Vashikaranatantra or the Art of controlling others by
S. Premananda. Madras 3-8-0
- ३१७६ वामकेश्वरतंत्र—सटीक पूना ३॥)
- ३१७७ वारिवाख्यरहस्य—भास्करराय विरचित सटीक मदरास २)
- ३१७८ विद्यारत्नसूत्राणि—शंकरराय कृत दीपिका सहित काशी ॥=)
- ३१७९ विष्णुसंहिता— द्विवेङ्गम् २॥॥=)
- 3180 Wave of Bliss (Anandalahiri) Eng. trans. 2-0-0
- 3181 Shakti and Shakta—Studies in Kaula Doctrine and

Ritual. New edition thoroughly revised and enlarged
by Sir J. Woodroffe. Madras 12-0-0

- ३१८२ शाक्तप्रमोद-दशमहाविद्या का ग्रन्थ (राजा देवनेदन संगृहीत) ६)
३१८३ शारदातिलक-मूल संपूर्ण कलकत्ता ३)
३१८४ शारदातिलक—पदार्थदर्श टीका सहित यंत्रस्थ काशी
३१८५ शिवार्चनचंद्रिका-श्रीमदप्पयदीक्षित विरचिता मदरास १=)
३१८६ शैवसिद्धान्तपरिभाषा-सूर्यभट्टविरचित ,, ॥—)
३१८७ श्यामारहस्यतंत्र पूर्णानंदगिरि परमहंस विरचित कलकत्ता २)
३१८८ षट्चक्रनिरूपण-पादुकापञ्चक सहित २ टीका सहित ३)
3189 Serpent Power (Shatchakra Nirupana) An English
translation with several coloured plates of the Chakras
3rd. edition. Madras 20-0-0
- ३१९० सनत्कुमार तंत्र- मुम्बई १=)
३१९१ सप्तशतीसर्वस्व—नानाविधसप्तशतीरहस्य लखनौ २=)
३१९२ साधनमाला-बौध तांत्रिक ग्रंथ २ भागों में संपूर्ण बड़ोदा १४)
३१९३ हनुमत्पञ्चांग—मूल टाईप मुम्बई २)
३१९४ हनुमदुपासना—मूल रेशमी ,, २)
३१९५ त्रिपुरारहस्य—ज्ञानखण्ड ३ भागों में काशी ५=)
३१९६ त्रिपुरारहस्यमाहात्म्यखंडम्— ,, ५)
३१९७ त्रिपुरासारसमुच्चयतंत्र-गोविन्दाचार्य कृत व्याख्या सहित १)
३१९८ ज्ञानाणुवर्तन- पूना १॥)

वैद्यक (चिकित्सा) ग्रन्थ

- ३१९९ अनङ्गरङ्ग-महाकवि श्री कल्याणमल्ल विरचित सटिप्पण १॥)
Ananga Ranga by Kalyanmalla text corrected with
various European and Indian Mss. and edited with
notes and introduction in English by Dr. Schmidt M.
A., 1927 new critical edition. Mysore 1-8-0
- ३२०० अश्ववैद्यक-(जयदत्त सूरि) नकुल रचित अश्वचिकित्सा १॥)
३२०१ अश्ववैद्यक-जयदत्तसूरि विरचित दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
Asvavaidyaka or a treatise on the diseases of the horses
compiled by Jaidutta Suri ed. by U. C. Gupta. 10-0-0
- ३२०२ अष्टाङ्गसंग्रह-संपूर्ण-अत्युत्तम बढिया दुष्प्राप्य मुम्बई १२)
३२०३ अष्टाङ्गसंग्रह-इन्दु कृत व्याख्या सहित संपूर्ण ३ भाग १७)
३२०४ अष्टाङ्गहृदयसंहिता-(मूल वागभट्ट प्रणीत) गुटका मुम्बई १॥॥)

- ३२०५ अष्टाङ्गहृदयसंहिता-मूल स्थूलाक्षर कलकत्ता ३)
 ३२०६ अष्टाङ्गहृदयसंहिता-सर्वाङ्गसुन्दरा-पदार्थचन्द्रिका-हेमाद्रि कृत
 आयुर्वेद रसायन तथा टिप्पणी केवल सूत्रस्थान मुम्बई ६)
 ३२०७ अष्टाङ्गहृदयसंहिता-सर्वाङ्गसुन्दरा टीका अरुणदत्त कृत यंत्रस्थ
 ३२०८ अष्टाङ्गहृदयसंहिता-सर्वाङ्गसुन्दरा व्याख्या सहित कलकत्ता ३॥)
 ३२०९ आयुर्वेदप्रकाश—उपाध्याय माधव कृत मुम्बई २)
 ३२१० आयुर्वेदविज्ञान-विनोदलाल सेन कृत सचित्र २ भाग ४)
 ३२११ आयुर्वेदसूत्र-योगानन्द कृत व्याख्या सहित मैसूर ३॥)
 3212 Etude sur la Medicine Hindoue par Cordier Very rare
 in French. Paris 20-0-0
 3213 Interpretation of Ancient Hindu Medicine by Chakra-
 varty. Calcutta 8-8-0
 3214 Indian Medicinal Plants by Lt. Col. K. R. Kirtikar F.
 L. S. and Major B. D. Basu I. M. S., with 1000 royal
 4 to sized lithographic plates. This book should be in
 each and every library. Worth seeing. 275-0-0
 3215 Indian Materia Medica by K. N. Nadkarni. 11-8-0
 3216 Antiquity of Hindu Medicine by D. C. Muthu.
 ३२१७ कन्दर्पचूडामणि-वीरभद्र प्रणीत मूल मात्र मुम्बई ३)
 ३२१८ कन्दर्पचूडामणि-श्री वीरभद्र प्रणीत-सुविस्तृतया सारगर्भि-
 तया व्याख्या समुद्भासितः—आर्टिपेपर पर बहुत बढ़िया
 संस्करण छपा है पुस्तक देखने योग्य है पक्की कपड़े की
 जिल्द सहित लाहौर १०)
 ३२१९ काकचण्डीश्वरकल्पतन्त्रम्— काशी ॥)
 3220 Kama Sutra of Vatsyayana with the commentary Jai-
 mangala translated into German by R. Schmidt 7th.
 edition. Germany 12-0-0
 3221 Studies in the Vatsyayana's Kamasutra by H. C. Cha-
 kradhar in English. Calcutta 4-0-0
 ३२२२ कुचिमारतंत्र—कुचिमार प्रणीत लाहौर १)
 ३२२३ कुट्टनीमतम्—दामोदर गुप्त कृत सटीक अत्युत्तम मुम्बई ६)
 ३२२४ कुमारतन्त्रम्—श्रीयामिनीभूषणराय विरचित कलकत्ता २)
 3225 Chemistry and Toxicology of Nerium Odorum by Bose
 ३२२६ गदविनिश्चय नामरोगज्ञानक्रमम्-आयुर्वेदाचार्येण सिल्व कवि-
 तिलकेन विरचितम् Ceylon १)

- ३२२७ गद्यनिग्रह—श्रीसोढल विरचित १म भाग मुम्बई २)
- ३२२८ गर्भिणीपरिचय—घनानन्द पन्त विरचित मुरादाबाद (=)
- ३२२९ चक्रदत्त-शिवदाससेन कृत विस्तृत व्याख्या सहित बढ़िया ३॥)
- ३२३० चक्रदत्त सटीक—वङ्गाक्षरों में कलकत्ता ३॥)
- ३२३१ चरकसंहिता—मूल मात्र मुम्बई ४)
- ३२३२ चरकसंहिता-अग्निवेशमहर्षि कृत चरकप्रति संस्कृता श्रीमच्चरकचतुरानन-श्रीचक्रपाणिदत्त प्रणीतया चरकतात्पर्येत्यपर्यायया आयुर्वेददीपिकाख्यया व्याख्यया समलङ्कृता आयुर्वेदचक्रवर्त्ति-कविराजनरेन्द्रनाथ शास्त्रिणा सम्पादिता संशोधिता च । संपूर्ण २ बढ़िया सुनहरी जिलदों में लाहौर १०)
Charaksamhita with the commentary of Ayurveddipika complete in 2 Vols. Lahore 10-0-0
- ३२३३ चरकसंहिता-चक्रपाणिदत्त कृत आयुर्वेददीपिका तथा गंगाधर कृत जल्पकल्पतरुव्याख्या सहित-सूत्रस्थान, निदान-विमान-शरीर-इन्द्रिय स्थान केवल २ भागों में कलकत्ता १५)
- ३२३४ चरकसंहिता-श्रीयोगेन्द्रनाथसेन कृत चरकोपस्कार व्याख्या सहित सूत्र+निदान+विमान+शरीर+इन्द्रियस्थान कलकत्ता २७)
- ३२३५ चिकित्साकलिका-तीसटाचार्य कृत सटीक तथा भा. टीका अत्युत्तम बढ़िया ग्रन्थ लाहौर ४)
- ३२३६ चिकित्सासारसंग्रह—वङ्गसेन कृत कलकत्ता ५)
- 3237 Terminalia Arjuna—by L. Ghoshal. Calcutta
- ३२३८ द्रव्यगुणसंग्रह—शिवदास कृत व्याख्या सहित मुम्बई ॥)
- ३२३९ धन्वन्तरिीय निघण्टु सहित राजनिघण्टु अत्युत्तम् पूना ६॥)
- ३२४० नलपाक—नलविरचित (पाकदर्पण) काशी १॥)
- ३२४१ नवनावनीतक-^{१७००}वर्ष का प्राचीनग्रन्थ पं.सदानन्द संशोधित ३)
Ayurvediya Navanavnitakam or the Bower Mss. all the missing portions are completed. Text with Hindi translation by Pt Sadananda Sastri. 3-0-0
- ३२४२ नागरसर्वस्व—पद्म श्री कृत सटीक मुम्बई ४)
- ३२४३ नाडीविज्ञान—कणाद प्रणीत सटीक जीवानन्द कलकत्ता १)
- ३२४४ नाडीविज्ञान—गंगाधर कृत व्याख्या सहित „ (=)
- ३२४५ निदानदीपिका—करन्दीकर संगृहीत मुम्बई ४)
- ३२४६ नेत्रचिकित्सा-डा. बी. एस मुखे कृत पूना ५॥)
- 3247 Natural Ready Remedies or first aid in common Ail-

- ments by Dr. Harnam Das 0-10-0
- ३२४८ पञ्चसायक—कविशेखर ज्योतीश्वराचार्य प्रणीत-पं. सदानन्द शास्त्रि कृत सटिप्पण-बहुत बढ़िया संस्करण एण्टिक पेपर पर छपी है द्वितीयावृत्ति लाहौर ३।)
Panchasayaka of Jyotishwara critical edition. 3-4 0
- ३२४९ पारदयोगशास्त्र-श्रीमद्रसायनाचार्य शिवराम योगीन्द्र विरचितम्-विमुद्रितामिदं अतिप्राचीनं रसायनतन्त्रम् ॥)
३२५० प्रत्यक्षशरीरम्—श्रीयुतगणनाथ सेन विरचित संपूर्ण १०)
३२५१ प्रस्तुतितन्त्रम्—श्रीयामिनीभूषणराय कृत कलकत्ता २)
3252 Beitrage zur Indischen Erotic by R. Schmidt. A very valuable book on Ancient Indian Kama Sastra in German. 21-0-0
- ३२५३ बृहदयोगतरंगणी-त्रिमल्लभट्ट विरचित २ भाग पूना १०॥)
३२५४ भावप्रकाश-भावमित्र कृत मूल यन्त्रस्थ
३२५५ भावप्रकाश निघण्टु—(हरीत्क्यादि) मूल गुटका ॥=)
३२५६ भावप्रकाश निघण्टु—स्थूलाक्षर-सटिप्पण मुम्बई २)
३२५७ भेलसंहिता-अत्युत्तम प्राचीन ग्रन्थ कलकत्ता ६)
Bhelasamhita critical edition of the text published for first time. Calcutta 9-0-0
- ३२५८ भैषज्यरत्नावली-पं. जयदेव आयुर्वेदाचार्य कृत भाषा टीका सहित परिवर्द्धित द्वितीया वृत्ति लाहौर ७)
३२५९ भैषज्यरत्नावली-गोविन्ददास प्रणीत तथा पं. नरेन्द्रनाथ जी शास्त्रि कृत अत्यन्त सरल तथा विस्तृत संस्कृत व्याख्या सहित बहुत बढ़िया छपाई बढ़िया जिल्द सहित लाहौर ७)
- ३२६० मदनपालनिघण्टु—मदनपाल विरचित मूल कलकत्ता १।)
३२६१ माधवनिदान—मधुकोश व्याख्या सहित लाहौर १॥।)
३२६२ माधवनिदान—मधुकोश तथा आतङ्कदर्पण २ व्याख्या ५)
३२६३ माधवनिदान—मधुकोश तथा आतङ्कदर्पण २ व्याख्या बारीक २।)
3264 Medicine by J. Jolly in German 1901. Germany 7-0-0
3265 Medicinal Drugs of India by Kaviraj Dr. B. S. Mohun. It gives a very clear and a concise account of many useful Indian drugs of real value, their identification, properties and uses in every day ailments, acute as well as chronic, their right mode of administration, specific value and dosage etc. along with simple and

compound indigenous prescriptions which are being used since time immemorial by country physicians resulting in marvellous cures. Lahore 2-8-0

- ३२६६ योगरत्नाकर—मूलमात्र स्थूलाक्षर पुना ५)
 ३२६७ योगरत्नाकर—मूल बारीक अक्षर मुम्बई २॥)
 ३२६८ योगरत्नाकर—पं. विद्याधर कृत अति सरल हिन्दी टीका सहित बहुत बढ़िया संस्करण संपूर्ण २ बढ़िया जिलदों में १०)
 ३२६९ रतिरत्नप्रदीपिका—of Devaraja with Eng. trans. 3-0-0
 ३२७० रतिरहस्य—श्रीकङ्कोक विरचित—काञ्चीनाथ कृत टीका सहित बहुत बढ़िया पक्की कपड़े की जिलद सहित ३॥)
 ३२७१ रसकामधेनु—श्रीचूडामणि संगृहीत मुम्बई ५)
 ३२७२ रसकौमुदी—श्रीमद्भिषग्वर सर्वज्ञ चन्द्रतनूजेन ज्ञानचंद्र शर्मणा विरचिता—अति प्राचीन ग्रन्थ लाहौर ॥)
 ३२७३ रसजलनिधि—अंग्रेजी अनुवाद सहित २ जिलदों में १२)
 Rasa-Jala-nidhi or Ocean of Indian Chemistry and Alchemy compiled in Sanskrit with English translation by B. Mukerji M. A. in 2 vols. Calcutta 12-0-0
 ३२७४ रसतरंगिणी—पं. सदानंद विरचित अत्युपयोगी पुस्तक ५)
 ३२७५ रसपद्धति—विन्दु पंडित विरचिता तथा लोहसर्वस्वम् श्रीसुरेश्वर विरचितम् मुम्बई १॥)
 ३२७६ रसप्रकाशसुधाकर—यशोधर विरचित रस संकेत कलिका २)
 ३२७७ रसप्रकाशसुधाकर—गुजराती टीका सहित मुम्बई २)
 ३२७८ रसरत्नसमुच्चय—मूल मात्र मुम्बई २॥)
 ३२७९ रसरत्नसमुच्चय—मूल सटिप्पण पुना ३॥)
 ३२८० रसरत्नसमुच्चय—सरल संस्कृत टीका सहित कलकत्ता ८)
 ३२८१ रसरत्नाकरान्तर्गत—मन्त्र खण्ड गोंडल २)
 ३२८२ रसहृदयतंत्रम्—श्रीमद्भगवद् गोविन्दपाद विरचित तथा मुग्धावबोधनी प्राचीन संस्कृत टीका सहित द्वितीयावृत्ति—इस संस्करण का संशोधन दो और हस्त लिखित प्रतियों से हुआ है एक इंडिया आफिस लंडन दूसरा रायल एशियाटिक सोसाइटी मुम्बई—कपड़े की जिलद सहित लाहौर २)
 ३२८३ रसार्णवम्—पारदादिरसोपरसविध्यकतंत्रम् कलकत्ता ३०)
 Rasarnavam or the ocean of mercury or other metal or minerals with English glossary Very rare. 30-0-0

- ३२८४ रसाध्यायः-टीकाया संवलितः काशी ॥२॥
 ३२८५ रसैन्द्रचूडामणि-सोमदेव विरचित प्राचीनग्रन्थ यंत्रस्थ
 ३२८६ रसैन्द्रसारसंग्रह-गोपाल कृष्णभट्ट कृत सटिप्पण कलकत्ता १।)
 ३२८७ रसैन्द्रसारसंग्रह— „ „ पं. विद्याचर कृत सरल भाषा
 टीका सहित सचित्र लाहौर ४)
 ३२८८ रसोपनिषत्- दीर्घेन्द्रम् २।)
 ३२८९ राजमार्तण्ड-श्रीभोजराज विरचित वैद्यमनोरमा कल्प सहित १॥)
 ३२९० वसवराजीयम्-अत्युत्तम प्राचीन ग्रन्थ सटिप्पण नागपुर ५)
 3291 Vanaspati—plants and plants-life as an Indian treatises and traditions by G. P. Majumdar. 3-12 0
 ३२९२ विषतन्त्रम्—श्रीयामिनीभूषणराय विरचित कलकत्ता २)
 ३२९३ वीरसिंहावलोक—मूल मुम्बई २)
 3294 Vegetable Drugs of India by Dr. Sanyal. 3-8-0
 ३२९५ वैद्यकशब्दसिन्धु-श्रीनगेंद्रनाथ सेन कृत वैद्यककोश ७)
 ३२९६ वैद्यकौस्तुभ—भिषग्वरकवि श्रीमेवाराम मिश्र विरचितश्चित्र-
 काव्य श्रीडाक्टरमङ्गलदेवशालिसाहाय्येन आयुर्वेद विशारद
 वैद्य श्रीहरिनारायण शर्मणा टिप्पण्या पाठान्तरैश्च संयोज्य
 संशोधितः-आयुर्वेद का बहुत बढ़िया ग्रन्थ है काशी १॥)
 ३२९७ वैद्यमनोत्सव—सटिप्पण मुम्बई १-)
 ३२९८ वैद्यविनोदसंहिता—मूल मुम्बई १॥१)
 ३२९९ वृन्दमाधव - सिद्धयोग कण्ठदत्त कृत व्याख्या पूना ६॥१)
 ३३०० शार्ङ्गधरसंहिता—मूलमात्र गुटका मुम्बई १)
 ३३०१ शार्ङ्गधरसंहिता—दीपिका तथा गूढार्थदीपिका २ टीका ५)
 ३३०२ शार्ङ्गधरसंहिता—दीपिका टीका सहित कलकत्ता ३॥)
 ३३०३ शालाक्यतंत्र—यामिनी भूषण राय कृत कलकत्ता ३)
 3304 Some Aspects of Hindu Medical treatment and 2
 psychotherapeutic tales by D. Chaplin. 3-8-0
 3305 Surgical Instruments of the Hindus by Girindranath
 Mukhopadhyaya in 2 Vol. Calcutta 9-0-0
 ३३०६ सिद्धमैषज्यमणिमाला-श्रीकृष्णराम कृत अत्युत्तम जयपुर ४)
 ३३०७ सिद्धमन्त्र—केशव विरचित सटीक मुम्बई ॥१)
 ३३०८ सिद्धान्तनिदान—श्रीगणनाथ सेन कृत कलकत्ता २)
 3309 System of Ayurveda by Shiva Sharma Ayurvedacharya 1929 in English Bombay 8-0-0
 ३३१० सुश्रुतसंहिता मूल—सचित्र लाहौर ४)

- ३३११ सुश्रुतसंहिता—डल्हणाचार्य कृत टीका सहित मुम्बई १०)
 3312 Susruta Samhita complete translated into latin by F. Hessler in 4 parts. The work stand foremost among the medical books of Ayurvedic System 181. 35-0-0
 3313 Complete English translation of Susrutasamhita with several useful notes by K. L. Bhishagratana in 3 vol. Very rare. Calcutta 45-0-0
 3314 Studies in the Medicine of Ancient India by A. R. Hoernle. Europe 9-6-0
 ३३१५ हस्तयुर्वेद—पालकाप्यमुनि प्रणीत पूना ७=)
 ३३१६ हारीतसंहिता—मूल कलकत्ता २॥)
 3317 Hindu Medicine by M. M. Pt. Ganganath Sen. 0-8-0
 3318 History of Indian Medicine by G. N. Mookerji complete in 3 Vol. Calcutta 18-0-0
 3319 History of Hindu Chemistry from the earliest times to the middle of the 16th centuries with Sanskrit texts variants translation and illustrations by Dr. P. C. Roy in 2 parts. Rs. 12 0-0 unbound Rs. 8-0 0
 ३३२० क्षेमकौतूहल—यादवाचार्य सम्पादित मुम्बई ॥१)

ज्योतिषग्रन्थ

- ३३२१ अद्भुतसागर—श्रीवल्लालसेन कृत अत्युत्तम काशी ५)
 3322 Astronomie, Astrologie, und Mathematik von G. Thibaut in German. Germany 4-0-0
 3323 Astronomische Chronologie von Dr. P. V. Neugebauer in 2 vols. in German with tables. Very rare book. 35-0-0
 3324 Astrological Mirror by Sooryanarayan Sastri. 0-10-0
 3325 Astrological Self Instructor by Soorya Narayan 3-6-0
 ३३२६ आथर्वण ज्योतिषम् व आत्मज्योतिषम् (वेदांगज्योतिष) ॥)
 Atharvan Jyotisha or Atma Jyotish by B. Datta. 0-8-0
 ३३२७ आर्यभट्टीयम्—गार्ग्यकेरल नीलकंठ कृत भाष्य १मभाग २॥१)
 ३३२८ आर्यभट्टीयम्—परमादीश्वराचार्य कृत भाट्टदीपिका सहित १०॥१)
 Aryabhattachiya with the commentary Bhattadipika of Paramadishwara edited by H. Kern. Europe 10-0-0
 3329 Aryabhattachiya of Aryabhatta translated into English from Sanskrit with notes by W. E. Clark America 10-8-0
 3330 Aryabhattachiyam (Translation) by P. C. Sengupta.

- 3331 An intro. to the study of Astrology by S. Narayan 1-2-0
 3332 Eclipses of the Moon in India by R. Sewell 1898 7-8-0
 3333 Indian Ephemeris from 700 A. D. to 1799 A. D. by
 Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai in 6 big
 Vols. Madras Rs. 100-0-0
 3334 Indian Chronography with working examples by R.
 Sewell 1912 Rare. 20-0-0
 3335 An exposition of the Directional Astrology of the Hin-
 dus as propounded in Vinsottari Dasa by Dr. Rele 2-0-0
 ३३३६ आर्यासप्तति-भट्टोत्पलाचार्य कृत मुम्बई १)
 3337 Extracts from works on Astrology or the art of forete-
 lling future events containing Genethliology, Horary,
 Mundane, Atmospherical and Medical Astrology to
 which are added extracts from Geomancy, Chiromancy
 Physiognomy and Napoleon Bonaparte's Book of Fate
 with tables for calculating Nativities in 2 Vols. by
 R. M. Chatterji. Very rare. Calcutta 50-0-0
 ३३३८ करण कुतूहल—सटीक मुम्बई ॥१)
 ३३३९ करण कौस्तुभ-कृष्णदेवविरचित पूना ॥—)
 ३३४० करण प्रकाश—श्रीब्रह्मदेव विरचित काशी १॥)
 ३३४१ केतकीग्रहगणित— पूना २॥)
 ३३४२ केतकीपरिमलभाष्य सहित सपरिशिष्ट ,, ६॥१)
 ३३४३ खण्डखाद्यम्-ब्रह्मगुप्त प्रणीत वासना भाष्य कलकत्ता २)
 ३३४४ गणकतरङ्गिणी-पं. सुधाकरद्विवेदी विरचित दुष्प्राप्य ५)
 ३३४५ गणितसारसंग्रह-महावीराचार्य प्रणीत-आंगल अनुवाद २५)
 Ganitsarsangrah of Mahaviracharya with English
 notes and translation by M. Rangacharya M. A. 25-0-0
 ३३४६ गणिताध्याय-भास्कराचार्य कृत सटीक कलकत्ता १॥)
 ३३४७ गोलदीपिका-श्रीपरमेश्वर विरचित मदरास १—)
 ३३४८ गोलाध्याय-भास्कराचार्य कृत मूल कलकत्ता १)
 ३३४९ गोलीयरेखागणित— काशी ॥२)
 ३३५० ग्रहलाघव-सटीक खुलापत्रा मुम्बई १)
 ३३५१ ग्रहलाघव करण-सुधाकर द्विवेदी कृत सटीक बड़ा ,, ४)
 ३३५२ ग्रहलाघव सारिणी-सरल है ,, १)
 ३३५३ चक्रावलीसंग्रहाध्याय—संस्कृत टीका सहित ,, २॥)
 3354 Jatakakalanidhi Eng. trans. by Sooryanarayan. 0-10-0

- ३३५५ Jatakachandrika—Eng. trans. by Sooryanarayan. 2-4-0
 ३३५६ जातकपद्धति-केशव दैवज्ञ विरचित काशी ॥१॥
 ३३५७ जातकपारिजात-मूलमात्र " २)
 ३३५८ जातकसंग्रह-श्रीलक्ष्मणदास कृत मुम्बई १)
 ३३५९ जातकाभरण - मूल खुलापत्रा " १)
 ३३६० जातकालङ्कार सटीक खुलापत्रा मुम्बई १=)
 ३३६१ जैमिनीपद्यामृत-मूल कन्दली वृत्ति और कारिका सहित १)
 ३३६२ जैमिनीसूत्राणि—सटीक मुम्बई १=)
 ३३६३ ज्योतिर्निबन्ध-श्रीशिवराज विरचित पूना ३॥६=)
 ३३६४ ज्योतिर्विर्वाभरण-सटीक मुम्बई २॥४)
 ३३६५ ज्योतिषवेदाङ्गम्— काशी १)
 ३३६६ ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रह—प्राचीन ग्रन्थ " २१)
 ३३६७ True Longitude of the Sun in Hindu Astronomy by R. Sewell. 10-0-0
 ३३६८ ताजिकनीलकण्ठी-सटीक १॥=) तथा ११) तथा मुम्बई १)
 ३३६९ दशाफलदर्पण-पं. श्रीनिवास संगृहीतम् रतनाम ३)
 ३३७० दिङ्मीमांसा-सुधाकर द्विवेदी कृत काशी ॥=)
 ३३७१ दैवज्ञकामधेनु-प्राचीन ज्योतिष ग्रन्थ संपूर्ण " ४॥१)
 ३३७२ नरपतिजयचर्या—मूल " १)
 ३३७३ नरपतिजयचर्या-सटीक मुम्बई २॥१)
 ३३७४ नारदसंहिता—मूल काशी १=)
 ३३७५ पञ्चसिद्धान्तिका—वराहमिहिराचार्य विरचित पं. सुधाकर द्विवेदी कृत व्याख्या तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित पुस्तक बहुत बढ़िया देखने योग्य है—सुनहरी जिल्द सहित १०)
 Panchasiddhantika of Varah Mihiracharya-text edited with an original commentary in Sanskrit by Pt. Sudhakara Dvivedi and an English translation, and introduction by G. Thibaut, with several diagrams 10-0 0
 ३३७६ पञ्चस्वराभिधः—सुबोधनीटीका सहित काशी १॥१)
 ३३७७ पञ्चाङ्गपद्धति—खुला लिथो " १)
 ३३७८ परमसिद्धान्त ज्योतिष—प्रेमवल्लभ विरचित मुम्बई ४)
 ३३७९ पत्रीमार्ग प्रदीपिका—मूल " १)
 ३३८० पिंडप्रभाकर-सुधाकर द्विवेदी कृत काशी ॥१॥
 ३३८१ प्रतिभाबोधक सटीक " ॥१॥

- ३३८२ प्रश्नमार्गः-टिप्पण्या परिष्कृतः अत्युत्तम ग्रन्थ मदरास ३॥)
- ३३८३ फलदीपिका-सव्याख्या २॥)
- ३३८४ बीजगणित-भास्कराचार्य प्रणीत मूल कलकत्ता १)
- ३३८५ बीजगणित-सटीक राधावल्लभ कृत ,, २)
- ३३८६ बीजगणित सुधाकर द्विवेदी कृत टिप्पणी सहित काशी २)
- ३३८७ बीजगणित-कृष्णदेवदत्त कृत नवाङ्कुर टीका सहित पूना २)
- ३३८८ बीजोपनय तथा तिथि निर्णय कारिका सहित-भास्कराचार्य कृत वासना भाष्य सहित लाहौर ३॥)
- ३३८९ बृहज्जातक-वाराहमिहिर विरचित भट्टोत्पल्लीटीका सहित २॥)
- ३३९० बृहज्जातक-दशध्याय नौका टीका सहित मुम्बई १॥)
- 3391 Brihat Jataka of Varahmihira translated into English by N. Chidambaram Iyer. 4-0-0
- 3392 Brihat Jataka of Varahmihira text English translation and copious explanatory notes and examples by V Subrahmanya Sastri 1929 9-0-0
- ३३९३ बृहत्पाराशरहोराशास्त्र संपूर्ण मुम्बई ७)
- ३३९४ बृहत्संहिता-मुहूर्तसिन्धु- लाहौर १॥)
- ३३९५ बृहत्संहिता-भट्टोत्पल्ली टीका सहित संपूर्ण दुष्प्राप्य २०)
- Brihatsamhita with Bhattotpalli comm. in 2 parts. 20-0-0
- 3396 Brihatsamhita translated into English by H. Kern with several notes complete 50-0-0
- ३३९७ बृहद्देवस्वरंजन-पं. रामदीन संगृहीत मुम्बई ६)
- ३३९८ भारतभूमंडलीयसूर्यग्रहगणितम्-श्रीवेंकटेश बापु शास्त्रि केत-कर विरचित पूना ४)
- ३३९९ भावकुतूहल-जीवनाथ मिश्र विरचित कलकत्ता ॥)
- ३४०० भास्वतीकरण -श्रीमाञ्जुतानंद विरचित काशी २)
- ३४०१ भुवनदीपिका-संस्कृत टीका सहित मुम्बई ॥)
- ३४०२ भृगुसंहिता-योगावलीखण्ड ,, ३)
- 3403 Bhautikakalanidhi by Sooryanarayan Sastri. 4-8-0
- ३४०४ मनुष्यजातक-सटीक मुम्बई १॥)
- ३४०५ महासिद्धान्त-आर्यभट्ट विरचित सुधाकर द्विवेदी कृत टीका ३॥=)
- ३४०६ मानसागरी पद्धति संपूर्ण खुला मूल मुम्बई ३॥=)
- ३४०७ मुहूर्तगणपति-मूल खुलापत्रा ,, १)
- ३४०८ मुहूर्तचिन्तामणि-मूलमात्र ,, ३=)

- ३४०६ मुहूर्तचिन्तामणि-पीयूषधारा टीका स्थूलाक्षर ३॥) बारीक २॥)
- ३४१० मुहूर्तचिन्तामणि-प्रमिताक्षरा टीका सहित ॥)
- ३४११ मुहूर्तदीपिका-सटीक मुम्बई १)
- ३४१२ मुहूर्तमार्तण्ड-सटीक १) बारीक ॥) तथा काशी ॥)
- ३४१३ याजुषज्योतिष-सोमसुधाकर भाष्य सहित " १)
- ३४१४ रणदीपिका-कुमारगणक विरचित द्रीवेंड्रम् १-)
- ३४१५ रमलरहस्य-संपूर्ण मुम्बई ५)
- ३४१६ रविसिद्धान्तमंजरी-मथुरानाथ शर्मा विरचित कलकत्ता ॥)
- ३४१७ राजमार्तण्ड-मूल संपूर्ण मुम्बई १)
- ३४१८ रेखागणित-संपूर्ण २ भागों में २१)
- Rekhaganita of Jaggannatha edited by H. H. Dhruva
and K. P. Trivedi complete in 2 parts. 21-0-0
- ३४१९ रेखागणित-११-१२ अध्याय काशी ॥)
- ३४२० लग्नचंद्रिका-मूलमात्र मुम्बई १=)
- ३४२१ लघुपाराशरी-सटीक " १)
- ३४२२ लीलावती-मूल कलकत्ता ॥)
- ३४२३ लीलावती-सटीक राधावल्लभ कृत " १॥)
- ३४२४ लीलावतीविवरण-व्यक्तवासना १)
- ३४२५ लीलावती-लीलावती वासना सहित काशी २॥)
- ३४२६ Lilavati translated into English by Colebrooke and re-
vised with notes by H. C. Banerji. Calcutta 8-0-0
- ३४२७ Vasantarajakakuna text ed. by Hultzsch in German 4-0-0
- ३४२८ वासिष्ठसंहिता-मूल मुम्बई २)
- ३४२९ वास्तवचन्द्रशृङ्गोच्चतिसाधन-पं. सुधाकर द्विवेदी कृत व्या-
ख्या सहित काशी १)
- ३४३० वास्तुरत्नावली-जीवनाथेन विरचिता काशी ॥)
- ३४३१ विद्यामाध्वीयम् (मुहूर्तदीपिकायुतम्) ३ भाग में मैसूर ७॥)
- ३४३२ विवाहवृन्दावन-सटीक मुम्बई १॥=)
- ३४३३ विश्वहितम्-मथुरानाथ विरचित कलकत्ता १॥)
- ३४३४ वैजयन्ती पंचांगगणितम्-केतकर विरचित २॥)
- ३४३५ वृद्धसूर्यार्णवकर्मविपाक-संपूर्ण मुम्बई ७)
- ३४३६ व्यक्तवासना-पं. चन्द्रशेखर झा विरचित काशी १=)
- ३४३७ शाकुनसारोद्धार-श्रीमाणिक्यसूरि कृत जामनगर १=)
- ३४३८ शास्त्रशुद्धपञ्चांग-अयनांश निर्णय १)

- ३४३६ शिष्यश्रीवृद्धिदः—लल्लाचार्य विरचित काशी २।)
 ३४४० शंभुद्वाराप्रकाश—संपूर्ण मुम्बई २॥)
 ३४४१ श्रीपतिजातक—खुलापत्रा काशी ॥।)
 ३४४२ सञ्जनवल्लभः—भानु विरचित " ॥
 ३४४३ संकेतनिधि सटीक " १॥
 ३४४४ संवत्सरनिर्णय—गणेशदत्तसंकलितः " ॥)
 ३४४५ सरलात्रिकोणमिति-म. म. बापुदेव शास्त्रि संकलितः काशी ३)
 Plane Trignometry by M. M. Bapu Dev Sastri. 3-0-0
 ३४४६ सर्वार्थचिन्तामणि—मूल मुम्बई १)
 3447 Sarvarthachintamani—English translation by Soorya-
 narayana Sastri in 3 parts. 17-0-0
 ३४४८ सामुद्रिकशास्त्र-श्लोकवद्ध खुला जामनगर ॥=)
 ३४४९ सारावली—फलादेश का प्राचीन ग्रन्थ मुम्बई १॥)
 ३४५० सिद्धान्ततत्त्वविवेक—कमलाकर विरचित काशी १०॥)
 ३४५१ सिद्धान्तदैवज्ञविनोद— मुम्बई ३)
 ३४५२ सिद्धान्त शिरोमणि—भास्कराचार्य विरचित-मुनीश्वर विर-
 चित टीका सहित काशी ३)
 ३४५३ सिद्धान्त शिरोमणि—गणिताध्याय वासनाभाष्य तथा बापुदेव
 शास्त्रि कृत टिप्पणी सहित काशी २)
 ३४५४ सिद्धान्तशिरोमणि—गोलाध्याय-वासनाभाष्य सहित " २)
 3455 Suryaprajnapti—Jaina Agama translated into Eng-
 lish by Dr. Shamasastri. 10-0-0
 ३४५६ सूर्यसिद्धान्त-म. म. पं. सुधाकर द्विवेदी कृत सुधावर्षिणी
 व्याख्या सहित संपूर्ण कलकत्ता ३)
 3457 English trans. of Surya Siddhanta by Pt. Bapu Deva
 Sastri and Siddhanta Siromani translated by L. Wil-
 kinson 1861 very rare. 30-0-0
 3458 Surya Siddhanta or a text book of Hindu astronomy
 translated into English describing fully each and every
 technical points with many examples and diagrams
 with notes and an appendix by E. Burgess in the press
 ३४५९ सोदाहरण मकरंदसारिणी—खुलापत्रा मुम्बई ॥।)
 ३४६० सौरार्यब्रह्मतिथिगणित—केतकर विरचित पूना २।)
 ३४६१ स्वप्नचिन्तामणि—श्रीजगद्देवविरचित जामनगर ॥।)
 ३४६२ हायनरत्न—मूल बलभद्र प्रणीत खुला मुम्बई २)

3463 Hindu Aryan Astronomy and Antiquity of Aryans
Race by Bhagwan Dass. 2-0-0

३४६४ होराशास्त्र-चराहमिहर प्रणीत-रुद्र कृत विवरण सहित ३३)

३४६५ त्रिशतिका-श्रीधराचार्य विरचित सटिप्पण काशी १।)

नीति ग्रन्थ

३४६६ अभिलषितार्थ चिन्तामणि-प्रथमभाग मैसूर २॥)

३४६७ ईसपकथा-सचित्र इलाहाबाद १-)

३४६८ ईसपनीतिकथा-दो भागों में मुम्बई ॥)

३४६९ कामन्दकनीतिसार-टीका केवल संपूर्ण सोसाइटी के छापे
का दुष्प्राप्य कलकत्ता २५)

Kamandaknitisar tika only complete very rare. 25-0-0

३४७० कामन्दकनीतिसार-भाषा टीका सहित मुम्बई १।)

3471 Kamandaknitisar translated into English by M. N.
Datt Very rare. Calcutta 15-0-0

३४७२ कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् अर्थशास्त्रस्य अति प्राचीनग्रन्थः
कौटिल्य प्रणीतः । इतः २३०० वर्षाणि पूर्वग्रन्थस्य निर्माण
कालः-दो भागों में संपूर्ण डा. जौली द्वारा सम्पादित-मूल,
विस्तृत अंग्रेजी भूमिका, अंग्रेजी नोट्स तथा महामहोपाध्याय
मध्वयज्व विरचित नयचंद्रिका प्राचीनव्याख्या सहित बढ़िया
सुनहरी २ जिलदों समेत लाहौर १०)

Kautiliyam Artha Sastram—original text prepared
with the help of Munich (German) Mss. Edited with
an extensive historical introduction of 47 pages and
English notes by Drs. J. Jolly M. A.,. The ancient
commentary Nayachandrika of Mahamahopadhyaya
Madhva Yajva with various notes is also added. Print-
ed on best paper cloth bound with gold letters. Com-
plete in two vols. Lahore 10-0-0

३४७३ कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्-म. म. गणपति शास्त्रि विरचित
श्रीमूलाख्य व्याख्योपेतम्—संपूर्ण ३ भाग द्रिवेण्डम् १२॥)

३४७४ कौटिलीयार्थशास्त्रपदसूची—३ भागों में संपूर्ण मैसूर ८॥)

3475 Kautilya Artha Sastra translated into English by Dr.
R. Shamasastri with introductory by Dr. Fleet. 6-0-0

3476 Kautilya Artha Sastra translated into German by J. J.
Meyer. No such complete translation is ever publish-

- ed with various valuable notes complete in 6 parts 63-0-0
- 3477 Theories Diplomatiques de L' Inde Ancienne et L' Ar-
thacastra by Kalidas Nag in french. 9-0-0
- 3478 Kautilya—a critical and historical study by Banerji. 7-8-0
- 3479 Kautilya Studien by B. Breloer 2 parts in German
1927-28. Germany 16-8-0
- 3480 Uber das wesen der Altindischen Rechtsschriften-und
ihr verhaltnis zur einander und zu Kautilya von J. J.
Meyer. Germany 20-0-0
- 3481 Przyczynki do badan and Kautilya by Sluszkiewich 3-0-0
- ३४८२ चाणक्य कथा—रविनर्तक विरचित with Bengali trans.
by S. C. Law. कलकत्ता १)
- ३४८३ चाणक्य-राजनीतिशास्त्र- कलकत्ता III=)
- ३४८४ चाणक्यशतक— " II=)
- 3485 Stimmen Indischer Lebensklugheit die unter Canak-
ya's Namen gehende Spruchsammlung in mehreren
Rezensionen untersucht und nach einer Rezension uber-
sucht von O. Kressler 1907. Germany 10-0-0
- 3486 Canakya Poete Indici sententus by Klatt. 3-0-0
- 3487 Art of war in Ancient India by Govinda T. Date.
- ३४८८ नीतिप्रकाशिका—text ed. by Oppert. 5-0-0
- ३४८९ नीतिवाक्यामृत—सोमदेवसूरि रचित सटीक विस्तृत भूमि-
का सहित मुम्बई २I)
- ३४९० नीतिवाक्यामृत-सटीक-एक अन्य टीका मुम्बई १)
- ३४९१ पंचतंत्र—मूलमात्र-अत्युत्तम् " १I)
- ३४९२ पंचतंत्र—मूल edited by G. Buhler. १=)
- ३४९३ पंचतंत्र—मूल-reconstructed Sanskrit text with intro.
by Edgerton complete. Poona 1-8-0
- ३४९४ पंचतंत्र-पं. जीवानंद कृत व्याख्या सहित कलकत्ता ३)
- ३४९५ पंचतंत्र—(अश्लील पाठ रहित) पं. जीवाराम कृत टीका १III)
- ३४९६ पंचतंत्रसंग्रह—संक्षिप्त Abridged edition मदरास १)
- 3497 Panchatantra translated into English by A. W. Reyder
470 pages complete English translation America 12-0-0
- 3498 Panchatantra I-V with English trans. by Apte. 2-0-0
- 3499 Panchatantra with English notes by Godbole. 2-8-0
- 3500 Panchatantra with notes and literal trans. only of the

- difficult slokas by Kale. 2-0-0
- 3501 Panchatantra das sudliche Sanskrit text by H. Blatt 1930. 5-0-0
- 3502 Eine zweite Rezension des Tantrakhyaika by Hertel 2-8-0
- 3503 Panch Tantra Vol. I A collection of Ancient Hindu Tales in the recension called Panchkhyanaka dated 1199 A. D. of the Jain Monk Purnabhadra critically edited in the original Sanskrit by Dr. J. Hertel Ph. D. Vol. II. Text of Purnabhadra with a critical introduction and list of variants by Dr. Hertel. Vol. III Text of Purnabhadra and its relation to text of allied recensions as shown in parallel specimens Vol. IV A collection of Ancient Hindu Tales in its oldest recension the Kashmirian entitled the Tantrakhyanika, Sanskrit text edited by Dr Hertel. Price of the complete set in 4 vols. America 40-0-0
- 3504 Panchtantra (Reconstructed) text critical apparatus introduction and translation by Edgerton 2 Vols. 41-4-0
- 3505 Tantrakhyayika—die älteste fassung des Panchatantra von Hertel. Germany 15-0-0
- 3506 Panchtantra Studies by A. Venkatsubbiah. 2-0 0
- 3507 Über einen südlichen textus amplior des Panchatantra von Hertel. Germany 2-8-0
- ३५०८ बार्हस्पत्यार्थशास्त्र-मूल तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित २॥) Barhaspatya Artha Sastra text edited with an introduction, notes and English translation by Dr. F. W. Thomas M. A., together with an historical introductory remarks and indexes by Pt. Bhagavad Datta 2-8-0
- ३५०९ बुद्धभूषण-श्रीशंभुनृप विरचित मुम्बई १॥) ३५१० मानसोल्लास—सोमेश्वरदेव कृत प्रथम भाग बङ्गोदा २॥) Manasollasa—an encyclopædic work treating of 100 different topics connected with the Royal household and the Royal court by Someshwar, of 12th century 2-12-0
- 3511 Megasthenes und Kautilya von Dr. O. Stein. 9-0 0
- ३५१२ युक्तिकल्पतरु-श्रीभोजराज विरचित कलकत्ता २॥) ३५१३ रत्नसमुच्चय—विविध पद मुम्बई १) ३५१४ राजनीतिरत्नाकर-श्रीचण्डेश्वरेण विरचितः पटना ५)

- Rajnitiratnakar of Chandeshwara edited by K. P. Jayaswal Esqr., Poona 5-0-0
- ३५१५ वसिष्ठधनुर्वेदसंहिता-वसिष्ठ मुनि विरचित भा. टी. ॥=)
- ३५१६ विदुरनीति-सटीक मुम्बई ॥=)
- ३५१७ शुक्रनीतिसार-अत्युत्तम-दुष्प्राप्य मदरास १२)
- Sukranitisara critically edited with variants etc. by G. Oppert Very rare Madras 12-0-0
- ३५१८ शुक्रनीतिसार—सटीक कलकत्ता ४)
- 3519 Sukranitisara translated into English by Prof. Bency Kumar Sarkar. Allahabad 6 0-0
- ३५२० श्यैनिकशास्त्र—श्रीरुद्रदेव विरचित कलकत्ता १)
- Shyainika Sastra or a book on hawking by Raja Rudra Deo with an English translation Calcutta 1-0-0
- ३५२१ समयोचितपद्यामालिका— मुम्बई ॥)
- ३५२२ हितोपदेश—मूलमात्र ,, ॥=)
- ३५२३ हितोपदेश—संस्कृत टीका सहित कलकत्ता २)
- ३५२४ हितोपदेश—edited by Peterson. 1-10-0
- 3525 Hitopadesha with English notes and trans. by Kale. 1-12-0
- 3526 Hitopadesha translated into English by Wortham 1-8-0
- 3527 Hitopadesha text with English trans. by Dravid 1-8-0
- 3528 English translation of Hitopadesha by Dravid. 1-0-0
- 3529 Hitopadesha translated literally into English by F. Johnson 1848. 12-0-0
- 3530 Indian Fables from the Sanskrit of Hitopadesha translated into English and illustrated in different original designs coloured by F. Lacombe Very nice printing in colour and gold binding. Original Price £3-3-0Rs.18-0-0
- 3531 Hitopadesha translated into German by Hertel. 1-8-0
- 3532 Uber text und verfasser des Hitopadesha ,, 2-8-0

सङ्गीतशास्त्र ग्रन्थ

- 3533 Indische Musik der Vedischen und der klassischen zeit von E. Feller. Germany 5-0-0
- 3534 Gurjara Fursten—Dadda Prasantaraga von Buhlar 2-0 0
- 3535 Dancing—A book of pictures by F. Daniels with an intro. and outline of her method by M. Morris with 40 plates. 11-0-0

- ३५३६ दत्तिलम्-दत्तिल मुनि प्रणीत टीवेंड्रम् १-)
- 3537 Fundamentals of Musical Art edited by E. Dickinson
all vols. America 50-0-0
- ३५३८ बृहदेशी—मातङ्ग मुनि विरचित टीवेंड्रम् १॥=)
- 3539 Music of India by Atiya Begam Fyzee Rahamin with
several illustrations. London 10-0-0
- 3540 Music of India by Popley in English 1-8-0 cloth 2-0-0
- 3541 Music of Hindustan by Strongways. 15-12-0
- 3542 Musical Composition of Somnath critically edited with
a table of notations by R. Simon. Germany 5-0-0
- 3543 Universal History of Music together with various ori-
ginal notes on Hindu Music by S. M. Tagore rare 25-0-0
- ३५४४ रागविबोध-सटीक-सोमनाथ विरचित ५॥)
- 3545 Vidyapati and his contemporaries by Grierson. 4-0-0
- ३५४६ शांकरी संगीत—जयनारायण विरचित कलकत्ता १=)
- 3547 Sangit Darpana of Damodara or the Mirror of Music
and Dance—Sanskrit text with translation by Bake. 16-0-0
- ३५४८ सङ्गीत पारिजात-अहोबल विरचित कलकत्ता १॥)
- ३५४९ सङ्गीत मकरन्द-नारद कृत मुम्बई २)
- ३५५० सङ्गीतरत्नाकर-शार्ङ्गदेव प्रणीत सटीक संपूर्ण पूना १०१)
- ३५५१ सङ्गीत समयसार—श्रीपार्श्वदेव विरचित टीवेंड्रम् १॥)
- 3552 Story of Indian Music and its instruments with 19
plates by E. Rosenthal. 7-8-0

वल्लभ सम्प्रदायग्रन्थाः

- ३५५३ जलभेदः-पञ्चपद्यानि-सेवाफलम् १=)
- ३५५४ तत्त्वदीपनिबन्धः— ३॥)
- ३५५५ नवरत्नम्-पञ्चविवृत्तिसमेतम् १=)
- ३५५६ निरोधलक्षणम्—षड्विवरणसमेतम् १=)
- ३५५७ पत्रावलम्बनम्—पुरुषोत्तम कृत विवृत्ति समेत १=)
- ३५५८ पुष्टिप्रवाहमर्यादा—चतुर्विवरणसमेतम् १=)
- ३५५९ प्राभञ्जनम्-मूलमात्र ४)
- ३५६० प्राभञ्जनम्—सटीक मारुतशक्तिटीका ६)
- ३५६१ प्रेमाभूतम्—परिवृढाष्टकम् १॥=)
- ३५६२ भक्तिवर्धिनी—चतुर्दशटीका समेतम् ३॥)

३५६३ राधासुधानिधि—संस्कृत टीका समेत	१॥)
३५६४ रासपञ्चाध्यायीप्रकाशः—श्रीपीतांबर प्रणीत	१=)
३५६५ वल्लभपुष्टीयप्रकाश—अत्यन्त उपयोगी	५)
३५६६ विद्वन्मंडनम्—त्रणटीका	५)
३५६७ श्रीपुरुषोत्तमनामसहस्रम्—नामचंद्रिकायुतम्	१॥)
३५६८ श्रुतिरहस्यम्—सप्रकाशम्	१=)
३५६९ शृङ्गाररसमंडनम्—श्रीविद्वत्तेश्वर प्रकटितम्	२॥॥)
३५७० सन्यासनिर्णय—अष्टविवरण समेतम्	१=)
३५७१ सिद्धान्तमुक्तावली—अष्टविवृत्ति समेता	१=)
३५७२ सिद्धान्तरहस्यम्—एकादश विवरण समेतम्	१=)
३५७३ सेवाफलम्—द्वादशविवरण समेतम्	१=)
३५७४ त्रिविधनामावली—टीका समेता	१५=)

स्तोत्रग्रन्था

३५७५ अपराजितास्तोत्र—मूलपाठ	=)
३५७६ आदित्यहृदयस्तोत्र—मूलमात्र	=)
३५७७ अर्धनारीश्वरस्तोत्राणि— „	मदरास =)॥
३५७८ इंद्राक्षीस्तोत्र—मूलपाठ	-)
३५७९ इंद्राक्षी तथा शिवकवचम्—	मदरास =)॥
३५८० गुरुपरम्परास्तोत्र—	=)॥
३५८१ दशावतारस्तोत्राणि—व्याख्या सहित पुरुषसूक्ति+श्रीसूक्त+ दुर्गासूक्ति	मदरास =)॥
३५८२ बृहस्तोत्र रत्नाकर—	॥)= तथा १) तथा १॥॥)
३५८३ भुजंगस्तोत्राणि—शंकर विरचिता	=)॥
३५८४ महिम्नस्तोत्र—मूल	-)॥
३५८५ महिम्नस्तोत्र—मधुसूदनीटीका	(=)
३५८६ „ सुबाधनी	=)
३५८७ मुकुन्दमाला—कुलशेखर विरचित	मदरास =)॥
३५८८ ललितासहस्रनाम—मूल ।-) तथा सटीक	मुम्बई १॥॥)
३५८९ ललितास्तवरत्नम्—दुर्वासा विरचित	मदरास =)
३५९० ललितात्रिशतीस्तोत्र—देवीपंचरत्नसहित	=)
३५९१ लक्ष्मीनारायणहृदय—मुम्बई	मुम्बई ।=)
३५९२ लक्ष्मीस्तोत्र—मूल	-)
३५९३ लक्ष्मीस्तोत्राणि—६ स्तोत्र	=)॥

३५६४	लघुस्तोत्राणि-नृसिंहभारती विरचित २ भाग	१-)
३५६५	विष्णुपदादिदेशान्तस्तोत्र	मदरास ॥-)
३५६६	विष्णुसहस्रनाम - मूलपाठ	१-) तथा १-) तथा ३=)
३५६७	विष्णुसहस्रनाम—शंकरभाष्य सहित	॥=)
३५६८	विष्णुसहस्रनाम-भगवद्गुणदर्पण व्याख्या बड़ा भाष्य	५)
3599	Vishnu Sahasranama with Shankara's comm. and English translation by R. A. Sastry.	2-0-0
३६००	वेदान्तदेशिक कृत स्तोत्राणि—२ भागों में	मदरास १=)
३६०१	सप्तपाठि-श्रीशिवमहिम्नस्तोत्र	काशी १)
३६०२	स्तुतीमंजरी—सेतुराम शर्मा विरचित	१-)
३६०३	स्तोत्रमुक्ताहार-२ भागों में (४१६ स्तोत्र)	१॥)
३६०४	स्तोत्राणि—वेदान्तदेशिक	=)॥
३६०५	स्तोत्राणि—चंद्रशेखर भारति स्वा. विरचित	मदरास =)॥
३६०६	शक्तिमहिम्नस्तोत्र—दुर्वासा विरचित	=)॥
३६०७	शारदाचतुःषष्टि—नृसिंह भारती विरचिता	=)॥
३६०८	शारदानवरात्री स्तोत्र- „ „	=)॥
३६०९	शिवतांडव—)॥	तथा सटीक -)॥
३६१०	शिवदण्डक-भास्कर विरचिता	=)॥
३६११	शिवसहस्रनाम-मूल	=)
३६१२	शिवस्तोत्रावली-२ खंड में	काशी =)
३६१३	श्रीरुद्रम्+चमकम्—	मदरास =)

जैन ग्रन्थ

३६१४	अष्टाईव्याख्यान-गद्य	जामनगर ॥=)
३६१५	अंजनासुन्दरीचरित्र-शुभशीलगणि कृत	„ ॥)
३६१६	अतिमुक्तिमुनिचरित्र- „	„ १=)
३६१७	अध्यात्मकल्पद्रुम—कर्ता मुनि सुन्दर सूरि	मुम्बई ॥)
३६१८	अनगारधर्मासृत-पं. आशाधर भट्ट कृत	„ ४॥)
३६१९	अन्निकापुत्रचरित्र-शुभशीलगणि कृत	जामनगर ॥)
३६२०	अनुत्तरोपपातिकदशा सोपचारिकं—	मुम्बई १)
३६२१	अनुयोगद्वार-सूत्र श्रीहेमचंद्रसूरि कृत वृत्ति सहित „ २॥)	
3622	Antagada Dasao and Anuttarovai Sutras translated into English by L. D. Barnett M. A. Very rare.	10-0-0
३६२३	अंबडचरित्र-गद्य अमरसूरिविरचित	जामनगर १॥)

- ३६२४ अन्त्योक्तिशतक-दर्शन विजयगणि कृत ,, 1=)
- ३६२५ अभयकुमारचरित्र-महाकाव्य-चंद्रतिलकोपाध्याय कृत १५)
- ३६२६ अमरदत्त मित्रानंद चरित्र- जामनगर ॥)
- ३६२७ अर्धमागधीरीडर- डा. बनारसीदास जैन एम. ए कृत अर्ध-
मागधी सीखने के लिये अत्युत्तम पुस्तक लाहौर ३)
Ardha Magadhi Reader by Prof. Banarsi Dass Jain
M. A., It contains grammar of Ardha Magadhi, His-
tory of Ardha Magadhi, literature, together with an
account of its present recension, bibliography, Mss.
etc., extracts from the texts, their translation and
index. It serves as an introduction to the study of
Jaina Agamas. Lahore 3-0-0
- ३६२८ अवन्तिसुकुमालचरित्र-शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥)
- ३६२९ आचारप्रदीप-रत्नशेखरसूरि कृत मुम्बई
- ३६३० आचारप्रदीप-रत्नशेखरसूरि कृत जामनगर ६॥)
- ३६३१ आचारसार -- ॥)
- ३६३२ आचाराङ्गसूत्र-मूलपाठ-पाठभेद सहित अहमदाबाद १।)
- 3633 Acharanga Sutra or the first Anga of the Jainas text
edited with analyse, notes and glossary by W Schu-
bring. 7-0-0
- 3634 Ātma Dharma by C. R. Jain. 0-6-0
- ३६३५ आत्मप्रबोध-सटीक-जिनलाभसूरि कृत जामनगर ८)
- 3636 Atma Ramayana by Barrister Champat Rai. 1-2-0
- 3637 Atma Siddhi or the Self Realisation by J. L. Jain. 0-14-0
- 3638 Atmanushasana (Discourse to the Soul) translated into
English by J. L. Jain. 4-8-0
- ३६३९ आदिनाथचरितम्-श्रीहेमचंद्र कृत २॥)
- ३६४० आनंदकाव्यमहोदधि-प्रथमभाग-गुजराती दुष्प्राप्य ५)
- 3641 Article on Jinkirti's Ohampakkathanak in German by
Bohtlingk. 1-0-0
- ३६४२ आर्द्रकुमारचरित्र-शुभशीलगणि कृत १)
- ३६४३ आबु-लेखक श्री जयन्तविजय-ऐतिहासिक गुजराती में 1=)
- ३६४४ आरंभसिद्धि, दिनशुद्धि तथा लग्नशुद्धि जैन ज्योतिष ११।)
- ३६४५ आराधनासार-सटीक मुम्बई 1=)
- ३६४६ आवश्यकसूत्र-पूर्वभाग श्रीमलयगिर्याचार्य कृत विवरणयुक्त-

- श्रीभद्रबाहुस्वामि कृत निर्युक्ति सहित ४॥)
- 3647 Avasyaka Sutra of the Jainas text edited by E. Leumann in Roman. 1-12-0
- 3648 Indian sect of the Jainas by G. Buhler translated into English and edited with an outline on Jaina Mythology by G. Burgess. ५-8-0
- 3649 Introduction into Jainism by A. B. Lathe. 1-4-0
- ३६५० इलातिपुत्रचरित्र-शुभशीलगणि कृत ॥)
- ३६५१ उत्तमकुमारचरित्र-चारुचन्द्रजी कृत ॥)
- ३६५२ उत्तराध्ययनसूत्र-अत्युत्तम १६२१ यू रूप १८॥)
- Uttaradhayana Sutram. Prakrit text in Sanskrit characters with an historical introduction and full commentary in English by Prof. J. Charpentier 1921. Best edition. 18-8-0
- ३६५३ उत्तराध्ययनसूत्र—सर्वार्थसिद्धि टीका सहित ४ भाग २०)
- ३६५४ उत्तराध्ययनसूत्र-लक्ष्मीवल्लभगणि कृत टीका जामनगर २५)
- 3655 Uttaradhyayana and Sutrakritanga Sutras translated into English by H. Jacobi. 11-4-0
- ३६५६ उपदेशकल्पवल्ली-सटीक जामनगर ७॥)
- ३६५७ उपदेशचिन्तामणि—जयशेखरसूरि कृत ४ भाग १६॥)
- ३६५८ उपदेशप्रदमहाग्रन्थ-श्रीहरिभद्रसूरि प्रणीत तथा मुनिचन्द्रसूरि कृत सुखसम्बोधिनी टीका सहित २ भागों में मुम्बई १०)
- ३६५९ उपदेशमाला सटीक—धर्मदासगणि कृत जामनगर ११)
- ३६६० उपदेशरत्नाकर-मुनिसुन्दरसूरि विरचित ,, ५)
- ३६६१ उपदेशसार-गद्यपद्यात्मक ,, ४॥)
- ३६६२ उपधानविधि- भावनगर ॥)
- ३६६३ उवासगदसाओ-अत्युत्तम पूना ५)
- Uvasagadasao or the 7th. Anga of the Jain canon critically edited with introduction, glossary, notes, and appendices by Dr. P. L. Vaidya 1930 Very useful for students. 5-0-0
- ३६६४ उवासगदसाओ-अंग्रेजी अनुवाद सहित दुष्प्राप्य २०)
- Uvasaga Dasao or the religion profession of an householder expounded in 10 lectures with English translation by A. F. Rudolf Hoernle. Very rare. 25-0-0

- 3665 Rishabh Dev—the Founder of Jainism by Barrister Champat Rai Jain. 5-0 0
- 3666 An Epitome of Jainism by P. C. Nahar M. A., B. L., and K. C. Vedantchintamani. The work is a critical study of the metaphysics, ethics, history, etc., of Jainism in relation to the modern thought. It contains lucid and elaborate expositions of all that is worth knowing in the Jaina cult. Every one interested in Jain Philosophy, history and antiquity should possess a copy. It contains several appendices of valuable and useful information with 10 plates. Calcutta 6-0-0
- 3667 Essai de Bibliographie Jaina par A. Guerinot in French. Very rare and useful book. Paris 25-0-0
- 3668 Essays and addresses by C. R. Jain 2-8-0
- 3669 Outlines of Jainism edited by F. W. Thomas. 4 8-0
- 3670 On the Literature of Svetambaras by J. Hertel. 2-8-0
- 3671 Aupapatika Sutra or the first Upanga of the Jainas critical edition of the text in roman ch. prepared by Prof. E. Leumann. Germany 12-0 0
- ३६७२ कथारत्नाकर—हेमविजयमणि कृत जामनगर १२)
- 3673 Confluence of Opposition by C. R. Jain. 2-12-0
- 3674 Comparative Study of Indian Science of Thought from the Jain Standpoint by H. Bhattacharya. 1-2-0
- ३६७५ कर्पूरप्रकर सटीक—कथा सहित जामनगर ४।)
- ३६७६ कर्पूरप्रकर सटीक—बड़ी टीका सहित अहमदावाद ५)
- ३६७७ कर्मग्रन्थ—श्रीमद्देवेन्द्रसूरि संकलित स्वोपपञ्चवृत्तियुक्त-
- ३६७८ सटीकाश्रवारः प्राचीनाः कर्मग्रन्थाः—मूल कर्मस्तवभाष्य षड-शीतिभाष्यैरुप वृद्धिताः दुष्प्राप्य १०)
- 3679 Karma Philosophy by Virchand R. Gandhi 0-12-0
- ३६८० कण्ववज्रायुधनाटक—श्रीबालचन्द्र प्रणीत ॥।)
- ३६८१ कलावतीचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर १)
- ३६८२ कल्प-व्यवहार-निशीथ सूत्राणि-अत्युत्तम् पूना २।)
- ३६८३ कल्पसूत्र—मूल श्रीभद्रबाहुविरचित मुम्बई १।)
- ३६८४ कल्पसूत्र—सुबोधिकाख्य वृत्तियुतं मुम्बई ३)
- 3685 Kalpa Sutra and the Nava Tattva translated into English by J. Stevenson. Big Library edition. 7-8 0

- 3686 Das Kalpa Sutra text etc. in Roman and German by Schubring. 2-0-0
- ३६८७ कामघटकथा—गद्य जामनगर ॥१)
- ३६८८ काव्यमाला—तेरहवां गुच्छुक (इसमें पवनदूतकाव्य है) १)
- ३६८९ काव्यमाला—सप्तमगुच्छुक-इसमें २३ स्तोत्र हैं ११)
- ३६९० काव्यसंग्रह प्रथमोविभाग—कर्ता श्रीधर्म वर्धन गणि ३)
- 3691 Key of Knowledge by Barrister Champat Rai 10-0-0
- ३६९२ कुम्भापुत्तचरित्र—critical edition of the text with notes glossary and intro. by Dr. P. L. Vaidya. 1-8-0
- ३६९३ कुमारपालचरित्र—कर्ता जयसिंह सूरि जामनगर ८१)
- ३६९४ कुमारपालप्रतिबोध—सोमप्रभाचार्य विरचित बड़ोदा ७॥)
- 3695 Der Kumarpalpratibodha eine Beitrage zur Kenntnis des Apabhramsa von I. Alsdorf in German 1928. 12-0-0
- 3696 Catalogue of Indian Collection in the Museum of Fine Arts Boston Part IV-Jaina Paintings and Manuscripts by Ananda K. Coomaraswami-Life of Mahavira etc., with 39 plates. The book is of a great value to Jaina Scholars 1924. America 15-0-0
- ३६९७ कौमुदीमित्रानन्दनाटक—श्रीरामचंद्र प्रणीत ॥१)
- ३६९८ गजसुकुमालचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥१)
- ३६९९ गणधरसाधेशतक—सटीक २१)
- ३७०० गांगेयमंगप्रकरण—सटीक ॥१)
- 3701 Glimpses of a hidden science in the original Chiristian Teachings 1-2-0
- ३७०२ गुणस्थानकमारोहवृत्ति—गय रत्नशेखरसूरि कृत १॥)
- ३७०३ गुरुगुणषट्त्रिंशत् सटीक—रत्नशेखरसूरि कृत ११)
- ३७०४ गुरुगुणरत्नाकरकाव्य—श्रीसोमचारित्र विरचित ॥२)
- ३७०५ गुरुतत्त्वविनिश्चय - भावनगर ३॥१)
- ३७०६ गुर्वावली—श्रीसुन्दरसूरि विरचित ,, १२)
- 3707 Gommatsara of Nemichandra (Jive Kand—the soul) translated into English by J. L. Jain. 10-0-0
- 3708 Gommatsara of Nemichandra (Karmakanda) translated into English by J. L. Jain. 7-8-0
- ३७०९ गौतमपृच्छावृत्ति—(मूल-टीका तथा कथाओं सहित) २)
- ३७१० गौतमचरित्र—कर्ता श्रीधर्मचन्द्र जी ११)
- 3711 Grammatik der Prakrit Sprachen von R. Fischel 22-0-0

- ३७१२ चतुःशरणादिमरण समाध्यन्तं प्रकीर्णकदशकं (छायायुतं) २)
 ३७१३ चंद्रप्रभवचरित्र-वीरनन्दि रचित मुम्बई १)
 ३७१४ चंदनबालाचरित्र-शुभशीलगणीकृत जामनगर ॥)
 3715 Champak, Pala und Gopala of Jina Kirti and Ratna-
 chuda of Gyansagara in German by Hertel. 6-0-0
 ३७१६ चरित्रसार- १)
 ३७१७ चार्तुमासिकव्याख्यानं तथा होलिकाख्यानम् कर्ता राजवल्लभ ॥=)
 ३७१८ चित्रसेनपद्मावति चरित्र-श्लोकबद्ध २)
 ३७१९ चेतोदूतकाव्य — ॥)
 ३७२० चेन्नणामहासति चरित्र-शुभशीलगणी कृत ॥)
 ३७२१ चैत्यवन्दन भाष्य — २१)
 ३७२२ चोयासीप्रबन्ध — (चतुरशीतिप्रबंधा) राजशेखरसूरि कृत ४)
 ३७२३ छन्दोऽनुशासन-कर्ता हेमचन्द्राचार्य दुष्प्राप्य ५)
 ३७२४ जगद्गुरुकाव्य-एतिहासिक काव्य ॥=)
 ३७२५ जम्बुद्वीप प्रज्ञप्ति-मूल प्राकृत, संस्कृतव्याख्या, तथा भाषा
 टब्बा सहित रा. व. धनपतिसिंह जी का एडीशन दुष्प्राप्य ४०)
 ३७२६ जम्बुद्वीप प्रज्ञप्ति-श्रीशान्तीचंद्र वाचकेन्द्र विहितं विवरणयुतं
 संपूर्ण दुष्प्राप्य मुम्बई ५०)
 ३७२७ जयानंद केवलीचरित्र-मुनिसुन्दरसूरि जामनगर १०)
 ३७२८ जलपकलपलता-श्रीरत्नमण्डन कृत दुष्प्राप्य मुम्बई २)
 ३७२९ जसहरचरित्र of पुष्प दंत-अपभ्रंश भाषा का ग्रन्थ ६॥)
 Jasaharacararu of Pushpadanta in Apabhramsa work of
 the 10th century critically edited with an introduc-
 tion, glossary and notes by Dr. P. L. Vaidya 6-8-0
 3730 Jina Kirti's Geschichte von Pala and Gopala 5-0-0
 ३७३१ जिनदत्तचरित्र-गुणभद्राचार्य कृत ॥=)
 ३७३२ जीतकल्पसूत्र-श्रीसिद्धसेनगणिकृत प्राचीन चूर्णित सहित ३॥)
 ३७३३ जीवविचारप्रकरणसार्थ सावचूरिक-गुजराती भाषान्तर ॥)
 ३७३४ जीवसमासप्रकरण-श्रीहेमचंद्रसूरि निर्मितम् १॥)
 ३७३५ जीवाभिगमोपाङ्गम्-श्रीमलयगिर्याचार्य सूत्रितम् विवरणयुतं ५०)
 ३७३६ जीवाभिगमोपाङ्गम्-संस्कृत व्याख्या, तथा भाषा टब्बा सहित
 र. व. बा. धनपतिसिंह का एडीशन दुष्प्राप्य ५०)
 3737 Jaina Jatakas or an English translation of the Trisha-
 shthishalakapurushacharita of Sri Hemachandrachar-

ya by Prof. Banarsi Dass Jain M. A., Vol. I part I. Complete Historical record of the Jainas. This part contains previous births of the Lord Rishabha the first Tirthamkara of the Jainas It is a very interesting book for research scholars and students of folklore. 4-8-0

- 3738 Jaina Gem Dictionary by J. L. Jaina. 1-4-0
 ३७३९ जैनतत्त्वप्रदीप-ड. श्रीमंगलविजय जी कृत १।)
 ३७४० जैनधर्मनो प्राचीन इतिहास-ले. श्रीहीरालाल हंसराज २॥)
 ३७४१ जैननित्यपाठसंग्रह—इसमें १६ नित्यपाठ हैं ॥)
 ३७४२ जैनपाठमाला-संग्रह ग्रन्थ है ॥)
 3743 Jaina Penance by Gurudas 3-8-0
 3744 Jaina Philosophy by Virachand R. Gandhi. 1-0-0
 ३७४५ जैन मेघदूतम्—मेरुतुङ्गाचार्य विरचित २)
 3746 Jaina Law by Barrister Champat Rai 7-8-0
 3747 Jaina Law by J. L. Jain. 1-8-0

३७४८ जैनलेखसंग्रह-बा. पूरणचंद जी नाहर द्वारा संगृहीत-यह सब से बड़ा संग्रह बड़े श्रम से तैयार किया गया है दो भागों में मूल्य दोनों भाग का १२) रु.

जैनलेखसंग्रह—तृतीयभाग जैसलमेर — बा. पूरणचंदजी नाहर संगृहीत इस भाग में जैसलमेर के कुल लेख बड़े परिश्रम से प्रकाशित किये गये हैं जैसलमेर के मंडार जगत्प्रसिद्ध तथा बहुत प्राचीन हैं लेखों के अतिरिक्त राजाओं की सूची-प्रतिष्ठा स्थानों की तालिका संवत् की सूची ओसवालों की उत्पत्ति आदि अनेक विषय हैं। इतिहास प्रेमियों को अति उपयोगी है हर एक जैनमात्र को इसे एक बार अवश्य पढ़ना चाहिये-अनेकों चित्र सहित न) Jaina Inscriptions-containing index of places, glossary of the names of Acharyas etc. compiled by P. C. Nahar M. A., B. L., Biggest collection of Jaina Inscriptions ever printed with several plates. complete in 3 vols. No library should be without this valuable collection. Very useful to Research scholars. Calcutta 21-0-0

- ३७४९ जैनवार्त्तिकम्—जैनमत प्रदर्शक वृत्ति सहित काशी २)
 3750 Jaina Psychology by Barrister Champat Rai. 1-2-0
 ३७५१ जैनशिलालेखसंग्रह—डः शीतल प्रसाद मुम्बई २॥)

- ३७५२ जैनस्तोत्ररत्नाकर—नित्यपाठ करने योग्य मुम्बई १)
- ३७५३ जैनस्तोत्र संग्रह— " " १)
- ३७५४ जैनस्तोत्र समुच्चय—इसमें १२२ स्तोत्र हैं " १॥)
- 3755 Jainism by H. Warren. 1-8-0
- 3756 Jainism Christianity & Science by C. R. Jain. 4-0-0
- 3757 Dictionary of Jaina Biography by U. S. Tank. 1-2-0
- 3758 Divinity in Jainism by H. Bhattacharya 0-10-0
- 3759 Discourse Divine by Barrister Champat Rai. 0-5-0
- ३७६० तत्त्वज्ञानतरंगिणी—कर्ता ज्ञानभूषण जामनगर १।)
- ३७६१ तत्त्वार्थधिगमसूत्र—मूल, गुजराती अनुवाद, तथा पं. सुख-
लालजी कृत विवेचना सहित अहमदाबाद २।)
- ३७६२ तत्त्वार्थधिगमसूत्र—श्रीउमास्वाति प्रणीत खोपझ सम्बन्ध-
कारिका श्रीदेवगुप्त सूरि श्रीसिद्धसेन गणि रचित तद् वृत्ति
द्वयविभूषितं खोपझ भाष्य श्रीसिद्धसेन गणि कृत टीका
समलङ्कृतं च प्रथमोभाग— मुम्बई ६)
- ३७६३ सभाष्यतत्त्वार्थधिगमसूत्राणि—सचित्र मुम्बई २॥।)
- ३७६४ तत्त्वार्थधिगमसूत्र—श्रीमदुमास्वातिना रचितम् स्वकृत भाष्य
सहितम् दुष्प्राप्य-सोसाइटी का छापा कलकत्ता १२)
Tattvarthadhigama Sutra of Sri Umaswati with Bha-
shya critically edited by K. Premchand Modi rare 12-0-0
- 3765 Tattvarthadhigama Sutra or a treatise on the essential
principles of Jainism text edited with introduction
translation, notes and commentary in English by J. L.
Jaini M. A. 4-8 0
- ३७६६ तत्त्वानुशासनादि संग्रह— मुम्बई १=)
- ३७६७ तन्दुलवैचारिकं—वृत्तियुतं सावचूरिकं च चतुः शरणं २)
- ३७६८ तीर्थकल्प—श्री जिनप्रभसूरि रचित १ भागा मुद्रिता ॥।)
- 3769 Der Jainismus von H. Glasenapp. No such complete
history of Jainism is ever written by a western scholar
with numerous plates 1925, Worth reading book in
German. Germany 26-4-0
- ३७७० दर्शनशुद्धि—सटीक चन्द्रप्रभसूरि कृत ६)
- ३७७१ दशवैकालिक सूत्र सटीक-टीकाकार समय सुन्दरोपाध्याय ६)
- ३७७२ दशार्ण भद्रचरित्र—कर्ता श्रीशुभशीलगणि जामनगर ॥)
- ३७७३ दानप्रकाश—कनककुशलगणि विरचित " १=)

- 3774 Die Jainas von W. Schubring 19-7. Germany 2-0-0
- 3775 Die Nonne-Padahlpta-in German by E. Leumann. 3-0-0
- ३७७६ देवेंद्रनरकेन्द्र प्रकरणम्-वृत्तियुतं भावनगर १)
- 3777 Dravyasaangrah of Nemichandra Siddh. Chakravarti and translated into English by S. C. Ghoshal M. A. 5-8-0
- ३७७८ द्रौपदीचरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर १)
- ३७७९ दृष्टान्त रत्नावली—अरिमल्ल विरचित ,, १=)
- ३७८० द्वाश्रयमहाकाव्य—आचार्य श्रीहेमचन्द्र कृतम् अभय तिलक-गणि विरचितया टीकया समेतम् २ भागों में संपूर्ण १८)
- ३७८१ धनदचरित्र गद्य—भावचंद्रसूरि विरचित ॥)
- ३७८२ धन्यकथानकम्- १-)
- ३७८३ धर्मकल्पद्रुम-मूल २)
- ३७८४ धर्मदत्तकथा—गद्य ११)
- ३७८५ धर्ममहोदय—रत्नविजय कृत १=)
- ३७८६ धर्मरत्नकरंड—सटीक-वर्धमानसूरि कृत २ भाग १५)
- ३७८७ धर्मविलास—मतिनंदन कृत जामनगर १)
- ३७८८ नन्दीषेणमुनिचरित्र शुभशीलगणि कृत ॥)
- ३७८९ नन्दीसूत्र—सटीक-श्रीमलयगिर्याचार्य प्रणीत वृत्तियुतं
- ३७९० नन्दीसूत्र—अनुयोगद्वार-आवश्यक ओघनिर्युक्ति-दशवैकालिक-पिंडनिर्युक्ति उत्तराध्यनानां विषयानुक्रमः २)
- ३७९१ नमस्कारमाहात्म्य-योगप्रदीप ॥१)
- ३७९२ नयचक्रसंग्रह—जैन न्याय मुम्बई ११)
- ३७९३ नर्मदासुन्दरीचरित्र-शुभशीलगणि कृत १)
- ३७९४ नरवर्माचरित्र—काव्य १)
- ३७९५ नवपदप्रकरण—श्लोपज्ञ लघुवृत्ति ११)
- ३७९६ नवपदप्रकरण—देवगुप्तसूरीश्वर प्रणीत-श्रीयशोदेव उपाध्याय विरचित बृहद्वृत्तिसहित ४)
- ३७९७ नयोपदेश—श्रीयशोविजय प्रणीत श्लोपज्ञ वृत्ति सहित ५)
- ३७९८ नागदत्तचरित्र—शुभशीलगणि कृत ॥=)
- ३७९९ निगोदषट्त्रिंशिका—रत्नसिंहसूरि विरचित ॥)
- ३८०० निरघावलिमुत्तं-text critically edited by Warren 10-0-0
- ३८०१ निर्वाणकलिका—श्रीपादलित्ताचार्य कृत ११)
- ३८०२ नेमीनाथमहाकाव्य—पद्यबद्ध सट्टिप्पण जामनगर १)
- 3803 Notes de Bibliographie Jaina par M. A. Guerinot 8-0-0

- 3804 Nyaya Karnika translated into English by Desai 1-0-0
३८०५ न्यायतीर्थ प्रकरणम्—मूल दुष्प्राप्य १)
- 3806 Nyayavtara of Sidh Sen Divakar Eng. trans. 1-0-0
३८०७ पदमचरियं अर्धमागधी-जैन रामायण अत्यन्त प्राचीन ग्रन्थ
है edited by Jacobi (2000 years old) मुम्बई ४॥)
- ३८०८ पणसिकहाण्यं—(राणसेणी का भाग) critically edited by
Dr P. L. Vaidya. 1-8-0
- ३८०९ पञ्चनिर्ग्रन्थी-प्रज्ञापनोपाङ्ग तृतीयपद संगृहणी १)
- ३८१० पञ्चमीकहा-धनपाल विरचित with an extensive historical
introduction. Baroda 6-0-0
- ३८११ पञ्चवस्तुकग्रन्थः-श्रीहरिभद्रसूरि विरचित-व्याख्यासमेता ४)
- ३८१२ पंचसंग्रह-सटीक-चंद्रर्षिमहत्तर विरचित ४ भाग संपूर्ण ३०)
- ३८१३ पञ्चसंग्रह-स्योपज्ञवृत्ति ३)
- ३८१४ पञ्चसंग्रह-अमितगतिस्सूरि विरचित मुम्बई १)
- ३८१५ पञ्चाख्यानवार्त्तिक-text edited by Hertel. 4-8-0
- 3816 Panchastikaya Sara translated into English by A.
Chakraverty. 4-8-0
- ३८१७ पदमचरितम्-रविषेणाचार्य कृत ३ भाग में मुम्बई ६)
- ३८१८ पदमचरित्र-कर्त्ता शुभवर्धनगणि- जामनगर ३)
- ३८१९ पदमानंद महाकाव्य-कवि अमरचंद्र विरचित बडोदा
- ३८२० पर्युषणाद्यष्टाह्निकव्याख्यान-कर्त्ता क्षमाकल्याणक ॥=)
- 3821 Painna des Jaina Kanons by Kamptz. 2-0-0
- 3822 Parmatma Prakash—of Yogindra Deo. 2-8-0
- ३८२३ परिशिष्टपर्व-श्रीहेमचन्द्राचार्य विरचितम् २॥)
- 3824 Parishishtaparva of Hemachandra translated into Ger-
man by J. Hertel. An historical record. 12-0-0
- ३८२५ पांडवचरित्र-श्रीशुभवर्धनगणि कृत जामनगर २॥)
- ३८२६ पार्श्वदेवचरितम्-श्रीभवदेवसूरि कृत भावनगर ३॥)
- ३८२७ पार्श्वनाथचरितम्-वादिराजसूरि प्रणीत ॥=)
- ३८२८ पिंडनिर्युक्ति-श्रीभद्रबाहु स्वामि प्रणीत सभाष्य ३॥)
- 3829 Peep behind the veil of the Karma. 0-2-0
- ३८३० पुण्यसारचरित्र-गद्य-भावचंद्रसूरि कृत ॥)
- ३८३१ पुद्गलषट्त्रिंशका-सटीक (श्रीरत्नसिंहसूरि) जामनगर ॥)
- ३८३२ पुण्यदेवचम्पू-श्रीमदर्हदासमहाकवि विरचिता १)
- ३८३३ पृथ्वीचंद्र चरित्र-कर्त्ता श्रीलब्धिसागरसूरि जामनगर १॥)

- ३८३४ प्रत्येकबुद्धचरित्र—गद्य जामनगर १)
- ३८३५ प्रत्येकबुद्धचरित्र—श्लोकबद्ध " ६॥)
- ३८३६ प्रतिमाशतक—श्रीयशोविजयजी कृत खोपख बृहद् वृत्ति ४)
- ३८३७ प्रतिमाशतक—सटीक १॥)
- ३८३८ प्रद्युम्नचरित्र—श्रीमहासेन कृत ॥=)
- ३८३९ प्रदेशीचरित्र—कर्त्ता पं. हीरालाल ३॥)
- ३८४० प्रबुद्धरौहिणेय नाटक—श्रीरामभद्र प्रणीत- ॥)
- ३८४१ प्रभाविकचरित्र ऐतिहासिक श्वेतांबरों के कवियों के जीवन १॥)
- ३८४२ प्रमाणनिर्णय—कर्त्ता श्रीमद्वादिराजसूरि मुम्बई ॥=)
- ३८४३ प्रमाणमीमांसा—कलिकाल सर्वज्ञ श्रीहेमचन्द्राचार्य प्रणीत
खोपख वृत्ति सहित पूना १॥)
- ३८४४ प्रमाणनयतत्त्वलोकालंकार—रत्नकरावतारिका लघु टीका १२)
- ३८४५ प्रमेयकमलमार्तण्ड—श्रीप्रभाचन्द्राचार्य विरचित जैन न्याय
का उत्कृष्ट ग्रन्थ मुम्बई ४)
- ३८४६ प्रमेयरत्नकोश—चन्द्रप्रभसूरि विरचित भावनगर २॥)
- ३८४७ प्रवचनसारोद्धार—वृत्ति सहित मुम्बई १०)
- ३८४८ प्रवचनसारोद्धार—सटीक नेमीचंद्रसूरि कृत जामनगर ३२)
- ३८४९ प्रश्नचिन्तामणि—कर्त्ता श्रीवीरविजयजी " ६)
- ३८५० प्रश्नरत्नाकराभिध—श्रीसेनप्रश्न—श्रीशुभविजयगणि संकलित २)
- ३८५१ प्रश्नोत्तररत्नमाला सटीक—कर्त्ता विमलाचार्य जामनगर १३)
- ३८५२ प्रस्तावशतक—सटीक—केसर विमल कृत " १२)
- ३८५३ प्राकृतकथासंग्रह—सं. मुनि श्री जिनविजयजी कृत ॥)
- ३८५४ प्राकृत व्याकरण का सं. परिचय ॥)
- ३८५५ प्राचीन जैन लेखसंग्रह—सं. मुनिजिनविजय जी दूसरा भाग २॥)
- ३८५६ प्रायश्चित्तसंग्रह— १॥)
- ३८५७ प्रियंकरचरित्र—अत्युत्तम जामनगर २)
- 3858 Practical Dharma by Barrister Champat Rai. 1-12-0
- 3859 Practical Path by C. R. Jain 3-8-0
- 3860 Faith, Knowledge and Conduct by Do. 1-12-0
- 3861 Fragment der Bhagwati by A. Weber in 2 parts 1866
very rare. Germany 30-0-0
- ३८६२ बंधषट्त्रिंशका—अवचूरि सहित ॥=)
- ३८६३ बम्बई प्रान्त के प्राचीन जैन सारक—संग्रहकर्ता: ब्रह्मचारी
शीतल प्रसाद जी सूरत १)

- ३८६४ बलभद्रचरित्र—श्रीशुभ वर्धनगणि कृत जामनगर ॥=)
- 3865 Buddha and Mahavira von Dr. E. Leumann. 2-0-0
- ३८६६ बृहत् क्षेत्र समास - सटीक ४॥)
- 3867 Brahmadatta by E Pavolini Roma 1892. 2-8-0
- 3868 Bright Ones in Jainism by J. L. Jaini. 0-10-0
- ३८६९ ब्राह्मीसुन्दरीचरित्र—कर्ता श्रीशुभशीलगणि जामनगर ॥=)
- ३८७० भक्तामरस्तोत्र—सटीक कथा सहित „ ३)
- ३८७१ भक्तामरस्तोत्र—की पादपूर्तिरूप काव्य संग्रह १म भाग ४)
- ३८७२ भगवतीसूत्र—मूल तथा गुजराती अनुवाद सहित-अनुवादक पं. बेचरदास तथा पं. भगवानदास जी ३ भाग अहमदाबाद २८)
- ३८७३ भगवतीसूत्र—गुजराती भाषांतर १म भाग भावनगर ३)
- ३८७४ भद्रबाहुस्वामि चरित्र—शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥)
- ३८७५ भरटकद्वात्रिंशका—critically edited by Hertel. ३-8-0
- ३८७६ भरटकद्वात्रिंशका—मूल १)
- 3877 Bhavisatta Kaha of Dhanapala—Jaina legend in Apabhramsa text edited with an introduction of 90 pages by H. Jacobi 1918 Very useful text in Roman. 12-0-0
- ३८७८ भावसंग्रहादि— मुम्बई २॥॥)
- ३८७९ भुवनभानु केवलीचरित्र—कर्ता इन्द्रहंसगणि जामनगर ३)
- ३८८० मंगलकलशचरित्र—गद्य कर्ता श्रीभावचंद्रसूरि: „ ॥)
- ३८८१ मंडलप्रकरण—खोपज्ञ वृत्ति सहित ॥)
- ३८८२ मदनरेखाचरित्र—शुभशीलगणि विरचित ॥॥)
- ३८८३ मध्यप्रान्त, मध्यभारत व राजपूताना के प्राचीन स्मारक १॥)
- ३८८४ मलयसुन्दरीचरित्र—श्लोकबद्ध-जयतिलकसूरि विरचित ४)
- ३८८५ मल्लीनाथचरित्र—शुभवर्धनगणि कृत २)
- ३८८६ मल्लीनाथचरित्र—श्रीविनयचंद्र कृत ३॥॥)
- 3887 Mahanishitha Sutta von W. Schubring containing intro., indexes etc. Germany 8-0-0
- ३८८८ महावीर चरित्रं—प्राकृत १॥)
- ३८८९ महावीर चरित्रं—प्राकृत-श्रीगुणचंद्र विरचित ४)
- ३८९० महावीरजिनस्तुतिसंग्रह—सटीक जामनगर ॥=)
- ३८९१ मार्गपरिशुद्धि—यशोविजय कृत ॥=)
- ३८९२ मुनिपतिचरित्र—गद्य २॥)
- ३८९३ मूलाचार—आचारवृत्ति सहित २ भाग मुम्बई ५)

- ३८६४ मुर्गाकचरित्र—श्रीऋद्धिचंद्र प्रणीत ॥)
- ३८६५ मुगावतीचरित्र—मल्लधारीदेवप्रभसूरि कृत जामनगर २)
- ३८६६ मेघकुमारमुनि चरित्र—शुभशीलगणि कृत ॥=)
- ३८६७ मेघदूतसमस्यालेख—कर्ता श्री मेघ विजय ॥=)
- ३८६८ मेतार्यमुनिचरित्र— ॥)
- ३८६९ मेरुत्रयोदशी व्याख्यान—कर्ता क्षमाकल्याणक जी जामनगर १)
- ३९०० मैथिलकल्याण नाटक—कर्ता श्री हस्तिमल ॥)
- ३९०१ यशोधरचरित्र—माणिक्यसूरि कृत जामनगर २)
- ३९०२ युक्लयनुशासन—सटीक कर्ता श्रीसमन्तभद्राचार्य मुम्बई १)
- ३९०३ Yoga Philosophy by Virchand R. Gandhi. 0-14-0
- ३९०४ योगशास्त्र—श्रीहेमचंद्र प्रणीत संपूर्ण अहमदाबाद ५)
- ३९०५ रत्नकरंड श्रावकाचार— ॥=)
- ३९०६ रत्नकरंड श्रावकाचार—श्रीसमन्तभद्र विरचित सटीक २॥)
- ३९०७ Ratnakaranda Shravkachar or House Holder's Dharma with English trans. by C. R. Jain. 1-8-0
- ३९०८ रयण सेहरी कहा—श्रीजिनहर्षगणि विरचित दुष्पाप्य २)
- ३९०९ Right Solution by C. R. Jain. 0-5-0
- ३९१० राजप्रश्रीयम्—श्रीमलयगिरि प्रणीत वृत्तियुतम् ५)
- ३९११ राज्ञीमतिचरित्र—क. शुभशीलगणि ॥)
- ३९१२ Religion d' Jaina-Histoire, Doctrine Culte, Costumes, institutions par A. Guerinot 25 plates 1926. 10-8-0
- ३९१३ Real Nature of Parmatma by N. S. Agarker. 0-4-0
- ३९१४ रूपसेनचरित्र—गद्य कर्ता श्रीजिनसूरि: १॥)
- ३९१५ रोहिणीअशोकचंद्र कथा—कर्ता श्री कनक कुशल १)
- ३९१६ रोहिणी चरित्र २॥)
- ३९१७ रौहिण्येय कथानकम् भावनगर ॥=)
- ३९१८ लघ्वीयस्त्रयादि संग्रह मूल—कर्ता भट्टकलङ्कदेव ॥)
- ३९१९ Life and Stories of Jain Saviour Parashvanath by M. Bloomfield. This book should arrest the attention both of students of the history of religion and students of comparative literature. America 12-0-0
- ३९२० Legend of the Jaina Stupa at Mathura by Buhler. 3-0-0
- ३९२१ Lord Arishtanemi by H. Bhattacharya. 0-8-0
- ३९२२ Lord Parashva by H. Bhattacharya. 0-6-0
- ३९२३ Lord Mahavira by H. Bhattacharya. 0-5-0

- 3924 Lord Mahavira by K. P. Jain. 0-6-0
- ३९२५ लोकप्रकाश—विनय विजय कृत २ भाग में ६)
- ३९२६ लोकप्रकाश—विनयविजय जी कृत संपूर्ण जामनगर ३०)
- 3927 What is Jainism by B. Champat Rai Jain. 0-1-0
- ३९२८ वर्धमानदेशना—कर्ता राजकीर्ति सूरि ६)
- 3929 Worte Mahavira-Words of Mahavira—A selection from the Kanons of the Jainas. German translation by W. Schubring 1927 Very interesting selection. 11-0-0
- ३९३० वसन्तविलास—बालचन्द्र सूरि कृत १॥)
- ३९३१ वासुदेवहिंडी—प्रथमभाग भावनगर ४॥)
- ३९३२ वासुपूज्यचरित्र—वर्धमानसूरि कृत ८ भागों में संपूर्ण ५२)
- ३९३३ वासुपूज्यचरित्र—श्लोकबद्ध (महाकाव्य) ४॥)
- ३९३४ विक्रमचरित्र—श्लोकबद्ध ३॥)
- ३९३५ विक्रमभूषणचरित्र १॥)
- ३९३६ विक्रान्तकौरव नाटक—हस्तिमल्ल कृत ॥)
- ३९३७ विचारसार प्रकरण—श्री प्रद्युम्न सूरि विरचित १)
- ३९३८ विजयचन्द्र केवली चरित्र—मागधी गाथाबंध १)
- ३९३९ विमलनाथ चरित्र—श्लोकबद्ध ज्ञानसागरसूरि कृत ६)
- ३९४० विमलशाहचरित्र—इंद्रहंसगणि विरचित जामनगर १)
- ३९४१ विवेकमंजरी सटीक—आसडकवि कृत २॥)
- ३९४२ विवेकमंजरी सटीक—कर्ता आसडकवि जामनगर ५॥)
- ३९४३ विविधपञ्चावचूरि टीका १॥)
- ३९४४ विशेषावश्यक भाष्य सटीक संपूर्ण भावनगर ६२॥)
- ३९४५ विशेषावश्यक गाथा नामकारादिक्रमः ॥८)
- ३९४६ विशेषावश्यक (गुजराती में) श्री हेमाचार्य कृत २ भागों में ६॥)
- ३९४७ विंशतिस्थान विचारामृतसंग्रह—जिनहर्षसूरि विरचित ४॥)
- ३९४८ विष्णुकुमारमुनि—चरित्र शुभशीलगणि कृत ॥)
- ३९४९ विज्ञप्तित्रिवेणि—सम्पादक मुनि जिनविजय भावनगर ४)
- ३९५० वीतरागस्तोत्र—श्री हेमचन्द्राचार्य प्रणीत सटीक १॥)
- 3951 Where the shoe pinches by B. Champat Rai. 0-10-0
- ३९५२ वैराग्यशतक—सटीक कर्ता गुणविनय जामनगर १॥)
- 3953 Vavhara and Nishitha text edited by W. Schubring. 6-0-0
- ३९५४ शत्रुञ्जय महात्म्य—श्री धनेश्वर सूरि विरचित जर्मनी ८)
- Shatrunjaya Mahatmyam of Dhaneshwar Suri—An

- historical Jain record of the Jaina sacred shrines of Shatrunjaya Hill in Kathiawad text ed. by A. Weber 8-0-0
- 3955 Shatrunjaya Mahatmyam and pilgrimage to Parashwanath Hill in 1520 by J. Burgess 1902. 10-0-0
- ३६५६ शान्तिनाथ चरित्र—४ भागा मुद्रिता अपूर्ण कलकत्ता ३)
- ३६५७ शान्तिनाथ चरित्र—कर्ता श्री वत्सराज जामनगर १=)
- ३६५८ शान्तिनाथ चरित्र—भावचन्द्र सूरि कृत गद्य १०)
- ३६५९ शान्तिनाथचरित्र—श्लोकबद्ध ३॥॥)
- ३६६० शांभुप्रद्युम्न चरित्र—रविसागरगणि विरचित १॥॥)
- ३६६१ शालिभद्रचरित्र—पद्यबद्ध सटिप्पण २॥)
- 3962 Shah C. J.—Jainism in Northern India (shortly)
- ३६६३ शीलदूत काव्य—चरित्र सुन्दर विरचित १=)
- ३६६४ शीलपदेशमाला सटीक—जयकीर्त्तिसूरि कृत जामनगर ६)
- ३६६५ शीलप्रकाश—पद्मसागर गणि विरचित ॥॥)
- 3966 Shravanbelgola by R. Narsimhachar. 0-10-0
- ३६६७ श्राद्धविधि—सटीक—रत्नशेखर सूरि विरचित ११)
- ३६६८ श्रीचन्द्र चरित्र—श्लोकबद्ध ६)
- ३६६९ श्रीपाल चरित्र—गद्य—जयकीर्त्तिसूरि कृत २)
- ३६७० श्रीपाल चरित्र—श्री ज्ञानविमल सूरि विरचित १)
- ३६७१ श्रीपाल चरित्र—सत्यराजगणि १॥)
- ३६७२ श्रीपाल चरित्र—कर्ता श्री रत्नशेखर सूरि २॥)
- ३६७३ श्रीपाल राजानो रास सचित्र मुम्बई ५)
- ३६७४ श्रीमदंतकृद्दशावुत्तरोपपातिकदशाविपाक श्रुतानि २॥॥)
- ३६७५ श्रीयकमुनि चरित्र—शुभशील गणि ॥)
- ३६७६ श्री विपाकश्रुतम्—श्रीमदभयदेव सूरि प्रणीत वृत्त्या विभूषितं २)
- ३६७७ श्री श्राद्धप्रतिकमण सूत्र—श्री रत्नशेखर सूरि प्रणीत विवरण ८)
- ३६७८ श्रेणिकचरित्र—श्रीद्वेमाचार्य प्रणीत जामनगर २)
- ३६७९ षट्पुरुषचरित्र— १)
- ३६८० षट्प्राभृतादिसंग्रह—सटीक कर्ता कुन्दकुन्दाचार्य ३॥॥)
- ३६८१ सत्यभामाचरित्र—शुभशीलगणि विरचित ॥)
- ३६८२ सद्यवत्सचरित्र— ४)
- 3983 Sanatkumarcharitra and abstract of Haribhadra's Neminathacharitam edited by Dr. Jacobi. 10-0-0
- 3984 Sanyasa Dharma by B. Champat Rai. 1-8-0

- ३६८५ संधपट्टक-श्रीजिनवल्लभसूरि विरचित ५)
- ३६८६ संबोधसिद्धि-सटीक-रत्नशेखरसूरि कृत जामनगर १।)
- ३६८७ सर्वार्थसिद्धि-पूज्यपाद स्वामी विरचित-पदच्छेद और विभक्त्यर्थ सहित शब्दशः हिन्दी अनुवाद समेत संपूर्ण ग्रन्थ संख्या १०००० संपूर्ण २५)
- ३६८८ संवादसुन्दर-गद्य-रत्नमंडनसूरि कृत ॥)
- ३६८९ समाप्रिशतक-with English translation by Mani Lal, १)
- ३६९० सम्मतितर्क-संपादक-पं. सुखलाल जी तथा पं. बेचरदास जी यह जैनदर्शन का अत्यन्त उत्कृष्ट ग्रन्थ है-हर एक लाइब्रेरी में अवश्य होना चाहिये ५ भागों में संपूर्ण अहमदाबाद ५०) Sammati Tarka critically edited by Pt. Sukhlalji and Pt. Beehardassji in 5 vols. Each Library ought to have this valuable book of Jaina Philosophy. 50-0-0
- ३६९१ सम्मत्याख्यप्रकरणम्-तत्त्वबोध व्याख्या १म खंड दुष्प्राप्य १०)
- ३६९२ समयसारप्रकरण-श्रीदेवानंदाचार्य कृत १॥१)
- ३६९३ Samayasara translated into English by J. L. Jaini ३-८-०
- ३६९४ समयक्तवकौमुदी-(गद्य-पद्य) २)
- ३६९५ समराइच्चकहा-हरिभद्रसूरि विरचित ed. by Jacobi ८)
- ३६९६ समराइच्चकहा-संस्कृत छाया सहित ३)
- ३६९७ समरादित्यचारित्र-मतिवर्धन कृत १५)
- ३६९८ Science of Thought. 1-0-0
- ३६९९ सागरधर्मांमृत सटीक-पंडित प्रवरआशाधर विरचित १॥८)
- ४००० साधुदिनकृत्य-हरिप्रभसूरि विरचित ॥१)
- ४००१ सिद्धदंडिका-प्रव्रज्याविधान प्रकरण सटीक ॥)
- ४००२ सिद्धान्तगाथाशतक- जामनगर १)
- ४००३ सिद्धान्तसारादिसंग्रह-सव्याख्या २)
- ४००४ सिंहासनद्वारिंशका-क्षेमकर मुनि विरचित जामनगर २॥)
- ४००५ सुकृतसागर-श्रीरत्नमंडन गणि विरचित भावनगर ४)
- ४००६ सुकृतसंकीर्तन-पं. अरिसिंह विरचित ऐतिहासिक १)
- ४००७ सुदर्शनश्रेष्ठीचरित्र-शुभशीलगणि कृत जामनगर ॥)
- ४००८ सुबोधसमाचारी-श्रीचंद्राचार्य संकलिता ॥१)
- ४००९ सुभद्राचरित्र शुभशीलगणि कृत ॥)
- ४०१० सुभाषितरत्नसंदोह-अमितगति विरचित जर्मनी ७)
- Subhashitaratnasandoha text edited with translation

- by Schmidt. Germany 7-0-0
- ४०११ सुमित्रचरित्र—हर्षकुंजर विरचित १=)
- ४०१२ सुरप्रियमुनिकथा—कनककुशलगणि जामनगर १)
- ४०१३ सुरसुन्दरीचरित्र—धनेश्वर मुनि विरचित ३)
- ४०१४ सूक्तमुक्तावली—श्रीमत्पूर्वाचार्य संकलितः २)
- ४०१५ सूकरत्नावली—कर्ता विजयसेनसूरि १=)
- ४०१६ स्यगडं (सूत्र कृताङ्गम्)—संपूर्ण अत्युत्तम critical edition of the text by Dr. P. L. Vaidya. पूना ११)
- 4017 Suryaprajnapiti translated into English by Dr. Shamasastri. Bangalore 10-0-0
- ४०१८ सूरेश्वर और सम्राट्—सं. मुनि विद्याविजय जी ३॥)
- 4019 Sacred Philosophy— 0-5-0
- ४०२० सोलहकारण धर्म—लेखक पं. दीपचंद १=)
- ४०२१ स्कंदकाचार्य चरित्र—शुभवर्धनगणि कृत २)
- 4022 Studies in South Indian Jainism by Ramaswami. 5-8-0
- ४०२३ स्तोत्ररत्नाकर—सटीक अनेक स्तोत्र हैं २)
- ४०२४ स्तोत्रसंग्रह—१६ स्तोत्र-दिगम्बर संप्रदाय २)
- ४०२५ स्थविरावलीचरित्र—(परिशिष्ट पर्व) श्रीहेमचंद्र विरचित सो-साइटी का छापा दुष्प्राप्य कलकत्ता २५)
- Sthaviravallicharitra being an appendix of the Trishashthisalaka Purushacharitra critically edited with an introduction of 87 pages by H. Jacobi 1891. 25-0-0
- ४०२६ स्थविरावली टीका—कर्ता श्रीदेव वाचक जामनगर १)
- ४०२७ स्थूलीभद्रचरित्र—जयानंदसूरि विरचित १॥)
- ४०२८ स्याद्वादमञ्जरी—श्रीहेमचंद्राचार्य रचित अन्ययोगव्यवच्छेदिका श्रीमल्लिषेणसूरि कृता पूना २॥)
- ४०२९ स्याद्वादरत्नाकर—श्रीमद्वादिदेवसूरि विरचितः प्रमाणनयतत्वा-लोकालंकारः तदुदयाख्या च-५ भागा मुद्रिता अ. मुद्रयते ११॥१)
- ४०३० हम्मीरमदमर्दनम्—जयसिंह सूरि विरचित मुम्बई २)
- ४०३१ हरिभद्राचार्यसमयनिर्णय-मु. जिनविजयजी १-)
- ४०३२ हस्तसंजीवन-सभाष्य ३॥)
- 4033 Heart of Jainism by Mrs. Stevenson with an introduction by G. P. Taylor. 6-12-0
- ४०३४ हारिभद्रीयावश्यकवृत्ति टिप्पणकम्—श्रीहेमचंद्रसूरि ४)
- ४०३५ हीरप्रश्नगद्य—हीरविजयसूरि कृत जामनगर २१)

- ४०३६ हीरसौभाग्य-देवविमलगणि विरचित २॥)
- 4037 Hemachandra's Grammatik der Prakritsprachen (Siddhahemachandram Adhyaya VII) by R. Pischel text wortverzeichniss-ubersetzung und erlanterungen in 2 parts. Very rare 1878-80 Halle. 45-0-0
- ४०३८ हैमलघुप्रक्रिया-व्याकरण १॥)
- ४०३९ त्रयल्लेदसूत्र-बृहत्कल्प व्यवहार-निशीथ सूत्राणि मूल ३)
- ४०४० त्रिभुवनसिंहकुमारचरित्र—गद्य जामनगर १।)
- ४०४१ त्रिलोकसार—सटीक कर्ता नेमीचन्द्र २।)
- 4042 Trishashthishalaka purushacarita-of Hemachandra translated into English with copious notes by Dr. Helen M. Johuson Vol. I Adishvaracharitra. illustrated 15-0-0
- ४०४३ त्रैवेद्यगोष्ठी—मुनिसुन्दर सूरि कृत १॥)
- 4044 Jnata-sixth Anga of Jainas by W. Huttemann. 2-0-0
- ४०४५ ज्ञाताधर्मकथाङ्गम्—श्रीमदभयदेवसूरि सूत्रित विवरणयुतं ३५)
- ४०४६ ज्ञानसारसूत्रम्—श्रीमद्यशोविजयगणि विरचित ॥)

बौधग्रन्थ

- 4047 Athasalini or the Expositor or Buddhaghosha's commentary on Dhammasangani translated into English by Maung Tin M A., in 2 Vols. 15-0-0
- ४०४८ अद्वयवज्रसंग्रह-२० बौधन्यायग्रन्थ अद्वयवज्र विरचित २)
- ४०४९ अनुरुद्धशतक—सटीक दुष्प्राप्य कलकत्ता ५)
- 4050 Abhidhammakosha of Vasubhandhu translated into French by V. Poussin complete in 5 vols. 1925. 50-0-0
- ४०५१ स्फुटार्थ अभिधर्मकोशव्याख्या—यशोमित्र कृत राशिया ७॥)
- Abhidharmakosavyakhya ed. by S. Levi and Stcherbatsky. Russia 7-8-0
- 4052 Abhidharmakosha Karika—Tibetan text with commentary. Russia 7-8-0
- ४०५३ अभीधर्मकोश:-आचार्य वसुबन्धु प्रणीत: महापंडित श्रीराहुल-सांकृत्यायन विरचितया नालन्दिकाभिधया टीकया परिशिष्टा-दिना च सहितः काशी ५)
- ४०५४ अभिधम्मसंगहो—बौद्धतत्त्वज्ञान का प्रारम्भिकग्रन्थ-पाली-संपादक-धर्मानंद कौशाम्बी अमदावाद २)
- 4055 Abhidhammatha Sangaha or a Compendium of Philoso-

- phy translated into English by S. Z. Aung. 7-8-0
- ४०५६ अभिधानपदीपिका-पालीशब्दकोश-सं. मुनिजिन विजयजी ५)
- ४०५७ अभिसमयालङ्कार उपदेशशास्त्र-बोधिसत्त्वमैत्रेय कृत रशिया १५)
Abhisamyalankara etc., Sanskrit text and Tibetan
Translation. Russia 15-0-0
- 4058 Early Buddhist Monachism by Prof. Sukumar Datta
600-100 B. C. 7-14-0
- 4059 Early History of the Spread of Buddhism and the Bud-
dhist Schools by Dr. Nalinakshadatta M. A. 7-8 0
- ४०६० अवदान कल्पलता-क्षेमेन्द्र विरचित २ जिल्दों में संपूर्ण ५०)
- ४०६१ अवदानशतक-सम्पूर्ण अत्युत्तम दुष्प्राप्य रशिया
Avadanashataka or a century of edifying tales belong-
ing to the Hinayana text edited by Dr. J. S. Speyer
Very rare set complete 1909. Russia
- 4062 Avalokiteshwara Sutra with Chinese text, intro, notes
etc. by C. Perin. 15 0-0
- ४०६३ अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता-संपूर्ण दुष्प्राप्य सोसाइटी २५)
Ashtasahasrika Prajnaparmita or a collection of dis-
courses on the metaphysics of the Mahayana School.
Very rare complete. Calcutta 25-0-0
- 4064 Ashtasahasrika Prajnaparmita translated into German
by M. Wallesar (Indian, Tibetan and Chinese Recen-
sions) 1914. 6-8-0
- 4065 Aksara-Catakam by Arya Dev after Chinese and Tibe-
tan materials translated into English by Gokhale. 3-0-0
- 4066 Arya Deva et son Catuhastaka par Dr. P. L. Vaidya
in French 1923. Paris. 9-0-0
- 4067 Alambanapariksha of Dignaga-Tibetan and Chinese 6-0-0
- 4068 Idealistic School in Buddhism by Tucci. 2-0-0
- 4069 Indian Teachers of Buddhist Universities by P. Nath 2-8-0
- 4070 Indian Buddhist Iconography by B. Bhattacharya 35-0-0
- 4071 I-Tsing-Buddhist Religion (A. D. 671-695) translated
into English by J. Takakshu. 15-12-0
- 4072 Ethics of Buddhism by S. Tachibana. 11-4-0
- 4073 Udana or the solemn utterances of the Buddha trans-
lated into English by D. M. Strong. 6-0-0
- 4074 Udanavarga Sanskrit by Chakravartty I Book 22-8-0

- 4075 Udanavarga von H. Beckh. 6-0-0
- 4076 An introduction to Mahayana Buddhism by Dr W. Mc. Govern with special reference to Chinese and Japanese phases in English. 5-10-0
- 4077 Ancient Palu Leaves containing the Prajnaparmitahridayasutra and the Ushanish-Vigaya Dharini text edited by Max Mullar. 11-4-0
- 4078 Ancient Buddhism in Japan by Dr. Visser 3 parts 30-0-0
- 4079 Ancient Mid-Indian Kshatriya Tribes by Dr. Bimala Churn Law M. A., Calcutta 9-0-0
- 4080 Aspects of Mahayana Buddhism and its relation to Hinayana by Nalinaksha Datta with a Foreword by L. V. Poussin. Calcutta 12-0-0
- 4081 Origin and Doctrines of Early Indian Buddhist Schools—Translation in English of Vasumitra's treatise by J. Masuda. 10-0-0
- 4082 Origin and Developed Doctrines of Indian Buddhism by R. Kimura. Calcutta 3-0-0
- 4083 On some Aspects of the Doctrines of Maitreya and Asanga by Prof. C. Tucci. Calcutta 1-8-0
- 4084 Kathavathu-critical edition of the text edited by A. C. Taylor complete in 2 Vols. 27-10-0
- 4085 Kathavathu translated into Eng. by Rhys Davids. 7-8-0
- 4086 Conception of Buddhist Nirvana by Th. Stecherbatsky in English Leningrad. 18-0-0
- 4087 Karman-eine Buddhistischer legendenkranz-ubersetzt und herausgegeben von H. Zimmer 1925. 4-0-0
- ४०८८ करुणापुराणरीकम्-महायानसूत्र दुष्प्राप्य कलकत्ता १५)
- 4089 Kacchhayana's Pali Grammar translated and arranged on European Models with Chrestomathy and vocabulary by F. Mason 1868 rare copy. 30-0-0
- 4090 Kaccayanappakkarane text ed. by W. Kuhn. 2-8-0
- 4091 Kasyapaparivarta—a Mahayansutra of the Ratnakuta class edited in the original Sanskrit, in Tibetan and in Chinese by S. Holstein. China 20-0-0
- 4092 Kindred Sayings on Buddhism by Mrs. Davids 1-8 0
- 4093 Kumarajiva by Nobel. Germany 2-0-0
- 4094 Canon Bouddhique en Chine by P. C. Bagehi (Sino

- Indica Vol. I) It is the first Systematic work 15-0-0
- 4095 Concile de Rajagriha par J. Przyluski in 3 parts 30-0-0
- 4096 Khene Systematische Pali Grammatik by N. atloka 6-0-0
- 4097 Questions of King Milinda translated into English by T. W. Rhys Davids Rare. 30-0-0
- 4098 Gotama the Man by C. A. F. Rhys Davids 1928. 4-0-0
- 4099 Grammar of the Pali Language (after Kaccyana) by Th. Do Oung in 2 parts. 20 0-0
- ४१०० चतुःशदक-आर्यदेव विरचित कलकत्ता ३)
Catuhsatika by H. Sastri. 3-0-0
- ४१०१ चरियापिटक-अत्युत्तम संस्करण संपूर्ण कलकत्ता १)
Cariyapitaka edited in Devanagari Ch with an English introduction with summaries of stories by Dr. B. C. Law 1924. Calcutta 1-0 0
- 4102 Chinese Dharma Sangrah with an appendix about Di-gha Nikaya's Lakkhana Suttanta ed. by F. Weller—The work is the first edition of one of the Dictionaries treating Chinese Buddhist technical terms which are contained in the Chinese Tripitaka. The importance is so much the greater as a lost work of the Indian Literature is recovered by it. The intro. in German with the extended text in Sanskrit-Chinese. 15-8-0
- 4103 Cullavamsa translated into English by Gieger 15-0-0
- 4104 Chhaddanta-Jataka-French translation by Feer. 8-0-0
- 4105 Jataka or stories of Buddha's former births translated into English from Pali Vol. I translated by R. Chalmers. Vol. II translated by W. Rouse Vol. III translated by Francis and Neil Vol. IV translated by Rouse Vol. V translated by Francis Vol. VI translated by Cowell and Rouse Vol. VII Index complete set. Library edition 130-0-0
- 4106 Jataka Tales selected and edited by H. T. Francis with 8 plates. Cambridge 16-0 0
- ४१०७ जातकमाला-बोधिसत्वावदानमालापरार्या-श्रीमदार्यश्लेष विरचित दुष्प्राप्य अमरीका ३४)
Jatakamala of Arya Sura original text ed. by Dr. H. Kern Rare. America 35-0-0

- 4108 Jatakamala of Aryasura translated into English by Speyer. 7 8 0
- 4109 Jatakam Studien by C. Fries in German. 4-0-0
- 4110 Jinacharita or the career of the conqueror. A Pali Poem edited and translated into English with notes by C. Duroiselle. 20-0-0
- 4111 Jinalankara or embellishments of Buddha by Buddhakakhita text edited with introduction, notes and translation in English by J. Gray. 6-0-0
- 4112 Zur Aussprache des Sanskrit und Tibetischen von M. Walleser. 1926. 3-0-0
- 4113 Two Vajrayana Works-Prajnopayavinischayasiddhi of Anangavajra and Jnanasidhi of Indrathuti—Tantra School of Buddhism. 3-0-0
- 4114 Dialogues of the Buddha translated from Pali into English by T. W. Rhys Davids in 4 Vols. 37-8-0
- 4115 Doctrine of the Buddha—the religion of reason by G. Grimm 1926. 12-0-0
- 4116 Dogmatik des modernen sudlichen Buddhismus von S. Z. Aung and M. Walleser 1924 2-0-0
- ४११७ तथागतगुह्यक (गुह्यसमाज) बौधतंत्र बड़ोदा ४१)
Tathagataguhyaka or Guhyasamaj—the earliest and the most authoritative work of the Tantra School of the Buddhist. Baroda 4-4-0
- 4118 Theorie et la logique Boudhistes par Stecherbatsky in French 1926. 10-0-0
- 4119 Thousand Buddha Names of Bhadrakalpa with Chinese Sanskrit-Tibetan and Mongol indexes by F. Weller 30-0-0
- 4120 Three Tibetan Mysteries (Tchimekundan-Djroazanmonausal) translated into English by H. Woolf. 5-10-0
- 4121 Der Individualistische idealismus der Yogachara Schule by J. Masuda 1926. 6-0-0
- 4122 Der Altere Buddhismus von M. Winternitz. 7-8-0
- 4123 Dasabhumikasutra et Bodhisattvabhumi text edited with introduction and notes by J. Rahder France 18-0 0
- 4124 Glossary of the Sanskrit, Tibetan, Mongolian and Chinese versions of Dashbhumikasutra by Rahder 35 0 0
- 4125 Das Edikt von Bhabra von M. Walleser 1923. 2-0 0

- 4126 Das Wort des Buddha von Nyanatiloka. 3-0-0
- ४१२७ दाठावंसो-अत्युत्तम-संपूर्ण ग्रन्थ बद्धिया छुपाई कागज ४)
Dathavamsa or a History of the tooth relic of the Buddha. Original Pali text edited and translated into English with notes, intro., etc., by Dr. Bimala Churn Law M. A., B. L., Ph. D., together with a foreword by Dr. W. Stede M. A. It is an historical record of the incidents connected with the tooth-relic of the Buddha. It is as important as the Mahavamsa and Dipavamsa. The history of Ceylon would be incomplete without the Dathavamsa. Cloth Bound with gold letters 4 0-0
- 4128 Divyavdana critical edition of the text by E. B. Cowell and Neil 1886 Very rare. England 40-0-0
- 4129 Die Temple von Lhasa-Tibetan text with trans. 5-0-0
- 4130 Die Tibetische version der Naihsargikaprayaccittikadharman von G. Huth 2-0-0
- 4131 Dipavamsa—A Buddhist Historical Record in the Pali Language with English translation by Dr. H. Oldenberg. Europe 30 0-0
- 4132 Dipavamsa and Mahavamsa and their historical development in Ceylon by W. Geiger translated into English by Coomaraswamy. 12-0 0
- 4133 Die Probleme der Buddhistischen Philosophie by Dr. O. Rosenberg complete. 15-0-0
- 4134 Die Buddha-Legende des Stupa von Boro Budur, Java by Hass 120 illustrations. 4-0-0
- 4135 The Man and the Word by Mrs. Rhys Davids. 1-4 0
- 4136 Die Weltanschauung des modernen Buddhismus im fernem Osten von Dr. O. Rosenberg 1924. 2-0 0
- 4137 Die Duskaracarya des Bodhisatva in der Buddhistischen tradition von J. Dutoit. 3-0-0
- 4138 Die Psychologieðik des Buddhismus by Bohnn. 2-8-0
- 4139 Die Philosophische Grundlage des alten Buddhismus von M. Wallesar. 5-0-0
- 4140 Die Sekten des alten Buddhismus von M. Wallesar 6 0 0
- ४१४१ धम्मपद-मूल-अनुवाद कोष सं. धर्मानंदकोशम्बी १)
- ४१४२ धम्मपद-आचार्य बुद्धघोष कृत व्याख्या दुष्प्राप्य १२)

- ४१४३ धम्मपद—text notes and English translation. 2-0-0
- ४१४४ धम्मपद—critical edition of the text. 1-0-0
- 4145 Dhammapada and Sutta Nipata translated into English by M. Muller and Fausboll. 7-14-0
- 4146 Dhammapada or the Buddha's Path of Virtue translated into English by Woodward. 2-8-0
- 4147 Dhammapada—new edition edited by S. S. Thera. 5-0 0
- 4148 Dhammapada der pfad der lehre German trans. 4-0-0
- 4149 Prakrit Dhammapada—A new edition of the Kharoshti Mss of the Dhammapada by M. B. Barua. 5-0 0
- ४१५० धर्मसंग्रह—अत्युत्तम संपूर्ण यूरुप ७॥1=)
- Dharma Sangrah—An Ancient collection of Buddhist technical terms ed. by Max Muller. 7-14-0
- 4151 Dhamma Sangau—or a Buddhist Manual of Psychological ethics translated into English by Rhys Davids 1923. Europe 12 8-0
- 4152 Nirvana—a study by J. Dahlmann. 10 0-0
- 4153 Netti Pakarana text edited with extracts from Dhammapala's commentary by E. Hardy 1902.
- 4154 Naihsargikaprayaccittikadharman von G. Huth. 2-0-0
- 4155 Ncchmals des edikt von Bhabra by Wallesar. 2-0-0
- ४१५६ न्यायप्रवेश—आचार्य दिङ्नाग विरचित तथा श्रीहरिमद्रसुरि व श्रीपाश्वदेव विरचित २ टीका सहित ४)
- 4157 Nyaya Pravesha Tibetan text by Dinnaga Buddhist Logie with intro, notes appendices. 1-8-0
- ४१५८ न्यायबिन्दु—सटीक रशिया ७)
- ४१५९ आचार्यधर्मोत्तर कृताया न्यायबिन्दु टीकायाः टिप्पणी ,, ७)
- 4160 Nyayabindu—a bilingual index, 2-0-0
- 4161 Tibetan translation of Nyayabindu. 2-0-0
- 4162 Nyaya Mukha of Dignaga or the oldest Buddhist text on logic by G. Tucci 1930. 8-0-0
- 4163 Padmachintamani Dharani Sutra 1-0-0
- 4164 Parinirvana et les funerailles du Buddha par J. Przyluski. Paris 12-0-0
- 4165 Pali Anthologie und Worterbuch by Nyanatiloka—Pali Worterbuch. 1928. 18-0-0
- 4166 Pali Unseens by Duroiselle. 4-0-0

- 4167 Pali Grammar by Tilbe. 6-0-0
 4168 Pali Grammar by Minayeff. 10-0-0
 4169 Pali Dhatupatha and Dhatumanjusha edited by Anderson. 4-0-0
 ५१७० पाली पाठावली—सं. मुनि जिनविजयजी ॥=)
 4171 Pali First lessons by Tilbe. 6-0-0
 4172 Pali Buddhism by Tilbe. 2-0-0
 4173 Pali Buddhisms in ubersetzen texten aus dem kanon und dem Kammavacam by K. Seidenstucker. 10-0-0
 4174 Pali Reader-text notes and glossary by D. Anderson in 3 parts Very useful for students. 17-0 0
 4175 Pali Reader with glossary etc, by C. Duroiselle in 3 parts. 11-6-0
 4176 Pali Literatur und Sprache von W. Geiger 1916 10-0 0
 4177 Pali Literature of Burma by H. Bode 1909. 4-6-0
 4178 Pali Literature of Ceylon by Malalasekhara. 8-12-0
 4179 Pali Words beginning with 'S' by Dr. Sten Konow edited and revised by D. Anderson. 12-0-0
 4180 Puggala Pannatti translated into English. 7-8-0
 4181 Pratityasamutpādasāstra of Ullangha von Gokhale 5-0-0
 4182 Prajna Paramita German trans by Walleser 6-8-0
 4 83 Prajna Paramita or the Diamond Sutra translated into English from the Chinese by W. Gemmel. 2-8-0
 4184 Pre-Dinnāga Buddhists texts an Logic from Chinese Sources containing the English translation of Satasāstra of Aryadeva, Tibetan text and English translation of Vighraha—vyavartani of Nagarjuna and the re-translation into Sanskrit from Chinese of Upagahrdya and Tarkasastra ed. by Prof. G. Tucci 1930. 9-0-0
 4185 Practical Grammar of the Pali Language by Ch. Duroiselle. Burma 8-0 0
 4186 Prolegomena to a history of Buddhist Philosophy by B M. Barua. 1-8-0
 4187 Further Dialogues of the Buddha translated from Majjhima Nikaya by Chalmers in 2 Vols. 18.12-0
 4188 Philosophie of Buddhism by M. Muller. 5-0-0
 4189 Fragments from Dinnaga by H. N. Randle. 6-0-0

- 4190 Fragments of Buddhist work in the Ancient Aryan Language of Chinese Turkistan by Sten Konow 4-0-0
- 4191 Fragment Tokharien du Vinaya des Sarvastivādins by S. Levi 280
- 4192 Fragment of a Prajnaparmita Mss. from Central Asia by B. B. Bidyabinod. 1-120
- 4193 Baralām and Yewasef—being the ethiopic version of a christianized Recension of the Buddhist legend of the Buddha and the Bodhisattva—an English trans. by Sir E. A. Budge illustrated with 73 plates. 22-80
- 4194 Bibliographie Bouddhique. 10-0-0
- 4195 Bruchstücke der Kalpanamanditika des Kumaralata von H. Luders with 2 schrifttab es und 12 plates 24-00
- 4196 Bruchstücke des Bhikshuni Pratimoksha der Sarvastivādins mit einer darst der über. des Bhikshuni Prati-moksha in den versch. schulen her von E. Waltschmidt 19-6. 24-0-0
- 4197 Bruchstücke Buddhistischer Dramen text in Photoplates edited by H Luders Very Ancient and unknown Buddhist Drama. 12-0-0
- 4198 Buddha—die erlösung vom biden von Schmidt 7-0-0
- 4199 Buddha—his life his doctrine, his order by Dr. H. Oldenberg translated into English Calcutta 18-8-0
- 4200 Buddha und Jesus in ihren Paralleltexen by J. B. Aufhanser. 2-0-0
- 4201 Buddha und Mahavira Von E Leumann. 2-0-0
- 4202 Buddha and his Doctrine by C. T Strauss. English 2-10-0
- 4203 Buddha and his religion by St. Hillaire. 4-0-0
- 4204 बुधचरित्र-अश्वघोष विरचित बहुत बढ़िया संपूर्ण 12-11) Buddha Charita of Ashva Ghosh edited from 8 Mss. with notes to the Sanskrit text by E. B. Cowell. 18-12-0
- 4205 Buddha Charita 5 cantos with Eng. trans. 2-0-0
- 4206 Buddhacharita of Asvaghosh translated into German by Cappeller. 3-4-0
- 4207 Buddhacharita by Weller. 1-0-0
- 4208 Buddha's Golden Path by D. Goddard. 4-0-0
- 4209 Buddhistische Spatantike or the Buddhist Antiquities in Middle Asia by A. Le Coq. Complete in 4 big Vols.

Vol. I The plastik with 45 big plates several maps and illustrations Vol. II Die Manishaeschen miniaturen with 10 big plates maps and illustrations Vol. III Wall painting with 20 big plates maps and illustrations Vol. IV Atlas den Wandmalereien with 20 big plates in colour maps and illustrations. Very rare set. Size of the plates 14" x 18" and big one. Price Rs. 350-0-0 for the complete set.

- 4210 Buddhist India by T. W. Rhys Davids with several illustrations. 7-0-0
- 4211 Buddhist Conception of spirit by Dr. B. C. Law. 4-0-0
- 4212 Buddhist Catechism. 0-8-0
- 4213 Buddhist Parables translated into English from the original Pali by E. W. Burlingame. 20-6-0
- 4214 Buddhist Philosophy by A. B. Keith. 7-14 0
- 4215 Buddhistic Philosophy of the Theravada school, as embodied in the Pali Abhidhamma by N. K. Bhagwat
- 4216 Buddhist Birth Stories (Jataka Tales) translated into English by Rhys Davids. 5-10-0
- 4217 Buddhist Literatur by E. Leuman in German. 12-0 0
- 4218 Buddhist Legends translated into English from the original Pali text of the Dhammapada comm. by W. Burlingame complete in 3 parts. 73-2-0
- 4219 Buddhist Logie Vol. II by Stcherbatsky in English Leningrad. 20-0-0
- 4220 Buddhist Religion of It-sing translated by Takakshu 10-8 0
- 4221 Buddhist Psychology by Mrs. Rhys Davids. 2-8-0
- 4222 Buddhist Sutta translated into English by T. W. Rhys Davids. 9-6-0
- 4223 Buddhist Scriptures by E. Thomas. 3-8-0
- 4224 Buddhistic Studies ed. by Dr. B. C. Law contains 36 thoughtful papers on Buddhism and Jainism by the renowned scholars of Asia and Europe 20-0-0
- 4225 Buddhism in Translation translated into English by H. C. Warren. 11-1-0
- 4226 Buddhism by Mrs. Rhys Davids in English. 2-8-0
- 4227 Buddhismus von E. Hardy revised by R. Schmidt 12-0-0

- 4228 Buddhismus von Dr. H. Beckh in 2 pts. 3-0-0
- 4229 Buddhisme-opinions sur l' Histoire de la Dogmatique
par V. Poussin in French. 6-0-0
- 4230 Bouddhisme dans l' Inde par H. Bailleau 1924. 6-0-0
- ४२३१ बृहत्कथाश्लोकसंग्रह-श्रीबुधस्वामि विरचित संपूर्ण (१५०)
Brihatkathaslokasangrah of Buddhswamin text edited
with translation etc. by F. Lacote complete in 10 pts.
Very rare set. Paris 150-0 0
- ४२३२ बोधिचर्यावतारपञ्जिका-प्रज्ञाकर विरचित संपूर्ण ७)
- 4233 Bodhicharyavtara of Cantideva translated into French
by V. Pcussin 10-0-0
- 4234 Bodhisattvabhumi—a statement of whole course of the
Bodhisatva ed. by U. Wogihara Tokyo 1930. 11-0-0
- ४२३५ बौधतत्त्वसंग्रह-शान्तरक्षित विरचित कमलशील कृत पञ्जिका
सहित अत्युत्तम २४)
Baudhatattwasangrah of Shantrakshit with commen-
tary and English Foreword by Dr. Bhattacharya. 24 0-0
- ४२३६ बौधस्तोत्रसंग्रह-जिनरक्षित कृत टीका सहित कलकत्ता ४)
- 4237 Brahma und Buddha die Religionen Indiens by H.
Glaserapp with 35 illustrations. Germany 6-0-0
- ४२३८ भक्तिशतकम्—श्रीरामचंद्रभारतिना विरचितम्—आचार्य
शीलस्कन्ध विरचितया टीकया समलङ्कृता कलकत्ता ५)
- 4239 Bhikkhuni Sanyuttam par L. Feer. 2-8-0
- 4240 Majjhima Nikaya—the first 50 discourses translated
into English by Bhikku Shilachara in 2 parts. 15-0-0
- 4241 Maha-Kassappa-Caritam in Singhalese script. 3-8-0
- 4242 Mahayana von J. Wach. 1-8-0
- 4243 Mahayana Doctrines of Salvation by S. Schayer 3-8-0
- 4244 Mahayana Buddhism us von M. Winternitz 1930. 4-0-0
- 4245 Mahayana Suttas translated into English by E. B.
Cowell. 15-12-0
- 4246 Mahawamsa text edited by W. Geiger. 9-1-0
- ४२४७ महावस्तु अवदानम्—३ भागों में संपूर्ण बढ़िया ग्रन्थ २५०)
Mahavastu Avadanam—The only critical edition of the
complete text ever published with intro. and commen-
tary by E. Senart. complete in 3 vols. The last com-
plete set available in the market Very rare. 250-0-0

- 4248 A Study of Mahavastu by Dr. B. C. Law M. A. 8-0-0
 4249 Mahavyutpatti of Sakaki in 2 vol. Sanskrit-Tibetan 20-0-0
 ४२५० महाव्युत्पत्तिनामकोश—ed. by Mironov Russia २5 0-0
 ४२५१ माध्यमिक वृत्ति-चंद्रकीर्ति विरचित संपूर्ण कलकत्ता २५)
 ४२५२ प्रसन्नपदानाम माध्यमिकवृत्ति-नागार्जुन विरचित रशिया ५६)
 Mulamadhyamakarikas (Madhyamiksutras) of Nagarjuna with Prasannapada commentary of Chandrakirti edited by L. V. Poussin complete set rare Russia 56 0-0
 4253 Die Tibetische version von Nagarjuna's commentar Akuto Bhaya zur Madhyamika Karika by M. Wallesar Original text in 162 photo plates 1923. 30-0-0
 4254 Milinda Panho-Pali text—New critical edition with general index by C. J. Rylands 1928. 11-0-0
 4255 Milinda Questions—by Mrs. Rhys Davids. 7-14-0
 4256 Mudras or the ritual hand poses of the Buddha and Shiva priest of Bali by T. de Kleen with an introduction by Campbell together with 60 illustrations 11-4-0
 4257 Manuscript Remains of Buddhist Literature by Hoernle. 34-8-0
 4258 Manual of Indian Buddhism by H Kern. 7-8-0
 4259 Manual of Buddhist Philosophy by Mc Govern. 7-14-0
 4260 Manual of Buddhism by D. Wright. 1-14-0
 4261 Message of Buddhism by Subhadra Bhikku 1-14-0
 4262 Maitreya Samiti das zukunstsideal der Buddhi:ten. Die notdarische schilderung in text und ubersetzung von E Leumann in 2 parts. 6-0-0
 4263 Yogavachara's Manual of Indian Mysticism as practised by Buddhists text ed. by Rhys Davids. 7-8-0
 4264 Yogavachara's Manual translated into English. 7-8-0
 4265 Rasavahini text and German trans. by Geiger. 4-0 0
 ४२६६ राष्ट्रपालपरिच्छा-संपूर्ण महायानसूत्र रशिया ७॥)
 Rashtrapalparicchha text by Finot Russia 7 8-0
 4267 Record of the Buddhist Kingdoms translated from the Chinese by H. A. Giles very rare. 20-0-0
 ४२६८ लङ्कावतारसूत्र—केवल दो भाग छपे हैं दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
 ४२६९ लङ्कावतारसूत्र—मूल अत्युत्तम बहुत बढ़िया जापान २६॥)
 Lankavtara Sutra—Sanskrit text in Devanagari ch.

- edited by B. Nanjio M. A., 1923. Japan 26-4-0
- 4270 Das Lankavtara Sutra und das Samkhya by Hauer 1-8-0
- 4271 Studies in the Lankavtara Sutra in English by D. T. Suzuki. London 15-0-0
- ४२७२ ललितविस्तर-(शाक्यमुनि बुद्ध) अत्युत्तम ग्रन्थ दो भागों में ६०)
Lalit Vistara of Sakyamuni Buddha text edited with variants index etc. by Dr. S. Lefmann Best edition of the text complete in 2 vols. Germany 60-0-0
- ४२७३ ललितविस्तर:-संपूर्ण दुष्प्राप्य सोसाईटी का छपा ५०)
Lalitvistara critically edited by R. L. Mitra complete very rare 1877. Calcutta 50-0-0
- 4274 Lalitvistara or the Memoirs of the early life of Sakya-simha translated into English by R. L. Mitra 1886 rare
- 4275 Light of Asia or the great renunciation. Being the life of Gautam Buddha by Sir E. Arnold in English. Pocket gift book. Very nice ed leather bound 3-0-0 cloth bound Rs. 1-8-0
- 4276 Life and Works of Buddhaghosa by Dr. B. C. Law 9-0-0
- 4277 Life of Gautama and the early history of his order derived from Tibetan works by W Rockhill. 9-3 0
- 4278 Life of Gautama the Buddha compiled exclusively from the Pali canon by E. H. Brewster and intro. by Rhys Davids. London 9-3-0
- 4279 Life of Gaudama the Buddha of the Burmese by P. Bigandet. London 9-3-0
- 4280 Life of Buddha by Asvaghosa—Tibetan text and translation by F. Weller in 2 parts. Germany 25-0-0
- 4281 Life of Buddha on the stupa of Borobudur according to the Lalitvistara text edited by Dr. N. G. Krom with 120 reproductions in English 1926. 17-8-0
- 4282 Life of Buddha as legend and history by E. J. Thomas with plates. 9-8-0
- 4283 Life of Nagarjuna from Tibetan and Chinese sources by M. Wallesar. 4 0-0
- 4284 Life of Hien Tsiang by Beal. 7-14-0
- 4285 Literary History of Sanskrit Buddhism (From Winternitz, S. Levi and Huber) by G. K. Nariman 2nd. edi-

- tion 1923. Bombay 10-0-0
- 4286 Legends of Indian Buddhism by W. Stephens. 3-8-0
- 4287 Legende de L' Emperor Acoka (Acoka-Avdana) dans les Textes Indiens et Chinois par J. Przyluski 15 0-0
- ४२८८ वज्रखेदिक—अत्युत्तम विलायत १॥=)
Vagrakhedika or the Diamond cutter ed by M. Muller
- 4289 What is Buddhism—an answer from the Western point of View. 3-0-0
- 4290 Women under primitive Buddhism—Lay Women and Alms Women by I. B. Horner in English. 11-4-0
- 4291 Women in Buddhist Literature by Dr. B. C. Law 3 0-0
- 4292 Visuddhimagga of Buhdhaghosha text edited by Rhys Davids complete in 2 vols. 20-0-0
- 4293 Visuddhimagga translated into English in 2 parts 15-0-0
- 4294 Vijnaptimatrasiddhi-la Siddhi de Huan—Tsang Traduite et Annotee par L. V. Poussin in 8 parts. 80-0-0
- 4295 (Vijnanavada) bei den spateren Buhdhisten von Dr. E. Walff (M. K. B. .7)
- 4296 Uttadaya (Exposition of Metre) by Sangharakkhita Thera—A Pali text edited with translation and notes by G. E. Fryer 1877. 5-0-0
- ४२९७ व्यवहार मातृका-जीमूत वाहन विरचित कलकत्ता ३)
Vyavharamatrika of Jimutvahana by Mukerjee 3-0-0
- 4298 Sasana Vansa-Pali text edited by Bode 1887. 20-0-0
- 4299 She-rab-dong by W. L. Campbell. 6-12-0
- ४३०० शिक्षासमुच्चय - शान्तिदेव रचित संपूर्ण रशिया
Shikshasamucchya of Santideva chiefly from earlier Mahayana Sutras ed. by C. Bendall comp. Russia
- 4301 Shikshasamuchaya translated into English by C. Bendall. 18-6 0
- ४३०२ षट्साहसिकाप्रज्ञापारमिता-१६ भाग अपूर्ण कलकत्ता १५॥)
- 4303 Saddaniti-Pali Grammar Aggavamsa-critical edition of the text in 3 parts-Padamala, Dhatumala and Suttamala. 50-0-0
- ४३०४ सद्धर्मपुण्डरीकसूत्र-संपूर्ण (महायानसूत्र) दुष्प्राप्य रशिया
Saddharmapundarika-Sanskrit text edited by H. Kern and B. Nanjio Very rare. Russia

- 4305 Saddharmapundrik Eng trans. into by H. Kern. 11-4-0
 4306 Sanskrit Buddhist Literature of Nepal by R. L. Mitra 6-4-0
 4307 Samyutta Nikaya aus dem Pali Kanon der Buddhisten
 von W. Geiger. 10-0 0
 4308 Samyutta Nikaya translated into English by Rhys
 Davids in 5 vols. 37-8-0
 4309 Samantapasadika of Buddhaghosha commentary on
 Vinaya Pitaka in 3 vols. 37-8-0
 4310 Some Sayings of Buddha by Woodward. 3-12-0
 ४३११ समाधिराजसूत्र-१ भाग दुष्पाठ्य कलकत्ता १०)
 4312 Sammohavinodani—Abhidhammapitaka text ed. by
 A. Buddhadatta. 9-4 0
 ४३१३ साधनमाला—consisting of more than 300 small works
 composed by distinguished writers. A Buddhist Tan-
 trik text of rituals with an extensive introduction in
 2 vols. Baroda 14-0-0
 4314 Psalms of the early Buddhists by Mrs. Rhys Davids
 in 2 vols. 15-0-0
 4315 Sino-India by Prabodhechandra Bagchi M. A.
 Vol. I—the canon Bouddhique en chine Part I Rs. 15-0-0
 Vol. II—Deux Lexiques Sanskrit-Chinois Part I 15-0-0
 4316 System of Buddhist Thought by S. Yama Kami. 15-0-0
 4317 Si-yu-ki Buddhist Record of the Western World trans-
 lated from Chinese Hiuan Tsang by S. Beal. 9-4-0
 ४३१८ सुखावतीव्यूह—संघवर्मा विरचित यूरुप ७॥१=)
 Sukhavati Vyuha or description of the land of Bliss
 ed. by Max Muller with 2 appendices. 7-14-0
 ४३१९ सुत्तनिपात—अत्युत्तम संपूर्ण *)
 Suttanipata-text in Nagari ch. ed. by P. V. Bapat 5 0-0
 4320 Suttanipata-Gathas mit ihren Parallelen von R. O.
 Franke in German. 10-0-0
 4321 Die Sutta Nipata von Fausboll 2-0-0
 ४३२२ सुवर्णप्रभा—अत्युत्तम-दुष्पाठ्य कलकत्ता १०)
 4323 Suvarnaprabha Sutra (A Mahayana Text) ed. by H.
 Idzumi Kyoto 1931.
 4324 Suvarnaprabhāsa—(Das goldglanz Sutra) German
 translation by W. Radloff. 1920 Russia

- 4325 Central Conception of Buddhism by Th. Stcherbatsky
1923. London 10-14-0
- 4326 Social Organisation in North-East India in Buddha's
time by Fick translated into English by Maitra 7-8-0
- 4327 Studies about the Sanskrit Buddhist Literature by A.
Gawronski. 4-0-0
- 4328 Story of Buddhism by Saunders. 3-6-0
- 4329 Spirit of Buddhism by Hari Singh Gaur. 18-8-0
- 4330 Sprache und Heimat des Pali Kanons von Wallesar 2-0-0
- 4331 Heart of Buddhism by K. J. Saunders. 2-0-0
- 4332 History of Buddhism (Choshbyung) Bu-stan-The
Jewelry of Scripture translated from Tibetan by E.
Obermiller Heidelberg 1931. 15-0-0
- 4333 Histoire des idées Theosophiques dans L' Inde—La
Theosophie Bouddhique par P. Oltramare 1923. 16-0 0
- 4334 Historical Gleanings by Dr B. C. Law. 6-0-0
- 4335 Historical Study of the Terms Hinayana and Maha-
yana and the origin of Mahayana Buddhism by R.
Kimura. 2-4-0
- 4336 Handbuch der Pali Sprache-Elementar-Grammatik-
text, Glossar by Dr Seidenstucker complete. 18-0-0
- 4337 Heaven and Hell in Perspective by Dr. B. C. Law.

Parsism.

- 4338 Avesta-The sacred books of the Parsis—Yasna, Vispe-
red and Khorda Avesta and Venidad-original text cri-
tically edited by K. F. Geldner complete set in 3 big
vols. Very rare 1896. Germany 80-0-0
- 4339 Avesta—the religious book of the Parsis translated in-
to English from Prof. Spiegel's German translation of
the original mss by A. H. Bleeck 3 vols. bound in one
complete translation, 1826 Vere copy. 50-0-0
- 4340 Avesta Gathas by Prof. A. Meillet translated into Eng-
lish by P. Sen. 1-0-0
- 4341 Avesta Grammar in comparison with Sanskrit by A.
W. Jackson in English. Germany 5-0-0
- 4342 Avesta Reader-easier texts, notes and vocabulary by
Jackson. 5-0-0

- 4343 Avesta Reader—Text notes, glossary and index by H. Reichelt 1917. 10-0 0
- 4344 Index Verborum of the Fragments of 'the Avesta by Schuyler. 10-2-0
- 4345 Essays on the sacred language writings and religion of the Parvis by M. Haug revised and enlarged 7-14 0
- 4346 Zarathushtra in the Gathas translated into English from German by Drs. Geiger and Windischmann with an appendix by D. D. Sanjana 1819. 20-0 0
- 4347 Zarathushtra and Zarathushtrianism in the Avesta by D. Sanjana 1906. 15-0-0
- 4348 Zoroaster by A. W. Jackson. 20-6-0
- 4349 Zoroaster-Studies old and new by Jackson. 11-6-0
- 4350 Zoroasterian Doctrine of a future life by Pavry. 10-6-0
- 4351 Zoroastrian Civilization by M. N. Dhalla. 15-12-0
- 4352 Neryosangh's Sanskrit version of the Homyast with the original Avesta and its Pahlavi version translated into Eng. with copious notes and a glossarial index by J. M. Unavala 20-0-0
- 4353 Yasna XXIX in its Sanskrit Equivalents by Mills 8-0-0
- 4354 Religion of Zarthustra. 2-0-0
- 4355 Light of Ancient Persia by M. Pithawalla 3-0-0
- 4356 Selections from Avesta and old Persian by Tarporevale. Calcutta 6-0-0
- 4357 Historical Grammar of the Ancient Persian language by E. L. J. Johnson. 11-0-0

Catalogues of Manuscripts.

- 4358 An alphabetical list of Jaina Manuscripts belonging to the Asiatic Society of Bengal. 1-8-0
- 4359 Kavindracharya's list of Sanskrit books. 0-12-0
- 4360 Catalogue of Indian Mss. (Sanskrit, Pali and Prakrit) in Russia by A. Mironow 1918. 20-0-0
- 4361 Catalogue of two collections of Sanskrit Mss. in the India Office by C. H. Tawney 1903. 2-0-0
- 4362 Catalogue of the Govt. Collection of Sanskrit Mss. in the Bhandarkar Institute Vol. I Samhitās and Brahmanas. 4-0-0

- 4363 Catalogue of the Palm-leaf Mss. in the Nepal Durbar Library with an historical intro. by C. Bendall in 2 parts. Calcutta 6-0-0
- 4364 Catalogue of the Buddhist Sanskrit Mss. in the University Library Cambridge with introductory notices and illustrations of the Palaeography and Chronology of Nepal and Bengal by C. Bendall M. A. 1883. 12-0 0
- 4365 Catalogue of the Library of the India Office—Vol. II part II—Hindustani Books by Blumhardt.
- 4366 " " " Vol. II. part III Hindi, Panjabi, Pushtu & Sindhi books. 5-0-0
- 4367 " " " Vol II part IV Bengali, Uria & Asamese Books. 5-0-0
- 4368 " " " Vol. II part IV Supplement Bengali books.
- 4369 " " " Vol. II part V Marathi and Gujrati books. 5-0-0
- 4370 Catalogue of the Sanskrit Mss. in the British Museum by C. Bendall. 30-0 0
- 4371 Catalogue of the Sanskrit Mss. in the Govt. College under the care of Asiatic Society of Bengal Vol. I Buddhist Mss. 3-0-0
- 4372 " " " Vol. II Vedic Mss 20-0-0
- 4373 " " " Vol. III Purana Mss. 15-0-0
- 4374 Catalogue of the Sanskrit Mss. in the University Library of Leipzig by Th Aufrecht. Germany 30-0-0
- 4375 Catalogue of Printed Books & Mss. in Sanskrit in Asiatic Society of Bengal. 8-0-0
- 4376 Catalogue of Printed Sanskrit Pali and Prakrit Books (published during 1906-1928) in the British Museum by Barnett. 112-0-0
- 4377 Catalogue of Sanskrit Mss. in the Govt. Oriental Library. Mysore 2-0-0
- 4378 Catalogue of Sanskrit Mss. from Gujrat, Kacchh Sindh and Khandesh by G. Buhler 1873. 10-0-0
- 4379 Catalogue of Sanskrit Mss. in the Adyar Library revised in 2 Vols. 7-8-0

- 4380 Catalogue of Sanskrit Mss. in British Museum by J. Eggeling Vols. 1-7 60-0-0
- 4381 Catalogue of Sanskrit Mss. in the Southern Division of Bombay Presidency by Keilhorn 1869. 5-0-0
- 4382 Catalogue of Sanskrit Mss. in the Raghunath Temple Library Jammoo by Sir A. Stein M. A. 25-0-0
- 4383 Catalogue of Sanskrit Mss. in the Royal Library Munich by Aufrecht and Jolly 20-0-0
- 4384 Catalogue of Sanskrit and Pali books in the British Museum by Dr. Haas. 21 0-0
- 4385 Catalogue of Sanskrit and Pali Mss. with full descriptions at Paris by A. Cabaton in 2 parts. 15-0-0
- 4386 Catalogue of Sanskrit and Prakrit Manuscripts in the Royal Library of Berlin edited by A. Weber with 6 facsimile plates one of which contains 18 very interesting beautiful pictures comp. in 4 Vol. 1853-91. 125-0-0
- 4387 Catalogue of Sanskrit and Prakrit Mss. in C P. by R. B. Hiralal. Nagpur
- 4388 Catalogue of South Indian Sanskrit Mss. (Whish Collection) by Dr. Winternitz. 5-0 0
- 4389 Catalogus Catalogorum or an alphabetical register of all the Sanskrit works and authors edited by Th. Aufrecht. Vol. I and III Germany. 50-0-0
- 4390 Catalogus Codicum Manuscriptorum Sanskriticorum in Bodlein Library by Th. Aufrecht in 2 big Vols. Oxford Very rare. 100-0-0
- 4391 Descriptive Catalogue of Mss. in the Bhandars at Jaiselmer by C. D. Dalal M. A. 3-4 0
- 4392 Descriptive Catalogue of Mss. in Central Library Baroda Vol. I (Veda, Veda Lakshana and Upanishad) 6-0-0
- 4393 Descriptive Catalogue of the Sanskrit Mss. in the Tanjore Maharaja Sarfoji's Saraswati Mahal Library in 10 parts. 20-0-0
- 4394 Descriptive Catalogue of Sanskrit Mss. Vol. I Purva Mimamsa. Allahabad 8-0-0
- 4395 Descriptive Catalogue of Sanskrit Mss. in Mithila Vol. I Smriti Mss. 5 0-0
- 4396 Descriptive Catalogue of Sanskrit Mss. in the Govt.

- Oriental Mss Library Madras in 15 vols 35-0-0
- 4397 Descriptive Catalogue of Sanskrit Mss. in Adyar Library by F. O Schrader Vol. I Upanishads. 5-0-0
- 4398 Descriptive Catalogue of Sanskrit Mss. in the Library of Asiatic Society of Bengal Part I Grammar. 4-0-0
- 4399 Descriptive Catalogue of Sanskrit and Prakrit Mss. in the Library of Bombay Branch of the Royal Asiatic Society compiled by H. D Velankar Vol. I Rs. 5-0-0 Vol. II Rs. 8-0-0 Vols III-IV Rs. 4-0-0
- 4400 Notices of Sanskrit Mss by R L Mitra & H P. Sastri in 11 Vol. First Series. 67-8-0
- 4401 Notices of Sanskrit Mss.—Second Series Vols. I-IV by MM. H. P. Shastri. Calcutta 21-4-0
- 4402 Peterson's second and third reports of operations in search of Sanskrit Mss. in the Bombay circle 1883-86 Very rare. 30-0-0
- 4403 Peterson's Report on the search for Sanskrit Mss. in the Bombay Circle 1884-86. 15-0-0
- 4404 Peterson's Report on Sanskrit Mss. 1882-83. 15-0-0
- 4405 Preliminary list of the Sanskrit and Prakrit Mss. in Adyar Library. 2-0-0
- 4406 Bardic and Historical Survey of Rajputana by L. P. Tesitori. Calcutta 3-12-0
- 4407 Buhler's Report on Sanskrit Mss. in Kashmir 15-0-0
- 4408 List of Kharosthi Inscriptions by N. G. Majumdar 1-2-0
- 4409 List of New Mss. added to the Mss. Library of Bhandarkar Institute 1895-1915 1-8-0
- 4410 List of Strassburg Collection of the Digambara Mss. by E. Leumann. 5-0-0
- 4411 List of Sanskrit Mss. in private libraries of Southern India compiled arranged and indexed by G. Oppert in 2 Vols Very rare 1880-85. 25-0-0
- 4412 Survey of the Ms. Literature on Sanskrit Grammar, Lexicography, Prosody and Rhetoric by M. M. Harprasad Sastri M. A. 1931. 5-0-0
- 4413 History of the search for Sanskrit Mss. in the Bombay Presidency from 1868-1900. 0-8-0

Art and Architecture.

- 4414 Ajanta by Kanhayalal H. Vakil with 38 illus. 3-0-0
- 4415 Iconography of Buddhist and Brahmanical Sculptures.
by N. K. Bhattasali. 25-0-0
- 4416 Iconographie dans la Manjushri Mulakalpa by M. Lalau
Paris 12-8-0
- 4417 Ideals of Indian Art by Havell. 18-6-0
- 4418 Arts et Metiers de L' Inde et Ceylon by A. K. Coomara-
swami with 225 illustrations 1924. 5-0-0
- 4419 Art of H. Majumdar 4 parts. 8-0-0
- 4420 Art of Asia by L. Binyon with illustrations. 5-0-0
- 4421 Art of Java by Gangoly with 67 illustrations. 5-0-0
- 4422 Archeologie du sud de l' Inde par G. J. Dubreuil in 2
parts Architecture and Iconographie 111 figures and
108 planches Very rare. 50-0-0
- 4423 Indien von H. Glasenapp with 248 illustrations. 32-0-0
- 4424 Indian Architecture by Gangoly. 4-0-0
- 4425 Indian Architecture according to Manasara Shilpasashtra
by P. K. Acharya. Allahabad 10-0-0
- 4426 Indian Art and Art Crafts by S. Kramrisch. 2-4-0
- 4427 Indian Painting by P. Brown. 2-0-0
- 4428 Indian Paintings under Moghuls. 78-12-0
- 4429 Indian Buddhist Iconography with several, plates by
B. Bhattacharya. 35-0-0
- 4430 Indian Serpent Lore or the Nagas in Hindu Legend
and Art with 30 plates by J. Ph. Vogel 1926. 31-8-0
- 4431 Indian Sculpture and Painting by Havell. 36-12-0
- 4432 Indische Baukunst by Emanuel La Roche edited with
the help of A. Sarasin H. Walfflin and E. Gratzel.
It is the best and the complete work on Ancient Indian
Temples, Mosque Tombs and Royal buildings. It con-
tains 337 pictures and 264 full page plates. The text
is in German. Complete in six big vols. Three Vols.
are of the size 14" x 18" and three are of 18" x 24".
Only 200 copies are printed for sale of this valuable
Book. Very rare now. 900-0-0
- 4433 Indisch Baukunst with foreword by P. Westhien with
48 very nice plates. 4-0-0

- 4434 Introduction to Indian Art by A. Coomaraswamy 3-8-0
 4435 Ancient and Mediaval Architecture of India or a study of Indo Aryan civilisation by Havell with 176 illustrations and map. Very useful. Europe 28-0-0
 4436 Cambodge-Fetes civiles et religieuses par A. Leclerc 10-8-0
 4437 Catalogue of the Indian collections in the Boston Museum by Dr. Coomaraswami as under :—
 Vol. I—General introduction.
 Vol. II—Sculpture (145 pages and 86 plates), price of Vols. I and II together. 30-0-0
 4438 „ Vol. IV—Jain Paintings 274 pages and 39 plates 15-0 0
 4439 „ Vol. V—Rajput paintings 276 pages and 132 plates 72-0-0
 4440 „ Vol. VI—Mughal Paintings 114 pages and 74 plates 40-0-0
 4441 Portfolio of Indian Art by Dr. Coomaraswami with 108 plates (4 in colour). 145-0-0
 4442 Court Painters of Grand Moghuls. 94-8-0
 4443 Gandhara-Kutscha-Turfan by Waldschmidt with 66 plates. 6-0-0
 4444 Gods of the Northern Buddhism by Getty 78-12-0
 4445 Zur Datierung der Gandhara Plastik von L. Bachhoffer with 18 plates. 4-0-0
 4446 Two Statues of Pallava kings and five Pallava inscriptions in a Rock temple at Mahabalipuram by H. Krishnasastri. 1-4-0
 4447 Temple of Siva at Bhumara by R D Banerji. 6-8-0
 4448 Dance of Siva—14 Indian essays by A Coomaraswamy with 27 plates 10-0-0
 4449 Dictionary of Hindu Architecture by P.K. Acharya. 20-0-0
 4450 Dravidian Architecture by J. Dubreuil ed. by Dr. S. Aiyengar. Madras 1-8-0
 4451 Pallava Architecture by A. Rea. Calcutta 11-8-0
 4452 Portfolio of Indian Architectural Drawings 9-0-0
 4453 Pratima-mana-lakshnam edited with an Intro. Sanskrit and Tibetan texts and English translation by Ph. Bose M. A. 4-0-0
 4454 Principles of Silpasastra together with the text of Mayasastra by Prof. Phanindra Nath Bose M. A., of Viswabharati and Forward by Dr J H. Cousins, 3-8-0

- 4455 Die Kunst Indiens or the Indian Art by Dr. E. Diez with 13 full page plates and 231 illustrations. 31-0-0
- 4456 Four Faces of Siva or the detective story of a Vanished Race with several illustrations by R. J. Casey (Art of Angkor Vat). 9-6-0
- 4457 Bagh Caves in Gwalior state with text by Sir John Marshall, Garde, Vogel, Havell, Cousins with several plates. 30-0-0
- 4458 Beginnings of Buddhist Art and other essays in Indian and Central Asian Archaeology by A. Foucher with 30 collotype plates. 30-10-0
- 4459 Bibliographies of Indian Art by Coomarswami. 9-6-0
- 4460 Moghul Architecture of Fatehpur Sikri 4 parts 74-0-0
- 4461 Moghul colour decoration of Agra Part I. 22-0-0
- 4462 Memoirs of the Colombo Museum No. I Bronzes from Ceylon, chiefly in the Colombo Museum by A. K. Coomaraswamy with 28 plates. 20-0-0
- 4463 Report on Modern Indian Architecture. 9-0-0
- 4464 Relation between the Art of India and Java by Dr. Vogel. 3-0-0
- 4465 Le Bayon D' Angkor et L' evolution. 10-8-0
- 4466 Visvakarma-Examples of Indian Architecture, sculpture, painting, and handicraft by Coomarswami 37-4-0
- 4467 Studies in Indian Painting by N. C. Mehta. 56-0-0
- 4468 Southern Indian Bronzes by O. C. Gangoly with 23 illustrations & 10 diagrams. 2-12-0
- 4469 Survivals of Sasanian & Manichaeian Art in Persian Painting by Sir T. W. Arnold 1924 10-8-0

Histories of Literatures.

(arranged according to the names of authors)

- 4470 Adelaung-An Historical Sketch of Sanskrit Literature with copious bibliographical notices of Sanskrit Works and translation in English 1832 Very rare. 15-0-0
- 4471 Aurbindo Ghosh-Kalidasa. Calcutta 1-4-0
- 4472 Bhagavad Datta—History of Vedic Literature in Hindi in 2 Vols. Lahore 10-0-0
- 4473 Bode-The Pali Literature of Burma 1909. London 4-6-0
- 4474 Chowdhury T.—History of Sanskrit Literature 2-12-0

- 4475 De. S. K. Dr.—Treatment of Love in Sanskrit Literature. Calcutta 1-4-0
- 4476 Dinesh Chandra Sen—Vaishnava Literature of Medinipur Bengal. Calcutta
- 4477 Fraser—Literary History of India. 18-6-0
- 4478 Glasenapp, H V—Die Literaturen Indiens von ihren anfangen leis zur gegenwart in verbindung mit Dr. Banarsi Das Jain, Dr. W. Geiger, Dr. F. Rosen and Dr. H. W. Schomerus. (The Indian Literature—its history etc) with several illustrations on Art 36-0-0
- 4479 Gowen H—History of Indian Literature America 13-2-0
- 4480 Hillibrandt—Kalidasa in German. 4-5-0
- 4481 Horowitz E—Short History of Indian Literature 4-8-0
- 4482 Keay—Hindi Literature. 2-0-0
- 4483 Keith, A. B—Classical Sanskrit Literature bound 2-0-0
- 4484 Do. —History of Sanskrit Literature latest 18-12-0
- 4485 Do. —Sanskrit Drama. 15-12-0
- 4486 Macdonell A—History of Sanskrit Literature. 5-10-0
- 4487 Macdonell A—India's Past. 7-8-0
- 4488 Malalasekara-G P—Pali Literature of Ceylon 8-12-0
- 4489 Max Muller—History of Ancient Sanskrit Literature. Allahabad 10-0-0
- 4490 Mukerji P. K.—Indian Literature Abroad (China) 1-0-0
- 4491 Oldenberg—Die Literature des Alten Indien 7-0 0
- 4492 Ray, K. R.—Notes on History of Sans. Literature. 0-8-0
- 4493 Schroeder—History of Indian Literature and Culture in German 20-0 0
- 4494 Vaidya C. V.—History of Sanskrit Literature Vol I—Srutu (Vedic) Period circa 4000 to 500 B. C 10-0-0
- 4495 Weber A—History of Indian Literature translated into English by J. Mann and Zacharie. 9-3-0
- 4496 Weber A—Indische Striefen in 2 vol. 20-0-0
- 4497 Winternitz M—History of Indian Literature. An up to date History and very valuable for research scholars. Complete set in 3 vols. vol. I—Vedas Mahabharata, Ramayana, Puranas and Tantras. vol. II—Buddhist and Jain Literatures vol. III—General classical Literature of India. An up to date history of Indian Literature

- in German. Complete set of 3 vols. 30-0-0
 4498 Winternitz M.—History of Indian Literature translated into English by Mrs. S. Ketkar vol. I—Introduction, Veda, National Epics, Puranas and Tantras 10-8-0
 4499 Do. Some Problems of Indian Literature. 2-8-0

Commemoration Volumes.

IN HONOUR OF VARIOUS ORIENTAL SCHOLARS

(arranged according to the names of authors)

- 4500 Asutosh Mukerjee, Sir—Silver Jubilee Commemoration Volumes.
 Vol. I—Arts and Letters 1921. 11-4 0
 Vol II—Science 1922. 11-4-0
 Vcl. III—Orientalia in 3 parts 33-12-0
 Complete set of 3 Vols @ Rs. 36.0-0 only.
 4501 Do Do. Commemoration Volume compiled by Prof. J. N. Samaddar of Patna. 15-0-0
 4502 Bhandarkar, R. G., Sir—Commemoration Volume 16-0-0
 4503 Garbe R.—Festgabe Aus Indiens Kultur 24 articles by admirers. 15-0-0
 4504 Geiger W.—fur Ehrengabe von W. Wust (Studia Indo-Iranica). Germany 20-4-0
 4505 Jacobi H.—Festgabe 48 valuable articles by friends, colleagues and scholars. 30-0-0
 4506 Lanman C R.—Indian Studies in honour of 1929.
 4507 Rapson E. J.—A Volume of Indian Studies presented to 1931. 5-4-0
 4508 Tagore-Rabindranath-A comm. Volume of International Interest. Calcutta 18-4-0
 4509 Wackernagel J.—Festschrift-or commemoration volume in honour of 1924. 25-0-0
 4510 Weber A.—Gurjupujakaumdi-various articles by admirers 20-0-0

BOOKS ON

Archaeology, Epigraphy, Ethnography and Palaeography.

(Arranged according to the names of authors)

- 4511 Ahmedabad Architecture in 2 Vols. 45-0-0

- | | | | |
|------|--|----------|---------|
| 4512 | Archaeological Survey of India—A. R. | 1926-27 | 26-0-0 |
| 4513 | „ „ „ | 1927-28 | 16-8-0 |
| 4514 | Baines A—Ethnography (castes and tribes) | | 11-8-0 |
| 4515 | Bagchi P. C.—Pre-Aryan & Pre-Dravidian of S. Levi translated in English. | Calcutta | 2-8-0 |
| 4516 | Banerji A—Asura India very interesting book. | | 5-0-0 |
| 4517 | Do. —Early Inscriptions of Bihar and Orissa (with plates). | | 5-0-0 |
| 4518 | Banerji R. D.—The Palaeography of Hathigumpha and Nanaghat Inscriptions. | | 4-8-0 |
| 4519 | Do. —Temple of Siva at Bhumara. | | 6-8-0 |
| 4520 | Do. —Memoirs of the Archaeological Survey of India No 23. The Haihayas of Tripuri and their monuments. | | 23-14-0 |
| 4521 | Barua B—Old Brahmi Inscriptions in the Udaygiri and Khandagiri caves new revised edition | | 7-8-0 |
| 4522 | Barua and Sinha—Barhut Inscriptions—text translation and notes. | Calcutta | 3-0-0 |
| 4523 | Basak—R. G.—Catalogue of the Archaeological Relics in the museum of Varendra Society. | | 1-0-0 |
| 4524 | Bhandarkar D. R. and Majumdar—Inscriptions of Asoka with various readings. | | 4-4-0 |
| 4525 | Do. An epigraphical notes on Dharmapala. | | 1-0-0 |
| 4526 | Do. An Ekalinga Stone Inscription. | | 1-0-0 |
| 4527 | Do. Ancient Indian Numismatics. | | 4-14-0 |
| 4528 | Brown—Coins of India Bound. | | 2-4-0 |
| 4529 | Bruce Foote—Catalogue of Pre-historic Antiquities | | 10-0-0 |
| 4530 | Buhler G—On the origin of the Indian Brahmi Alphabet in English | | 5-0-0 |
| 4531 | Do. Indische Palaeography 350 to 1300 with 17 plates in 2 parts Germany. | | 18-8-0 |
| 4532 | Do. On the origin of the Kharosthi Alphabet | | 5-0-0 |
| 4533 | Burgess—Architectural Antiquities of N. Gujrat. | | 24-0-0 |
| 4534 | „ —Muhammadian Architecture of Gujrat. | | 33-0-0 |
| 4535 | Burnell A. C.—South Indian Palaeography from 4th. to 17th. century. | Madras | 40-0-0 |
| 4536 | Candee H. C.—Angkor—the magnificent—the wonder | | |

- city of Ancient Cambodia with several illustrations
Very rare. London 30-0-0
- 4537 Carter-Stone Age in Kashmir. 2-0-0
- 4538 Catalogue of the Delhi Museum of Archaeology. 1-4-0
- 4539 Catalogue of the Archaeological Museum Mathura 3-8-0
- 4540 Diskalkar D. B -Selections from Sanskrit Inscriptions
(From 2nd. cent. to 8th. cent. A. D.) in Nagari ch Vol.
I part I-text. 1-0-0
- 4541 Do. Vol. I Part II-containing introductory, his-
torical and literary notes and a complete translation
into English of the above. 3-0-0
- 4542 Epigraphia Indica Vol. 19 part 7-1928. 2-0-0
- 4543 " " Vol. 20 part I. 2-0-0
- 4544 " " Vol. 19 part V 1928 2-0-0
- 4545 " " rest Vols. available in the market@2-0-0
- 4546 Fleet -Inscriptions of the early Gupta kings and their
successors reprinted edition part I Inscriptions 1-38
text. Allahabad 2-0-0
- 4547 Fleet J. F.-Indian Epigraphy-the inscriptional basis of
Indian historical research. Very rare 15-0-0
- 4548 Francke A. H -Antiquities of Indian Tibet 2 parts 42-0-0
- 4549 Fuhrer A-Monumental antiquities and inscriptions in
the North-Western Provinces and Oudh. 10-0-0
- 4550 Gopinath Rao-Elements of Hindu Iconography 40-0-0
- 4551 Hall-Cypriote inscription of Di Cesnola collection 1-0-0
- 4552 Do -Five Sanskrit Inscriptions text and trans. 5-0-0
- 4553 Halle K-Table of Old and New Indian Alphabet 12-0-0
- 4554 Hannah B-Ancient Rome Chronology. 1-0-0
- 4555 Hargreaves H-Sculptures in the Peshawar Museum 2-0-0
- 4556 " -Excavations in Baluchistan. 9-14-0
- 4557 Herzfeld E-Kushans-Sasanian Coins. 7 12-0
- 4558 Hultzsch E-Inscriptions of Asoka-Corpus Inscrip-
tionum Indicarum with 55 plates New edition 80-0-0
- 4559 " -South Indian Inscriptions in 5 Vols. of
(1 pt. out of print). 48-8-0
- 4560 Inscriptions of Cambodge with 201 plates of inscrip-
tions in 4 Big Vols. Paris 125-0-0
- 4561 Inscriptions of Pagan, Pinyac, Ava-translation with

- notes. 10-0-0
- 4562 Kalyani Inscriptions of 1476 A. D. text with translation. 12-0-0
- 4563 Krishna Sastri—Two Statues of Pallava Kings. 1-4-0
- 4564 Kuraishi M. H.—Buddhist Remains at Nalanda 0-12-0
- 4565 Luders H.—Epigraphische Beitrage in 4 parts. 10-0-0
- 4566 Meedonell A.—The development of Early Hindu Iconography. 2-0-0
- 4567 Majumdar N.—Nalanda Copper plate of Devapala 1-0-0
- 4568 „ —Inscriptions of Bengal vol. III with 15 plates 10-0-0
- 4569 Majumdar R. C.—Ancient Indian Colonies in the Far East Vol. I Champa—its political history, and inscriptions. It is a very useful book for Research scholars and History students. No such history of Indian Colonies is written before in English with 21 plates and one map of Ancient Champa. All the inscriptions found are printed text with English translation. cloth bound with gold letters. 15-0-0
- 4570 Manmohan Chakravorthy—Inscription of the time of Kapilendra Deva from Gopinathapura. 2-0-0
- 4571 Marshall J.—A guide to Taxila with illustrations 4-0-0
- 4572 Marshall Sir John—Mohenjo-Daro And the Indus civilization being an official account of Archaeological Excavations at Mohenjo-Daro carried out by the Govt. of India between the years 1922 & 1927 in 3 Vols. with plan and map in colours, and 164 plates in colotype. Vol. I Text Chapters I-XIX and plates I-XIV Vol. II Text chapters XX-XXXII appendices and index Vol. III Plates XV-CLXIV = 1931. This big book ought to be in each and every Library. London 189-0-0
- 4573 Monier Williams—Original papers illustrating the history of the application of the Roman Alphabet to the languages of India 1859 very rare, 25-0-0
- 4574 Natesa Sastri—Topographical notes on Kanchi. 2-8 0
- 4575 Niradbandhu Sanyal—Descriptive list of Inscriptions in the Museum of the Varendra R. S. 1-0-0

- 4576 Ojha G. H.—Palaeography of India in Hindi. 30-0-0
 4577 Rae G. M.—Two copper plates. 2-8-0
 4578 RamavtarSarma-Asoka'sInscriptions,text and trans 2-4-0
 4579 Ramchandra Kak-Handbook of the Archaeological and
 Numismatic section of the Sri Pratap Singh Museum
 with several illustrations. 3-0-0
 4580 Do. Do. -Antiquities of Maren-Wadwan. 2-8-0
 4581 Rea-A-Pallava Architecture. 11-8-0
 4582 „ —South Indian Buddhist Antiquities. 7-8-0
 4583 Rice L—Coorg Inscriptions (revised edition) Epigra-
 phica Carnatica. 25 0-0
 4584 Rapson—Coins of the Andhra Dynasty. 18-12-0
 4585 Schrader F. O—Transcription and explanation of the
 Siamese Alphabet. 2-4-0
 4586 Sen P. C—Mahasthan and its environs. 2-0-0
 4587 Smith E—Moghul Architecture of Fatehpur Sikri 74-0-0
 4588 Smith V-Jain Stupa and other antiquities of Muttra. 14-8-0
 4589 South-Indian Epigraphy—Annual Report 1927. 2-14-0
 4590 Stein. A—Kharoshthi Inscriptions in 3 Vol. 75-0-0
 4591 Do. —Preliminary notes on a tour with the Buner
 Field Force. 2-0-0
 4592 Do. —Archaeological tour in Wazirstan & Northern
 Baluchistan. 13-14-0
 4593 Do. —Memoirs of the Archaeological Survey of
 India No. 43, tour in Gedrcsia. 20-12-0
 4594 „ —An Archaeological tour in Upper Swat and
 adjacent Hill tracts. 12-0-0
 4595 „ —Kharoshthi Inscriptions discovered in Chinese
 Turkistan Part III 1929. 21-0-0
 4596 „ —A Catalogue of Paintings recovered from
 Tun-Huang. 27-10-0
 4597 Sten Konow—Corpus Inscriptionum Indicarum Vol. II
 P. I Kharoshthi Inscriptions with exception of those
 of Asoka with 1 map and 36 plates. 43 0-0
 4598 Stern P-L' Bayon D' Angkor with illustrations. 10-8-0
 4599 Sylvain Levi-Pre-Aryan and Pre-Dravidian in India
 translated into English by Dr. P. Bagchi. 2-8-0
 4600 Thomas F—Greek Official title in a Kharoshthi ins-

- cription. 2-0-0
- 4601 Thurston E.—Coins in Madras Central Museum—Catalogue in 2 parts—Mysore Roman, Indo Portuguese and Ceylon. Madras 30-0-0
- 4602 Do. History of the Coinage with 20 plates 1890
- 4603 Venkatasubbiah A.—Some Saka Dates in Inscriptions—A contribution to Indian Chronology.
- 4604 Venkayya V.—Dravidian and Sanskrit Inscriptions 5-0-0
- 4605 Do. —Tamil Alphabet. 2-0-0
- 4606 Voretzsch—Indische Sculpturen in Portugal. 2-0 0
- 4607 Vogel J. Ph. & others—The Annual Bibliography of Indian Archaeology for the years 1926, 1927, 1928 each @ Rs. 15-0-0 and 1929 @ Rs. 10-0-0
- 4608 Waddell—Indo-Sumerian Seals Deciphered. 7-8.0
- 4609 Do. —Aryan Origin of the Alphabet. 7-12-0
- 4610 Do. —Sumer Aryan Dictionary.
- 4611 Do. -Makers of Civilization in Race and History 28-0-0
- 4612 Wickremasinghee—Archaeological Survey of Ceylon in 12 parts 45-0-0
- 4613 Woolner—Asoka text and Glossary in 2 parts. 10-0-0

Books on Ancient Indian History.

(Arranged alphabetically according to the names of authors.)

- 4614 Aiyengar S. K.—Early History of Vaisnavism. 1-4-0
- 4615 Do. —Mani-Mekhalai-in its historical setting. An interesting historical book. 5-0-0
- 4616 Do. —Beginnings of South Indian History 3-12-0
- 4617 Do. —S. India and her Muhammeden Invaders 8-8-0
- 4618 Do. —A Little Known chapter of Vijayanagar History. 0-12-0
- 4619 Do. —Chola Ascendancy in Southern India 5-0-0
- 4620 Ali Mohammad Khan—Mirat-i-Ahmadi—History of Gujarat—Persian Text with supplement in 3 Vols. 25-8-0
- 4621 „ Supplement—Engl. trans. by C. N. Seddon 6-8-0
- 4622 Amar Nath Diwan—Zaffarnama-i-Ranjit Singh Persian text critically edited, with notes and introduction by Prof. Sita Ram Kohli M. A. 1928. 5-0-0
- 4623 Ball U. N.—Ancient India. 2-8-0
- 4624 Banerji R. D.—History of Orissa 2 vols. 40-0-0

- 4625 Barnett—Antiquities of India or an account of the history and culture of Ancient Hindustan with 28 plates and 3 maps. Very rare. 30-0-0
- 4626 Beal S—Life of Hiuen Tsang. 7-14-0
- 4627 Bhandarkar D R.—Asoka second enlarged edition.
- 4628 Do. —Ancient Indian Numismatics 4-14-0
- 4629 Bhandarkar R. G.—Early History of Deccan revised and enlarged by Dr. Bhandarkar. 7-8-0
- 4630 Do. —A Peep into the Early History of India 2 0-0
- 4631 Do. —Collected Works Vol. III—comprising Early History of the Deccan and Misc. Historical Essays 4-8-0
- 4632 Bimala Churn Law—Some Kshatriya Tribes of Ancient India. 10-0-0
- 4633 Do. Do. —Ancient Tribes of India—deals with the history of 5 tribes, the Kasis, the Kosalas, the Assakas, the Magadhas, the Bhojas who played an important part in the History of Ancient India with 5 plates. 3-8 0
- 4634 B. C. Law.—Historical Gleanings. 6-0-0
- 4635 Do. Do. —Ancient Mid-Indian Ksatriya Tribes. 8-0-0
- 4636 Burgess J—The Chronology of Modern India. 14-0-0
- 4637 Chanda—Indo Aryan Races Very rare. 15-0-0
- 4638 Chatterji B.R.—Indian Cultural Influence in Cambodia 6-0-0
- 4639 Cunningham Sir—History of the Sikhs. 9-6-0
- 4640 Do. and Majumdar—Ancient Geography of India. 15-0-0
- 4641 Dey-N. L.—Rasatāla or the underworld. 1-0-0
- 4642 Duff J —History of the Mahrattas 1873. 10-0-0
- 4643 Durga Dass Lahiri—Prithibir Itihasa in Bengali Language. It contains the true and elaborate History of Ancient India in 8 vols. 80-0-0
- 4644 Elphinstone M.—History of India—Hindu and Moham-maden Periods 1857. 20-0-0
- 4645 Ettinghausen L.—Harsha Vardhana in French 10-0-0
- 4646 Forbes Rasamala—Hindi Annals of the province of Gujarat edited with historical notes, appendices and original illustrations 1922 in 2 Vols. 15 8-0
- 4647 Gait E—History of Assam revised. 15-0-0
- 4648 Giles—Travels of Fa-hein. 4-6-0

- 4649 Do. —Record of the Buddhist Kingdoms 20-0-0
- 4650 Gopalan R.—History of the Pallavas. 6-4-0
- 4651 Hemachandra Ray Chaudhuri—Political History of Ancient India (From the accession of Parikshit to the extinction of Gupta Dynasty) Third revised and enlarged ed. Calcutta 7-8-0
- 4652 H. Ray Chaudhuri—Early History of the Vaisnavas 2-13-0
- 4653 Do. Do. —Dynastic History of Northern India 10-0-0
- 4654 Heras H. Rev.—Aravidu Dynasty of Vijayanagara Vol. I 1542-1614. 10-8-0
- 4655 „ —Beginnings of Vijayanagara History. 5 0-0
- 4656 Hodson—The Primitive culture of India London 5-4-0
- 4657 Law N. N.—Studies in Indian History and Culture 8-0-0
- 4658 Majumdar R. C.—Ancient Indian Colonies in the Far East Vol. I—Champa. It deals with the history and civilization of Indian Colony in Annam. It is a glorious but a forgotten chapter of Indian History and knowledge of Indian History would be incomplete without it. Big Vol. with more than 100 inscriptions found with their translation etc. and several plates and a map. 15-0-0
- 4659 Majumdar R. C.—Early History of Bengal. 1-2-0
- 4660 Do. —Outline of Ancient Indian History and civilization. Calcutta 7-8-0
- 4661 Monohan—Early History of Bengal. 11-4-0
- 4662 Moraes G. M.—Kadamba Kula—A history of Ancient and Mediaval Karnatak. 15-0-0
- 4663 Mazumdar A. K.—Hindu History B. C. 3000 to 1200 A. D. Dacca 8-0-0
- 4664 McCrindle—Ancient India—Megasthenes and Arrian. 7-8-0
- 4665 Do. —Ancient India as described by Ptolemy 10-0-0
- 4666 Mukerji Radhakumud—Harsha. 3-6-0
- 4667 Do. —Asoka. 15-12-0
- 4668 Nilakantha Sastri K.—The Pandyan Kingdom 6-8-0
- 4669 Panchanan Mitra—Pre-Historic India 2nd. ed. revised and enlarged. Calcutta 7-0-0
- 4670 Pannikar—Sri Harsha of Kanauj. 3-8-0
- 4671 Do. —Malabar and the Portuguese. 6-0-0

- 4672 Phanindra Nath Bose.—Ancient Indian Colony of Siam with 6 plates. Upto date history of Siam 3-8-0
- 4673 Ph. Bose—Indian Colony of Champa. 2-0-0
- 4674 Do. Do. —Hindu Colony of Cambodia. 3-0-0
- 4675 Do. Do. —Travels of Wu-K'ung—Chinese traveller (shortly). 3-0-0
- 4676 Pradhan Sitanath—Chronology of Ancient India (From the times of the Rigvedic King Divodasa to Chandragupta Maurya with glimpses into the Political History of the period). 6-0-0
- 4677 Prothero M.—History of India rare. 5-0-0
- 4678 Rapson—Cambridge History of Ancient India. 32-0-0
- 4679 Do. —Ancient India to the first century with 6 illustrations. 5-0-0
- 4680 Do. Sources of Indian History (Coins) with 5 plates 6-0-0
- 4681 Rudolf O.—History of Vishnu Narayana in German 5-0-0
- 4682 Sachau E. C.—Alberuni's India in English. 9-4-0
- 4683 Smaddar J—Glories of Magadha. 2nd. edition revised and enlarged considerably with 26 plates and 1 map and 4 inscriptions. Very interesting book. Every lover of Ancient Indian History ought to read this book. Patna 8-0-0
- 4684 Sarda Harbilas—Maharana Kumbha illustrated. 2-0-0
- 4685 Do. Do. — Do. Sanga Do. 2-8-0
- 4686 Do. Do. —Ajmer—Historical and Descriptive 5-0-0
- 4687 Do. Do. —Hammira of Ranthambor. 2-0-0
- 4688 Do. Do. —Hindu Superiority. 6-0-0
- 4689 Sardesai G.S.—Main Currents of Mahratta History. 1-8 0
- 4690 Sarkar Jadunath—India through the Ages. 1-8-0
- 4691 Do. Do.—Shivaji 5-0-0
- 4692 Do. Do.—Aurangzeb in 5 Vols. 16-8-0
- 4693 Sooryanarayan Row—Description of the city of Vijayanagar. 1-2 0
- 4694 Smith V. A —Asoka the Buddhist Emperor. 6-6-0
- 4695 Do. —Early History of India from 600 B. C. to the Muhammeden conquest including the invasion of Alexander the Great with several illustrations. 4th. edition. 15-12-0

- 4696 Smith V.A.—Akbar the great Moghul. 12-0-0
 4697 Stein A.—Alexandar's campaign on the Indian North-
 West Frontier 1927. 5-0-0
 4698 Subramaniam K.B.—The Mahratta Rajas of Tanjore 2 4-0
 4699 Do. —Origin of Saivism and its History in Tamil Land. 3-8-0
 4700 Suryanarayan Rao—History of Vijayanagar. 6-0-0
 4701 Todd—Annals of Rajasthan ed by Crooke in 3 Vols. 28-14-0
 4702 Vaidya—History of Medieval Hindu India—Early his-
 tory of the Rajputs the downfall of Hindu India
 in 3 Vol 22-8-0
 4703 Do. —Life of Shivajee. 2-0-0
 4704 Venkayya V.—History of India. 2-0-0
 4705 Watters T.—On Yuan Chwang's Travels in India 629-
 645 A. D in 2 vols. 25-0-0
 4706 Wheeler T.—Early Records of British India—a history
 of the English settlements in India 1879. 25-0-0

Books on Indian Economics & Politics.

(arranged alphabetically according to the names of authors)

- 4707 Banerji N. C.—Development of Hindu Polity and Poli-
 tical Theories Part I from the earliest times to the
 growth of the Imperialistic Movements. 8-8-0
 4708 Do. —Economic Life and Progress in Ancient
 India. Calcutta 6-0-0
 4709 Basu P. C.—Indian Aryan Polity.
 4710 Beni Prasad Dr.—Theory of Govt. in Ancient India 8-8-0
 4711 Do. —The State in Ancient India. Allahabad 10-8-0
 4712 Buch M. A.—Spirit of Ancient Hindu Culture. 2-4-0
 4713 Chuckervertty—Study in Hindu Social Polity.
 4714 Date G. T.—Art of War in Ancient India. 3-6-0
 4715 Dikshitar R.—Hindu Administrative Institution. 7-0-0
 4716 Dutt Romesh—Economic History of India in Victorian
 Age. London 9-3-0
 4717 Ghoshal U.—History of Hindu Political Theories. 8-10-0
 4718 Do. —The Agrarian System in Ancient India 2-8-0
 4719 Do. —Contributions to the history of the Hindu
 Revenue System 1930. Calcutta 5-8-0
 4720 Gupta R. D.—Crime and Punishment in Ancient India
 Calcutta 5-8-0

- 4721 Law N. N —Studies in Ancient Hindu Polity. 4-8 0
 4722 Do. —Aspects of Ancient India Polity. 7-14-0
 4723 Mukerji B.—Indian Civilization and its antiquity 2-0-0
 4724 Mukerji Radhakumud—A history of Indian Shipping
 and Maritime Activity from the earliest times. 7-14-0
 4725 Do. Do. —The Fundamental Unity of India 4-8-0
 4726 Do. Do. —Local Government in Ancient India 9-6-0
 4727 Do. Do. —Men and Thought in Ancient India 5-10-0
 4728 Nareshchandra Sen—Sources of Law and Society in
 Ancient India. Calcutta 1-8-0
 4729 Oppert G—On the weapons, army organisation and
 political maxims of the Ancient Hindus with special
 reference to Gunpowder and firearms Very rare. 15-0-0
 4730 Pran Nath Dr.—A study in the Economic condition of
 Ancient India 1929. London 10-14-0
 4731 Radhakamal Mukherji—The foundation of Indian Eco-
 nomics with several illustrations. London 13-0-0
 4732 Samaddar J.—Economic condition of Ancient India 3-0-0
 3733 Santosh Kumar Das—The Economic History of Ancient
 India. Calcutta 3-8-0
 4734 „ , —Educational System of the Ancient Hindus 8-0-0
 4735 Sarkar B K —Hindu Achievement in exact sciences 3-0-0
 4736 Do. —Positive Back Ground of Hindu Sociology
 Book II (in 2 pts). 6-0-0
 4737 Do. —Political Institutions and theories of Hindus 12-0-0
 4738 Shah K. T—The Splendour that was 'Ind—A survey of
 Indian Culture and civilisation. Bombay 30-0-0
 4739 Shama Sastry—Evolution of Indian Polity. 6-0-0
 4740 Thakore B—Indian Administration to the dawn of
 responsible Govt. 6-0-0

General Books on India.

- 4741 Abhedananda—Self Knowledge. 1-8-0
 4742 Do. —Reincarnation. 2-0-0
 4743 Do. —Human affection. 1-0-0
 4744 Aiyengar S. K—India and her People. 1-12-0
 4745 Do. —Divine Heritage of Man. 2-0-0
 4746 Do. —Sri Ramanujacharya. 0-14-0
 4747 Do. —Stone Age in India. 1-4-0

- 4748 Altekar A. S.—History of Village communities in Western India. 3-0-0
- 4749 Anandacharya—Snow Birds. 7-8-0
- 4750 Do. —Brahmdarsan. 4-8-0
- 4751 Do. —Gaurishankarguha. 5-8-0
- 4752 Do. —Usarika-Dawn-Rhythms 21 poems 1-0-0
- 4753 Do. —Cakrasakha or the companion of God. 2-0-0
- 4754 Do. —Saki the comrade. 1-0-0
- 4755 Do. —Kalkaram 524 pages. 6-0-0
- 4756 Ananda Kaul-The Kashmiri Pandit. 2-0-0
- 4757 Do. —Kashmir (Geography). 2-8-0
- 4758 Andrews C. F.—Mahatma Gandhi's Ideas including selections from his writings. London 9-6-0
- 4759 „ —Mahatma Gandhi. His own story London 9-6-0
- 4760 Angell Norman—Great Illusion or a study of the relation of military power in Nations to their economic and social advantage. 2-8-0
- 4761 Appasamy A J—Temple Bells or readings from Hindu Religious literature. 2-8-0
- 4762 Arnold E.—Great Ganga the Guru or How a Seeker sought the real with decoration by Mrs. Goyle. 4-8-0
- 4763 Arnold T. W.—Through India with a Camera. 5-0-0
- 4764 Do. —Sense in Sex 4-0-0
- 4765 Aurbindo Ghosh—Uttarapara Speech. 0-4-0
- 4766 Do. —Brain of India. 0-6-0
- 4767 Do. —Mother. 1-2-0
- 4768 Ayyar S. P.—India after Dinner Stories. 8-0-0
- 4769 Do. —Baladitya-Historical Romance of Ancient India. 4-0-0
- 4770 Ayyar P. V. J.—Legends of Vikramaditya. 2-8-0
- 4771 Bader C —Women in Ancient India 7-14-0
- 4772 Bagle—Town Planning in India. 3-0-0
- 4773 Banarsi Dass Jain M. A—Muqbal's Hir Ranjha Punjabi Love Poem. 1-0-0
- 4774 Banerji G.—Hellinism in Ancient India—thoroughly revised and enlarged. Calcutta 8-8 0
- 4775 Banerji N. C.—Asianism and other essays. 1-4-0
- 4776 Barth A.—The Religions of India translated into Eng-

	lish by J. H. Woods.	London 9-8-0
4777	Bayley C.—Genealogy of Modern Numerals	3-0-0
4778	Bennet A.—Wisdom of the Aryas.	1-14-0
4779	Besant A. Dr.—Hindu Ideals.	1-0-0
4780	Do. —Study in Karma.	0-6-0
4781	Do. —Brahm Vidya.	1-8-0
4782	Do. —Avtaras.	0-14-0
4783	Do. —Sri Ramchandra.	1-0-0
4784	Do. —Story of the Great War Mahabharat	1-0-0
4785	Do. —Indian Ideals in Education, Philosophy, Religion and Art.	1-8-0
4786	Do —Theosophy according to the Bishop of Madras.	0-8-0
4787	Bhagwan Dass Baboo—Lord Krishna.	1-4-0
4788	Bhandarkar R G—Vaisnavism, Saivism and other minor religious systems.	3-8-0
4789	Do. —Collected works Vol. II No. 2 compris- ing reports on search of Sanskrit Mss. and literary, religious and social essays	5-8-0
4790	Bhashyacharya N—Age of Patanjali.	1-0-0
4791	Bower—AJourney accross Tibet with several illus.	10-0-0
4792	Bradley Birt—Chhota Nagpur-a little known province of the empire.	
4793	Brooks F. T—Mind Aspect of salvation.	1-0-0
4794	Do. —Sanyasa or the one salvation of organic work.	1-4-0
4795	Do. —Kuru Kshetra a lecture.	0-6-0
4796	Do. —Gospel of Life.	1-8-0
4797	Brynt—French Pictures and their painters illus.	14-0-0
4798	Budge—Legends of the Egyptian Gods text with Eng- lish translation and several illustrations.	10-0-0
4799	Burkitt—The Religion of the Manichees.	5-4-0
4800	Burnes A.—Reports and papers, political, geographical, and commercial submitted to Govt. by—employed on missions in the years 1835 in Sindh, Afganistan and adjacent countries 1839 Very rare.	30-0-0
4801	Chakladhar H. C.—Studies in the Vatsyayana's Kama- sutra-Social Life in Ancient India.	4-0-0

- 4802 Do. —Sidelights on social life in Ancient India. 1-14 0
- 4803 Chakravarti N. P.—India and Central Asia. 1-2-0
- 4804 Chandavarkar G. A.—A Manual of Hindu Ethics 1-4-0
- 4805 Charpentier J.—Die Suparnasage unter zur Altindischen Literature und Sageneschichte in German 23 0-0
- 4806 Chatterji J. C.—India's Outlook on life. 6-8-0
- 4807 Childe V. G.—The Aryans-a study of Indo-European origins 9-3-0
- 4808 Coq Le—Buried Treasures of Chinese Turkestan in English. London 13-8-0
- 4809 Crooke W. Religion and folklore of Northern India 15-12-0
- 4810 Day Lal Bihari Revd.—Folk tales of Bengal with 32 illustrations in colour by W. Goble. 11-4-0
- 4811 Dewar—Birds of an Indian Village. 1-8-0
- 4812 Dey N. L.—Geographical Dictionary of Ancient and Mediaval India. Calcutta 9-0-0
- 4813 „ „ —Rasatala or the Under-World. 1-0-0
- 4814 Dubois J.—Hindu manners, customs & ceremonies 5-10-0
- 4815 Dutt R. C.—Lays of Ancient India. 7-14-0
- 4816 Edwards S. M.—Byways of Bombay. 7-6-0
- 4817 Farquhar—Outline of the Religious Literature of India. 13.12-0
- 4818 Fausboll V —Indian Mythology according to the Mahabharata. 9 0-0
- 4819 Fawcett.—Soars of Madras. 0-8-0
- 4820 Garbe R.—Indische Reiseskizzen or an outline of India with several illustrations. 12-0-0
- 4821 Do. —Beitrage zur Indischen Kulturgeschichte 5-0-0
- 4822 Garner J. W.—Recent Developments in international Law. Excellent cloth binding. 17-0-0
- 4823 Ghoshal U. N.—Indian Culture in Afghanistan 1-2-0
- 4824 „ „ —Agrarian System in Ancient India 2 8-0
- 4825 Ghulam Ahmad—Teachings of Islam. 2-0-0
- 4826 Glasenapp H.—Religious Reformation in Modern India in German. 3-0-0
- 4827 Do. Hinduismus. The aim of the author is to present a comprehensive perspicuous and intellegible picture of the life of the Hindus of the present

- day in so far as it finds expressions in the socio-religions complex which goes by the name of Hinduism 43 illustrations, in German. 14-0-0
- 4828 Do. —Indian with 248 illustrations. 32-0-0
- 4829 Do. —Brahma und Buddha with several illustrations. 6-0-0
- 4830 Govindacharya A. Swami—A Metaphysique of Mysticism (Universal Religion Encyclopaedia in character) 12-0-0
- 4831 Govindacharya—Wisdom of Dravid Saints. 2-0-0
- 4832 Do. Do. —Life of Ramanujacharya. 5-0-0
- 4833 Gopinath Kaviraj M. A.—The Princess of Wales Saraswati Bhavana Studies edited by—in 7 vols. so far published. Allahabad 31-12-0
- 4834 Graham S.—London Nights—Studies and sketches of London at Night. 12-0-0
- 4835 Grierson G.—Some Bihari Folk-Songs. 2-0-0
- 4836 Griffith R.—Idylls from the Sanskrit. 2-0-0
- 4837 Gullick H.—A Vocabulary of the Ponape dialect with a grammatical sketch. America 5-0-0
- 4838 Gupta K. M. Dr.—Land System in South India in Ancient Times. (shortly) 10-0-0
- 4839 Gupta—Hindu Holidays and ceremonials with dissertations on origin, Folklore and symbols with 18 illustrations—six in colour. 8 0-0
- 4840 Gupta R. Das—Crime and Punishment in Ancient India. Calcutta 5-0-0
- 4841 Gunn—Cattle of Southern India 1909. 3-0-0
- 4842 Hannah Bruce—Culture and Kultur Race Origins or the Past unveiled. Calcutta 3-12-0
- 4843 Haraprasad Sastri—Absorption of the Vratyas. 0-8-0
- 4844 Harish Chandra Dr.—An Ideal Study of Chemistry 1-0-0
- 4845 Do. Do. —Baby's Home Training. 1-0-0
- 4846 Do. Do. —The ways and means of importing an ideal education to boys & girls 2-0-0
- 4847 Harten—Indische Stromangen in der Islamischen Mystik in German complete in 2 parts. 11-8-0
- 4848 Henry Savage—Tibet and Nepal painted and described with several colour illustrations. 15-0-0
- 4849 Hertel J.—Indische Marchon with illustrations. 5-0-0

- 4850 Hodson T. C.—The Primitive Culture of India. 6 .0
 4851 Hopkins E—Ethics of India. 11-6-0
 4852 Do. —Legends of India. 6-12-0
 4853 Do. —India Old and New with a memorial address Very rare. America 35-0-0
 4854 Hultzsch—Papyrus from Oxyrhynchus. 0-8-0
 4855 Hurlimann Martin Picturesque India—A Photographic Survey of the land of Antiquity. 20-0-0
 4856 Imperial Gazeteer of India in 26 Vols. 75-0-0
 4857 Jacolliot L—Occult Science in India and among the Ancients. 8-0-0
 4858 Jagdish Aiyer—South Indian Customs. 3-0-0
 4859 „ „ —Moral Stories. 0-7-0
 4860 Jaichand Sharma Dr.—Physical Culture with several diagrams. (shortly) 1-0-0
 4861 Jespersen Otto—Mankind, Nation and Individual from a linguistic point of View 1925. 5-8-0
 4862 Jos P. Abes—Indian Religion—der Sanatana Dharma with coloured illustrations. 5-0-0
 4863 Kameshwara Aiyar—Life of H. H. Sri Nrisimha Bharati.
 4864 Kannoo Mull—Kamakala—An interesting book on Ancient Indian Erotic, Rhetoric and Music with 5 very nice tri-colour and 25 half-tone illustrations Printed on antique paper at Times of India Press, with cloth binding. The book is worth reading. 5-0-0
 4865 Kawaguchi E—Three Years in Tibet. 3-0-0
 4866 Keay F. E—Ancient Indian Education. 3-6-0
 4867 Kemp—The face of Manchuria, Korea—Russian Turkistan illustrated with 24 coloured plates. 15-0-0
 4868 Kennedy—Chaitanya Movement. 4-8-0
 4869 Kern Prof.—Collected Writings of—in Dutch, English, French and German in 16 vols. Supplied on order 140-0-0
 4870 Khanikoff C. N.—Analysis and extracts of book of the Balance of Wisdom text edited with English translation. (An Arabic work on Water Balance) 1857 Rs.5-0-0
 4871 Kincaid—Tales of King Vikrama. 2-8-0
 4872 Do. —Tales of Tulsi Plant & other stories. 2-6-0
 4873 Do. —Shri Krishna of Dwarka. 1-8-0

- 4874 Koran Holy text reproduced photographically 5-0-0
 4875 Krishnaswami S. Aiyengar—Some Contributions of South India to Indian Culture. Calcutta 6-0-0
 4876 Krishna Sastri—Democratic Hinduism. 2-0-0
 4877 Lahiri S. Philosophy of Union by Devotion. 1-12-0
 4878 „ —Awakening as the Essence of the Determination of the Universal Religions. 1-12-0
 4879 Law N. N.—Inter State Relations in Ancient India 2-0-0
 4880 Legge J.—Travels of Fa-Hien. 18-12-0
 4881 Leumann E.—Budha und Mahavira Indischen Religionen in German. 3-0-0
 4882 Levi S.—Eastern Humanism. 0-8-0
 4883 Macaulay—Lays of Ancient Rome With illustrations 6-0-0
 4884 Macauliffe M. A.—The Sikh Religion or an English translation of the Granth with lives of the Gurus in 3 vols. London 35-0-0
 4885 Macdonell A.—Lectures on Comparative Religion 3-0-0
 4886 Mackenzie—Hindu Ethics. 7-14-0
 4887 Macnicol—Indian Theism. 5-10-0
 4888 Madhwananda—Krishna and Uddhava in 2 vol. 3-4 0
 4889 Mahindra K. C.—Indian Currency and exchange. 3-0-0
 4890 Maiman Abd-al-Aziz—Iqlid Al-Khizana or Index of titles of works referred to or quoted by Abd-al-Qadir al-Baghdadi in his Khizanat al-adab 1927 cloth cover 1-12-0 paper cover 1-6-0
 4891 Maitra S. K.—Ethics of the Hindus. 4-8-0
 4892 Maitreya—Universal Religion and a comparative Theology. Calcutta 4-8-0
 4893 Majumdar R. B., Dr.—Ancient Indian Colonies in the Far-East Vol. I—Champa—its political history and inscriptions. It is a very useful book for Research Scholars and History students. No such history of Indian Colonies is written before in English with 21 plates and 1 map of ancient Champa. 15-0-0
 4894 Do. Do. —Corporate Life in Ancient India. 7-8-0
 4895 Markhey—Intro. to Hindu and Muhammeden Law 6 0 0
 4896 Max Muller F.—India What can it teach us big ed. 10-0-0 ordinary 5-10 0

- 4897 M. Muller—Introduction to the Science of Religion 5-10-0
 4898 Do. Do. —Six Systems of Indian Philosophy 6-6-0
 4899 Do. Do. —Ramakrishna—His life and sayings 5-10-0
 4900 Do. Do. —Hibbert Lectures on the origin and growth of Religion as illustrated by the religions of India Very rare 1878. 25-0-0
 4901 Do. Do.—Essays on Comparative Mythology. 1-8-0
 4902 McCormik—An artist in the Himalayas illustrated by over 100 original sketches made on the journey. 14-0-0
 4903 Milman Dean—Nala and Damayanti English. 1-12-0
 4904 Modi J. J.—Idol Worship 0-12-0
 4905 Mookerji R.—Ancient Hindu Education as evidenced by the Brahmanas and Upanishdas. 1-14-0
 4906 Mortimer—The Durbar with 100 illustrations. 10-0-0
 4907 Muhammad Ali—The Holy Quran translated into English. London 15-0-0
 4908 Muir J.—Metrical Translations from Sanskrit Writers. Very rare. 25-0-0
 4909 Muir J.—Original Sanskrit Texts Part I—Mythical and legendary accounts of the origin of caste, with an enquiry into its existence in the Vedice age 1890. 25-0-0
 4910 Muir J.—Original Sanskrit Texts part II—containing the Trans—Himalayan origin of the Hindus and their affinity with the western branches of the Arian Race. Very rare. London 25-0-0
 4911 Muir J.—Original Sanskrit Texts Part III—The Vedas—Opinions of their authors and of later Indian writers in regard to their origin inspiration and authority 25-0-0
 4912 Muir J.—Original Sanskrit Texts Part IV on the origin and history of the People of India their religion and institutions Very rare. 25-0-0
 4913 Mukerji B.—Indian Civilization and its Antiquity 2-0-0
 4914 Mukherji A. C.—Ancient Indian Fasts and Feasts 1930
 4915 Mullick G. N.—The Philosophy of Vaisnava Religion with special reference to Krishnite and Gaurangite cults. 8-0-0
 4916 Niharranjan Ray—Brahmanical Gods in Burma. 2-4-0
 4917 Nobel J.—Kumarajiva in German. 2-0-0
 4918 Nripendra Kumar Datta—The Origin and Growth of

		Caste in India 1931.	Calcutta 7-0-0
4919	Do. Do.	—Aryanisation of India.	5-0-0
4920	Oltramare—L'	Histoire des idées Theosophiques dans l'Inde 1923.	Paris 16-0-0
4921	Omar Khayyam—The	Rubaiyat English trans	4-8-0
4922	Do Do.	—with coloured illustrations	5-10-0
4923	Palmer—The Quran in	English.	11-4-0
4924	Pertold O—Inquiries	into the popular religions of Ceylone.	3-0-0
4925	Pessein J. F—Sir Teach	me Brahman.	0-8-0
4926	Phanindra Nath Bose—	Ancient Indian Colony of Siam with 6 plates.	3-8-0
4927	Do. Do.	—Indian Colony of Champa.	2-0-0
4928	Do. Do.	—Indian Colony of Cambodia	3-0-0
4929	Do. Do.	—Indian Teachers of Buddhist Universities.	2-8-0
4930	Do Do.	—Indian Teachers in China.	2-8-0
4931	Phanindra Nath Bose—	Travels of Wu-K'ung—Chinese traveller, translated into English for the first time shortly.	
4932	Porter—Japan—The new	world power being a detailed account of the progress and rise of the Japanese Empire	7-8-0
4933	Prabhas Chandra Sen—	Mahasthan and its environs	2-0-0
4934	Rabindra Nath Tagore—	Gitanjali and Fruit Gathering with illustrations in colour	Rs. 8-0-0 ordinary 1-0-0
4935	Do. Do.	—The Crescent Moon.	1-0-0
4936	Do. Do.	—One Hundred Poems of Kabir	1-0-0
4937	Do. Do.	—Nationalism. cloth	6-0-0
4938	Do. Do.	—Chitra.	
4939	Do. Do.	—The Wreck Bound.	6-6-0
4940	Radha Krishna S.—Hindu	View of Life.	4-6-0
4941	Rajagopalacharya—	Ramanujacharya.	0-12-0
4942	Ramakrishna Sri—His	Life with a Foreword by Mahatma Gandhi.	6-8-0
4943	Do. His Teachings.		2-0-0
4944	Do. Gospel of Sri	Ramakrishna.	2-8-0
4945	Ramaswami—The Pearl	Garland of Happy Precepts	1-10-0
4946	Ramaswamy Sastri—	Indian-Æsthetics.	Madras

- 4947 " " —Rabindranath Tagore, Poet, Patriot,
Philosopher.
- 4948 Revue des etudes Islamiques. 1928. 10-0-0
- 4949 Rhys Davids-The Man and the World 1930.
- 4950 Robinson W. Henry—The Golden Legend of India or
story of India's God-given cynosure (Sunashep
Devarata). London 9-0-0
- 4951 Romain Rolland—Mahatma Gandhi-the man who be-
came one with the universal being. 2-10-0
- 4952 Rothfeld O—Women of India with illustrations in
colour. 11-0-0
- 4953 Do. —Umar Khayyam and his age. 7-8-0
- 4954 Santosh Kumar Dass—The Educational System of the
Ancient Hindus 1930. 8-0-0
- 4955 Sarasi Lal Sarkar—A peculiarity in the imagery in
Dr. Rabindra Nath Tagore's Poems. 0-8-0
- 4956 Sarcar S C—Earliest Social History of India. 9-6-0
- 4957 Sarda Harbilas—Hindu Superiority with 13 illus. 6-0-0
- 4958 Sarkar B. K.—Chinese Religion through Hindu Eyes 6-0-0
- 4959 Savarkar—Hindu Pad-Padshahi. 3-0-0
- 4960 Do. —Hinduism. 1-12-0
- 4961 Scherman-Materialism zur history of Indischen vision
literatur. Germany 10-0-0
- 4962 Schnitzler A—Casanova's Homecoming. 10-0-0
- 4963 Senart E—Caste in India in English. 7-7-0
- 4964 Shaikh Chilli-Folk Tales of Hindustan with 35 full
page illustrations. Allahabad 4-8-0
- 4965 Shyama Shankar—Wit and Wisdom of India. 2-10-0
- 4966 Simon R—Reports of the Indian Statuary commission
in 2 vols. Calcutta 4-0-0
- 4967 Slater G.—Some South Indian Villages. 6-6-0
- 4968 Solomon G.—Women of the Ajanta Caves. 1-0-0
- 4969 Speyer J —Indische Theosophie. 5-0-0
- 4970 Srinivas Sastri—Rights and Duties of Indian Civili-
zation. Calcutta 1-8-0
- 4971 Sriramamurti—Brief Sketch of the life of Madhwa-
charya. 0-8-0
- 4972 Stephen D. J.—Studies in Early Indian Thought 7-8-0

4973	Subba Rao—Sri Madhvacharya.	0-14-0
4974	Do. Kamala's letter to her Husband.	1-0-0
4975	Do. —Collection of Esoteric writings.	2-8-0
4976	Subramania Aiyar—Esoteric Organisation in India	1-2-0
4977	Sundararama Aiyar—Dharma ann Life in 2 parts.	
4978	Sundaram Pillay—Ten Tamil Idylls.	2-0-0
4979	Do. Early Sovereigns of Travancore.	2-0-0
4980	Swinburne—A Holiday in the happy valley of Kashmir with 24 coloured illustrations.	16-0-0
4981	S. Levi-Missions de Wang Huen-Tse dans l' Inde	10-0-0
4982	Tarpidkar S. N.—Krishna Problem Poona	
4983	Taylor—Elements of Metaphysics.	10-8-0
4984	Thomas Foulks—Pallavas.	5-0-0
4985	Tolstoy—Anna Karenina in 2 Vol.	3-0-0
4986	„ —Resurrection.	1-8-0
4987	Underhill—Hindu Religion Year.	4-6-0
4988	Vade Mecum—Gandhian Non-co-operation.	1-0-0
4989	Vasvani T. L.—Krishna's Flute.	1-8-0
4990	Do. —My Master.	0-4-0
4991	Do. Witness of the Ancient.	0-4-0
4992	Do. —Krishna—The Saviour.	1-8-0
4993	Do. —Voice of Aryavarta.	0-4-0
4994	Do. —Atmajnana.	1-8-0
4965	Venkayya V—Study of Vernaculars.	2-0-0
4996	Do. —Age of Rajarajdeva.	2-0-0
4997	Venkatraman N—The Great Shankara and his successors at Kanchi.	1-8-0
4998	Vivekananda Swami—His complete works in 7 vols. with index.	25-2-0
4999	Do. —Jnanayoga	1-12-0
5000	Do. —Science of Philosophy and Religion	0-12-0
5001	Do. —His Life by Romain Rolland.	4-8-0
5002	Do. —Rajyog.	1-0-0
5003	Do. —Karma Yoga.	0-12-0
5004	Do. —Bhakti Yoga.	0-12-0
5005	Vogel J.—Indian Serpent Lore or the Nagas in Hindu Legend and Art with 30 plates 1926.	31-8-0
5006	Webb E—Evidences of the Scythian Affinitives of the	

	Dravidian Languages.	2-0-0
5007	Weber A—India and the West in old days 1887.	5-0-0
5008	Webster C. K—European Alliance 1815-1825.	1-8-0
5009	Wellhausen J —Arab Kingdom and its fall English.	7-8-0
5010	White—Views in India chiefly among the Himalaya mountain with numerous illustrations.	20-0-0
5011	White E. M.—Woman in world History—Her place in the Great Religions.	6-6-0
5012	Widgery A—The comparative Study of Religions	15-0-0
5013	Willcocks—Ancient System of Irrigation in Bengal	1-8-0
5014	Williams M. M.—Modern India and the Indians being a series of impressions, notes and essays.	11-4-0
5015	Wilson R—Indian Story Book containing tales from the Ramayana, Mahabharata and other early sources with 16 very nice coloured pictures by F. C. Pope.	8-12-0
5016	Winternitz M—Comparative Study of Indo European customs.	2-8-0
5017	Do. G. Buhler and Indologie.	0-8-0
5018	Do. Die Frau—The woman in the Indian Reli.	6-0-0
5019	Woodroffe J.—Is India Civilized.	2-8-0
5020	Do. —Seed of Race on education.	1-0-0

Reports of the Oriental Conferences.

5021	Proceedings of the 1st. All India Oriental Conference held at Poona in 2 Vols.	13-0-0
5022	Proceedings of the 2nd. A. I. Oriental Conference held at Calcutta.	10-0-0
5023	Proceeding of the 3rd. A. I. Oriental Conference held at Madras.	10-0-0
5024	Proceedings of the 4th. A. I. Oriental Conference held at Allahabad in 2 Vols.	13-0-0
5025	Proceedings of the 5th. A. I. Oriental Conference held at Lahore in 2 Vols.	15-0-0
5026	Proceedings of the 17th. International Congress of Orientalists Oxford 1928.	5-10-0

Journals and Magazines.

5027	Batavia-Acta Orientalia by Dr. Sten Konow subscription per year.	18-0-0
------	--	--------

- 5028 Bombay-Indian Antiquary-Monthly journal of Oriental Research-Yearly subscription. Rs. 20-0-0
- 5029 Calcutta-Modern Review-monthly Journal edited by Ramananda Chatterji yearly subscription inland Rs. 8-8-0 Foreign Rs. 10-0-0
- 5030 Calcutta-Rupam-An illustrated quarterly Journal of Oriental Art ed. by O. C Ganguly. Yearly subscription Rs. 28-0-0 Foreign Rs. 30-0-0
- 5031 Calcutta-Journal of the Department of Letters published by Calcutts University 21 Vols. published each at 9-0-0
- 5032 Calcutta—Journal of Indian Historical Quarterly ed. by Dr. N. N. Law Annual Subscription 6-12-0 F. 10-6-0
- 5033 Calcutta—Journal in Sanskrit of Sanskrit Sahitya Parishat Monthly-yearly subscription Rs. 3-0-0 Foreign 7sh.
- 5034 Canjeevaram-Manjubhashini-Sanskrit Weekly-Yearly subscription. 3-0-0
- 5035 Madras-Journal of Oriental Research Yearly subscription Rs. 6-0-0 Foreign
- 5035A Madras—Journal of Indian History ed. by S. Krishnaswami Aiyangar published three times a year subscriptions per year. 16 Sh.
- 5036 Poona-Annals of Bhandarkar Oriental Research Institute-Annual subscription. 10-0-0

Books on Sexual Science.

- 5037 Ayyar-Sense in Sex and other Drollstories of Intrigues and Amours of Indian Women. 4-0-0
- 5038 Bloch L.-Sexual Life of Our Time in its relation to Modern civilization. 25-0-0
- 5039 Deyer Prof.-Books on the following subjects each costing annas 0-8-0
1. Family limited.
 2. Secret exercises of enjoyment
 3. Female Sex organs.
 4. Climax of marriage happiness.
 5. Live 100 years or more.
 6. Female diseases
 7. Self Cure of Venereal Diseases.
 8. Sure son and a healthy one.
 9. Secrets of Sexual science.
 10. Forecasting of Death.
 11. Male sex organs
 - 12 First sexual impulse.

- 5040 Graduate Lady—Kissing in Theory and Practice. 2-0-0
- 5041 Herris F.—Oscar Wilde His Life and confessions in 2 vols. 25-0-0
- 5042 Havelock Ellis—Psychology of Sex complete in 6 Vols. Vol. I—The evolution of Modesty, the phenomena of Sexual Periodicity and auto-erotism Vol. II sexual inversion Vol. III Analysis of the sexual impulse Vol. IV. Sexual Selection in Man Vol. V Erotic Symbolism. The mechanism of detumescence. The Physics state in pregnancy Vol. VI Sex in Relation to Society. 70-0-0
- 5043 Kannoo Mull M. A.—Kamakala or a comprehensive survey of Indian Erotic, Rhetoric and music with special reference to Sex Psychology together with an introduction by Munshi Narayana Prasad Asthana M. A. LL. B., with 30 very beautiful tricolour and Half-tone illustrations. Unique book of its kind 5-0-0
- 5044 Key E.—Love and marriage. 10-0-0
- 5045 Kisch—Sexual Life of Women in its Physiological, Pathological, and Hygienic aspects in English with 97 illustrations. 25-0-0
- 5046 Kraft Dr.—Psychopathia Sexualis with special reference to Antipathics Sexual, Instinct translated into English. 25-0-0
- 5047 Laurence Hope—Garden of Kama—Fully illustrated 25-0-0
- 5048 Marie Stopes—Early Days of Birth Control. 0 9-0
- 5049 Do. —Mother How was I born. 0-6-0
- 5050 Do. —Married Love. 2-0-0
- 5051 Do. —Wise Parenthood. 3-8-0
- 5052 Meyer J.—Sexual Life in Ancient India 2 Vol. 27-0-0
- 5053 Phadke N. S —Sex Problems in India 6-0-0
- 5054 Prabhavati Kumari—Fruits of married Love. 0-12-0
- 5055 Premanandyogi—Vashikarana Tantra in English 3-0-0
- 5056 Rutgers J.—Eugenics and Birth Control in English with tables. 8-8-0
- 5057 Do. —The Sexual Life in its Biological Significance as a dominant factor of vitality in man and woman plants and in animals in 6 parts. 25-0-0
- 5058 Secret of Sexual Bliss English. 1-0-0

Addenda.

- ५०५६ अष्टविकृतिविकृति-मधुसूदन मुनि प्रणीत कलकत्ता १०)
 5060 Indian Philosophy—History of—by Dr. S. N. Dasgupta
 Vol. I new edition. 22-8-0
 5061 " " Vol. II 26-4-0
 5062 Indian Literature in China and the Far East by
 P. K. Mukerji. Calcutta 6-0-0
 ५०६३ काव्यसारसंग्रह—अत्युत्तम काव्यों का संग्रह है-पं. माधव शा-
 स्त्रि भंडारी द्वारा संशोधित ५)
 Kavyasarsangrah or a selection of the best Sanskrit
 Kavyas ed. by Pt. Madhav Sastri Bhandari (of Visha-
 rad Standard). 4-0-0
 ५०६४ अनुवाददीपिका—Skt. Hindi composition. 0-12-0
 5065 Isavasyopanishad—comm. Eng. trans., by Surajmall 0-8-0
 ५०६६ काव्यप्रदीप—गोविन्द ठकुर प्रणीत काशी ३॥)
 5067 Kenopanishad—text Eng. trans., by K. Chattopadhyaya.
 ५०६८ चतुःशतक—आर्यदेव विरचित कलकत्ता ८)
 Chatushataka of Aryadeva—Sanskrit and Tibetan
 texts with copious extracts from the commentary of
 Chandrakirti. Reconstructed and edited by Vidhuse-
 khara Bhattacharya. Calcutta 8-0-0
 ५०६९ चित्रमीमांसा—अप्पयदीक्षित कृत सटिप्पण १)
 5070 Genealogical Tables of the solar and the lunar dynes-
 ties with the map of Jambu Dvipa by Yajnik. 0-4-0
 5071 Jainism in North India 800 B. C.—526 A. D. by Chi-
 manlal J. Shah with a preface by the Rev. H. Heras
 coloured plates and other illustrations. 31-8-0
 ५०७२ जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः—part I कलकत्ता
 5073 Dattaka Chandrika or the Law of Adoption with Eng-
 lish translation by M. R. Sutherland rare 1884 15-0-0
 ५०७४ धर्मवियोगमाला—ले. श्रीहिमांशुविजयजी =)
 ५०७५ नारदायशिक्षा—मूल दुष्प्राप्य कलकत्ता १०)
 ५०७६ निधिप्रदीप—सिद्ध श्रीकण्ठशम्भु विरचित द्विवेङ्गम्
 ५०७७ नैरात्म्यपरिपृच्छा—१म बार छपा है कलकत्ता २)
 Nairatmya pariprichha with Sanskrit and Tibetan
 texts Sujit Kumar Mukhopadhyaya. 2-0-0

- ५०७८ न्यायसूत्र—विश्वनाथवृत्ति अत्युत्तमस्थूलान्तर बनारस १॥=)
- ५०७९ Panchvinsha Brahman of the Sam Veda translated into English by Dr. W. Caland complete. 10-0-0
- ५०८० प्रमाणनयतत्वालोक सटीक-श्रीवादिदेव सूरिप्रणीत-बालबो-
टिप्पणी सहित शीघ्रप्रकाशित होगा
- ५०८१ Pranayama—Part I by Swami Kuvalyanand. २-८-०
- ५०८२ प्रायश्चित्तेश्वर नागोजी भट्ट विरचित-श्रीमदनन्तोपाध्याय-
सूत्रकाशीनाथोपाध्याय कृत शोधनोपबृंहणपूरणशाली तथा
कण्डार्कः पूना १॥=)
- ५०८३ बोधिसत्त्वप्रतिमोक्षसूत्र-बौध text ed. by N. Dutt. 1-0-0
- ५०८४ Brahmanical Gods in Burma by N. Ray. २-४-०
- ५०८५ Manu and Yajnavalkya by K. P. Jayaswal 15-0-0
- ५०८६ मनोहरकाव्यमाला वा. कैलाशनाथ संगृहीत-इसमें अनेक
बढ़िया काव्यों का संग्रह है—पुस्तक अत्यन्त रोचक है प्रयाग
तथा दिल्ली विश्व विद्यालयों में नियत भी है २)
Manohar Kavyamala edited with Sanskrit English
glossary by Prof. Kailash Nath M. A. 2-0-0
- ५०८७ महाभारत—आदि तथा सभा पर्व ३ भागों में १२)
Mahabharata—Southern Recension text ed. by P. P. S.
Sastri Adi & Sabha Parvas out 3 Vol. remaining in
progress. Madras 12-0-0
- ५०८८ महायानविशिक—नागार्जुन विरचित—Reconstructed Sans-
krit text, the Tibetan and the Chinese versions with
an English trans. by Vidhushekhara Bhattacharya. 5-0-0
- ५०८९ मोक्षधर्मसार—सदानन्द विरचित सटीक बिनारस १॥=)
- ५०९० रसार्णव—पादशंकर कृत अलंकार " 1=)
- ५०९१ What is Jainism—Essays & Addresses by C. R. Jain
Bar-at law. 2-0-0
- ५०९२ वाल्मीकिरामायण—बालकाण्ड—with notes by Rasik La 13-4-0
- ५०९३ विकृतिवल्ली—आपिशलिमुनि प्रणीत दुष्पाप्य १०)
- ५०९४ Vedic Studies Vol. I by A. Venkatasubbiah 8-0-0
- ५०९५ वैयाकरणसिद्धान्त—Sanskrit Grammar in English by
Pande. Benares 2-0-0
- ५०९६ शब्दस्तोममहानिधि—कोष-पं. तारानाथ तर्क वाचस्पति
विरचित दुष्पाप्य कलकत्ता १५)

- ५०६७ शब्दार्थ चिन्तामणी कोश-श्रीयुक्त सुखानन्द विरचित संपूर्ण
चार भागों में दुष्प्राप्य २५)
Shabdārtha Chinta Mani—or a Sanskrit to Sanskrit
Dictionary compiled by Shri Sukha Nand complete in
4 big Vols Very rare. 25-0-0
- ५०६८ शतचरणीययज्ञविद्यानकर्मकाण्ड-इसमें स्मार्त-कर्म की पद्ध-
तियां एवं उनका सप्रमाण विवेचन सरल संस्कृत में सम-
झाया गया है एक भाग में गोपनीय तान्त्रिक भी दिये हैं ६॥)
- ५०६९ साम्बपञ्चाशिका-सव्याख्या अत्युत्तम- द्रीवेंड्रम् १=)
- 6000 Samkhya or the Theory of Reality by J. N. Mukerji
M A. Calcutta 2-8-0
- 6001 Sources of Dharma Sastras by Dr. Ganga Nath 10-0-0
- 6002 Schools & Sects in Jaina Literature by Amulya Chan-
dra Sen. 4-0-0
- 6003 Heyapaksha of Yoga or towards a constructive synthe-
sis of Psychological material in Indian Philosophy by
P. V. Pathak M. A., Chancellor & K. T. Telang Gold
Medalist 1931 University of Bombay. 7-8-0
- ६००४ हंससन्देश-सव्याख्या-अत्युत्तम- द्रीवेंड्रम् ॥=)

Allahabad University Studies—edited by the Vice-
Chancellor & the Heads of Depts. published every year—8
vols. in 17 parts so far published :—

VOL I—contains—Meteorology in Ancient India, A con-
temporary life of Akbar in Sanskrit—The Manasara and
Vitruvius—Persian loan words in the Ramayana of Tulsidasa—
Synthetic Gradation in Indian Thought—The Vrsakapi Hymn—
Apabhramsa Literature—Identity of the present dialects of Hin-
dustan with the ancient Janapadas—The Realism of David
Hume—On vertical and Horizontal pressures on a rough cycloi-
dal pulley due to the motion of a heavy inextensible chain
over it—The conception of Muslim Marriage—Negative Cataly-
sis in oxidation reactions—Studies in Adsorption—On the stabi-
lity of colloidal solutions—New ideas. Price Rs. 7-8-0

VOL. II—The origin and development of the Muslim Law
of marriage—Bernard shaw as a critic of contemporary society—

Hindu System of Measurement-The date of Kalidasa-Marriage in Grhya times and now-The Verb in the Ramayana of Tul-sidasa-Physical Theory of Sound and its origin in Indian Thought-The word Salat as used in the Koran-Influence of temperature on Metabolism and the problem of acclimatization-Recent work on Zeeman effect-On a new proteocephalid cestode from an Indian fresh-water fish. Price Rs. 7-8-0

VOL. III-Cytoplasmic organs in the germ cells and Somatic cells of Tubifex Studies in Adsorption-Phenomenon of after-effect in certain photo chemical Reactions-Studies on the oxides of Nickel-Some observations on the phenomenon of coagulation and adsorption-Electrolyte-Antagonism with Inorganic suspensions and the equilibrium between sodium and calcium ions in biological system-On the temperature radiation of gases-On the choice of striking point in the Pianoforte-string-rainbows-The criterion-The sensible appearance of movement-The Realist's conception of Idealism-On Green's 'Spiritual Principle'-Parasitism in India: its cost and cure-Development of Persian literature during the time of Akbar-A note on the Mss. of Sursagar. Price Rs 7-8-0

VOL. IV-The Golgi apparatus and Vacuome Theory-On the behaviour of the Golgi apparatus in the oogenesis of Calotes Versicolor-A preliminary account of the Cytoplasmic Inclusions in the Oogenesis of Columba intermedia-On Echinorhynchus sp. inq. from Common Crows. Trematode Parasites of the Pleurogenetinae from Rana tigrina with a Revision and Synopsis of the Sub-family-Some cestodes from Indian fishes-Cytoplasmic Inclusions in the Oogenesis of Pheretima Postuma-Fungus Flora of Allahabad-Acoustics of the Pianoforte-On the Arc Spectrum of Bismuth-Measurement of Capacity and His Resistance by means of a Thermionic Valve-Viscosity of Sols in presence of Electrolytes-Zinc Oxide as a General Sensitiser for Photochemical Reactions-On the Theory of Peptisation of Metallic Hydroxides in presence of Non-Electrolytes-A Theorem concerning Zeros of Analytic Function-A note on Wordsworth's Metaphysical System-'Send to Coventry' A Note-The Muslim Law of legitimacy and section 112 of the Indian Evidence Act-Some aspects of

the Absolutism of Shankaracharya—Outline of a History of Ayodhya from the Earliest times to the Mohommaden conquest
Price Rs. 7-8 0

VOL V—SCIENCE—section 1. Chemistry—Relation between Hydration and the stability of a Sol and the Abnormal Coagulating Effect of the Fluoride Ion on some Hydroxide Sols—The Influence of the intensity of Incident Light on the Velocity. Some photo-chemical Reactions—Dyes derived from Higher Dibasic Fatty Acids—The constitution of Indian Kamala—Aluminium Powder as a Synthetic Reagent—'Margisim'—Dyes derived from 1, 2, 3, Quinoline Tricarboxylic Acid. **SECTION 2** —Mathematics On the Coefficients in the Expansion of the Jacobian Elliptic Functions in Powers of the Variable—On an application of Mellin's Formula. **SECTION 3.** Zoology—Notes on certain peculiarities in the Venous system. **ARTS-HISTORY**—The development of Mysticism in Islam A History of the foundation of the Rohelah Power in India—**PHILOSOPHY**—The Ideas of Plato, **SANSKRIT**—Dream Theory in Indian Thought—Some words of the Rgveda, **ARABIC PERSIAN**—The Kunya Names in Arabic—**URDU**—Qadi Mahmud Bahri.
Price Rs 7.8.0

VOL. VI—part I—Section 1. English—The Monosyllable in Shakespeare—The Chester—The Chester Mss, and the Brome Play. **SECTION 2.** History—Memoirs of Barzid—Permanent Settlement in the N. W. Provinces. **SECTION 3.** Commerce The Paper-Currency Act of 1867. **SECTION 4.** Hindi Alan. kara Sastra—Malik Muhammad Jaisi. **SECTION 5.** Sanskrit Chandeshwar Thakkur and Maithili. **SECTION 6.** Philosophy—Thought and Reality. **SECTION 7** Law—Quassi Possession. **SECTION 8**—Urdu, **SECTION 9** Arabic and Persian, Idn Duraid and his treatment of loan words—The Kunya names in Arabic.
Price Rs. 7.8.0

VOL. VI—part II—Science—Section 1, Zoology—The Cytoplasmic Inclusions in the Oogenesis of certain Indian Tortoises—Notes on Cell organs—On the Cytoplasmic Inclusions in the Oogenesis of Pila Globosa—Cytoplasmic Inclusions in the Oogenesis of Bufo melanostictus—The Infiltration of Golgi bodies—A new Nematode procamallanus mehrii—Cercaria

Allahabad. SECTION 2. Chemistry Influence of Temperature on the Coagulation of So's and the Problem of Acclimatisation of Animals—On an Experimental Study in Hemolysis—Slow and Induced Oxidation of Glycogen etc.,—Photochemical Oxidation—of salts of Some acids—Coagulation of Gelatin Sols in Alcohol—Water Mixture—Viscosity and Surface Tension of Saturated Solutions of Salts—Dialysis, Ultra Filtration and Coagulation with Molybdic Acid—Influence of Light on Colloids—Oxidation of Carbohydrates Fats and Nitrogenous Substances—Investigation on the Products obtained by exposing Oils and Carbohydrates to Sunlight in Presence of Air. SECTION III Botany—The Fungus Flora of Allahabad SECTION 4. Mathematics—On the Non-Periodic Solutions of the Differential Equation Rs. 7-8-0

VOL. VII—Par. I—Art Section, Law—The Muslim Law of Pre-emption. PHILOSOPHY James Ward's Analysis of Experience, SANSKRIT—Gaudapadabhashya and Matharavritti—A critical study of the Sankhya System on the lines of the Sankhya Karika, Sankhya Sutra and their commentaries. ARABIC AND PERSIAN—Sufism and ISLAM—URDU—Manfaa-tul-'Imam of Shah Burhanuddin Janam—HISTORY—Problems of Succession in the Moghul Dynasty 7 8 0

VOL. VII—Part II Science—Zoology, The Infiltration of Golgi bodies—Vital Staining Experiments on *Clarias Batrachus*—Notes on a Pair of Abnormal Diverticula of a Gizzard in a Pigeon—Notes on the Anatomy of an Abnormal Hen. Two Distomate Trematodes from Indian Reptiles—Notes on the Cycloplan Eye and other Deformities of the Head in a Pig. CHEMISTRY—The Photo-chemical Reaction between Sodium Nitrite and Iodine—Photolysis of Potassium—Studies in Liesegang Ring Formation—Analysis of Insoluble Substances—The effect of the Fused Benzene Chromophores—Photochemical and Induced Oxidation of Glycerol by Air—Reversal of charge of Serum and its Coagulation and Gelatinisation with Acids—Influence of Electrolytes on the Syneresis and Clotting of Blood—Investigation on the Products obtained by exposing Oils and Carbohydrates to Sunlight in presence of Air—Dyes derived from Phenanthraquinone—Chemical Exa-

mination of the Roots—A Study on Viscosity—Some Viscosity Formulae PHYSICS—On the Secondary Spectrum of Hydrogen—On an Attempt to Detect Bombination Scattering by Atoms—The distribution of Intensity amongst the Fine Structure Components of Series Lines of Hydrogen Roman Effect—Conduction of Electricity and allied phenomena MATHEMATICS—A Theorem on Integral Function
Price Rs. 7-8-0

VOL. VIII—Part I Arts Section 1932 Rs. 7-8-0

Contents—Section I English—1. The New castle "Noah's Ark," Secti n II Hindi—2. English Loan—Words in Hindi—3. The Speech of Bijnor. Section III Philosophy—4. The Puzzles of Self-Consciousness. Section IV Economics—5. The pressure of Population in the United Provinces and the Punjab. Section V Sanskrit—6 Krsna and the Mahabharata War—7. Taittiriya Vartika of Suresvara.

VOL. VIII—Part II Science Section 1932. Rs. 7-8-0

Contents—Section 1. Zoology—1. Congenital Abence of Limbs in Tortoises of the Genera Trionyx and Emyda,—2. The transference of Golgi Bodies from the Fallicular Epithelium to the Egg in certain Indian Snakes. 3. Notes on the Structure of the Gonad and Degeneration of one Hind-Limb in a Hen-feathered Cock 4 on Two New Species of Trematodes from Allahabad. 5 On New Distomate Trematodes of the Sub-family Telorchinae (Family Lepodermatidae) with a Systematic Discussion of Its Genera. 6. On Cytoplasmic Inclusions in the Oogeneis of Scylla Serrata (Forsk) Section II. Chemistry—7. Iodine Value of Saturated Fatty Acids and their Salts 8. Formation of Inorganic Jellies. 9. Detection of Iron, Thallium, Titanium, and Zirconium in a Mixture 10. Chemical Examination of the Kernels of the Fruit of Thevetia Nerifolia (Juss). 11. Induced and Photo-chemical in Biological Phenomenon. Section III Botany 12. The Comparative Values of Various Fresh Fruit juice media in Relation to the Growth of certain Deuteromycetes Section IV Physics 13 on a New Kind of Characteristic X-rays.

Prince of Wales' Sarasvati Bhavana Studies.

Edited by Gopinath Kaviraj, M. A.—

- Vol. I, Part I.—(a) *Studies in Hindu Law—(1) its evolution*, by Ganganath Jha, M. A., D. Litt.
- (b) *The Viewpoint of Nyaya Vaisesika Philosophy*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (c) *Nirmana Kaya* by Gopinath Kaviraj M. A. Rs 1-12 0
- Vol. II—(a) *Parasurama Misra alias Vani Rasala Raya*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (b) *Index to Sabara's Bhasya*, by the late Col. G. A. Jacob.
- (c) *Studies in Hindu Law—(2) its sources*, by Ganganath Jha, M. A., D. Litt.
- (d) *A New Bhakti Sutra*, by Gopinath Kaviraj, M. A.
- (e) *The System of Chakras according to Goraksanath*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (f) *Theism in Ancient India*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (g) *Hindu Poetics*, by Batukanatha Sarma.
- (h) *A Seventeenth Century Astrolabe*, by Padmakar Dvivedi.
- (i) *Some aspects of Vira Saiva Philosophy*, by Gopinath Kaviraj, M. A.
- (j) *Nyaya Kusumanjali (English Translation)*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (k) *The Definition of Poetry*, by Narayana Sastri Khiste.
- (l) *Sondala Upadhyaya*, by Gopinath Kaviraj M. A. 5-0-0
- Vol. III—(a) *Index to Sabara's Bhasya*, by the late Col. G. A. Jacob.
- (b) *Studies in Hindu Law—(3) Judicial Procedure*, by Ganganatha Jha, M. A., D. Litt.
- (c) *Theism in Ancient India*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (d) *History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature*, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (e) *Naisadha and Sri Harsa*, by Nilakamala Bhattacharya.
- (f) *Indian Dramaturgy*, by P. N. Patankar. Rs. 5-0-0
- Vol. IV.—(a) *Studies in Hindi Law—(4) Judicial Procedure* by Ganganath Jha, M. A., D. Litt.
- (b) *History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature*, by Gopinath Kaviraj, M. A.
- (c) *Analysis of the contents of the Rigveda*, by Mangal Deva Sastri.
- (d) *Narayana's Ganita Kaumudi*, by Padmakara Dvivedi.

- (e) Food and Drink in the Ramayanic Age, by Manamathanaatha Roy.
- (f) Satkaryavad. Casualty in Sankhya, by Gopinath Kaviraj, M. A.
- (g) Discipline by Consequences, by G. L. Sinha.
- (h) History of the origin and expansion of the Aryans by A. C. Ganguly.
- (i) Punishments in Ancient India Schools, by G. L. Sinha.

Price Rs. 5-0-0

Vol. V.—(a) Ancient Home of the Aryans and their Migration to India, by Atul Chandra Ganguly.

- (b) A Satrap Coin by Sham Lal Mehr.
- (c) An Estimate of the civilization of the Venarasas depicted in the Ramayana, by Manamatha Natha Roy.
- (d) Comparison of the contents of the Rigveda, Vajasaaneyi, Taittiriya, and Atharvaveda (Chaturadhyayika) Pratisakhya, by Mangal Deva Shastri.
- (e) Doctrine of Formal Training and the Ancient Indian Thought, by G. L. Sinha.
- (f) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (g) A Descriptive Index to the names occurring in the Ramayana, by Manamatha Roy.
- (h) Notes and Queries (1) Virgin Worship by Gopinath Kaviraj, M. A.

Price Rs. 5-0-0

Vol. VI.—(a) Index to Sabara's Bhasya, by the late Col. G. A. Jacob.

- (b) Some Aspects of the History and Doctrines of the Natha's by Gopinath Kaviraj, M. A.
- (c) Studies in Hindu Law—(5) Evidence, by Ganganath Jha., M. A., D. Litt.
- (d) The Mimamsa Manuscripts in the Government Sanskrit Library (Benares), by Gopinath Kaviraj M. A.
- (e) Notes and Queries, by Gopinath Kaviraj, M.A. Rs. 5-0-0

Vol. VII.—(a) Brahma and his Kavyalankara, by Batukathana Sarma and Baldeva Upadhyaya, M. A.

- (b) Some variants in the readings of the Vaisesika Sutras by Gopinath Kaviraj M. A.

- (c) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (d) An attempt to arrive at the correct meaning of some obscure Vedic words, by Sita Joshi.
- (e) A comparison of the contents of the Rig Veda-Vajasaneyya, Taittiriya, and Atharva Veda (chaturadhyayika) Pratisakhya by Mangal Deva Sistri.
- (f) An index to the Ramayana, by Mananatha Roy.
- (g) An index to Sabara's Bhasya, by the late Col. Jacob
- (h) Gleanings from the Tantrās, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (i) The date of Madhusudana Sarasvati, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (j) Descriptive notes on Sanskrit Manuscripts, by Gopinath Kaviraj M. A.
- (k) A note on the meaning of the term of Parardha, by Umesha Mishra.

Price Rs. 5-0 0

PUBLICATIONS OF THE PUNJAB ORIENTAL SERIES.

Edited by the eminent Scholars of India
Europe & America.

No. I.

Barhaspatya Arthasastra

OR THE

SCIENCE OF POLITICS ACCORDING TO THE
SCHOOL OF BRIHASPATI.

Original text in Devanagari Ch., edited with an introduction, notes and English translation by Dr. F. W. Thomas, M. A., Librarian, India Office Library London, together with an historical introductory Remarks and Indexes by Pt. Bhagavad Datta, B. A. Supdt. Research Deptt., D. A. V. College, Lahore. Cloth bound, printed on best ivory paper Price Rs. 2-8 0

“Its six chapters deal successively with the personal conduct required in a king, his duties and principles, his studies omens and rules for counsel; means for executions of policy and courses of Policy.”

"With all the old wisdom nearly the entire Sutras of Brihaspati is just as applicable to proper inter-course to-day if modified by changes of environment and condition."

Birmingham Weekly, Post 19-8-22.

"Dr. Thomas's edition and translation of the Brihaspati Sutra will no doubt be found very useful."

Sir George A. Grierson, K. C. I. E., Ph. D.

No II.

Jaiminiya Grihya Sutra

OR THE

DOMESTIC CEREMONIES ACCORDING TO THE
SCHOOL OF JAIMINI

Original text in Devanagari Character edited with extracts
from the original comm. Subodhini, list of Mantras,
Notes, Introduction and for the first time
TRANSLATED INTO ENGLISH

BY

Dr. W. Caland, M. A.,

PROF. OF SANSKRIT IN THE UNIVERSITY OF UTRECHT,

Printed on best paper, cloth bound with gold letters.

Price Rs. 6-0-0

OPINIONS.

"I have read the Jaiminiya Grihya Sutra. It is a very good edition. The Preface is splendid. It gives an upto date information on the Literature of the Sama Veda. We are very lucky in being able to enlist the services of Dr. Caland for the benefit of your firm.

*Mahamahopadhyaya Pt. Haraprasad Shastri,
M. A., C. I. E.*

"Many thanks for the copy of Jaiminiya Grihya Sutra. It is a valuable publication and I along with several men will derive a great benefit from it."

*Mahamahopadhyaya Dr. Ganga Nath Jha, M. A.,
Vice-Chancellor, Allahabad University.*

"The book will be very useful to students of Hindu domestic religion." *Journal Royal Asiatic Society London.*

"Prof. Caland's edition of the Sanskrit text of Jaimini Grihyasutra contains much interesting matter from the stand point of comparative religion, folklore and Sanskrit Grammar and differs considerably from all other works of kind....."

Luzac's Book Review, London.

No. III.

Aryavidya Sudhakara

Composed by Yajneshwara Chimana Bhatta the same edited with various new notes by Mahamahopadhyaya Pt. Sivadatta Kudala Hd. Pandit Oriental College Lahore. Printed on best Antique paper, Cloth Bound with Gold letters. 2nd. edition under preparation.

No. IV.

Kautilya Artha Sastra

Original text prepared with the help of Munich [German] Mss., and all other sources available edited with an extensive historical introduction of 47 pages, & notes in English.

BY

Dr. J. Jolly. Ph. D., D. Litt,
PROF. IN THE WURZBERG UNIVERSITY,
AND

Dr. R. Schmidt, Ph. D.,
PROF. IN THE MUNSTER UNIVERSITY,
together with the ancient
ORIGINAL SANS. COMM. NAYACHANDRIKA
—OF—

Mahamahopadhyaya Madhva Yajva
edited by

Vidyabhaskar Vidyaratna Pt. Udeyvir Shastri
IN TWO VOLS.

Complete Best Paper Cloth Bound with
gold letters. Rs. 10-0-0

"The recently discovered Artha Sastra of Kautalya alias Canakya or Visnu Gupta, is perhaps the most precious work in the whole range of Sanskrit Literature, It has shed an abundant light on the life of the people in Ancient India."

"This new famous manual of Ancient Indian State Craft is of such a many-sided important & interest that another edition must be welcomed especially when it come from the editorial hands of these distinguished Sanskritists." Luzac's Book Review.

No. V.

Nilamatapuramam

Original text edited with an English Preface, an index to the verses and 9 English appendices by Prof. R. L. Kanjilal M. A., Vedantatirath and Vidyaratna and Prof. J. D. Zadu, Shastri, M. A., M. O. L Cloth bound with gold letters. 5-0-0

"This historical text is now published for the first time. It is an historical record of Ancient Kashmir. That this work is more ancient than the Kalhana's Rajatarangini is proved by the fact that Kalhana himself quotes many references from it." Dr. Buhler remarks about this valuable book thus:-

"Its great value lies therein, that it is a real mine of information regarding the sacred places of Kashmir and their legends which are required in order to explain the Rajatarangini and that it shows how Kalhana used his sources." Thus it will be observed that from the historical point of view, this book is very interesting and is of great value to the Scholars of Ancient History.

No. VI.

Atharvan Jyotisam

OR THE
VEDANGA JYOTISHA OF THE
ATHARVAVEDA.

Original text edited for the first time by Pt. Bhagvad

Datta B. A., Prof. of Sanskrit and Supdt., Research Deptt.,
D. A. V. Collage, Lahore. Price Rs. 0-8-0

—
No. VII.

The Dathawamsa

OR

A History of the Tooth-relic of the Buddha.

Original Pali text in Devanagari ch. edited and translated into English with notes, intro, etc., by Dr. Bimalacharan Law. Ph. D., M. A., B. L., Fellow of the Royal Historical Society translator and writer of many Buddhist Books, together with a foreward by Dr. William Stede, Ph. D., Joint-Editor P. T. S. Dictionary. Printed on best ivory paper, cloth bound with gold letters. 1924. Price Rs. 4-0-0

"The Dathavamsa is an important contribution on the history of Pali-Buddhist Literature. It is an historical record of the incidents connected with the tooth-relic of the Buddha. It is as important as the Mahavamsa and the Dipavamsa. The History of Ceylon would be incomplete without it. The work, besides its historical value as an early document of the Eaalesia Buddhica, is remarkable because it shows us Pali as a Medium of Epic poetry. Every Buddhist and Research Scholar ought to read this book once."

"The Dathavamsa, one of the chronicles of Ceylon, has not yet well attracted the attention of scholars. It ought to be widely read. It records the traditional history of the tooth-relic of the Buddha. In editing and translating this text Dr Law has taken much pains and he has given valuable interpretation of all the important terms and passages occurring in the text. Dr. Law's translation is literal and impressive."

Mahabodhi Journal

—
No. VIII.

Jaina Jatakas

or Lord Rishabh's Purvabhavas.

Being an ENGLISH TRANSLATION of Book I Canto I

of Hemachandra's Trishashti-salākā purushacāritra, originally translated for the first time by Prof. Amulyacharan Vidyabhushana revised and edited with notes, historical introduction, life of Hemachandra, Jaina cosmography etc. by Prof. Banarsi Dass Jain M. A. Printed on best paper, cloth bound with gold letters. 1925. Rs. 4-8-0.

"The work, as its name implies, contains the history of sixty-three Salakapurushas or eminent persons, i. e. historical heroes of the Jain Religion. They are 24 Tirthankaras, 12 Cakravartins, 9 Vasudevas, 9 Baladevas, and 9, Prativasudevas."

The present part Jaina Jataka is not a narrative alone, but it also forms a good exposition of the tenets of Jaina Religion. Jaina Jatakas describes alone, what sort of food is acceptable to a Jain monk, advantages of practising virtues, four ways of practising virtues, the country of Uttara kuru, doctrines of the Carvaka or materialistic school & its refutation, the doctrine of momentariness, the doctrine or the Kshanika Vada of the Buddhists and its refutation, the doctrine of Maya and Advaitabada & its refutation. Ten grades of various class of gods, miseries of the world, Labdhis or Supernatural powers.

No. IX.

Damaka Prahastnam

(AN OLD PLAY IN ONE ACT)

Edited with text and translation

BY

Mahopadhyaya Pt. V. Venkataram Sastri

1926

Price Ans. 0-6-0.

"In matters of diction phraseology and plan, it bears a companionship to the 13 works of so-called Bhasa and to Bhagavadajjuka, Mattavilaspahasana and Kalyanasaugandhika. It is called as the 14th play of Bhasa."

No. X.

Satapatha Brahmana

IN

THE KANVIYA RECENSION

Edited For The First Time

BY

Dr. W. Caland M. A. Utrecht

Vol. I

Cloth bound with gold letters

Rs. 10-0-0

".....Linguistically the Kanva text is full of interest. It adds to the dictionaries a large number of new words; it presents many note worthy features in Sanskrit phonetics and accidence; it enables us to correct some errors in the Mādhyandina tradition, and in its syntax it seems on the whole to maintain a purer old idiom than the latter, inspite of occasional lapses." *Luzac's Book Review.*

"Sanskritists are well acquainted with the Satapatha in the Mādhyandina recension, first published by Weber in 1849, and since then twice printed (Calcutta, 1900, etc., and Ajmer, 1902), as well as its translation by Eggeling and many of them must have desired to know the Kānva recension of the great Brahmana. They will therefore be deeply grateful to Professor Caland, to whom they already owe so much, for undertaking this work.

The introduction treats, in five chapters, of the place of the Satapatha in Vedic literature; its two recensions; its system of accentuation (a useful and much-needed study); the MSS. of the K. recension; the latter's grammatical peculiarities as regards accentuation, phonology, morphology, lexicography, syntax, and other matters; a survey of the relations of K. I-VII to M. IV (with the conclusion that "from the beginning there existed two independent recensions of a Vajasaneyi-Brahmana, comprising the materials of K. 1-7 and M. 1-5, closely related to one another, one of which, the Kānva, has been influenced in some way by the other"), of the White Yajurveda Sutras to the Samhitas and Brahmanas, of K. and

M. to the Black Y. Samhitās and Brāhmaṇa of the Black Y. Sūtras to the Vājasanēyi-Brahmaṇa of K. and M. to non-Yajurvedic Brāhmaṇas; and an examination of the relation of K. VIII-XVI and M. VI-XIV to K. I-VII and M. I-V. The summary of K's peculiarities (pp. 30-84) is especially valuable, as it notably enriches the grammar and lexicon. In many respects, K. shows marked archaic features, which on the whole give us an impression that it is linguistically even older than M., though on the other hand some points in it indicate a later date. Possibly some of the latter may be due to ancient editors; many of the enigmas of Indian literature are due to Vyāsas. *Journal of London Asiatic Society.*

No. XI.

Ancient Indian Tribes

BY

BIMALA CHURN Law M. A., B. L., Ph. D Sir Asutosh Mookerjee Gold Medalist, Calcutta University; Fellow, Royal Historical Society; Corporate member of the American Oriental Society, Author, of Several works. With 5 plates.

(Cloth Bound with gold letters)

Price Rs. 3-8-0.

"The present Vol. deals with the five tribes, the Kasis, the Kosalas, the Asvakas, the Magadhas, the Bhojas who played an important part in the history of Ancient India. The author has collected materials from the original works, Sanskrit, Pali, and Prakrit. Some scholars have dealt with the history of these tribes but the present treatment is quite different. The learned author has succeeded in bringing together many new materials from Pali books and has presented the solid facts."

"Dr. B. C. Law's work on "Ancient Tribes of India" is marked by his well known qualities of thoroughness in the collection of material, and skill in its effective presentation. Historians of Indian politics, economics & society will find in it many valuable in the collection & evaluations of evidence" *Prof. A. B. Keith M. A. Edinburgh.*

"It is most useful to have the widely scattered information thus gathered together in one volume." *Prof. E. J. Rapson, M. A. Cambridge.*

"Dr. B. C. Law's latest work entitled "Ancient Tribes of India" which constitutes a very valuable contribution to Indian History by filling up a gap in our knowledge of one of its important parts. Students of Indian History are indebted to Dr. Law for his researches in these untrodden fields which he had made his own, the history of those small states and peoples which made such important contribution to the general life and civilisation of India." *Dr. Radhakumud Mookerji, M. A. P. R. S., Ph. D. Lucknow.*

".....His information relates to the kings, their wars, their religions, educational social and industrial life of the peoples and also geographical location & expansion. In some places and picture based on original records becomes very realisation"—*Bombay Chronicle* 6. 3. 27.

"...(Dr. Law) has maintained in this book on the spirit of original research. He has stopped with a careful collection and correct presentation of materials delineating the different aspects of Life and history of the tribes he has dealt with here but has refrained from building up doubtful theories & hypothesis from these" *Forward* 23. 1 27."

No. XII.

Principles of Indian Silpasashtra

Together With The Text of *Mayasastra* By Prof *Phanindra Nath Bose, M. A.* of Visvabharati University. Together with a foreward by Dr. *James, H. Cousins D. Lit.* 1927.

(Cloth Bound with gold letters) Price Rs. 3-8-0.

OPINIONS

"Prof. Bose surveys origin of Silpa (i. e., architecture, sculpture and painting), native text books on these arts' their principles and æsthetic standards the materials and measurements of images, the beginnings of Hindu images, the traditional conventions as regard their postures, ornaments and

decorations general rules for building houses and temples and principles of painting with a brief list of the most important monuments of Indian Art to which is added as an appendix and text of Mayasastra a Sanskrit tract on the proportions of images etc. The book on the whole is sound & will be useful as a general introduction to the study of the art.

Times Book Review

Prof. Bose's chapters on the principles of Indian art and the Pratimalakshana are very interesting. The main principles of Indian architecture, Sculpture and Painting, have all been dealt with in the later chapters and every one interested in the History of Indian Art has a store of information in this little book.

Journal of the Mythic Society

The author deserves grateful congratulations of all lovers of Ancient India for placing the Maya Sastra within their reach and for the first time attempting a systematic study of the principles of Indian painting and of collating them from ancient literature. The book is one which the reading public thinks to be long overdue and we are glad to see that some of the theories put forward by the author deserves a very special commendation.

Mahabodhi Journal

"Prof. Bose's Principles of Indian Silpastra is a most interesting presentation in concise form of the views of the medieval Silpastras on the canons of sculpture and painting and on architecture. Apart from its value as an introduction to the detailed study of those obscure and badly preserved works the Silpastras it contains much that is valuable to all those concerned with Sanskrit literature in general who will find in it satisfactory elucidation of many technical matters of which the lexica offer no adequate account."

Dr. A. B. Keith M. A.

NO XIII

The Indian Colony of Siam

BY

1101 PHANINDRA NATH BOSE M. A., Prof. of His

tory, Vishwabharati, Santiniketan, together with a Forward by Dr. P. C. Bagchi M. A., with 6 plates.

(Cloth Bound with gold letters) 1927 Price Rs. 3-8-0.

"We in India are quite in dark as to the extent and greatness of the *Greater India* which had been established outside India by the brave and adventurous sons of India in the days of yore. In the present book, the author attempts to show how an Indian Colony had been established in Siam and how even at the present day, the culture and civilisation of India survives in the kingdom of Siam."

CONTENTS

Sources of Siamese History—European travellers and writers of Siam—The colonisation of Siam—The Dynasty of Sukhothai—The kingdom of Ayuthia—The Dynasty of Bangkok—Monuments of Siam—Religion of Siam—Kingship in Siam—Literature in Siam Appendix—Kings of Siam. Bibliography—An Indian Festival in Siam—Coronation of the Siamese king

No XIV.

The Philosophy of Vaisnava Religion

(With special reference to the Krishnite and Gaurangite Cult)

BY

Prof. GIRINDRA NARAYAN MALLIK M A. B. L., of
Commilla Victoria College. (Copies Limited to 425 only for
sale).

(Cloth Bound with gold letters) 1927. Price Rs. 8-0-0.

"In this treatise I have endeavoured to give a faithful exposition of the principles of Vaisnava Philosophy, with special reference to the Bhagvata Cult and Gourangism. In the lines adopted to the method of western speculative thought."

(Preface)

Contents.

INTRODUCTION

What do we understand by philosophy—Is there any necessity for a philosophy of Vaisnava Religion—The funda-

mental Doctrines common to the system of Indian Philosophy
—Topics for discussion in the present treatise—

BOOK I

Sources of knowledge—Authoritativeness of the Vedas
Supreme authoritativeness of Bhagvata—Importance popularity, and contents of Bhagavata.

BOOK II

Problem of the Absolute—The concepts of Advaya Jnana
Tattwa—The concept of Bhagavan—The concept of Brahman—
The concept of Paramatma.

BOOK III

The concept of Krishna as the Absolute—The principle of
Rabha—Meaning of Lila—Jiva or Individual soul—The doctrine of Maya—Relation between the Absolute (Bhagavan) and Individual soul (Jiva)—The Problem of Creation—The Cult of Gouranga—

BOOK IV

The cult of Bhakti and the Summumbonum—Relation between the cult of Bhakti and other cults—Excellence of the Bhakti Cult and Jiva's proneness thereto—Two stages of Bhakti—(a) injunctory (b) Raganuga or the flowing current of devotion. Summumbonum—different theories about it—The Highest Good or Summumbonum in the Vaishnava System—Definite character and content of Prema Bhakti—The Summumbonum—Place of morality in the system of Vaisnava Philosophy.

NO. XV.

Sadukti Karnamrit

OR

An old Sanskrit Anthology compiled by Pt. Shridhar Dass critically edited by the late Mahamahopadhyaya Pt. Ramavtar Sharma M. A. together with an English introduction of nearly 100 pages by Dr. Har Datt Sharma M. A. Ph. D. and Sanskrit Intro. by the late Pt. Padm Singh Sarma and others with appendix etc. complete book. Shortly to be out.

No. XVI

ANCIENT INDIAN COLONIES

In The
FAR EAST
VOL. I.

Champa

BY

Dr. R. C. Majumdar M. A., Ph. D.,

Professor, Dacca University. Member of the Academic

"Council Greater India Society. Author of "Cor-

porate Life in Ancient India", "Outline of

Ancient Indian History and Civilisation",

Gurjara-Pratiharas", "Early History

of Bengal" etc. etc. Premchand

Roychand Scholar, Griffith

Prize man, Mouat Gold

Medalist etc. etc.

B g Volume with 21 plates & 1 map Cloth Binding with
 gold letters. Price Rs. 15-0-0.

"The story of Greater India is bound to be of absorbing interest not only to every student of history, but also to all educated people in this country. The Indian colonies in the Far East must ever remain as the high water mark of maritime and colonial enterprise of the ancient Indians. But although an extensive literature in French has grown up on this subject, hardly anything has yet been written in English. This is the first attempt of presenting a complete history of Ancient Indian Colonies in the far east in English. Special feature of this vol. is that all the known inscriptions are completely arranged in chronological order text with their English translation."

NO. XVII

Silpa Sastra

Critical edition of the Sanskrit Text prepared for the

first time with introduction notes and English translation by Prof. Phanindra Nath Bose. Very valuable book. The book deals with the building of houses, images etc. cloth bound with gold letters 1928. 2-8-0

NO. XVIII

Pratima-Mana-Laksanam

Critically edited for the first time with an Introduction, Sanskrit and Tibetan texts and English translation by Prof. Phanindra Nath Bose M. A. together with a foreward by Dr. M. Winternitz. (Greater India Society Publication No. 5.) 1929. Rs. 4-0-0

NO. XIX

Vedanta-Syamantika

(OF RADHADAMODARA BEING A TREATISE
ON BENGAL VAISNAVA PHILOSOPHY).

Critically edited with Introduction, notes and appendices by Umesh Chandra Bhattacharya M. A. B. L., Lecturer in Philosophy, Dacca University. Printed on best Antique Paper cloth bound with gold letters 1930. Rs. 2-8-0

NO. XX

Land-System in South India

Between c. 800-1200 A. D.

BY

Dr. K. M. Gupta M. A., Ph. D.

OF

The Assam Educational Service, to be out shortly Rs. 10-0-0

BOOKS OUT OF THE SERIES.

Ishwar Gita

Translated Into English for the first time

BY

L. Kannoo Mal M. A., Judge,**DHOLPUR STATE.**

Price Rs. 1-8-0

"The Chief subject of the book is the knowledge of Brahm. This teaching is based on the Vedant, Sankhya and Yoga philosophies which seem to have been melted down into one harmonious whole. Nevertheless, the Vedantic thought predominate and the oneness of Atma and Brahm has been brought out in a lucid, bold and intrepid manner." The book is worth reading and very interesting.

The Cariyapitaka

Pali Text

Edited in Devanagari Character with an English Introduction by Dr. B. C. Law M. A. B. L. Ph. D.,

1924.

Price Rs. 1-0-0

"It is the 15th. book of the Khuddaka Nikaya of the Sutra Pitaka. It was repeated by Ananda and rehearsed by the 50 arahats who were members of the first council. Cariyapitaka means a basket of conduct or daily duties. The editor have summarised all the stories given in this work in his introduction."

Bijopanaya

With the author's commentary styled Vasana-Bhasya together with the Tithi Nirnaya Karika of Srinivasa edited with an English introduction by Prof. EKENDRANATH GHOSH M. Sc., M. D.,

1926.

Price Ans. 0-12-0

Bijopanaya is a metrical text laying, down the rules for correcting the observations of the Moon's positions" and the Tithinirnaya of the lunar fortnights.

Kunda-mala of Dinnaga

An ancient Sanskrit Drama, text critically edited with Sanskrit commentary by Prof. Jai Chand Shastri M. A., M. O. L. together with a critical introduction of 56 pages, exhaustive notes in English and English translation by Lala Veda Vyas M. A., L. L. B. & Prof. S. D. Bhanot M. A. and a Foreward by A. C. Woolner Esqr M. A., C. I. E., Vices-Chancellor, Punjab University—cloth bound. 3-8-0

Only, English Introduction, notes, and translation are printed also separately on Antique Paper, Library edition cloth Bound. 5-0-0

Panchasidhantika

An Anstronomical Work of Varah Mihira

The text, edited with an original commentary in Sanskrit and an English translation and introduction by G. THIBAUT Ph. D. and MAHAMAHOPADHYAYA Pt. Sudhakara Divedi cloth Bound with gold letters with several diagrams, 10-0-0

Abhidhanaratnamala

OF

Halayudha

OR A

SANSKRIT VOCABULARY

Edited with Sanskrit English glossary by Th. Aufrecht. Cloth Bound with gold letter 1928. 10-0-0

Abhisheka Natak

OF

Bhasa

Critically edited with Sanskrit Commentary English Intro., notes and translation by Mahopadhyaya V. Venkatram Sarma. 1-8-0

Kama-Kala

OR

A comprehensive Survey of Indian, Erotics, Rhetories & Music together with special reference to Sex Psychology.

BY

Lala Kannoo Mal M. A.

Together with an Introduction by Munshi N. Govind Prasad Asthna M. A. LL. B. Vice-chancellor, Agra University Advocate High Court, Allahabad

UNIQUE BOOK OF ITS KIND.

With 30 very beautiful tri colour and half tone illustrations
Printed at the Times of India Press Bombay, on best Antique Paper, cloth bound with gold letters. Price Rs. 5-0-0

Physical Culture

BY

Dr. Jai Chand Sharma M. B. B. S.,
MEDICAL OFFICER

With 21 illustrations. "Wonderful Guide to Health altogether new methods derived from Yoga" Printed on best Antique paper. Price Rs. 1-0-0

WORKS IN THE PRESS

1. **Naishadha Charitra**-of Shri Harsha-completely translated into English for the first time with valuable exhaustive Notes and extracts from the old Sanskrit comm. by K. K. Handiqui, Esqr. M. A. Principal Jorhat College.

2. **Jaina Iconography**-by Prof. B. Bhattacharya M. A. of Benares Hindu University with several illustrations.

3. **Mahavagga**-Pali Text critically edited in Devanagari ch. by Dr. B. C. Law M. A. B. L., Ph. D. in 2 Vols.

4. **Study in Indian Philosophy**-by Prof. Hari Mohan Bhattacharya M. A.

5. **Free English translation**-of Sureshwara's Naishyakarma Siddhi (Advaita Philosophy) by Dr. R. Das M. A.

6. **Travels of Wu-K'ung**-Chinese Traveller by Prof. Phanindra Nath Bose M. A.

7. **Shatapatha Brahmana**-of Kanva School 2nd. Vol. of the text till end by Dr. W. Caland.

पंजाब संस्कृत पुस्तकालय लाहौर द्वारा प्रकाशित अत्युत्तम ग्रन्थों

का

सूचीपत्र ।

१ योग रत्नाकर ।

सुप्रसिद्ध कविराज श्री नरेन्द्रनाथ जी मित्र कृत भूमिका तथा
श्रीयुत विद्याधर जी विद्यालङ्कार कृत सरल हिन्दी
भाषा टीका सहित ।

सम्पूर्ण पुस्तक दो बाढ़िया जिल्दों में समाप्त हुई है ।

चिकित्सा के उपलब्ध संग्रह ग्रन्थों में यदि कोई अत्यन्त उपयोगी ग्रन्थ है तो योगरत्नाकर उन में से एक है । (१) काय चिकित्सक के लिये जिन २ बातों का जानना आवश्यक है वह सब इस ग्रन्थ में दी गई हैं । (२) जो संग्रह ग्रन्थ आज तक उपलब्ध हैं वह एक हिस्से का ही संग्रह करते हैं परन्तु इस ग्रन्थ में निदान चिकित्सा ओषधि निर्माण मूत्र नाड़ी आदि की परीक्षा आदि सम्पूर्ण आवश्यक विषयों का समावेश है । परन्तु इस के अत्युपयोगी होते हुवे भी खेद का विषय तो यह था कि साधारण वैद्य जो संस्कृत से अनभिज्ञ हैं वह इस रत्न से तनिक भी लाभ न उठा सकते थे । इसी कमी को पूरा करने के लिये हम ने उपरोक्त वैद्य पं० श्री विद्याधर जी विद्यालङ्कार से भाषा टीका करवा कर छपवा कर प्रसिद्ध किया है ।

इस में मंगलाचरण तथा सुवैद्यप्रशंसा आदि प्रस्तावना के बाद चतुष्पद दूध परीक्षा, शकुन, रोग परीक्षा तथा च तदन्तर्गत नाड़ी परीक्षा, मूत्र परीक्षा, मल परीक्षा, शब्द परीक्षा, स्पर्श परीक्षा, रूप परीक्षा, दृक्परीक्षा, आस्य परीक्षा, जिह्वा परीक्षा, काल ज्ञान देश भेद, वासादि दोष प्रकोप, त्रिदोष कर्म, दोषत्रय शमन, अम व्याधि लक्षण, तत्प्रतिकार, वयोविचार, प्रकृति विचार परिभाषा, प्रतिदिनोपयोगी धान्यादि फल कन्द—शाक गुण, आदि, सिद्धान्तादिगुण, आयु विचार, दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या जल

दूध, तक्र, घृत, तैल, मधु, इत्र, आदि के गुण सूत्राष्टक त्रिफलादि मुख्यगण, पञ्चविधकपायकल्पना, चूर्ण कल्पना, वटक कल्पना अवलेह, पाक, स्नेह पाक, आसवारिष्ट, विधि घातुपघातु तथा रसोपरसादि का शोधन—मारण, सत्वपातन क्षारकल्पन, अभाव-वर्ग, वमन, विरेचन, नस्य, कर्णपूरण रक्तश्रुति, आदि और इस के पश्चात् माधवनिदानोक्त क्रम से रोगों के निदान और चिकित्सा तथा अन्त में वाजीकरण—रसायन एवं रोगानुसार देय अनुपानों का संग्रह है। इस में उपर्युक्त सम्पूर्ण विषय अत्यन्त विस्तार से दिये हैं और प्रायः संपूर्ण औषधि ही जो कि ग्रंथकर्ता ने संग्रह किये हैं अत्युपयोगी एवं दृष्टफल है। हरएक चिकित्सा प्रेमी को इसे एक बार अवश्य पढ़ना चाहिये। संपूर्ण ग्रन्थ १५०० पृष्ठ में समाप्त हुआ है २ बढ़िया जिलदों में मूल्य १०)।

द्वितीयावृत्ति छप गई !

द्वितीयावृत्ति छप गई !!

२ भैषज्यरत्नावली

भाषाटीका सहित।

लाहौर के सुप्रसिद्ध कविराज श्री नरेन्द्रनाथ जी मित्र द्वारा संशोधित तथा आयुर्वेदाचार्य श्री जयदेव जी विद्यालंकारकृत सरल भाषाटीका सहित। द्वितीयावृत्ति बड़ी सज धज कर तैयार हुई है। पहली आवृत्ति हाथों हाथ विक गई थी और लोगों की मांगें घड़ाधड़ आ रही थीं। अब की बार बहुत परिश्रमित कर दी गई है अर्थात् जितने योग इस संस्करण में मिलेंगे वह किसी भी आवृत्ति में आप को नहीं मिल सकेंगे—दूसरे, विशेष गुण तो यह है कि इस संस्करण में हरएक औषधि की मात्रा (doses) को समयानुकूल बना दिया है। जो किसी संस्करण में भी नहीं। आयुर्वेद की प्राचीन पुस्तकों में प्राचीन समय के अनुसार औषधियों की मात्रा बहुत ज्यादा है जो इस समय उलटी हानि कर देती है विशेषकर साधारण वैद्यों को तो मात्रा देने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है इसीलिये इस संस्करण में इस कठिनाई को भी दूर कर दिया गया है पुस्तक बहुत उपयोगी हो गई है और वैद्यसमाज के बड़े काम की वस्तु है—सम्पूर्ण पुस्तक बढ़िया गलेज़ कागज़ पर छापी गई है। प्रथमावृत्ति की दोनों जिलदों को एक ही जिलद में कर दिया है। अब की बार इतना परिश्रमित होते हुए भी दाम कम कर के ७) सात रु० कर दिया गया है ताकि सर्व साधारण इसे खरीद सकें।

३ भैषज्यरत्नावली सटीक ।

लाहौर के सुप्रसिद्ध कविराज श्री नरेन्द्रनाथ जी मित्र द्वारा परिचरित तथा आयुर्वेदचक्रवर्ति पं० नरेन्द्रनाथ जी शास्त्रि कृत अति सरल संस्कृत व्याख्या सहित । पुस्तक में अनेकों नए योग दिये गये हैं । टीका अत्यन्त सरल है । विद्यार्थियों के अति उपयोगी है । पुस्तक लगभग १३०० पृष्ठ में समाप्त हुई है, पक्की कपड़े की जिल्द सहित मूल्य केवल ७)

४ चरकसंहिता सटीक ।

श्रीचक्रपाणिदत्तविरचित आयुर्वेददीपिका संस्कृतव्याख्यासहित सम्पूर्ण सुन्दर बढिया छपाई सुनहरी २ जिल्दों सहित मूल्य १०) आयुर्वेदचक्रवर्ति-कविराज नरेन्द्रनाथ शास्त्रिभ्यः संशोध्य कठिन स्थलानि च विशेषतश्चिकित्सास्थानं विशदटिप्पणीभिः सम्पाद्य सुदृढसुचिह्नपत्रेषु निर्णयसागराक्षरैः भागद्वयेन सम्मुद्रय प्रकाशिता, विक्रयार्थं च प्रस्तुता वर्तते, तद्यैव पत्रादिप्रेषणाय त्वर्यताम्, नोचेद् द्वितीयसंस्करणप्रतीक्षणमतीव दुस्सहं भविष्यतीति, ।

५ चक्रदत्त सटीक ।

शिवदाससेन कृत प्राचीन संस्कृत व्याख्या समेत । विद्यार्थियों के लिये बहुत ही सस्ता विशुद्ध और स्पष्ट संस्करण निकाला गया है । छपाई निर्णयसागर के बराबर कागज बढिया चिकना । द्वितीयावृत्ति सजिल्द मूल्य ३॥)

६ माधवनिदानम् ।

महामहोपाध्याय श्री विजयरक्षित श्रीकण्ठदत्ताभ्यां

विरचितया मधुकोशाख्यया व्याख्यया

समुल्लसितम् ।

विद्यार्थियों के हितार्थ हम ने इस का सब से सस्ता संस्करण मुम्बई निर्णयसागरी टाइप में चिकने कागज पर छापा है । पक्की कपड़े की जिल्द सहित मूल्य १॥॥) विद्यार्थियों से केवल १॥) रु० सब से सस्ता संस्करण ।

७ सचित्र सुश्रुतसंहिता ।

मूल मात्र

ग्लेज कागज पर बड़ी शुद्धता पूर्वक छापी है और साथ में शरीर सम्बन्धी ११ चित्र तथा उन का विवरण भी दिया है पुस्तक के ऊपर पक्की कपड़े की जिल्द भी बंधवा दी है। तो भी दाम केवल ४)६० रक्खा है—

८ रसहृदयतन्त्रम् ।

जादूगुरु श्रीशंकराचार्य जी के गुरु श्रीमद्भगवद् गोविंदपाद-
विरचित तथा मुग्धावबोधिनी नामक प्राचीन
संस्कृत टीका सहित ।

अब की आवृत्ति में इसकी दो हस्त लिखित प्रतियाँ (एक रायल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बांबे और दूसरी इण्डिया आफिस लंडन से) और मिल गई है। इसीलिये यह विशेष शुद्ध कर के छापी गई है। है पुस्तक सर्वाङ्ग सुन्दर हो गई है। पक्की कपड़े की जिल्द सहित मूल्य २)६० ।

९ रसकौमुदी ।

श्रीमद्विष्णुवर सर्वज्ञचन्द्रतनूजेन ज्ञानचन्द्र शर्मणा विरचिता ।
अतिप्राचीनो ग्रन्थः सटिप्पणः । मूल्य ८ आणकाः ।

१० पारदयोगशास्त्रम् ।

श्रीमद्रसायनाचार्य शिवरामयोगीन्द्रविरचितम् । अति-
प्राचीनं रसायनतन्त्रं सटिप्पणम् । मूल्य ८ आणकाः ।

११ कन्दर्प चूडामणि ।

श्रीवीरभद्रप्रणीतः सुविस्तृतया सारगर्भितया
व्याख्यया समुद्भासितः ।

व्याख्येयं पण्डित रामचन्द्रशास्त्रिभिर्महता परिश्रमेण सम्पादिता ।
अस्यां हि व्याख्यायां समुद्धृतैः सुरभारतीसाहित्यसमागतासंस्था-
ग्रन्थरत्नावतरणशतैः स्फुटं प्रतीयते ऽस्या व्याख्याया माहात्म्यम्

सुचिकण्टकपत्रमुद्रितस्य मनोहरचरणपट्टबद्धस्यास्या पुस्तकरत्नस्य
मूल्यम् १०) रूप्यकाणि ।

वक्रव्यम्--अलपीयस्यैव संख्याया विमुद्रितौऽयं ग्रन्थ इति
त्वय्यतामैतदुग्रहणाय अन्यथा द्वितीयसंस्करणावसरः प्रतिपालनीयः
स्यात् ।

१२ अनङ्ग रङ्गम् ।

महाकवि श्रीकल्याणमल्ल विरचित ।

यह नवीन संस्करण हमने पुनः विलायत तथा जर्मनी में उप-
लब्ध कई एक हस्तलिखित प्रतियों से डा०शमिडिट द्वारा संशोधन
करा कर बढ़िया ivory कागज पर छपा है । सब संस्करणों से
सस्ता तथा बढ़िया सजिल्द छपवाया है । मूल्य भी केवल १॥) रु०

१३ रति रहस्य ।

श्रीकोकिल विरचित तथा श्रीकाञ्चीनाथ कृत व्याख्या बढ़िया
संस्करण पक्की जिल्द सहित मूल्य ३॥) रु०

१४ पञ्चसायक ।

श्री ज्योतीश्वराचार्य विरचित तथा विस्तृत टिप्पणी सहित ।
द्वितीयावृत्ति बहुत बढ़िया ऐरिटिक पेपर पर छपी है । पुस्तक
देखते ही बनती है । पक्की कपड़े की जिल्द सहित । मूल्य ३॥) रु०

१५ कुचुमारतंत्र ।

श्रीकुचुमारमुनिप्रणीत । अतिप्राचीन ग्रन्थ मूल्य ॥)

१६ रतिरत्नप्रदीपिका ।

श्रीदेवराजप्रणीत तथा आङ्गल अनुवाद सहित मूल्य ३)

१७ नवनावनीतक ।

१७०० वर्ष का प्राचीन ग्रन्थ । सम्पूर्ण तथा सरल भाषा
टीका सहित ।

प्राचीन समय के आयुर्वेदिक बहुत से ऐसे ग्रन्थ लुप्त हैं । जिन
का हमें नाम भी ज्ञात नहीं—उन से ही आयुर्वेद का एक १७००
वर्ष का प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ 'नावनीतक' नाम का भी है ।
जो कि ले० बाबर नामक एक अंग्रेज विद्वान् को पूर्वीय तुर्किस्तान

में चीन देश के निकट मिला और भारतीय गर्वनमेण्ट ने इसे डा० हर्नल प्रौढ विद्वान द्वारा सम्पादन कराकर छपवाया था जिस का दाम लगभग ५०) के करीब है इतना दाम होने पर साधारण जनता उस से कोई लाभ नहीं उठा सकती थी श्री युत पं० सदानन्द जी शास्त्री (रसतरंगिणी के रचयिता) ने इस कठिन ग्रन्थ के सभी त्रुटित अंशों को तथा अशुद्धियों को बड़े प्रयत्न से पूर्ण किया है और विशेषकर कई एक नवीन योगों का (जो कि बड़े महत्व के हैं) भी इस संस्करण में समावेश किया है। और साथ में सर्व साधारण की उपयोगिता को देखते हुए इस की सरल भाषा टीका भी कर दी है। अब पुस्तक अत्यन्त उपयोगी हो गई है। और वैद्य समाज के बड़े काम की पुस्तक है इस लिये हर एक आयुर्वेद प्रेमी से हमारा सप्रेम अनुरोध है कि इसे एक बार अवश्य पढ़ें पुस्तक गलेज कागज पर छपी है। पक्की कपड़े की जिल्द सहित ३०० पृष्ठ की पुस्तक का दाम केवल ३) रक्खा है जो कि मूल संस्करण से बहुत कम है।

१८ सचित्र रसेन्द्रसारसंग्रह ।

श्रीगोपालकृष्ण भट्ट कृत तथा लाहौर के सुप्रसिद्ध कविराज श्रीनरेन्द्रनाथ जी मित्र द्वारा संशोधित और सोलन के प्रसिद्ध कविराज श्रीविद्याधर जी विद्यालङ्कार कृत सरल भाषा टीका सहित । द्वितीयावृत्ति ।

रसेन्द्रसारसंग्रह इतना प्रसिद्ध ग्रन्थ है कि यह हर एक आयुर्वेदिक पाठशाला में पढ़ाया जाता है। जिस किसी को आयुर्वेद का अध्ययन करना होता है उसे इस पुस्तक को अवश्य एक बार पढ़ना पड़ता है परन्तु यह पुस्तक संस्कृत में होने के कारण विद्यार्थियों को तथा सर्व साधारण को बड़ी कठिनाई थी जो एक आध भाषा टीका छपी थी वह भी अशुद्ध तथा अर्थ में अनर्थ करने वाली था इसी त्रुटि को देख कविराज श्रीविद्याधर जी विद्यालङ्कार ने इस की सरल भाषा टीका कर दी है ताकि सर्व साधारण भी इस को आसानी से समझ सकें इस पर भी लाहौर के सुप्रसिद्ध सिद्धस्त कविराज श्री नरेन्द्रनाथ जी मित्र ने इस का संशोधन किया है और मात्रार्थ आज कल के समयानुसार कर दी हैं। ऊपर मूल श्लोक और नीचे भाषा टीका दी है। हर

एक योग को पृथक् २ छपा है। साथ में सब प्रकार के यन्त्रों के चित्र भी तथा हिन्दी में उसके बनाने के तरीके भी दिये हैं। हर एक प्रकार से पुस्तक को सम्पूर्ण और अत्युत्तम बनाया गया है। द्वितीयावृत्ति परिवर्द्धित तथा बढ़िया गलेज कागज पर छपी है और दाम वही पुराना ४) रखा है।

१६ गुणों का खजाना।

सरल भाषा।

स्व० स्वामी परमानन्द जी उदासी ने सरल भाषा में गृहस्थों के उपकारार्थ बनाया है। यह पुस्तक पांच भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में यूनानी तरीके से शरीर उत्पत्ति और शारीरिक रोगों की औषधियाँ का निरूपण है और अनेकों रोगों पर चलने वाली अजमाई हुई दवाइयों का निरूपण है। दूसरे अध्याय में धातुओं के शोधन मारने और उत्पत्ति तथा परीक्षाओं का निरूपण है। तीसरे अध्याय में २४१ गुण दिये हैं जिन को बना कर पुरुष हजारों रुपये कमा सकता है। चौथे में १११ वस्तुओं के गुणों का निरूपण है। पांचवें में १४६ गुण। कुल मिलाकर ६७४ गुण इस में दर्ज हैं सब प्रकार के तेल, साबुन, स्याही, शरबत, अर्क आदि बनाने के तरीके इस में लिखे हैं। ४०० पृष्ठ की पुस्तक का दाम केवल २) रु० है।

२० स्वस्थवृत्त।

(चरकसंहितान्तर्गत) मनुष्य को कैसे स्वस्थ रहना चाहिये इसी का इस में वर्णन है। सरल भाषाटीका सहित। पुस्तक हर एक मनुष्य के लिये अत्यन्त उपयोगी है मूल्य ॥) आ०।

२१ रसेन्द्रचूडामणि।

श्री सोमदेव विरचित—बहुत प्राचीन तथा रस विषय का अत्यन्त उपयोगी ग्रन्थ है। प्रथम बार ही छपा है सटिप्पण मूल्य २) रु०

२२ बार्हस्पत्य अर्थशास्त्र।

का सरल हिन्दी अनुवाद हिन्दी के सुप्रसिद्ध लेखक ला० कन्नोमल्ल एम० ए० जज कृत। यह अर्थशास्त्र विषयक भारत का सब से पुराना अर्थात् कौटिल्य अर्थशास्त्र से भी पुराना ग्रन्थ है।

इस में मूलसूत्र हिन्दी अनुवाद विस्तृत भूमिका, कई एक उपयोगी टिप्पणियाँ (जिस में प्राचीन समय के प्रचलित धर्मों, नगरों, पर्वतों, नदियों आदि का सविस्तर वर्णन है) तथा प्राचीन भूगोल सम्बन्धी दो चित्र भी दिये हैं । पुस्तक हर एक हिन्दी जाननेवाले का एक बार अवश्य पढ़नी चाहिये । बढ़िया जिल्द मूल्य १॥ ६० है ।

२३ कौटिल्य अर्थशास्त्र

का सरल हिन्दी अनुवाद, अनुवादक—हिन्दी संसार के परिचित प्रो० प्राणनाथ जी विद्यालङ्कार, बढ़िया कपड़े की जिल्द सहित मूल्य ४॥ ६०

हिन्दी की सुप्रसिद्ध मासिक पत्रिका 'सरस्वती' के सितम्बर के अंक में ला० कन्नोमल एम० ए० जज का एक महत्वपूर्ण लेख उपरोक्त पुस्तक के विषय में निकला है जिस में से कुछ अंश हम यहाँ उद्धृत करते हैं:—

कौटिल्य अर्थ—शास्त्र के रचयिता संसार प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ चाणक्य मुनि हैं जिन्होंने नन्दराजाओं का नाश कर चन्द्रगुप्त को राज्य पर बैठाया था । इस ग्रन्थ के लिखे जाने का समय आज से लगभग २३०० वर्ष पहले का है । इसलिये ग्रन्थ बहुत प्राचीन है । और उस समय की परिस्थिति बताने के लिये एक ही है । ऐतिहासिक दृष्टि से इसका महत्व बहुत है । उस समय जो पेश थे और जो अद्भुत, अनोखी और अमूल्य वस्तुएं भारतीय कला कौशल से बन सकती थीं उन सभी का हाल इस पुस्तक में है । राजनैतिक विधियों का तो यह भण्डार है । जो आविष्कार योरुप के महायुद्ध के समय हुए हैं उन में से बहुत ऐसे हैं जो कि प्राचीन भारत के लोगों को मालूम थे । उन सबका सविस्तर वर्णन इस पुस्तक में है ।

२४ कौटिल्य अर्थशास्त्र ।

जर्मनी के सुप्रसिद्ध विद्वान् डा० जौली तथा डा० शमिट्ट द्वारा मूल पाठ संशोधित तथा महामहोपाध्याय मध्वयज्व कृत नयचन्द्रिका नामक सारगर्भित प्राचीन संस्कृत व्याख्या सहित । उपरोक्त दोनों जर्मन विद्वानों ने साथ ही ४७ पृष्ठ की अंग्रेजी में विस्तृत भूमिका तथा अंग्रेजी में टिप्पणियाँ आदि भी दी हैं । पुस्तक का यह संस्करण अत्यन्त महत्व का है सम्पूर्ण दो भागों में मूल्य १०) ६० है । प्रथमावृत्ति प्रायः समाप्ति पर है ।

२५ बार्हस्पत्य अर्थशास्त्र ।

बृहस्पति विरचित—मूलसूत्र, इण्डिया आफिस के सुप्रसिद्ध विद्वान् डा० थामस कृत आंगल अनुवाद तथा पं० भगवद्त् बी. ए. कृत विस्तृत भूमिका सहित यह भारतीय अर्थशास्त्र का सब से प्राचीन ग्रन्थ है । मुख्य बड़िया सुनहरी जिल्द सहित २॥) ६० । प्रथमावृत्ति की केवल थोड़ी सी प्रतियां शेष हैं ।

२६ सदुक्तिकर्णामृत ।

श्रीधरदास प्रणीत तथा भारतवर्ष के सुप्रसिद्ध विद्वान् स्वर्गीय महामहोपाध्याय पं० रामावतार जी शर्मा एम. ए. द्वारा संशोधित । सुभाषित के ऊपर आजतक जितने ग्रन्थ प्रसिद्ध हुये हैं उनमें इस जोड़ का एक भी नहीं । यह ग्रन्थ प्रथम बार ही छपा है । संग्रह इतना सुन्दर है कि देखते ही बनता है । एक बार पुस्तक को प्रारम्भ कर छोड़ने को जी नहीं चाहता । पुस्तक बड़िया एरिडक पेपर पर छपी है । सुन्दर सुनहरी बड़िया जिल्द सहित मूल्य १०) ६० है । पुस्तक शीघ्र छप कर तैयार होगी ।

२७ काण्वशास्त्रीय शतपथ ब्राह्मण ।

हालेण्ड के प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् डा० कालन्द (Caland) द्वारा संपादित । डा० कलन्द कृत १२० पृष्ठ की इंगलिश में भूमिका भी साथ है—माध्यंदिन शाखा का शतपथ तो कई स्थानों पर छपा है लेकिन काण्व शाखा का यह प्रथम बार ही छपा है—हर एक वैदिक विद्वान् को अवश्य पढ़ना चाहिये—प्रथम भाग का मूल्य १०) ६० ।

२८ जैमिनीय गृह्यसूत्र ।

श्रीनिवास कृत विषमस्थल व्याख्या तथा उपरोक्त वैदिक विद्वान् डा. कलन्द कृत अंग्रेजी अनुवाद सहित पुस्तक बहुत बड़िया छपी है । मूल्य ६) ६० ।

२९ वंश ब्राह्मण ।

सायण भाष्य सहित मूल्य ॥) आ.

३० एकादशोपनिषद् सटीक ।

ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, तैत्तिरेय आठ उपनिषदों पर उदासीन वर्ग स्ना० अमरदास कृत मणिप्रभा नामक सरल संस्कृत व्याख्या तथा छान्दोग्य, बृहदारण्यक पर नित्यानन्दाश्रम विरचित मितान्तरा व्याख्या और कैवल्य पर शंकरानन्द विरचित दीपिका व्याख्या सहित । उपनिषदों जैसे गूढ़ ग्रन्थ को समझने के लिये स्ना० अमरदास जी की मणिप्रभा व्याख्या अत्यन्त सरल है इसीलिये इस पुस्तक का बड़ा आदर है—एक ही जिल्द में इकट्ठी ११ उपनिषदें सटीक इतनी सस्ती कहीं नहीं मिल सकती—पक्की कपड़े की जिल्द सहित मूल्य ६) ६० ।

३१ श्रीमद्भगवद्गीता ।

मूलमात्र साक्षिण गुटका—

नित्य पाठ करने वालों के लिये अत्यन्त उपयोगी है । गुटका साइज में बड़िया गलेज कागज पर मुम्बई निर्णयसागरी टाईप में छपी है । साथ में एक रंगीन चित्र है दानी महाशयों के लिये अत्यन्त उपयोगी मूल्य केवल १) है ।

३२ श्रीमद्भगवद्गीता ।

सम्पूर्ण मूलमात्र तावीजी गुटका । एक इंच भर लम्बाई चौड़ाई में । प्रायः लोग इसे तावीज में मढ़ाकर गले में डालते हैं जर्मनी से फोद से उतारी गई है । देखते ही मनुष्य मुग्ध हो जाते हैं । मूल्य १) २० प्रति पुस्तक ।

३३ श्रीमद्भगवद्गीता सटीक ।

बालबोधनी सरल संस्कृत टीका सहित । साधारण संस्कृत जानने वाला भी इस टीका को अच्छी तरह समझ सकता है । इससे सरल संस्कृत टीका गीता पर कोई नहीं होगी । पक्की कपड़े की जिल्द सहित । पुष्ट कागज । बड़िया छपाई । मूल्य २) २०

३४ वेदान्तस्यमन्तक ।

श्रीराधादामोदर विरचित मूलमात्र—ढाका यूनिवर्सिटी के श्रीउमेशचन्द्र भट्टाचार्य द्वारा संपादित । इंगलिश भूमिका आदि सहित मूल्य २॥) २०

३५ अथर्वणज्योतिष ।

पं० भगवदत्त बी. ए. द्वारा संपादित । यह अथर्ववेद का ज्योतिष है अत्यन्त प्राचीन मूल ग्रन्थ ॥) आ०

३६ बीजोपनय ।

भास्कराचार्य कृत खोपज्ञ विवरण सहित तथा तिथि निर्णय कारिका । पुस्तक प्रथमवार ही छपा है । मूल्य ॥) है ।

३७ पंचसिद्धान्तिका ।

श्रीवराहमिहिराचार्य कृत—महामहोपाध्याय सुवाकर द्विवेदी कृत संस्कृत व्याख्या तथा डा० Thibaut कृत अंग्रेजी अनुवाद सहित । पुस्तक कई वर्षों से अनुपलब्ध थी इसी लिये हमने इसे पुनः प्रकाशित किया है । बहुत बड़िया छपी है मूल्य १०) २०

३८ मनोहर काव्यमाला ।

सनातन धर्म कालिज लाहौर के संस्कृत प्रोफेसर बा० कैलाशनाथ जी एम० ए० द्वारा संपादित । इस में बड़े मनोहर और रोचक काव्यों का समावेश किया गया है । रामचनगमन, सीताहरण, सावित्रीसत्यवान्, हरिश्चन्द्रशैव्या दुष्यन्त-

शकुन्तला, श्रौपदीचरितहरण, यक्षमुषिष्ठिरसंवाद ये मुख्य विषय हैं। पुस्तक बहुत बढ़िया है पुस्तक प्रयाग तथा दिल्ली विश्वावद्यालय में नियत है। मूल्य २) ६०।

३६ काव्यसारसंग्रह

लाहौर ओरियंटल कालिज के प्रधान संस्कृत अध्यापक पं. माधव शास्त्रि भगवारी द्वारा संपादित। यह संग्रह भी अत्यन्त रोचक तथा विद्यार्थियों के अतीव उपयोगी है। इसमें मेघदूत, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, बुद्धचरित्र, श्रीकण्ठ-चरित्र, नवसाहसिकाक्षचरित्र तथा महाभारत आदि से संग्रह किया गया है। साथ में सरल संस्कृत व्याख्या है। पक्की कपड़े की जिल्द मूल्य ४) ६०।

४० गद्य रत्नावली।

डा० बनारसीदास जैन एम. ए., पी. एच. डी. व पं. जगदीश शास्त्रि व्याकरण तीर्थ द्वारा संपादित। संग्रह अत्यन्त उपयोगी है। संग्रह दशकुमारचरित्र, हर्षचरित्र, कादम्बरी और वासवदत्ता से किया गया है। पुस्तक सटीक है। गद्य काव्य का इतिहास भी दिया है पुस्तक विशारद में नियत है। मूल्य २॥) ६०।

४१ अभिधानरत्नमाला।

कवि हलायुध विरचित तथा संस्कृत अंग्रेजी डिक्शनरी सहित। यह पहले बिलायत में छपा था परन्तु वह कई वर्षों से दुष्प्राप्य है इसीलिये दुबारा हमने बिल्कुल बिलायत के ढंग पर छपा है बढ़िया सुनहरी जिल्द सहित मूल्य १०) ६।

४२ कुन्दमाला सटीक।

दिङ्नाग विरचित तथा पं. जयचन्द्रजी शास्त्रि एम. ए. कृत सरल संस्कृत व्याख्या सहित। टीका ऐसी सरल है कि साधारण संस्कृत पढ़ा लिखा भी इसे आसानी से समझ सकता है। विद्यार्थियों के अतीव उपयोगी है। ऐसी सरल टीका शायद ही कोई बनी है। पुस्तक २०० पृष्ठों में समाप्त हुई है। नाटक बड़ा रोचक है। मूल्य केवल १॥) है।

४३ दामकप्रहसन।

इस नाटक की रचना भास के सहश है। प्रथमवार ही छपा है। साथ ही अंग्रेजी में अनुवाद भी दिया है। महोपाध्याय वी० वेङ्कटराम शास्त्री द्वारा संपादित। मूल्य १॥) आ०।

४४ कन्याणसौगन्धिक।

इस नाटक की रचना भी भास के ही सहश है। महोपाध्याय वेङ्कट राम शास्त्री कृत संस्कृत व्याख्या तथा साथ में पंडित चक्रधर शास्त्रि कृत सरल हिन्दी अनुवाद भी दिया है। मूल्य भी १॥) रखा है।

४५ अभिषेक नाटक ।

भास कवि विरचित तथा महेपाध्याय वी. वैद्यटराम शर्मा कृत सरल संस्कृत टीका, अंग्रेजी टिप्पणी, अनुवाद तथा भूमिका सहित है । १॥ तथा मूल और सं. टीका सहित केवल १)

४६ नागानन्द नाटक ।

श्रीहर्ष प्रणीत—पं. सुन्दरदास शास्त्रि कृत अत्यन्त सरल खण्डान्वय, दयकान्वय सहित सरस्वतीदधिमयीनामक संस्कृत टीका सहित तृतीयावृत्ति मूल्य १)

४७ वाग्मटालंकार ।

पं. नृसिंह देव जी कृत सरल सं. टीका सहित छपता है ।

४८ वृत्तरत्नाकर ।

विदित हो कि पं. रामचंद्र जी कुशल शास्त्रि प्रो. ओरियण्टल कॉलेज लाहौर ने अति सरल विद्यार्थियों के अतीव उपयोगी व्याख्या बालबोधनी लिखी है । सब से सस्ता और बढ़िया संस्करण । मूल ॥१) विद्यार्थियों से ॥२) आ.

४९ कारिकावली ।

ख. पं. दुर्गादत्त जी शास्त्रि भूतपूर्व प्रो. ओरियण्टल कॉलेज लाहौर कृत अतिसरल प्रज्ञानोरमा व्याख्या सहित मूल्य ॥२) आ.

५० नीलमतपुराण ।

इसमें कश्मीर देश का अत्यन्त प्राचीन इतिहास है । कल्हण अपनी राजतरंगणी में इस पुस्तक का स्थल २ पर उल्लेख करता है इसी से पता चलता है कि यह ग्रन्थ कल्हण की राजतरंगणी से भी प्राचीन है । प्रथम बार हमने इसे छपाया है प्रो. कांजीलाल और पं. जगद्धर जाधो द्वारा संपादित मूल्य ५) ६० ।

५१ प्रतिमामानलक्षण ।

यह भी शिल्प विषय का प्राचीन ग्रन्थ है प्रथम बार छपा है । प्रोफेसर फर्ग्युसन जी ने इसका भी अनुवाद किया है । मूल श्लोक, उसका तिब्बती भाषा में अनुवाद तथा अंग्रेजी अनुवाद भी है । यह अपनी जोड़ का अद्भुत ग्रन्थ है । मूल्य ४) ६० ।

५२ शिल्प शास्त्र ।

यह प्राचीन ग्रन्थ है । शान्ति निकेतन के प्रोफेसर फर्ग्युसन जी ने इसे संपादित किया है तथा साथ में अंग्रेजी अनुवाद भी दिया है । शिल्प विषय का अद्भुत ग्रन्थ है प्रथम बार ही छपा है । मूल्य २॥)

५३ चर्यापिटक ।

बौद्ध पाली ग्रन्थ । यह सूत्र पिटक के छद्म निकाय का १५ वां ग्रन्थ है ।

दिनचर्या अथवा वरित्र विषय के ऊपर बहुत बढ़िया ग्रन्थ है । डा० विमला वरण लाहा द्वारा संपादित । मूल्य १)

५४ दाठावंसो ।

यह भी बौध पाली ग्रन्थ है इसमें बुद्ध भगवान् के दांतों का इतिहास है सिंहलद्वीप के इतिहास के लिये यह अत्यन्त उपयोगी ग्रन्थ है । श्लोक बड़े रोचक हैं । साथ में अंग्रेजी अनुवाद भी दिया है । उपरोक्त विद्वान् डा० विमला वरण लाहा ने ही इसका संपादन किया है । मूल्य ५) रु० ।

५५ आर्यविद्यासुधाकर ।

यज्ञेश्वर विमल भट्ट कृत और महाभट्टोपाध्याय पं० शिवदत्त जी कृत विशेष टिप्पणियों से युक्त । पुस्तक एक प्रकार का संस्कृत इतिहास है । वेद, धर्मशास्त्र दर्शन आदि का पूर्ण विवरण है । पुस्तक अत्यन्त शीघ्र समाप्त होगई है । नवीन प्रावृत्ति और विशेष टिप्पणियों सहित तैयार होरही है ।

५६ अभिधान चिन्तामणि कोश ।

श्रीयुत सुखानंद विरचित

अत्युत्तम संस्कृत कोष—४ बड़ी जिल्दों में संपूर्ण—दुष्प्राप्य—थोड़े सेट बाकी हैं । मूल्य संपूर्ण सेट का २५) रु० ।

५७ वैद्यकौस्तुभ ।

भिक्षुवरकवि श्रीमेवाराम मिश्र विरचितश्चित्रकाव्य एम. ए., डी. फिल इत्या-
द्युपाधियुक्त श्रीडाक्टर मङ्गलदेव शास्त्रि साहाय्येन आयुर्वेद विशारद वैद्य श्रीहरि-
नारायण शर्म्भणा टिप्पणया पाठान्तरैश्च संयोज्य संशोधितः ।

‘चिकित्साप्रवरेण श्रीमता कविना मेवाराममहाभागेन विरचितोऽयं वैद्यकौस्तु-
भाख्यो ग्रन्थश्चिकित्सापाठवं काव्यानन्दं च युगपदेव जनयन्नुरीलीनपरायां चेत-
श्चमत्करोति । भिषक्कविना लोलिम्बराजेन निर्मितं वैद्यजीवनमेषग्रन्थोभिधेयसंपदा
सर्वथातिशेते । अत्रहिततदामयघ्नाः सिद्धासिद्धाः प्रयोगाः संगृहीता निदर्शिताश्च
रसोपरसादीनां भस्मीकरणादिविधयो विशुद्धाः प्रायशः प्रात्ययिकाः— ।
मूल्य १॥) रु० ।

५८ शतचण्डीयज्ञविधानम् ।

श्रीमन्महाराजाधिराज नरेन्द्र-शिरोमणि बीकानेर महाराज ने इस पुस्तक को
देश के प्रकाण्ड विद्वानों से बनवा कर आस्तिक समाज के हितार्थ प्रकाशित कराया है ।
इस पुस्तक की काशी, कलकत्ता, देहली इत्यादि सभी प्रान्तों के माननीय विद्वज्ज-
नों ने प्रशंसा की है । इन विद्वानों की पुस्तक के सम्बन्ध में बहुमूल्य सम्मतियां
भी पुस्तक के साथ मुद्रित हैं । कर्म-कारण विषयक यह पुस्तक अपने ढंग की

अद्वितीय है। इसमें स्मार्त कर्म की पद्धतियाँ एवं उनका सप्रमाण विवेचन सरल संस्कृत में समझाया गया है। विशेष बात यह है कि इतने कठिन एवं गम्भीर विषयों का सप्रमाण विवेचन करते हुए भी पद्धति भाग ऐसा पृथक् स्थूल टाइप में मुद्रित किया गया है कि सर्व-साधारण कर्म-कारण भी केवल पद्धति मात्र बाँच कर सरल रीति से आनन्द पूर्वक सब काम करा सकते हैं। इस महाग्रन्थ से केवल शतचण्डी यज्ञ ही नहीं अपितु गृह प्रतिष्ठा, देव प्रतिष्ठा, विष्णुयाग, रुद्रयाग इत्यादि समस्त स्मार्त-कर्म भली प्रकार करा सकते हैं।

एक भाग तान्त्रिक भी प्रमाणों सहित मध्य में रखा गया है, जिसमें गोपनीय २ तान्त्रिक विषयों का भली भाँति स्पष्टीकरण किया गया है। इस प्रकार यह पुस्तक कर्म-कारण जगत् में अपने ढङ्ग की निराली है।

एक बार देखने से ही इसके आनन्द की प्राप्ति होगी। “गागर में सागर” की कहावत को इस पुस्तक में लेखकों ने चरितार्थ कर दिया है।

मूल्य सम्पूर्ण सजिन्द ६॥) रुपया।

ORIENTAL PUBLICATIONS OF THE PANJAB UNIVERSITY.

1. Introduction to Prakrit-by A. C. Woolner Esqr. M. A., C. I. E., Vice-chancellor. Punjab University. It is the only book in English for Mastering Prakrit 2nd. edition revised and enlarged. In this edition important contributions have been made to the history of Indo-Aryan languages. Also something has been said of Early Prakrit represented by Asoka's Inscriptions and lat: Prakrit resented by the Apabhramsa. Rs. 3-0-0

2. Nighantu and Nirukta-critical edition of the text with an appendix showing the relation of the Nirukta with other Sanskrit Works, by Dr. L. Sarup. Published at the Nirnaya Sagara Press. Cloth bound with gold letters 4-8-0

3. Fragments of the Comm.-of the Skandaswamin and Maheshwara on Nirukta with intro. and critical notes by Dr. L. Sarup. (1st. Chapter only) Vol. I Cloth bound with gold letters 2-4 0 Paper cover 1-4-0

4. Commentary-of Skandaswamin and Maheshwara on the Nirukta Vol. II (chapters II to VI), critically edited

for the first time from original Mss. by Dr. Lakshman Sarup M. A. Cloth bound with gold letters 1931 Rs. 5-0-0 Vol. III the last volume is in the Press.

5. Indices and Appendices to Nirukta—by Dr. Lakshman Sarup M. A., Every word is alphabetically arranged with its meaning in English. It is very useful to Vedic scholars. Cloth bound 1929. Rs. 6-0-0

6. Ardha Magadhi Reader—by Dr. B. Dass Jain M. A. This book as its name implies deals with Ardha Magadhi the sacred language of the Jain Agams. It contains Grammar of Ardha-Magadhi, History of Ardha-Magadhi literature together with an account of its present recensions, bibliography Mss. etc. extracts with English translation and index. Rs. 3-0-0

7. Atharva Pratishakhyam—or the Phonetic Grammatical Aphorisms of the Atharva Veda—critically edited for the first time from the Original Mss. with an intro. and appendices by Pt. Visva Bandhu Sastri M. A. Rs. 3-0-0

8. Zafar-nama-Ranjit Singh—of Diwan Amar Nath critical edition of the Persian text ed. by Prof. Sita Ram Kohli M. A. Lecturer, Govt. College Lahore Published for the first time. Every lover of Indian History ought to read this book once. True History of the reign of Maharajah Ranjit Singh. Rs. 5-0-0

9. Iqlid-Al-Khizana—or index of titles of works referred to or quoted by Abd-Al-Qadir Al Baghdadi in his Khizanat-Al-Adab ed. by A Maiman. Very useful to Arabic students. Cloth bound 1-12-0 Paper cover. 1-6-0

10. Muqbal's Hir—or the Most favourite Panjabi love poem in Urdu script edited by Prof. Banarsi Dass M. A.

The Educational System

OF THE ANCIENT HINDUS

BY

Prof. Santosh Kumar Das M. A.

Cloth bound big Size Rs. 8-0-0

'In this Monograph the author has shown that education

in Ancient India was not merely concerned with the instruction of the young; nor even with the formation of habit and development of will-power. It sought to build up the whole being of the individual and included the anxious care-taking of the babe, the efficient breeding of the child, the delicate training of adolescence and the gradual developing of the sense of values in the little thought of acts of daily life. His domestic and social duties were so arranged as to develop a life of constant social service and spiritual drill, to lead finally to a surrender of the realised self in communion, with the Divine. If education was conterminous, it was also co-extensive with life."

Sir Asutosh Mookerji Memorial Volume

Compiled by Prof. J. Sammaddar

It contains valuable articles from the pen of able scholars on the different topics cloth bound with Gold letters. 15-0-0

Paia-Sadda-Mahannavo

Or a comprehensive Prakrit-Hindi Dictionary with Sanskrit equivalents, quotations & complete references by Pt. Hargovind Das T. Shet Lecturer Calcutta University complete 1278 pages. Rs. 40-0-0

Vedanta Philosophy

BY

Sridhar Majumdar M. A.

With Original Sutras, their word for word meaning, explanatory quotations and an unbiased and thoughtful exposition in most clear and lucid English. Cloth bound. Rs. 5-0-0

ON THE INTERPRETATION OF SOME DOUBTFUL
WORDS IN THE ATHARVA VEDA

(being a thesis approved for the Degree of Doctor
of Philosophy in the University of London).

BY

Dr. Tarapada Chowdhury M. A., B. L. Ph D.

Price Rs. 3-0-0

Hindu History

B. C. 3000 to 1200 A. D.

BY

A. K. Majumdar.

Very interesting. Useful to the true lover of
Indian History.

2nd edition revised and enlarged Rs. 8 0-0

The Glories of Magadha

BY

Prof. J. N. Samaddar M. A.,

2nd edition revised and enlarged

With 27 plates. Price Rs. 8-0-0

**LITERARY HISTORY
OF**

Sanskrit Buddhism

(From Winternitz, Sylvain Levi, Huber)

BY

G. K. Nariman.

2nd edition Rs. 10-0-0

Hindu Law and Customs

By Dr. J. Jolly translated into English for the first time—
Very valuable book, brought upto date. Rs. 10-8 0

Epitome of Jainism

BY

P. C. Nahar Esq. M. A. B. L., & Vedantchintamani.

The work is a critical study of the metaphysics, ethics history etc., of Jainism in relation to Modern thought. It contains lucid and elaborate expositions of all that is worth-knowing in the Jain cult. Every one interested in Jain Philosophy, history and antiquity should possess a copy. The work contains several Appendices of valuable and useful informations with 10 plates.

Price Rs. 6-0-0

Jaina Inscriptions

Collected and arranged with valuable notes appendices by P. C. NAHAR M. A., B. L., It is a collection of nearly 3000 inscriptions with several plates in 3 big Vols. no such bigger collection of inscriptions is ever published. Students interested in Jain history ought to have a copy of this valuable collection. Price of 3 Vols. Rs. 21-0-0

Studies in the Vatsyayana's Kamasutra

OR

A SOCIAL LIFE IN ANCIENT INDIA

BY

Prof. H. C. Chakradhar M. A.

Price Rs 4-0-0

Laghusiddhanta Kaumudi

Part I comprising sections on Sanjnas, Sandhis, Krit affixes, case affixes and compounds edited with an original Sanskrit commentary and English translation, copious critical and

explanatory notes and appendices by Prof. V. V. Mirashi
M. A. Price Rs. 2-8-0

Harsha Charitasara

Or an abridgement of Bana's Harshacharitra text edited with an original Sanskrit commentary introduction and notes by prof. V. V. Mirashi M. A. with a map and extracts from the inscriptions of Harsha and his contemporaries. Very useful edition for students. Rs. 2-0-0

THE Aryanisation of India

BY

Dr. N. K. Dutt M. A. Ph. D.

"A most valuable contribution to sane scientific history".

Price Rs. 5-0-0

Origin and Growth

OF

CASTE IN INDIA

Vol. I (B. C 2000-300)

BY

Dr N. K. Dutt. M. A, Ph. D.

Price Rs 7-0-0

Abhidhana-Rajendra Kosh

OR

The Grand Jain Encyclopaedia

Compiled by His Holiness Jainacharya Sri Vijayrajendra Surishwarji. The only standard and reliable Magadhi (Prakrit)—Sanskrit Encyclopaedia. Treats of more than

60000 words, over an extent of 800000 verses Unique alike in Grandeur and Utility. In seven big Vols. containing about 10000 Royal Quarto pages. Price Rs. 250-0-0 net.

WORKS BY N. B. PAVGEE
Science and Research Works.
 IN ENGLISH

- | | |
|--|-----------|
| 1. The Vedic Fathers of Geology. | Rs. 2-8-0 |
| 2. The Āryāvartīc Home and its Arctic Colonies. | 3-8-0 |
| 3. Self-Government in India, Vedic and Post-Vedic. | 3-8-0 |
| 4. The Indigenous Soma and the Āryan Autochthones in India. | 0-8-0 |
| 5. Soma Juice is not Liquor. | 0-8-0 |
| 6. Political Genius of the Hindus. | 1-0-0 |
| 7. Our Tertiary Indo-Āryan Ancestors Not Nomads but Autochthonous Agriculturists In Āryavarta. | 0-10-0 |
| 8. Consideration of the International School of Vedic and Allied Research, formed in New York. | 1-0-0 |
| 9. Vedic India—not England—the mother of Parliaments. | 4-0-0 |
| 10. Our Hindu Navy and India's Maritime Activities from Vedic times, down to the Last Days of the Mahratta Empire. | 4-0-0 |
| 11. Maritime Activities of the Marāthas, & our Indian Nelson-viz. Kānhoji Āngre. | 2-0-0 |
| 12. Our Indian Napoleon-viz. Emperor Śimudra Gupta, of the Gupta Empire. | 2-0-0 |
-

Iconography
 OF
BUDDHIST AND BRAHMANICAL SCULPTURES
IN DACCA MUSEUM.
 BY

N. K. Bhattasali Esq. M. A.

With preface by Mr. H. E. STAPLETON M. A., & with 83 plates containing 10 collotype and 146 half-tone illustrations.

Price Rs. 25-0-0

"A really solid contribution not only to Bengal Art but to the study of Indian Iconography in general."

The Brahmin

BY

V. S. Ramanatha Sastri and Dhurta Swamin

With a Foreward by K. S. RAMASWAMI SASTRI.

Price Rs. 1-8-0

Koundinya Prahasna

(A Comic Play in Two Acts)

BY

V. Mahalinga Sastri B. A. B. L.

Price 8 ans.

Bhasa Katha Sara

Being a prose abridgement of the Trivandram Plays attributed to Bhasa by V. MAHALINGA SASTRI in 2 parts.

Price Rs. 1-0-0

MADRAS ORIENTAL SERIES.

2. Vinavasavadattam-An old Sanskrit Drama. 0-8-0

3. Tolkappiyam-The earliest extant Tamil Grammar with a short comm. in English by P. S. Subrahmanya Sastri M. A. Ph. D., Vol. I Price Rs. 1-0-0

BOOKS BY Dr. P. L. VAIDYA M. A.

1. Nyayavtlara-of Siddh Sen Divakar with notes of Devbhadra Suri and comm. of Shri Siddharshi Gani with an intro. and notes. Rs. 1-8-0

2. Paesikahanayam-or Portion of the Rayapasenia-Suttam for the Intermediate Arts examinations of Bombay University. Rs. 1-8-0

THE TEXT OF THE
Sakuntala

(A paper read at the First Oriental Conference Poona 1919)

BY

Prof. B. K. Thakore B. A., I. E. S.

Price Rs. 1-8-0

**Works by Rao Bahadur Dr. S. Krishna Swami
Aiyengar M. A.**

1. **Mani Mekhalai**-in its historical setting Rs. 5-0-0
 2. **Dravidian Architecture**-in English. Rs. 1-8-0
 3. **Beginnings of South Indian History.** 3-12-0
 4. **Little Known Chapter of Vijayanagar
History.** 0-12-0
 5. **South India and her Muhammeden In-
vaders.** 8-0-0
-

Bhakti Cult in Ancient India

BY

**M. M. Dr. Bhagabat Kumar Goswami Shastri
M. A. Ph. D.**

"A valuable contribution to the History of Indian Religious thought"

Rs. 8-0-0

Avestan Gathas

BY

Prof. M. Meillet.

Translated into English by PROF. PRIYARANJAN SEN
1930.

Asoka's Inscriptions

BY THE

late M. M. Pt. Ramavtar Sharma M. A.,
Text with English translation and intro Rs. 2-4-0

Development of Hindu Polity

And Political Theories Part I by N. C. BANDHYOPADH-
YAYA M. A., Lecturer Calcutta University. Rs. 8-8-0

DACCA UNIVERSITY ORIENTAL PUBLICATION
SERIES NO 1.

THE Kicaka-Vadha OF Nitivarman

WITH THE COMMENTARY OF JANĀRDANASENA

Edited from Original Manuscripts

With an Introduction, Notes and Extracts from the
Commentary of Sarvānandanaga

BY

Sushil Kumar De., M. A., D. Litt.,

Reader and Head of the Department of Sanskrit and
Bengali in the University of Dacca.

Sanskrit Text, Introduction and Notes in English
And 5 Facsimile Plates.

Price Rs. 4-0-0

.....I have now been able to read enough of the work to realise that it is in every way worthy of its editor, who is known to all Sanskrit scholars as one of our chief authorities on San-krit Poetics.

The Committee are to be congratulated on this the first number of their Oriental Publications Series.—Prof. E. J. Rapson, Cambridge.

.....The poem is one of great literary interest, and is edited with the scholarly skill which characterises the work of Dr. De. Dr. L. D. Barnett.

Asura India

BY

Dr. Ananta Prasad Banerji Sastri M. A. Ph. D.

It describes the ancient Indian historical tradition, the Asuras in Indo-Iranian literature, Asura expansion in India, Asura expansion by Sea, and Asura institutions. Rs. 5-0-0

Early Inscriptions of Bihar and Orissa

BY

Dr. Anantaprasad Banerji Sastri M. A.

Rs. 5-0-0

Vision of Vasavdatta (Svapnavasavdatta)

OF

Bhasa

With stanzas attributed to Bhasa in various anthologies and extracts bearing on the legend of Udayana from the Slokasangraha of Buddhasvamin, the Brahatkathamajari of Kshemendra, the Kathasaritsagara of Somadeva edited with an introduction, English translation, Exegetical, Critical, grammatical, mythological and historical notes by Dr. Lakshman Sarup M. A. Rs. 4-0-0

Kalyan Saugandhikam

OF

Kavi Nilkantha

Critically edited by Dr. Lakshman Sarup M. A. 0-8-0

Moliere

The famous French Dramatist in pure Hindi by Dr. L. SARUP M. A. with 5 illustrations. 2-8-0

Ambika Parinay Champu

Translated into Hindi

By M. M. Pt. GIRIDHAR SHARMA.

1-8-0

Natural Ready Remedies

Or

FIRST AID IN COMMON AILMENTS

By Dr. HARNAM DAS.

Price 0-10-0

A Peculiarity in the imagery IN Dr. RABINDRA NATH TAGORE'S Poems

BY

SARASI LAL SARKAR 1928

0-8-0

Awakening

OR

The Essence of the Determination of the
Universal Religion

(The English translation of the Yogacharyya Srimat Abadhuta Jnanananda Deva's Chaitanya Ba Sarvadharmānirṇaya'asara').

BY

Sri Swami Nityaswarupananda Abadhuta

1931

Rs. 1-8-0

**THE PHILOSOPHY OF
Union by Devotion**

OR

(English translation of Yogacharya Srimat Abadhut
Jnanananda Deva's Bhakti Yoga Darsan)

BY

Swami Nityapadananda Abadhut

1928

Price Rs. 1-8-0

**OUTLINE OF
Ancient Indian History
and Civilisation**

BY

Dr. R. C. Majumdar M. A. Ph. D.,

DACCA UNIVERSITY

"This is the first book of its kind and no one desirous of
having an accurate knowledge of Ancient India should be
without a copy."

Rs. 7-8-0

League of Nations

BY

Prof. Santosh Kumar Dass

Price Rs 2-0-0

**The Economic History of
Ancient India**

BY

Prof. Santosh Kumar Dass.

Price Rs. 3-0-0

Publications of the Karanja Jain Series
No. 1.

Jasahara Cariu
OR YASHODHARA CHARITA
OF PUSPADANTA

Critically edited with an introduction, Glossary and notes
by Dr. P. L. Vaidya M. A. D. Litt. Price Rs. 6-0-0

"Yashodhar Charita is very popular among the Jains.
Its special interest is not thus the narrative, but the language,
the Apabhramsa language of Maharastra of the 10th century"

D. A. V. COLLEGE SANSKRIT SERIES.

1. Atharva Veda Panchapatlika with Hindi 1-8 0
2. Lectures of Rigveda in Hindi by Pt. Bhagavad Datta 1-4 0
3. Jaiminiya Upanishad Brahman text. 2-8-0
4. Atharva Veda Dantyooshthavidhi text 0-8-0
5. „ Manduki Shiksha critical text 1-0-0
6. „ Brihatsarvanukramni „ „ 4-0-0
7. Valmiki Ramayan N. W. Recension—critical edition ed. by
Pt. Ram Labhaya Ayodhya Kand only. 7-8 0
8. Vedic Kosha—compiled by Pt. Hans Raj Vol. I 12-0-0
9. Kathak Grihya Sutra—edited with extracts from comm.
by Dr. Caland. 7-0-0
10. History of Vedic Literature in Hindi Part II by Pt.
Bhagavad Datt. 5-0-0
11. Valmiki Ramayan N. W. Recension Balkand. 5-0-0
12. History of Vedic Literature in Hindi by Pt. Bhagavad
Datta B. A. Part I 5-0-0

1. History of Sanskrit Literature (classical) in Hindi by
L. Veda Vyasa. 3-0-0
2. Greater India in Hindi by L. Veda Vyasa with illus. 3-0-0
3. Maharana Pratap by Prof. Sri Ram Sharma in English
with 13 illustrations & 2 maps. 2-0-0

GAEKWAD'S ORIENTAL SERIES.

1. *Kvyamnamusa*—a work on poetics, by Rajasekhra (880-920 A. D.) edited by C. D. Dalal and R. Ananta-krishna Sastri, 1916. Reissue, 1924. 2-4 0
4. *Parthaparakrama*—a drama describing Arjuna's recovery of the cows of King Virāta, by Prahādanadeva, the Paramāra king of Chandravati (a state in Mārwar), and a feudatory of the kings of Guzerat, who was a Yuvarāja 1220 or A. D. 1164 edited by C. D. Dalal, 1917. 0-6-0
5. *Rāstraughavamśa*—an historical poem (Mahākāvya) describing the History, of the Bāgulas of Mayūragiri, from Rāstraugha, king of Kanauj and the originator of the dynasty, to Nārāyana Shāh of Mayūragiri, by Rudra Kavi composed in Śaka 1518 or A. D. 1596 edited by Embar Krishnamacharya with introduction by C. D. Dalal, 1917. 1-12-0
6. *Lingānuśāsana*—on Grammar, by Vāmana, who lived between the last quarter of the 8th century and the first quarter of the 9th century edited by C. D. Dalal, 0-8 0
7. *Vasantavilāsa*—an historical poem (Mahākāvya) describing the life of Vastupāla and the history of Guzerat, by Bālachandrasūri (from Modheraka or Modhera in Kaḍi Prānt, Baroda State), contemporary of Vastupāla, composed after his death for his son in Samvat 1296 (A. D. 1240) edited by C. D. Dalal, 1917. 1-8-0
8. *Rūpakasatkam*—six dramas by Vatsarāja, minister of Paramardideva of Kalinjara, who lived between the 2nd half of the 12th and the 1st quarter of 13th century edited by C. D. Dalal, 1918. 2-4-0
9. *Mohaparājaya*—an allegorical drama describing the over-coming of King Moha (Temptation), or the conversion of Kumārāpāla the Chalukya King of Guzerat, to Jainism, by Yaśahpāla, an officer of King Ajayadeva, son of Kumārāpāla, who reigned from A. D. 1229 to 1232 edited by Muni Chaturvijayji with intro and appendices by C. D. Dalal, 1918. 2-0-0
0. *Hamuramadamardana*—a drama glorifying the two brothers, Vastupāla and Tejahpāla, and their King Virā-

- dhāvāla of Dholka, by Jayasimhasūri, pupil of Virasūri, and an Ācārya of the temple of Munisuvrata at Broach, composed between Samvat 1276 and 1286 or A. D. 1220 and 1239 edited by C. D. Dalal, 1920. 2-0-0
11. Udayasundarikathā—a romance (Campū, in prose and poetry) by Sodḍhala, a contemporary of and patronised by the three brothers, Chchittarāja, Nāgārjuna, and Munumuniraja, successive rulers of Konkan, composed and between A. D. 1026 and 1050 edited by C. D. Dalal and Pandit Embar Krishnamacharya, 1920. 2-4-0
12. Mahāvīdyāvidambana—a work on Nyāya Philosophy by Bhaṭṭa Vādīndra who lived about A. D. 1210 to 1214 edited by M. R. Telang, 1920. 2-8-0
13. Prācīnagurjarakāvysangraha—a collection of old Gujarati poems dating from 12th to 15th centuries A. D. edited by C. D. Dalal 1920. 2-4-0
14. Kumārāpālāpratibodha—a biographical work in Prakṛita, by Somaprabhāchārya, composed in Samvat 1241 or A. D. 1195 edited by Muni Jinavijayaji, 1920. 7-8-0
15. Gaṇakārikā—a work on Philosophy (Pāṣupata School) by Bhāsarvajña who lived in the 2nd half of the 10th century edited by C. D. Dalal, 1921. 1-4-0
16. Saṅgītamakaranda—a work on Music by Nārada edited by M. R. Telang, 1920. 2-0-0
17. Kavīndrāchārya List—list of Sanskrit works in the collection of Kavīndrācārya, a Benares Pandit (1656 A. D.) edited by R. Anantakrishna Shastri, with a foreword by Dr. Ganganatha Jha, 1921. 0-12-0
18. Vārāhagryhasūtra—Vedic ritual (domestic) of the Yajurveda edited by Dr R. Shamasastri, 1920. 0-10-0
19. Lekhapaddhati—a collection of models of state and private documents, dating from 8th to 15th centuries A. D. edited by C. D. Dalal and G. K. Shrigondekar, 1925. 2-0-0
20. Bhavisayattakahā or Pañcamīkahā—a romance in Apabhramśa language by Dhanapāla (circa 12th century) edited by C. D. Dalal and Dr. P. D. Gune, 1923. 6-0-0
21. A Descriptive Catalogue of the Palm-leaf and Important Paper Mss. in the Bhandars at Jessalmere, compiled by

- C. D. Dalal and edited by Pandit L. B. Gandhi, 1923. 3-4-0
22. Paraśurāmakalpasūtra—a work on Tantra, with commentary by Rāmeśvara edited by A. Mahadeva Sastry, B. A. 1923. Out of print.
23. Nityotsava—a supplement to the Paraśurāmakalpasūtra by Umānandanātha: edited by A. Mahadeva Sastry, B. A., 1923. Second revised edition by Swami Tirvikrama Tirtha, 1930. 5-0-0
24. Tantrarahasya—a work on the Prābhākara School of Pūrvamīmāṃsā by Rāmānujācārya edited by Dr. R. Shamasastri, 1923 1-8-0
- 25, 32. Samarāṅgaṇa—a work on architecture, town-planning, and engineering, by king Bhoja of Dhara (11th century) edited by Mahamahopadhyaya T. Ganapati Shastri, Ph. D., Illustrated. 2 vols. 1924-1925 10-0-0
- 26, 41. Sādhana-mālā—A Buddhist Tāntric text of rituals, dated 1165 A. D., consisting of 312 small works, composed by distinguished writers edited by Benoytosh Bhattacharya, M. A. Ph. D., Illustrated 2 Vols., 1925-28 14-0-0
26. A Descriptive Catalogue of Mss. in the Central Library, Baroda—Vol. 1 (Veda Vedālakṣaṇa, and Upaniṣads) compiled by G. K. Shrigondekar, M. A., and K. S. Ramaswāmi Shastri, with a Preface by B. Bhattacharya, Ph. D., 1925. 6-0-0
26. Mānasollāsa or Abhilasitārthacintāmaṇi—an encyclopaedic work treating of one hundred different topics connected with the Royal household and the Royal court by Someśvaradeva, a Chalukya king of the 12th century edited by G. K. Shrigondekar M. A., 3 Vols., Vol. I, 1925. 2-12-0
29. Nalavilāsa—a drama by Rāmachandrasūri, pupil of Hemachandrasūri, describing the Paurāṇika story of Nala and Damayanti edited by G. K. Shrigondekar, M. A., and L. B. Gandhi, 1926. 2-4-0
- 30, 31. Tattvasaṅgraha—a Buddhist philosophical work of the 8th century by Śāntaraksita, a Professor at Nālandā with Pañjikā (commentary) by his disciple Kamalaśīla, also a Professor at Nālandā edited by Pandit Embar Kri-

- shnamāchārya with a Foreword in English by B. Bhatta-
charya M A Ph., D., 2 vols., 1926. 24-0 0
- 33, 34. Mirat-i-Ahmadi—By Ali Muhammad Khan, the last
Moghul Dewan of Gujarat edited in the original Persian
by Syed Nawabali, M. A., Professor of Persian, Baroda
College, 2 Vols., illustrated, 1926-19-8. 19 8-0
35. Māṇv. grhyasūtra—a work on Vedic ritual (domestic)
of the Yajurveda with the Bhāṣya of Astāvakra edited
with an introduction in Sanskrit by Pandit Rāmakrishna
Harshaji Śāstri, with a Preface by Prof B. C. Lele. 5-0-0
36. Nāṭyaśāstra—of Bharata with the commentary of Abhi-
navagupta of Kashmir edited by M Ramakrishna Kavi,
M. A., 4 vols., vol. I. illustrated, 1926. 6-0-0
37. Apabhramśakāvyaṭrayī—consisting of three works, the
Carcari, Upadeśarasāyana, and Kālasvarūpakulaka, by
Jinadatta Sūri (12th century) with commentaries edited
with an elaborate introduction in Sanskrit by L. B.
Gandhi, 1927. 4 0-0
38. Nyāyapraveśa—Part I (Sanskrit Text) on Buddhist Logic
of Dinnāga, with commentaries of Haribhadra Sūri and
Pārśvadeva edited by Principal A. B. Dhruva, M.A., LL.
B., Pro-Vice-Chancellor, Hindu University, Benares 4-0-0
39. Nyāyapraveśa—Part II (Tibetan Text) edited with intro-
duction notes, appendices, etc., by Pandit Vidhushekhar
Bhattacharya, Principal, idyabhavna, Visvabharati,
1927. 1-8-0
40. Advayavajrasaṅgraha—consisting of twenty short works
on Buddhist philosophy by Advayavajra, a Buddhist
savant belonging to the 11th century A. D., edited by
Mahāmahopādhyāya Dr. Harprasad Sastri, M.A., C.I.E.,
Hon. D. Litt, 1927. 2-0-0
- 42, 60. Kalpadrukośa—standard work on Sanskrit Lexicography
by Keśava edited with an elaborate introduction and
indexes by Pandit Ramavatara Sarma, Sahityacharya,
M. A., of Patna and index by Pt. Sri Kanta complete in two
Volumes. 14-0-0
41. Mirat-i-Ahmadi Supplement—by Ali Muhammad Khan.
Translated into English from the original Persian by Mr.

- C. N. Seddon, I. C. S. (retired), and Prof. Syed Nawab Ali M. A. illustrated. Corrected reissue, 1928. 6-8 0
44. Two Vajrayāna Works—comprising Prajñopāyoviniśca-
yasiddhi of Anangavajra and Jñānasiddhi of Indrabhūti—
two important works belonging to the little known Tan-
tra school of Buddhism (8th century A. D.) edited by B.
Bhattacharya, Ph. D., 1929. 3-0-0
45. Bhāvaprakāśana—of Śāradātanaya, a comprehensive work
on Dramaturgy and Rasa, belonging to A. D. 1175 1250;
edited by His Holiness Yadugiri Yatiraja Swami, Melkot,
and K. S. Ramaswami Sastri, Oriental Institute, Baroda,
1929. 7-0-0
46. Ramacarita—of Abhinanda, Court poet of Hāravarṣa
(cir 9th century A. D.) edited by K. S. Ramaswami
Sastri, 1929. 7-8-0
47. Nañjarājayaśobhūṣaṇa—by Nreimhakavi alias Abhinava
Kālidāsa, a work on Sanskrit Poetics and relates to the glori-
fication of Nañjarāja, son of Virabhūpa of Mysore edited
by Pandit E. Krishnamacharya, 1930. 5-0-0
48. Nāṭyadarpana—on dramaturgy by Rāmcandra Sūri with
his own commentary edited by Pandit L. B. Gandhi and
G. K. Shrigondekar, M. A. 2 vols., vol. I, 1929. 4-8-0
49. Pre-Diñāga Buddhist Texts on Logic from Chinese Sour-
ces—containing the English translation of Śūtaśāstra of
Āryadeva, Tibetan text and English translation of Vig-
raha-vyāvartanī of Nāgārjuna and the re-translation into
Sanskrit from Chinese of Upāyahrdaya and Tarkaśāstra
edited by Prof. Giuseppe Tucci, 1930. 9-0-0
50. Mirat-i-Ahmadi Supplement—Persian text giving an
account of Guzerat by Ali Muhammad Khan edited by
Syed Nawab Ali, M. A., Principal, Bahauddin College,
Junagadh 1930. 6-0-0
51. Trisastīśalākāpuruṣacaritra—of Hemacandra, translated
into English with copious notes by Dr. Helen M. Johnson
of Pennsylvania University, U.S.A. Vol. I (Ādisvaracarit-
ra), illustrated, 1931. 15-0-0
52. Dandaviveka—a comprehensive Penal Code of the ancient
Hindus by Vardhamāna of the 15th century A. D. edited

- by Mahamahopadhyaya Kamala Kṛṣṇa Smṛtīrtha. 8-8-0
53. Tathāgataguhyaka or Guhyasamāja—the earliest and the most authoritative work of the Tantra School of the Buddhists edited by B. Bhattacharya, Ph. D. 4-4-0
54. Jayākhyasamhitā—an authoritative Pāñcarātra work of the 5th century A. D. highly respected by the South Indian Vaisnavas edited by Pandit E. Krishnamacharya of Vadtal, with one illustration in nine colours and a Foreword in English by B. Bhattacharya, Ph. D., 12-0-0
55. Kāvyaṅkārāsārasamgraha—of Udbhata with the commentary, probably the same as Udbhata viveka of Rājānaka Tilaka (11th century A. D.) edited by K. S. Ramaswami Sastri. 2 0-0
56. Pārānanda Sūtra—an ancient Tāntrik work of the Hindus in Sūtra form giving details of many practices and rites of a new School of Tantra edited by Swami Trivikrama Tirtha with a Foreword by B. Bhattacharya, Ph. D. 8-8-0
57. Ahsan-ut-Tawarikh—history of the Safvi Period of Persian History, 15th and 16th centuries, by Hasan-i-Rumlu edited by C. N. Seddon, I. C. S. (retired), Reader in Persian and Marathi, University of Oxford, 1931. 11-0-0
58. Padmānanda Mahākāvya—giving the life history of Rṣabhadeva, the first Tirthamkara of the Jainas, by Anarachandra Kavi of the 13th century edited by H. R. Kapadia, M. A. 14-0-0
59. Sabdaratnasamanvaya an interesting lexicon of the Nanartha class in Sanskrit compiled by the Maratha king Sahaji of Tanjore: ed. by Pt Vitthala Sastri with a forward by Dr. B. Bhattacharya. 'Shcr'
61. Śaktisaṅgama Tantra—a voluminous compendium of Hindu Tantra comprising 4 books on Kālī, Tārā, Suuc & Chhinamastā edited by B. Bhattacharya M. A. Ph. 4 Vol. I Kālīkhanda. Shor
-

